PRGI NO. RJHIN/26/A2336

सम्यक् करेंट अफेयर्स

मासिक पत्रिका

मई 2026

(ऊर्जा+रक्षा प्रौद्योगिकी विशेषांक)

▶ अंतरराष्ट्रीय ▶ राष्ट्रीय ▶ राजस्थान

वर्ष 01, अंक 01, मई 2026, मूल्य 100/- प्रति, वार्षिक शुल्क 1000/-, पृष्ठ संख्या 100

Samyak
An Institute For Civil Services

RAS MAINS में RANK नहीं आ रही ?

PROBLEM KNOWLEDGE नहीं - ANSWER WRITING है।

अब सीखो वो SKILL जो SELECTION दिलाती है

SELECTION CUM RANK IMPROVEMENT BATCH

ANSWER WRITTING

RAS MAINS QUESTION ANSWER FORMAT

FLAT 50% DISCOUNT
USE CODE SAMYAK50

WEEKEND BATCH
@3 PM to 7 PM

HINDI MEDIUM

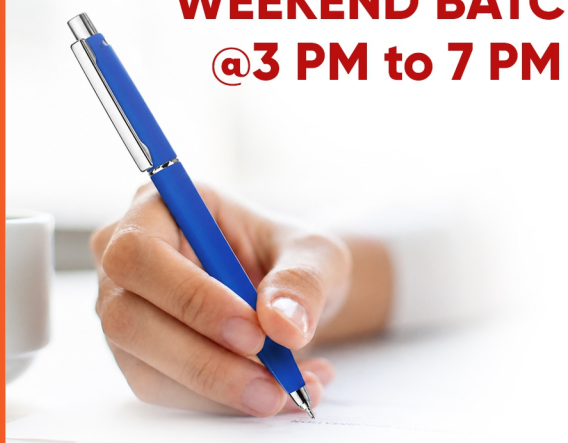

- Classes by Subject Experts
- Offline and Live from Classroom
- Personal Mentorship
- Topic-wise Questions
- 34 Paper Test Series
- Model Answers

*only for online courses

BUY NOW

DOWNLOAD THE APP NOW
Samyak
GET IT ON Google Play
Download on the App Store

For more information
9875170111

विस्तृत, गहन, विश्लेषणात्मक व परिणामोन्मुखी तैयारी हेतु प्रतिबद्ध संस्थान

Samyak

An Institute For Civil Services

सम्यक् मार्गदर्शन = सर्वश्रेष्ठ परिणाम

07 RANKS in TOP 10

55 RANKS in TOP 100

690+ SELECTION in RAS 2024

सेमिनार

07 जून (रविवार) @10 AM

RAS FOUNDATION

08 जून से बैच प्रारम्भ

SEPARATE BATCHES FOR **HINDI & ENGLISH MEDIUM**

OFFLINE & LIVE FROM CLASSROOM

ONLINE COURSE & TEST SERIES AVAILABLE ON APP

Samyak
An Institute For Civil Services

SCAN QR

NEAR RIDDHI - SIDDHI, JAIPUR 9875170111

-:: अनुक्रमणिका ::-

अध्याय	पृष्ठ संख्या
मासिक सारांश	5
राजस्थान परिदृश्य	9
राष्ट्रीय परिदृश्य	27
अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य	37
आर्थिक परिदृश्य	42
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	46
खेल	51
पुरस्कार एवं सम्मान	55
निर्वाचन एवं नियुक्ति	56
चर्चित व्यक्तित्व	58
सम्मेलन/बैठक/मेला/ महोत्सव/प्रदर्शनी	59
अभियान/युद्धाभ्यास	62
महत्वपूर्ण दिवस	63
विविध	63
ऊर्जा संसाधन - राजस्थान	64
भारतीय रक्षा प्रौद्योगिकी	79
राजस्थान के प्रमुख दुर्ग	86
राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ	93
करेंट अफेयर्स- मई 2026 अंक वस्तुनिष्ठ टेस्ट	94

स्वत्वाधिकारी सम्यक एड्यूटेक,

प्रकाशक एवं सम्पादक वैष्णवी भारद्वाज द्वारा SP-21, गंगाराम नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर (राजस्थान)-302018 से प्रकाशित एवं महारानी प्रिन्टर्स, प्लॉट नं. 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर, राजस्थान-302012 से मुद्रित।

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर शहर, राजस्थान होगा।)

Gmail id - currentaffairs@samyakias.com

मो. 9460480423 | इस अंक का मूल्य : 100 | वार्षिक सदस्यता शुल्क : 1000

इस अंक मे प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए संपादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है। इस पत्रिका मे प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापति किए गए हैं। यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया है तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक, उससे किसी व्यक्ति विशेष को पहुंची क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं हैं।

संपादकीय

!! माँ शारदे के चरणों मे सादर नमन !!

"एक समुद्री जहाज किनारे पर सबसे सुरक्षित होता, लेकिन वह इसके लिए नहीं बना है।"

यह उक्ति भारतीय प्रशासनिक सेवा प्रतियोगी परीक्षा वर्ष-2022 में आया हुआ एक निबंध का विषय ही नहीं बल्कि व्यक्ति के अस्तित्व और निर्माण के उद्देश्य और सार्थकता की ओर गंभीरता से ध्यान देने हेतु एक महत्वपूर्ण संदेश है। कथन का भावार्थ यह है कि समुद्री जहाज समुद्र के किनारे पर सुरक्षित तो हो सकता है, लेकिन उसका अस्तित्व और निर्माण व्यर्थ हो जाएगा और वह अपनी सार्थकता खो देगा। जहाज का निर्माण सामान और व्यक्तियों को एक किनारे से गंतव्य तक पहुँचाने के लिए हुआ है, जहाज की सार्थकता तभी है जब वह सुरक्षित किनारा छोडे, समुद्र की गहराई में उतरे, रास्ते की चुनौतियों यथा आंधी, तूफान, बर्फवारी, समुद्री जीव जंतु और चट्टान आदि का सामना करते हुए गंतव्य तक पहुंचे।

इसी प्रकार मनुष्य का जीवन सुरक्षित दायरे में रहकर सीमित रहने के लिए नहीं है। मनुष्य को इस उक्ति से प्रेरणा लेकर सोचना चाहिए कि कम्फर्ट और सेफ जोन में रहते हुए वह सुरक्षित तो है लेकिन वह प्रगति नहीं कर पायेगा और उसका जीवन व्यर्थ हो जाएगा। इतिहास गवाह है जिन व्यक्तियों ने अपने सुरक्षित वातावरण से बाहर निकलकर चुनौतियों का सामना किया वही महान व्यक्ति बने।

व्यक्तियों को चाहिए कि वह भी अपने कम्फर्ट जोन को छोडकर रणभूमि में आगे बढ़ें जोखिम उठाएँ और अवसरों को अपने पक्ष में क्रियान्वित करें और अपने उद्देश्य की प्राप्ति कर अपने अस्तित्व की सार्थकता सिद्ध करें।

यह उक्ति युवाओं के लिए भी प्रेरणा देती है जैसे जहाज जब समुद्र में उतरता है तो सर्वप्रथम गंतव्य (लक्ष्य) निर्धारित करता है और गंतव्य में आने वाली चुनौतियों तथा आवश्यक संसाधनों का प्रबंधन करता है।

उसी प्रकार युवाओं को असफलता से डरे बिना अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए अपने कम्फर्ट जोन को छोडना चाहिए। यह दुनिया अनंत संभावनाओं और अनंत अवसरों से भरी हुई है, जरूरत है बस संकल्प के साथ आगे बढने की। इन अवसरों का रुख अपने पक्ष में करने के लिए लिए लक्ष्य निर्धारित कर तैयारी आरंभ कर देनी चाहिए।

इस यात्रा में अनेक समस्याएँ एवं चुनौतियाँ आएँगी इनका सामना करते हुए ही आगे बढ़ना है। कहीं आवश्यक लगे तो धैर्य के साथ प्रतीक्षा भी करनी है और रास्ता सहज लगे तो समय का सदुपयोग करते हुए तेज दौड़ भी लगानी है। इस यात्रा के लिए आवश्यक संसाधनों का प्रबंधन ध्यान में रखना आवश्यक है। कठिन चुनौतियों से घबराएँ नहीं, अवसरों का लाभ उठाएं और अपने स्वप्न को साकार करें। असाधारण उपलब्धियाँ जोखिम भरे रास्तों से ही प्राप्त होती है।

अंत में श्री रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित 'कुरुक्षेत्र' से भीष्म पितामह द्वारा युधिष्ठिर से कहा गया व्यक्तव्य उद्धृत किया जाना प्रासंगिक लगता है :-

"जीवन उनका नहीं युधिष्ठिर जो इससे डरते हैं। यह उनका है जो चरण रोप निर्भय होकर लड़ते हैं।"

संपादक

मासिक सारांश

रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट (RELOS) कौन कौनसे देशों के मध्य लागू हुआ है?	भारत और रूस
टाइम मैगजीन के दुनिया के 100 प्रभावशाली लोगों की सूची में भारतीय मूल के कौन कौनसे व्यक्तित्व को जगह मिली है?	सुंदर पिचाई, रणबीर कपूर और विकास खन्ना
विश्व के कौनसे एयरपोर्ट को 14वीं बार दुनिया का सबसे बेहतरीन एयरपोर्ट घोषित किया गया है?	सिंगापुर का चांगी एयरपोर्ट
ग्लेशियर क्षेत्रों में खनन करने के लिए लाये कौनसे देश ने विधेयक को मंजूरी दी है?	अर्जेंटीना
अमेरिका नेतृत्व वाले पैक्स सिलिका समूह का 13वां सदस्य कौनसा देश बना है?	फिलीपींस
अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार वर्ष 2026 में दुनिया में दुर्लभ खनिज के सबसे बड़े भंडार किस देश के पास है?	चीन (वैश्विक हिस्सेदारी का 48.9%)
कौनसे देश ने तंबाकू और वेप्स बिल को मंज़ूरी दी है जिसके बाद 1 जनवरी, 2009 या उसके बाद पैदा हुए लोग अब कभी भी तंबाकू उत्पाद नहीं खरीद पाएंगे?	ब्रिटेन
कौनसे विभाग या संस्थान ने आरोग्य वन परियोजना को मंजूरी प्रदान की है?	राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय)
From Borrowers to Builders: Women and India's Evolving Credit Market नामक रिपोर्ट किसके द्वारा जारी की गयी है?	नीति आयोग
कौनसी संस्थान की क्लिनिकल प्रयोगशाला को जैव रसायन और रुधिर विज्ञान दोनों के लिए आईएसओ 15189:2022 मान्यता प्रदान की है?	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु
कौनसा रेलवे डिपो भारत का पहला पूर्णत: 'वॉटर न्यूट्रल' रेलवे डिपो बना है।?	कंकरिया कोचिंग डिपो (अहमदाबाद)
देश की पहली उन्नत 3D सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई का शिलान्यास कहा पर किया गया है?	इन्फो वैली, भुवनेश्वर (ओडिशा)
हाल ही में वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त कार्यालय और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान ने किस नाम से भारतीय पारंपरिक हथकरघा और आधुनिक डिजाइन का कलेक्शन जारी किया है?	विश्व सूत्र
भारत की पहली पॉड टैक्सी परियोजना का उदघाटन कहा किया गया है?	मुंबई
हाल ही में शेखा झील पक्षी अभयारण्य को रामसर स्थल का दर्जा प्रदान किया गया है, यह कहाँ अवस्थित है?	अलीगढ़ (उत्तरप्रदेश) में
भारत कौनसे शहर को 20 सिटीज़ टुवर्ड्स ज़ीरो वेस्ट पहल के प्रथम संस्करण में शामिल किया गया है?	वर्कला शहर (केरला)
देश में पहली पेट्रोग्लिफ संरक्षण पार्क कहाँ बनेगा?	लद्दाख
देश का पहला निजी क्षेत्र का न्यूक्लियर पावर कहा स्थापित होगा?	सिरमौर, रीवा (मध्यप्रदेश)
भारत के किस हवाई अड्डे पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को पूरी तरह कॉन्टेक्टलेस यात्रा (बायोमेट्रिक वेरिफि_केशन) की सुविधा प्रदान की गयी है?	कैम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई, हवाई अड्डा
भारत सरकार ने कितनी राशि के स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 की अधिसूचना जारी की है	₹10,000 करोड़
भारत की पहली कोयला गैसीकरण परियोजना कहा प्रस्तावित है?	लखनपुर (ओडिशा)
केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) की स्थापना किस तिथि को की है?	1 अप्रैल, 2026
आईएमएफ के अनुसार वैश्विक अर्थव्यवस्था रैंकिंग में भारत कौनसे स्थान पर है?	छठवें
वित्तीय वर्ष 2025 26 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार देश कौनसा है?	चीन (151.1 अरब डॉलर)

■ भारत की अरिहंत श्रेणी की तीसरी परमाणु संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी कौनसी है, जिसे हाल ही में लाँच किया गया है?	आइएनएस अरिदमन
■ देश का पहला इंट्रा सिटी ड्रोन डिलीवरी ट्रायल पूरा किया किसने पूरा किया है?	फेडेक्स और आईआईटी मद्रास ने
■ आर्टेमिस 2 मिशन में कौनसे अंतरिक्ष यान का उपयोग किया गया था?	ओरियन अंतरिक्ष यान
■ इसरो ने मित्रा मिशन का संचालन कहा पर किया है?	लेह, लद्दाख
■ राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण ने कौनसे दो संस्थानों को नये निर्दिष्ट भंडारों के रूप में अधिसूचित किया है?	रेफरल केन्द्र भवसागर, कोच्चि तथा सूक्ष्मजीव संग्रह व राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे
■ भारत के औषधि महानियंत्रक के अधीन विषय विशेषज्ञ समिति ने कौनसे डेंगू वैक्सीन को स्वीकृति प्रदान की है?	'क्यूडेंगा' (TAK-003)
■ कलपक्कम में स्थित 500 मेगावाट के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने प्रथम बार क्रिटिकैलिटी अवस्था कब प्राप्त किया?	6 अप्रैल, 2026 को
■ टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच की एक पारी में नौ विकेट लेने वाली दुनिया की पहली गेंदबाज कौन है?	लॉरा कारडोसो (ब्राजील)
■ महिला टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली खिलाड़ी कौन है?	फैनी उतागुशिमानिंदे
■ आईएसएसएफ विश्व कप 2026 में कौनसे भारतीय निशानेबाजों ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में 487.7 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता है?	पलक गुलिया और मुकेश नेलावल्ली ने
■ बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 में किस भारतीय ने पुरुष एकल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इतिहास रचा है?	आयुष शेट्टी
■ खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (KITG) 2026 के प्रथम संस्करण का आयोजन कहा हुआ है?	छत्तीसगढ़ में
■ विश्व वॉलीबॉल महासंघ ने कानूनी और प्रशासनिक मानकों के उल्लंघन का हवाला देते हुए किस देश के वॉलीबॉल महासंघ की मान्यता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी?–	भारत
■ हाल ही में किसे एम.एस. स्वामीनाथन पुरस्कार 2024 25 से सम्मानित किया गया है?	डॉ. सी. एच. श्रीनिवास राव
■ विजडन क्रिकेटर्स अल्मनैक पुरस्कार 2026 में लीडिंग वीमेन क्रिकेटर इन द वर्ल्ड किसे चुना गया है?	दीप्ति शर्मा (भारत)
■ विश्व तीरंदाजी ने वर्ष 2025 का सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज किसको चुना है?	शीतल देवी
■ हाल ही में किसको बांग्लादेश में भारत का नया हाई कमिश्नर नियुक्त किया गया है?–	दिनेश त्रिवेदी
■ हाल ही में किसको तीसरी बार राज्यसभा का उपसभापति चुना गया है?	हरिवंश नारायण सिंह
■ ऑस्ट्रेलिया में सेना प्रमुख के पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला प्रमुख कौन है?	सुसान कॉयल
■ गृह मंत्रालय ने किसको 'जनगणना 2027' का ब्रांड एंबेसडर बनाया है?	सुदर्शन पटनायक
■ विश्व सीमा सुरक्षा कांग्रेस 2026 का आयोजन कब और कहा किया गया?	14-16 अप्रैल, 2026 को वियना, ऑस्ट्रिया में
■ विकसित खेती समृद्ध किसान के संकल्प को लागू करने के लक्ष्य से उन्नत कृषि महोत्सव कहा आयोजित हुआ?	रायसेन (मध्य प्रदेश)
■ हाल ही में भारतीय सेना द्वारा पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में 9 अप्रैल, 2026 को किस युद्धाभ्यास के तहत अपनी आधुनिक सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया गया?	ब्रह्मास्त्र युद्धाभ्यास
■ 22 अप्रैल को आयोजित विश्व पृथ्वी दिवस 2026 का विषय क्या था?	"हमारी शक्ति, हमारा ग्रह"

■ हाल ही में 'यशोदा और कृष्ण' पेंटिंग ने भारतीय कला की अब तक की सबसे महंगी कृति होने का रिकार्ड बनाया है, इसके चित्रकार कौन थे?	राजा रवि वर्मा
■ रीको ने कहा पर स्थित रीको लेदर कॉम्प्लेक्स को सामान्य औद्योगिक क्षेत्र का दर्जा प्रदान किया है?	मानपुरा माचैड़ी (चंदवाजी)
■ ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मोटर व्हीकल्स डिपार्टमेंट टेक्निकल ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा किसे नेशनल रोड सेफ्टी एक्सीलेंस अवार्ड 2026" से सम्मानित किया गया है?	दिनेश सिंह
■ विश्व बैंक ने राजस्थान में बेहतर सड़क कनेक्टिविटी के लिए कितनी राशि के ऋण की परियोजना को मंजूरी दी है?	225 मिलियन डॉलर
■ वर्क से वेलनेस तक पहल किस संस्थान की पहल है?	रीको
■ वन्य प्राणी मित्र पुरस्कार 2026 किसे प्रदान किया गया है?	दर्शन कुमार मेनारिया को
■ ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) 2026 का आयोजन कब किया जायेगा?	23 से 25 मई,2026
■ राजस्थान में विधायक विधि खर्च में हो रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली खोजी रिपोर्ट के लिए प्रतिष्ठित 'दानिश सिद्दीकी जर्नलिज्म अवॉर्ड 2026' से किसको सम्मानित किया गया है?	अवधेश आकोदिया
■ अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से किस व्यक्ति को 'राजस्थान समरसता गौरव अवॉर्ड' से नवाजा गया है?	डॉ. राजेश जैन काला
■ राज्य सरकार ने किस गाँव को पूर्ण जैविक ग्राम बनाने के लिए राज्य सरकार ने सहमती प्रकट की है?	सहजसर गाँव
■ हाल ही में नीति आयोग का उपाध्यक्ष किसे नियुक्त किया गया है?	अशोक कुमार लाहिड़ी
■ हाल ही में अमरीका के यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के 'इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम' में किस व्यक्तित्व को शामिल किया गया है?	भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी

Samyak
An Institute For Civil Services

निबन्ध प्रतियोगिता

निबन्ध का विषय-

1. "भारतीय शासन प्रणाली में महिला प्रतिनिधित्व- विविध आयाम व चुनौतियाँ"
2. "राजस्थान में इको-टूरिज्म:- सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और आर्थिक उत्थान का सेतु।"

निबन्ध प्रतियोगिता के लिए आवश्यक शर्तें और निर्देश-

- निबन्ध लेखन पूरी तरह मौलिक होना चाहिए, नकल या एआई द्वारा जनरेटेड सामग्री मान्य नहीं होगी।
- निर्धारित शब्द सीमा का पालन करें- 600 शब्द (लगभग)
- निबन्ध में व्याकरण, वर्तनी और विराम चिह्नों की शुद्धता पर ध्यान रखें।
- निबन्ध में केवल प्रमाणित और सटीक आंकड़ों या ऐतिहासिक तथ्यों का ही उपयोग करें।
- निबन्ध को निर्धारित अंतिम तिथि और समय से पहले ही जमा करें। (31 मई, 2026)
- निबन्ध केवल निम्न माध्यम से प्रेषित किये जा सकते हैं-

  - samyakcurrentaffairs@samyakias.com

  Samyak - An Institute for Civil Services,
  Near Riddhi-Siddhi, Jaipur

- निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट साइज का फोटो, आधिकारिक नाम और पता अवश्य भेजें।

पुरस्कार-

- प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पाने वाले प्रतिभागियों के फोटो को अगले माह की समसमायिकी पत्रिका में स्थान दिया जायेगा और संबंधित माह का अंक उनके निर्धारित पते पर भेजा जायेगा।

1 राजस्थान परिदृश्य

स्पीकर श्री देवनानी ने सोलहवीं राजस्थान विधान सभा में वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न समितियों का किया गठन-

- राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने वर्ष 2026-27 के लिए विधान सभा की विभिन्न समितियों में सदस्यों एवं सभापतियों का मनोनयन किया है।

समिति	अध्यक्ष
जनलेखा समिति	श्री टीकाराम जूली
प्राक्कलन समिति 'क'	श्री संदीप शर्मा
प्राक्कलन समिति 'ख'	श्री बाबूसिंह राठौड़
राजकीय उपक्रम समिति	श्री कालीचरण सराफ
नियम समिति	श्री वासुदेव देवनानी
प्रश्न एवं संदर्भ समिति	श्री राजेन्द्र पारीक
महिलाओं एवं बालकों के कल्याण संबंधी समिति	श्रीमती कल्पना देवी
पिछड़े वर्ग के कल्याण संबंधी समिति	श्री नरेन्द्र बुडानियां
अनुसूचित जाति कल्याण समिति	श्री रमेश खींची
अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति	श्री फूल सिंह मीणा
पुस्तकालय एवं सरकारी आश्वासनों संबंधी समिति	श्री हरिसिंह रावत
याचिका एवं सदाचार समिति	श्री कैलाश चन्द वर्मा
विशेषाधिकार एवं अधीनस्थ विधान संबंधी समिति	श्री जितेन्द्र कुमार गोठवाल
अल्पसंख्यकों के कल्याण एवं पर्यावरण संबंधी समिति	श्री केसाराम चौधरी
सामान्य प्रयोजनों संबंधी समिति	श्री वासुदेव देवनानी
गृह तथा स्थानीय निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं संबंधी समिति	डॉ. जसवंत सिंह यादव

रीको लेदर कॉम्प्लेक्स बनेगा इंडस्ट्रियल हब-

- हाल ही में रीको ने मानपुरा माचेड़ी (चंदवाजी) में स्थित रीको लेदर कॉम्प्लेक्स को सामान्य औद्योगिक क्षेत्र का दर्जा प्रदान किया है।
- अब इस औद्योगिक क्षेत्र में ए और बी श्रेणी के सभी प्रकार के उद्योग स्थापित किए जा सकेंगे।

रीको लेदर कॉम्प्लेक्स-

- यह कॉम्प्लेक्स वर्ष 1996 में स्थापित हुआ था।
- यह कॉम्प्लेक्स राज्य का पहला लेदर उद्योग केंद्र था, जिसे कानपुर मॉडल के आधार पर विकसित किया गया था।

सावित्री बाई फुले ई-लाइब्रेरी-

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती (11 अप्रैल) के अवसर पर प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में एक उच्च माध्यमिक विद्यालय में 'सावित्री बाई फुले ई-लाइब्रेरी' की स्थापना की घोषणा की है।
- इस ई-लाइब्रेरी द्वारा विद्यार्थियों एवं युवाओं की शिक्षा के साथ विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा उपलब्ध कराई जायेंगी।
- ई-लाइब्रेरी के अलावा मुख्यमंत्री ने समस्त जिलों में 'महात्मा ज्योतिबा फुले आदर्श विद्यालय' स्थापित करने की भी घोषणा की है।

दिनेश सिंह "नेशनल रोड सेफ्टी एक्सीलेंस अवार्ड 2026" से सम्मानित

- ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मोटर व्हीकल्स डिपार्टमेंट टेक्निकल ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा 10 अप्रैल को बैंगलोर (कर्नाटक) में आयोजित "एक्सीलेंस अवार्ड 2026" कार्यक्रम में राजस्थान पुलिस में पदस्थापित इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को "नेशनल रोड सेफ्टी एक्सीलेंस अवार्ड 2026" से सम्मानित किया है।
- यह सम्मान उन्हें सड़क सुरक्षा जागरूकता के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, समर्पण, प्रभावी पहलों तथा दुर्घटना नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रदान किया गया।

पोषण पखवाड़ा जिला स्तरीय कार्यक्रम-

- 11 अप्रैल, 2026 को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण पखवाड़ा जिला स्तरीय कार्यक्रम मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।
- पोषण पखवाड़ा **9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026** तक पूरे देश में मनाया गया।

घोषणा:-

- महिला स्वयं सहायता समूह के आजीविका संवर्द्धन की दृष्टि से लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से 11 हजार अमृत पोषण वाटिकाओं का निर्माण करवाया जाएगा।
- बजट घोषणा के अनुरूप 'राजस्थान स्टेट अर्ली चाइल्डहुड केयर डेवलपमेंट एंड एजुकेशन पॉलिसी' लाई जाएगी।
- मुख्यमंत्री सुपोषण न्यूट्री किट योजना के तहत गर्भवती महिलाओं की पोषण सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

एडीबी द्वारा एनवायरमेंटल एण्ड सोशल फ्रेमवर्क पर ओरिएंटेशन कार्यशाला आयोजित-

- आयोजन तिथि- 15-16 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- जयपुर
- उद्देश्य- एशियाई विकास बैंक (ADB) समर्थित परियोजनाओं से जुड़े निष्पादन एवं क्रियान्वयन एजेंसियों को पर्यावरण एवं सामाजिक मानकों की आधारभूत समझ प्रदान करना।
- एनवायरमेंटल एण्ड सोशल फ्रेमवर्क का उद्देश्य लोगों और पर्यावरण को प्रतिकूल प्रभावों से सुरक्षित रखना, सतत विकास सुनिश्चित करना तथा परियोजना की तैयारी और क्रियान्वयन के दौरान जोखिमों का प्रभावी प्रबंधन करना है।

विश्व बैंक ने राजस्थान में बेहतर सड़क कनेक्टिविटी के लिए 225 मिलियन डॉलर की परियोजना को दी मंजूरी —

- 15 अप्रैल, 2026 को विश्व बैंक के बोर्ड ऑफ एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स ने राजस्थान में राज्य राजमार्गों की दक्षता, मजबूती और सुरक्षा सुधार के लिए 225 मिलियन डॉलर (लगभग 2 हजार करोड़ रुपये) से अधिक की राजस्थान राजमार्ग आधुनिकीकरण परियोजना को मंजूरी प्रदान की है।
- परियोजना में इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आईटीएस) लागू किया जाएगा, जिससे रीयल-टाइम मॉनिटरिंग, बेहतर प्रवर्तन और सड़क सुरक्षा में सुधार होगा।
- विश्व बैंक के अनुसार इस परियोजना से औद्योगिक, खनन, पर्यटन और कृषि से संबंधित क्षेत्रों में भी रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।
- अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (आईबीआरडी) से प्राप्त 225 मिलियन डॉलर के ऋण की अंतिम परिपक्वता अवधि 35 वर्ष है।

राजस्थान में कराकल संरक्षण हेतु "प्रोजेक्ट कराकल" का शुभारंभ-

- 15 अप्रैल, 2026 को राजस्थान वन विभाग द्वारा सवाई माधोपुर स्थित रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में "राजस्थान में कराकल संरक्षण" विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन कर प्रोजेक्ट कराकल का शुभारंभ किया गया।
- एशियाई कराकल, जो एक दुर्लभ एवं कम दिखाई देने वाली जंगली बिल्ली है। कराकल के आवास के क्षरण, विखंडन तथा शिकार प्रजातियों में कमी के कारण इसकी संख्या में गिरावट आई है।

राजस्थान स्टेट – एनएसडीसी सेक्टर स्किल काउंसिल (एसएससी) कौशल संवाद-

- आयोजन- 16 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- जयपुर
- उद्देश्य- राजस्थान के स्किलिंग इकोसिस्टम को मज़बूत करने और राजस्थान राज्य स्किल मिशन के लक्ष्यों को तेज़ी से पूरा करना।
- एनएसडीसी-एसएससी की केंद्रित भागीदारी के साथ वर्ष 2030 तक राजस्थान में लगभग 10 लाख युवाओं को कौशल प्रदान करने की क्षमता रखती है।

राजस्थान विधानसभा में आयोजित हुआ 37वां अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम-

- 18 अप्रैल, 2026 को राजस्थान विधानसभा में आयोजित हुआ 37वां अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ।
- इस कार्यक्रम में बांग्लादेश, भूटान, घाना, केन्या, श्रीलंका, तंजानिया, ज़ाम्बिया सहित 17 देशों के 43 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग योजना के अंतर्गत संचालित हुआ है। इसका उद्देश्य विदेशी प्रतिभागियों के लाभ के लिए विधायी मसौदा तैयार करने के वैचारिक ज्ञान, कौशल और तकनीकी को बढाना है।

रीको ने उप-विभाजन के नए नियम अधिसूचित किए-

- 17 अप्रैल, 2026 को राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने और उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रीको ने बड़े औद्योगिक भूखण्डों के उप-विभाजन को सशर्त मंजूरी प्रदान कर दी है।
- इस निर्णय के तहत अब रीको के आवंटी अपने बड़े भूखण्ड छोटे हिस्सों में विभाजित कर विक्रय कर सकेंगे।
- उप-विभाजन संबंधित अधिसूचित नियम-
- रीको द्वारा डिस्पोजल ऑफ लैंड रूल्स, 1979 के नियम 17 (ई) को पुनः लागू करते हुए यह व्यवस्था की गई है।

- रीको के 20,000 वर्गमीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल वाले भूखण्डों का उप-विभाजन किया जा सकेगा तथा उप-विभाजन के बाद प्रत्येक उप-विभाजित भूखण्ड का न्यूनतम क्षेत्रफल 500 वर्गमीटर रहेगा।
- भूखण्ड का उप-विभाजन भूमि आवंटन के 7 वर्ष बाद ही किया जा सकेगा और संबंधित भूखण्ड विवाद रहित होना चाहिए।
- 1500 वर्गमीटर तक के भूखण्ड के लिए न्यूनतम 18 मीटर तथा इससे बड़े भूखण्ड के लिए 24 मीटर चौड़ी आंतरिक सड़क का प्रावधान रखा गया है।
- वित्तीय प्रावधानों के तहत उप-विभाजन शुल्क संबंधित औद्योगिक क्षेत्र की प्रचलित दर का 2 प्रतिशत निर्धारित किया गया है।

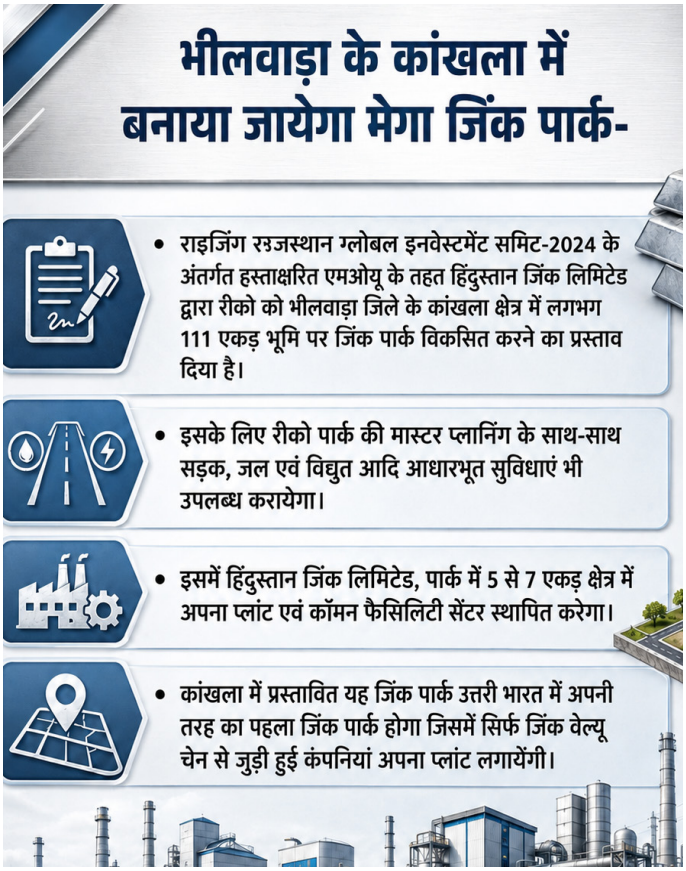

राजस्थान वित्त निगम को रीको देगा 50 करोड़ रुपये का अंश पूंजी सहयोग-

- राज्य के औद्योगिक विकास को सुदृढ़ करने एवं राजकीय विभागों की कार्यप्रणाली को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से रीको ने राजस्थान वित्त निगम को 50 करोड़ रुपये का अंश पूंजी सहयोग देने की स्वीकृति प्रदान की गई है।
- जो राज्य के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है।
- राज्य सरकार की वित्तीय वर्ष 2024-25 की संशोधित बजट घोषणा में राजस्थान वित्त निगम के वित्तीय सुदृढ़ीकरण हेतु राज्य सरकार एवं रीको द्वारा 50-50 करोड़ रुपये की अंश पूंजी के सहयोग की घोषणा की गई थी।
- रीको द्वारा प्रदान किये गये इस अंश पूंजी सहयोग की एवज में राजस्थान वित्त निगम द्वारा रीको को समतुल्य मूल्य के इक्विटी अंशों का आवंटन किया जायेगा।

वर्क से वेलनेस तक पहल-

- यह रीको की पहल है जिसके तहत रीको औद्योगिक क्षेत्रों में खेल सुविधाओं के विकास के लिए भूमि उपलब्ध करायेगा।
- इससे उद्यमियों और कामगारों के स्वास्थ्य को बेहतर और कार्यस्थल पर सकारात्मक माहौल विकसित किया जा सकेगा।
- वर्तमान में रीको ने राज्य के 17 औद्योगिक क्षेत्रों में 1000 से 3000 वर्गमीटर तक के भूखण्ड इस पहल को लागू करने के लिए चिन्हित किये है।
- चिन्हित भूखण्ड के 20 प्रतिशत क्षेत्र (10 प्रतिशत आच्छादित क्षेत्र) में रिफ्रेशमेंट, पेयजल और विश्राम कक्ष जैसी आवश्यक सुविधाएं भी विकसित की जायेगी।

ट्रिपल आर पहल-

- यह जयपुर जिला परिषद एवं शक्ति संगम द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गयी पहल है।
- इस पहल के अंतर्गत खेजड़ावास पंचायत में दिनांक 14 मार्च 2026 को ट्रिपल आर (रिड्यूस, रियूज, रिसाईकल) सेंटर की स्थापना की गई, जहां 14 अप्रैल 2026 तक महिलाओं ने कार्य महिला सशक्तिकरण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने वाले कार्य किये गये।

रीको द्वारा प्रदान की जायेगी उद्यमियों के लिये संभागीय स्तरों पर 'प्लग एंड प्ले' सुविधा-

- राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप रीको नें संभागीय स्तरों एवं किशनगढ़ में प्लग एण्ड प्ले सुविधा विकसित करने के लिए भूखण्डों का चयन कर लिया है।
- रीको की यह पहल राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगी।

प्लग एंड प्ले' सुविधा- यह उद्योगों के लिए तैयार औद्योगिक शेड या परिसर होते है जिसमें मूलभूत बुनियादी ढांचागत सुविधाएँ पहले से मौजूद होती हैं।

आरएसएलडीसी और यूनिसेफ इंडिया ने डिजिटल गर्ल्स हब मॉडल के लिए सहमती-

- हाल ही में राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी) और यूनिसेफ इंडिया ने 23 अप्रैल, 2026 को डिजिटल गर्ल्स हब मॉडल के लिए लेटर ऑफ इंटेंट पर सहमति व्यक्त की है।
- इस मॉडल का उद्देश्य बालिकाओं के डिजिटल सशक्तीकरण एवं रचनात्मक क्षेत्रों में कौशल विकास को बढ़ावा देना है।

- इस पहल के तहत 18 से 29 आयु वर्ग की लगभग 2 हजार युवतियों को अल्पावधि डिजिटल कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।
- यह कार्यक्रम मार्च, 2027 तक चरणबद्ध रूप से संचालित किया जाएगा तथा परिणाम-आधारित मॉडल के तहत सफल प्लेसमेंट के उपरांत ही भुगतान किया जाएगा।

ताला (कुंडा की ढाणी) में स्थापित हुआ प्रदेश का सबसे बड़ा कुसुम सौर ऊर्जा

- प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अन्तर्गत प्रदेश का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र 28 अप्रैल, 2026 को जयपुर जिला विद्युत सर्किल उत्तर के कुंडा की ढ़ाणी में स्थापित हुआ।
- करीब 4.9 मेगावाट क्षमता का यह सौर ऊर्जा संयंत्र कुंडा की ढ़ाणी विद्युत सब डिविजन के ताला स्थित 33 केवी सब स्टेशन से जुड़े गांव डेकला में स्थापित हुआ है।
- यह संयंत्र लगभग 24 बीघा भूमि पर फैला हुआ है जिसमें 437 कृषि उपभोक्ताओं को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली सुलभ हो सकेगी।
- राज्य में अब तक पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट-ए एवं कंपोनेंट-सी के अन्तर्गत 4027 मेगावाट क्षमता के कुल 1819 संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। इन सभी में यह सर्वाधिक क्षमता का संयंत्र है। इससे प्रतिदिन औसतन 25 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न होने का अनुमान है।
- इससे पहले अजमेर डिस्कॉम में 4.84 मेगावाट क्षमता का सर्वाधिक बड़ा प्लांट था।

थार सांस्कृतिक सर्किट के लिए सात सदस्यीय कमेटी गठित-

- राजस्थान सरकार की ओर से पश्चिमी राजस्थान की समृद्ध मरुस्थलीय संस्कृति, लोकजीवन और धरोहर को पहचान देने के लिए थार सांस्कृतिक सर्किट विकसित किया जा रहा है। इसको लेकर राजस्थान संगीत नाटक अकादमी की ओर से सात सदस्य कमेटी की घोषणा कर दी गई।
- बजट घोषणा के तहत इस सर्किट में जोधपुर, जैसलमेर, जालोर, बाड़मेर और बीकानेर को जोड़ते हुए पर्यटन के साथ सांस्कृतिक संरक्षण और धार्मिक स्थलों के विकास पर विशेष फोकस किया जाएगा।

जयपुर डिस्कॉम ने बनाया 26 वर्ष में सर्वाधिक राजस्व संग्रहण का रिकॉर्ड-

- जयपुर डिस्कॉम की वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल राजस्व वसूली 29,462 करोड़ रुपये से अधिक रही है जो कुल बिलिंग राशि 28,863 करोड़ रुपये से यह 599 करोड़ रुपये अधिक है।
- इस प्रकार जयपुर डिस्कॉम ने 102% राजस्व अर्जित करने में सफलता प्राप्त की है। इससे पूर्व वित्तीय वर्ष 2017-18 में सर्वाधिक 101.02% राजस्व अर्जित किया गया था।
- निगम के तीनों जोन में सर्वाधिक 104.63% राजस्व भरतपुर जोन ने प्राप्त किया है। इसके बाद कोटा जोन ने 103.64% तथा जयपुर जोन ने 101.32% राजस्व अर्जित किया है।
- निगम के सभी 18 सर्किलों ने इस बार शत-प्रतिशत राजस्व अर्जित किया है। इनमें करौली ने सर्वाधिक 108.80% की वसूली की है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने जयपुर मेट्रो फेज-2 को दी मंजूरी-

- 08 अप्रेल, 2026 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने जयपुर मेट्रो फेज-2 एवं आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने पचपदरा रिफाइनरी की संशोधित लागत को मंजूरी दी है।
- **लागत-** 13,037.66 करोड़ रुपये
- **कार्य योजनापूर्ण-** 5 सितंबर, 2031 तक
- **लंबाई-** 41 किलोमीटर (प्रहलादपुरा से टोड़ी मोड़)
- **स्टेशन-** 36 स्टेशन (34 एलीवेटेड और 2 अंडरग्राउंड)
- इस परियोजना का क्रियान्वयन राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाएगा, जो भारत सरकार और राजस्थान सरकार की 50:50 साझेदारी वाली संयुक्त कंपनी है।
- यह फेज-2 कॉरिडोर सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, वीकेआईए, जयपुर एयरपोर्ट, टोंक रोड, एसएमएस अस्पताल और स्टेडियम, अंबाबाड़ी तथा विद्याधर नगर जैसे प्रमुख क्षेत्रों को निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा

15वें आईएफएफडी-2026 में फिल्म 'मैंने कभी चिड़िया नहीं देखी' का चयन-

- जयपुर की कथाकार एवं फिल्म निर्देशक ऊषा दशोरा की फिल्म 'मैंने कभी चिड़िया नहीं देखी' का चयन नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 15वें दिल्ली इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल-2026 के लिए हुआ है।

- यह फिल्म फेस्टिवल संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से 4-8 मई, 2026 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र और डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित होगा।
- ऊषा दशोरा द्वारा निर्मित इस फिल्म का विषय बाल मनोविज्ञान और पर्यावरण चेतना पर केंद्रित है, जिसमें बच्चों के मन में पक्षियों, प्रकृति और धरती के प्रति जिज्ञासा, संवेदनशीलता और एक तरह की बेचैनी को उकेरा गया है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई "ज्ञान भारत मिशन" की बैठक-

- भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए उद्देश्य से संचालित 'ज्ञान भारतम' मिशन के अंतर्गत राजस्थान मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में 28 अप्रैल, 2026 को को शासन सचिवालय में बैठक आयोजित की गई।
- ज्ञान भारत मिशन के तहत प्रदेश में अब तक कुल 15 लाख 21 हजार 34 पांडुलिपियों का सत्यापन किया जा चुका है, जो पूरे भारत में सर्वाधिक है।
- ज्ञान भारतम मिशन का मुख्य लक्ष्य भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत का सर्वेक्षण, संरक्षण, डिजिटलीकरण और प्रसार करना है।
- राज्य में जयपुर जिला 4,91,688 पांडुलिपियों के साथ शीर्ष पर है, इसके बाद बीकानेर (3,39,740) और जोधपुर (1,90,847) का स्थान है।
- राजस्थान में 'राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर' को नोडल विभाग और 'राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर' के निदेशक को राज्य नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

ज्ञान भारतम मिशन

- घोषणा- केंद्रीय बजट 2025-26 में
- यह केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक राष्ट्रीय पहल है
- उद्देश्य- प्राचीन भारतीय पांडुलिपियों को खोजना, उनका डिजिटलीकरण करना और संरक्षण करना है।
- इस मिशन के तहत 1 करोड़ से अधिक अमूल्य हस्तलिखित धरोहरों को डिजिटल रूप से सहेजा जायेगा।

तारबंदी योजना-

- हाल ही में वर्ष 2025-26 में छोटे कृषकों की मांग को ध्यान में रखते हुए तारबंदी में 1.5 हैक्टेयर भूमि की बाध्यता को दूर करते हुए इसे 0.5 हैक्टेयर किया गया है।
- अब योजना के लिए आवेदन कर्ता किसान (राजस्थान का मूल निवासी) के पास 0.5 हेक्टेयर भूमि होनी आवश्यक है।
- यदि एक किसान के पास 0.5 हैक्टेयर नही है तो वो अपने पड़ोसी के साथ मिलकर समूह में भी आवेदन लगा सकता है, समूह में 2 या 2 से अधिक किसान मिलकर भी यदि 0.5 हैक्टेयर भूमि एक जगह पर रखते है तो उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा।

रंग दे गुलाबी अभियान-

- हाल ही में नगर निगम जयपुर ने "रंग दे गुलाबी" अभियान की घोषणा की है। यह अभियान 2 मई को आयोजित होगा।
- इस अभियान के तहत देश में पहली बार एक ही दिन में 500 दीवारें रंगने का प्रयास किया जायेगा।
- यह पहल आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है जो जयपुर शहर की सुंदरता को नई पहचान देने के साथ-साथ जनभागीदारी का एक बड़ा उदाहरण बनेगी।

'इंस्पायरिंग आरव' ने लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 में जीता पुरस्कार-

- जयपुर के फिल्म निर्माता राहुल सूद निर्देशित और लिखित फिल्म 'इंस्पायरिंग आरव' ने लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 में पुरस्कार जीता है। इस फिल्म ने बेस्ट इंस्पीरेशनल फिल्म कैटेगिरी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है।
- यह फिल्म दिव्यांग बच्चों के ह्यूमन राइट्स पर आधारित है।

मछली एवं वन्य प्राणी मित्र पुरस्कार-2026-

- **अवार्ड संस्करण-** छठा संस्करण
- **अवार्ड प्रदाता-** प्रभा खेतान फाउंडेशन (पीकेएफ) एवं डब्ल्यूडब्ल्यूएफ - इंडिया
- यह वार्षिक पुरस्कार उन व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए प्रदान किया गया, जिन्होंने वन्यजीव संरक्षण एवं मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

मछली पुरस्कार के विजेता-

- उदयपुर वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीम
- फॉरेस्ट गार्ड सरोज कंवर (रामगढ़ विषधारी, बूंदी)
- फॉरेस्ट गार्ड अनीता कुमारी (शेरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य)

वन्य प्राणी मित्र पुरस्कार-

- यह पुरस्कार मानव-वन्यजीव संघर्ष के बेहतरीन प्रबंधन को मान्यता देता है। इस बार यह पुरस्कार उदयपुर के लेक्चरर और कंजर्वेशनिस्ट दर्शन कुमार मेनारिया को प्रदान किया गया है।

राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में खोले जाएंगे डायबिटीज क्लीनिक-

- हाल ही में राजस्थान सरकार ने प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में चरणबद्ध तरीके से डायबिटीज क्लीनिक खोले जाने की घोषणा की है। इस पहल के तहत मिशन मधुहारी को आगे बढ़ाते हुए स्कूलों को 'डायबिटीज फ्रेंडली कैंपस' के रूप में विकसित किया जाएगा।
- यह क्लीनिक टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों की परेशानी के निदान के रूप में होगे ताकि बच्चों को बार-बार इंसुलिन लेने के लिए घर नहीं जाना पड़े। इस योजना की शुरुआत एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर में आयोजित पहले ट्रेनिंग कैंप के साथ शुरू की गई है।

मिशन मधुहारी कार्यक्रम-

- शुभारम्भ- 7 अप्रैल, 2025
- राज्य सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत टाइप-1 डायबिटीज की देखभाल के लिए इस कार्यक्रम को शुरू किया था।

मिस ग्रैंड राजस्थान 2026-

- हाल ही में जयपुर की मिस राजस्थान-2025 रनरअप मॉडल मीनाक्षी छापोला ने मिस ग्रैंड राजस्थान-2026 का खिताब अपने नाम किया है।
- यह मिस ग्रैंड राजस्थान-2026 प्रतियोगिता का 14वां संस्करण था।

43वीं सारस गणना-

- केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान में 'केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी' द्वारा 21 अप्रैल, 2026 को 43वीं सारस गणना की गयी।
- 43वीं सारस गणना रिपोर्ट के अनुसार भरतपुर और डीग जिले के वेटलैंड क्षेत्रों में सारस की संख्या 79 से बढ़कर 81 हो गई है, जबकि केवलादेव पार्क में 22 साईबेरियन सारस दर्ज किए गए हैं।

जैसलमेर के ब्रीडिंग सेंटरों में कृत्रिम गर्भाधान से गोडावण के चूजों का जन्म-

- जैसलमेर जिले के रामदेवरा और सुदासरी स्थित ब्रीडिंग सेंटरों में कृत्रिम गर्भाधान के जरिए गोडावण के तीन चूजों का जन्म हुआ है।
- सम के सुदासरी केंद्र में दो और रामदेवरा स्थित केंद्र में एक चूजे का जन्म हुआ है। इसके साथ रामदेवरा सेंटर में कुल 52 और सुदासरी में 24 गोडावण हो गए हैं।

'एक कदम सुधार की ओर' नवाचार-

- 2 अप्रैल, 2026 को केन्द्रीय कारागृह, जयपुर में 'एक कदम सुधार की ओर' नवाचार का शुभारम्भ किया गया।
- उद्देश्य- केन्द्रीय कारागृह जयपुर में निरुद्ध बंदियों को डिजिटल माध्यम से शिक्षा प्रदान करना।'

बाघेवाला फील्ड में तेल उत्पादन में 70% की वृद्धि-

- ऑयल इंडिया लिमिटेड ने पश्चिम एशिया के तनावपूर्ण हालातों के मद्देनजर जैसलमेर के बाघेवाला फील्ड में तेल उत्पादन में 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गयी है।
- यहां दैनिक उत्पादन 705 बैरल से बढ़कर अब 1,202 बैरल प्रतिदिन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

'नो-डिटेंशन' व्यवस्था में संशोधन-

- शिक्षा विभाग ने प्राथमिक स्तर पर लागू 'नो-डिटेंशन' (किसी को फेल न करने) व्यवस्था में संशोधन किया है।
- संशोधित व्यवस्था के तहत पांचवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में छात्र फेल भी हो सकेंगे। यह नया नियम सत्र 2026 27 से लागू होगा।

राज-ममता कार्यक्रम लॉन्च-

- पूरा नाम- राजस्थान मेंटल अवेयरनेस मेंटोरिंग एंड ट्रीटमेंट फॉर ऑल
- राजस्थान सरकार ने हाल ही में इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया है।
- यह कार्यक्रम बजट घोषणा-2026-27 के तहत मुख्य रूप से तनाव, अवसाद और आत्महत्या की रोकथाम पर केंद्रित है।

रन फॉर इक्वेलिटी-

- यह मैराथन जयपुर में 14 अप्रैल, 2026 को आयोजित की गयी।
- इस मैराथन के आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में बढ़ते साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूकता फैलाना और समानता, बंधुत्व व सामाजिक सद्भाव का संदेश देना था।

महोत्सव/सम्मेलन/अभियान/आपरेशन

- **आयोजक-** सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड)
- **उद्देश्य-** राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों की सहकारी संस्थाओं द्वारा गुणवत्तापूर्ण मसालों एवं अन्य उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री को एक मंच पर लाना।
- सहकारिता विभाग एवं कॉनफेड द्वारा वर्ष 2003 से निरन्तर प्रतिवर्ष मसाला मेले का आयोजन किया जाता है।

मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान-

- यह अभियान 19 मार्च से 15 मई, 2026 तक संचालित हो रहा है।
- इसके अंतर्गत राज्य के 766 स्थानीय निकायों के 24,648 ग्राम पंचायतों एवं शहरी वार्डों को शामिल किया गया है।
- इसका उद्देश्य राज्य की ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों का डिजिटल डेटा तैयार कर 2047 तक का विकास रोडमैप (मास्टर प्लान) बनाना है।

राजस्थान शामलात अधिवेशन 2026-

- आयोजन तिथि-15 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान (IGPRS), जयपुर
- विषय- Shaping our Prosperity with Commons
- उद्देश्य- राजस्थान में साझा संसाधनों (चारागाह, जल स्त्रोत, वन, वेटलैंड्स आदि) का संरक्षण और उनका बेहतर उपयोग किया जाना।

राजस्थान पुलिस का 77वां स्थापना दिवस-

- आयोजन- 16 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

प्रमुख घोषणाए है-

- राज्य में पुलिस प्रशिक्षण क्षमता के विकास के लिए विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों में प्रति संस्थान 100-100 व्यक्तियों की क्षमता वाली 5 बैरकों का निर्माण होगा।
- पुलिस कार्मिकों के स्पोर्ट्स, वेलफेयर एवं उत्सव फंड में 5 करोड़ रुपये का होगा अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।
- पुलिस कार्मिकों के लिए प्रथम चरण में विभिन्न श्रेणियों के 500 आवासों के निर्माण किया जायेगा।

ग्राम-2026 के लिए रोड-शो का आयोजन-

- राजस्थान सरकार द्वारा 23-25 मई, 2026 तक आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) 2026 के लिए राज्य सरकार ने 23 अप्रैल, 2026 को नई दिल्ली में रोड-शो का आयोजन किया।
- राजस्थान सरकार मई, 2026 में जे.ई.सी.सी. (जयपुर) में किसानों व पशुपालकों को नए तरीकों व तकनीकों से अवगत करवाने, नवाचार को बढ़ावा देने, किसानों की बाज़ार तक पहुंच सुनिश्चित करने और साथ ही कृषि व पशुपालन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस मीट का आयोजन करेगी।

15वां ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार-

- संस्करण- 15वां
- आयोजन तिथि- 26-28 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- उद्घाटन सत्र जय महल पैलेस में जबकि बी2बी सत्र जेईसीसी सीतापुरा में।
- आयोजक- राजस्थान पर्यटन विभाग, भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय और फिक्की के संयुक्त तत्वावधान में।
- उद्देश्य- राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देना।
- इसमें एशिया से 13 देश, यूरोप से 19 देश, उत्तर अमेरिका से 4 देश, दक्षिण अमेरिका से 5 देश, अफ्रीका से 3 देश व ओशिआनिया से 2 देशों ने भागीदारी की है।

आपणों खेत-आपणी खाद अभियान-

- आयोजन तिथि- 06 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2026
- संबंधित विभाग- राजस्थान कृषि एवं उद्यानिकी विभाग
- उद्देश्य- राज्य में मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना।

नेशनल हेल्थकेयर हैकाथॉन 2.0-

- आयोजन स्थल- जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी, जयपुर
- यह हैकाथॉन नवाचार और शोध की क्षमता को बढ़ावा देने वाला मंच है, जो आधुनिक तकनीकों के माध्यम से स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान विकसित करने में योगदान देता है।

राष्ट्रीय बांस मिशन पर राज्य स्तरीय सेमिनार-

- आयोजन तिथि- 1 अप्रैल, 2026 (2 दिवसीय)
- आयोजन स्थल- राज्य कृषि प्रबंध सस्थान दुर्गापुरा, जयपुर में
- कार्यक्रम में राज्य के 12 जिलों डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर, सिरोही, राजसमंद, पाली, चित्तौड़गढ़, सलूम्बर, कोटा, बारां, झालावाड़ एवं प्रतापगढ़ से लगभग 100 स्टेकहोल्डर्स ने भाग लिया।
- **उद्देश्य-** बांस खेती के प्रति जागरूकता बढ़ाना, वैज्ञानिक तकनीकों का प्रसार करना, बांस आधारित ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करना तथा किसानों, वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करना।

अनुपालना में कमी और विनियमन में शिथिलता- द्वितीय चरण की समीक्षा बैठक-

- आयोजन तिथि- 1 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- जयपुर में
- उद्देश्य- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और सुशासन के संकल्प को आगे बढ़ाने हेतु विभिन्न विभागों द्वारा अनुपालनों को सरल बनाने, डिजिटल समाधानों को अपनाने की प्रगति पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।
- द्वितीय चरण की समीक्षा बैठक में 28 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता दोहराई गयी है।

सिविल डिफेंस सीनियर वॉलंटियर्स कार्निवल-2026-

- आयोजन तिथि- 3 से 5 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- पुष्कर फोर्ट रिसॉर्ट, पुष्कर
- आयोजक- नागरिक सुरक्षा सेवा संगठन
- उद्देश्य- नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों, आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों, एमएसएमई उद्यमियों तथा आम नागरिकों को एक मंच पर लाकर सुरक्षा, सेवा, प्रशिक्षण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना।

राजस्थान फिजियो समिट-2026-

- आयोजन तिथि- 6 से 7 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- बिरला सभागार, जयपुर
- उद्देश्य- फिजियोथेरेपी में आधुनिक तकनीकों, अनुसंधान और क्लिनिकल उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।

क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन, पश्चिम क्षेत्र जोनल कॉन्फ्रेंस-

- आयोजन तिथि- 7 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- जयपुर
- अध्यक्षता- शिवराज सिंह चौहान (केंद्रीय कृषि मंत्री)
- उद्देश्य- राजस्थान में कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने और बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप प्रभावी रणनीति तैयार करना

Transformative Tuesdays: Navigating Life Legally अभियान-

- प्रारम्भ- 7 अप्रैल, 2026 (राज्य में)
- Note- इस अभियान का लोकार्पण मुख्य न्यायाधीक्ष श्री सूर्यकांत व्यास द्वारा दिनांक 20 फरवरी,2026 को किया गया था
- आयोजक- राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
- उद्देश्य- कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता, संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति समझ विकसित करना।
- इस अभियान के तहत विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान हेतु विद्यालयों में 'कोर्ट वाली दीदी' नामक विशेष शिकायत एवं सुझाव पेटियां स्थापित की गयी है तथा "क्लिक करने से पहले सोचो" थीम पर आधारित विधिक सामग्री एवं पुस्तिकाएं वितरित की गयी।

आत्मनिर्भर धागे-

- आयोजन तिथि- 1 से 6 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- जयपुर
- आयोजक- राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा कमला पोद्दार संस्थान / एनआईएफ ग्लोबल, जयपुर के सहयोग से
- उद्देश्य- महिलाओं को पारंपरिक और आधुनिक डिज़ाइन की तकनीकों की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देना।
- यह पहल राजीविका के 'उन्नति सेल' के तहत की गई, जिसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

बीकानेर हाउस: टेन ईयर्स टुगेदर कार्यक्रम-

- आयोजन तिथि- 6 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- बीकानेर हाउस, नई दिल्ली
- इस बीकानेर हाउस मैनेजमेंट समिति (बीएचएमएस) ने अपनी 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर बीकानेर हाउस परिसर में कार्यक्रम आयोजन किया जिसमें पिछले 10 वर्षों में इस समिति द्वारा किए गए कार्यक्रमों का संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण दिया गया।

MY Bharat Budget Quest- Youth Dialogue Programme कार्यक्रम-

- आयोजन तिथि- 13 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर
- उद्देश्य- राजस्थान के युवाओं को बजट प्रक्रियाओं से जोड़ने एवं नीति निर्माण में युवाओं की भूमिका सशक्त करना।
- इस कार्यक्रम में युवाओं के बौद्धिक विकास के लिए 4 विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गयी।

क्रिएटिव आर्ट फेस्ट 'कारि' का आयोजन-

- आयोजन तिथि- 7 से 12 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- एमएनआईटी, जयपुर
- आयोजक- मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जयपुर एवं एमआईटी.एडीटी यूनिवर्सिटी पुणे के संयुक्त तत्वावधान में
- इस कला महोत्सव में देश भर के प्रतिष्ठित कलाकार, शिक्षाविद तथा उभरते विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान किया जायेगा तथा प्रति-भागी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

उदयपुर में आयोजित हुआ दो दिवसीय राजभाषा सेमिनार-

- 09-10 अप्रैल, 2026 को उदयपुर, राजस्थान में 'देश के विकास में भारतीय भाषाओं का योगदान' थीम पर आधारित दो दिवसीय राजभाषा सेमिनार का आयोजन किया गया।
- वित्तीय सेवाएं विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, बीमा कंपनियों, वित्तीय संस्थानों, विनियामक संगठनों के लिए आयोजित किया गया था।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन

- आयोजन तिथि- 21-22 मई, 2026
- **आयोजन स्थल**- जयपुर में
- **आयोजक-** प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालया तथा राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग
- **उद्देश्य-** देश में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, सार्वजनिक सेवाओं की बेहतर डिलीवरी और नवाचार आधारित प्रशासनिक सुधारों को लागू करने और विभिन्न राज्यों और संस्थानों के सफल ई-गवर्नेंस मॉडल पर विचार किया जाना।

स्टेशन महोत्सव-

- यह जयपुर रेलवे स्टेशन के इतिहास को उत्सव के रूप में मनाने के लिए जयपुर रेलवे मंडल द्वारा आयोजित किया गया महोत्सव था।
- इसके तहत जयपुर रेलवे स्टेशन की हेरिटेज फोटो प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें प्रतिभागियों से प्राप्त रेलवे स्टेशन की पुरानी/ऐतिहासिक फोटो में सर्वश्रेष्ठ फोटो का चयन किया गया

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026

- संबंधित विभाग- कृषि विभाग
- आयोजन- 23 से 25 मई,2026
- ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026 एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन है, जिसमें निवेशकों, एग्री-उद्यमियों, एग्रीटेक डेवलपर्स, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और किसानों द्वारा भागीदारी की जायेगी। इस आयोजन का उद्देश्य आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचार, निवेश और साझेदारियों को बढ़ावा देना तथा राजस्थान के कृषि क्षेत्र में सतत विकास और किसानों की आय वृद्धि को प्रोत्साहित करना है।
- इस मीट के प्रचार-प्रसार और निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से देशभर के प्रमुख शहरों में रोडशो आयोजित किए जा रहे है।
- ये रोडशो 10 अप्रैल को जयपुर, 17 अप्रैल को दिल्ली, 24 अप्रैल को अहमदाबाद में आयोजित हुए तथा 6 मई को हैदराबाद तथा 8 मई को पुणे में आयोजित हुए हैं।

चर्चित व्यक्ति/स्थान/अन्य

सिंधु बिनुजीत-

- यह उदयपुर की बाल संरक्षण सलाहकार है।
- इनको राजस्थान पुलिस के 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर आरपीए में आयोजित हुए मुख्य समारोह में राज्य स्तरीय सम्मान प्रदान किया गया है।
- सिंधु बिनुजीत की सक्रियता ने बच्चों के बाल श्रम और पलायन को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाए थे तथा आदिवासी क्षेत्रों में परंपराओं के खिलाफ जाकर प्रशासन, पुलिस और यूनिसेफ के बीच समन्वय स्थापित कर उन्होंने बाल श्रम की मुख्य समस्या का समाधान निकाला था।

आदर्श सिद्ध-

- यह 2012 बैच के राजस्थान कैडर के आईपीएस अधिकारी है।
- यह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर सीमा सुरक्षा बल में डीआईजी नियुक्त किये गये है।

डॉ. ज्योतिकिरण-

- भारत सरकार की ओर से ब्राजील में नियुक्त भारतीय संस्कृति संबंधी निदेशक डॉ. ज्योतिकिरण का कार्यकाल पूरा होने के के बाद वह पद से मुक्त हो गयी है। डॉ. ज्योतिकिरण राजस्थान में राज्य वित्त आयोग की चैयरपर्सन रह चुकी हैं।

प्रेमलता पोखरना-

- यह रॉयल न्यूमिस्मैटिक सोसायटी, लंदन से फैलोशिप प्राप्त व महाराणा कुंभा पुरस्कार सम्मान से सम्मानित लेखिका है। इन्होंने हाल ही में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे को अपनी पुस्तक 'अर्ली हिस्ट्री ऑफ राजस्थान' की प्रति भेंट की है।

श्री विनय कुमार-

- यह भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी है। इन्होंने राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे के परिसहाय के रूप में पदभार ग्रहण किया है।

अवधेश आकोदिया-

- यह दैनिक भास्कर समाचार पत्र के पत्रकार है।
- इन्हें राजस्थान में विधायक विधि खर्च में हो रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली खोजी रिपोर्ट के लिए प्रतिष्ठित 'दानिश सिद्दीकी जर्नलिज्म अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया है। इन्होनें राजस्थान में सत्ता पक्ष व विपक्ष के विधायक विकास कोष से खरीद की सिफारिश के बदले घूस के संदर्भ में खोजी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी।

अंशु राठौड़-

- यह राजस्थान के बिठुड़ा ग्राम (लाडनूं) की निवासी और भारतीय नौसेना की लेफ्टिनेंट थी। इनका हाल ही में जामनगर (गुजरात) में सड़क दुर्घटना मे निधन हुआ है।

डॉ. दशरथ सिंह शेखावत-

- यह राजस्थान के झुंझुनू जिले के खिरोड़ गांव के रहने वाले हैं। इन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में 138वीं डिग्री हासिल कर इतिहास रचा है।

डॉ. राजेश जैन काला-

- प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. राजेश जैन काला को 'राजस्थान समरसता गौरव अवॉर्ड' से नवाजा गया है। उनको यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से रोटरी सभागार में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया है।

शिल्पा मेहता-

- जयपुर निवासी स्टोरीटेलर और लेखिका शिल्पा मेहता को साहित्य अर्पण संस्था, दुबई द्वारा हिंदी साहित्य गौरव सम्मान-2026 से नवाजा गया। वे विभिन्न ऑनलाइन और ऑफलाइन स्टोरीटेलिंग आयोजनों में कहानियां सुनाती रही है।

रमन कुमार दवे-

- राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने प्रो. रमन कुमार दवे को राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर के कुलगुरु पद पर नियुक्त किया है।

रेखा मीणा-

- जयपुर निवासी रेखा मीणा को एथेंस (यूरोप) में आयोजित समारोह में वर्ष 2025 के लिए प्रतिष्ठित 'गुड डिजाइन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। इस अवॉर्ड को पाने वाली पहली एशियाई महिला बनी है।
- यह अवॉर्ड वर्ष 1950 में 'शिकागो एथेनियम संग्रहालय' की ओर से स्थापित किया गया था।
- यह अवॉर्ड उन प्रतिभाओं को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने डिजाइन रचनात्मकता, नवाचार और स्थायित्व के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है।

पिंक गार्ड ऐप-

- यह जयपुर पुलिस द्वारा लॉंच किया गया हाई-टेक मोबाइल ऐप है।
- यह जयपुर में पर्यटकों के लिए सुरक्षा, सूचना और त्वरित सहायता के लिए सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगा।
- आपात स्थिति में ऐप के जरिए मदद मांगने पर पुलिस महज आठ मिनट के भीतर पर्यटक तक पहुंचेगी। विदेशी सैलानियों की सहूलियत के लिए इसमें 100 से अधिक भाषाओं का विकल्प दिया गया है।

वीरसहारा ऐप-

- यह एआइ-समर्थित ऐप है जिसे जयपुर के जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल के स्टूडेंट कनिष्क रूंगटा और कृषा रूंगटा ने डवलप किया है।
- यह एप सैनिकों और उनके परिवारों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का आसानी से लाभ पहुंचाने में उपयोगी होगा।

इंस्पायरिंग आरव-

- यह जयपुर के फिल्ममेकर राहुल सूद की ओर से निर्देशित और निर्मित शॉर्ट फिल्म है जिसका लखनऊ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में चयन हुआ है। यह फिल्म दिव्यांग बच्चों के ह्यूमन राइट्स पर आधारित हैं।

हिरनोदा रेलवे स्टेशन -

- हिरनोदा रेलवे स्टेशन (जयपुर) पर नवनिर्मित 'पीएम गति शक्ति कार्गो टर्मिनल' का संचालन शुरू कर किया गया है।
- इस टर्मिनल पर 24 घंटे लोडिंग-अनलोडिंग की सुविधा मिलेगी।

ऋषभदेव पखवाड़ा मॉडल-

- यह संस्कृत शिक्षा विभाग का नवाचार है। इसके तहत संस्कृत शिक्षा को व्यावहारिक बनाने की दिशा में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत 'ऋषभदेव पखवाड़े' का आयोजन किया जायेगा।

शिवरतन अग्रवाल (फन्ना बाबू)-

- यह बीकाजी ब्रांड के संस्थापक थे, जिनका 74 वर्ष की आयु में 23 अप्रैल, 2026 को निधन हो गया।

किशोर कुमार-

- यह भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तथा राजस्थान राजस्व मंडल के सदस्य थे जिनका हाल ही में निधन हो गया।

RPSC ने जारी किया RAS-2024 का अंतिम परिणाम, दिनेश विश्नोई ने प्राप्त किया शीर्ष स्थान

- राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 का अंतिम परिणाम 18 अप्रैल, 2026 को घोषित किया। इस परिणाम के साथ ही प्रदेश को 1096 नए प्रशासनिक और अधीनस्थ सेवा अधिकारी मिल गए हैं। इस भर्ती की अधिसूचना 2 सितम्बर, 2024 को जारी की गई थी। शुरुआत में केवल 733 पदों के लिए आवेदन मांगे गए थे, लेकिन बाद में सरकार द्वारा पदों की संख्या बढ़ाकर 1096 कर दी गई थी।

- इस परीक्षा के अंतिम परिणाम में दिनेश विश्नोई ने 351.50 अंक लाकर मेरिट लिस्ट में पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि वीरेन्द्र चारण ने 351 अंक लाकर राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

शीर्ष 10 स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी

क्र.सं.	मेरिट (NTSP)	नाम	कुल अंक
1	1	दिनेश बिश्नोई	351.50
2	2	वीरेन्द्र चारण	351.00
3	3	नवनीत शर्मा	342.50
4	4	रविन्द्र सिंह	340.50
5	5	विकास सियाग	337.00
6	6	ऐश्वर्या कंवर	336.00
7	7	दिनेश	333.50
8	8	शालू	332.00
9	9	भूपेन्द्र सिंह	329.50
10	10	राम सिंह गुर्जर	329.00

भर्ती प्रक्रिया पर एक नजर (2024 से 2026)

- **आयोग ने इस पूरी भर्ती प्रक्रिया को लगभग डेढ़ साल के भीतर चरणबद्ध तरीके से पूरा किया है-**
  - **प्रारम्भिक परीक्षा-** 2 फरवरी, 2025 को आयोजित की गई, जिसका परिणाम रिकॉर्ड समय में 20 फरवरी को जारी कर दिया गया। इसमें 21,539 अभ्यर्थियों ने मुख्य परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया था।
  - **मुख्य परीक्षा-** 17 और 18 जून, 2025 को मुख्य परीक्षा का आयोजन हुआ। अक्टूबर 2025 में इसके परिणाम आए, जिसमें 2,461 सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए चुना गया।
  - **साक्षात्कार-** साक्षात्कार दिसम्बर 2025 से शुरू होकर 17 अप्रैल, 2026 तक चले।

सम्यक् पहल - सम्यक् संस्थान ने आयोजित किया 'सिविल सर्विसेज ओलंपियाड', परमेश्वर सिंह ने प्राप्त किया शीर्ष स्थान-

- प्रदेश के युवाओं में प्रशासनिक सेवा के प्रति बढ़ते उत्साह को देखते हुए 'सिविल सर्विसज डे' के उपलक्ष्य में सम्यक् संस्थान द्वारा एक भव्य 'सिविल सर्विसेज ओलंपियाड' का आयोजन किया गया। यह पहल पिछले तीन वर्षों से उन अभ्यर्थियों के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रही है, जो स्नातक की पढ़ाई के साथ ही आईएएस (IAS) और आरएएस (RAS) की तैयारी की नींव रखना चाहते हैं।
- बीते 26 अप्रैल, 2026 को सुबह 9:00 बजे से आयोजित इस परीक्षा में राजस्थान के हजारों अभ्यर्थियों ने भाग लिया। संस्थान ने परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए जयपुर, जोधपुर, सीकर, भरतपुर, झालावाड़, शाहपुरा और कोटपुतली-बहरोड़ जैसे प्रमुख शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए।
- विशेषज्ञों के अनुसार, यह ओलंपियाड पूरी तरह से यूपीएससी और आरपीएससी के प्रारंभिक परीक्षा पैटर्न पर आधारित रहा। इसमें भाग लेने वाले छात्रों को ओएमआर शीट भरने से लेकर समय प्रबंधन तक का वही अनुभव मिला, जो वास्तविक सरकारी परीक्षाओं में होता है।
- मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थान ने निम्न पुरस्कार प्रदान किये-
  - प्रथम स्थान- लैपटॉप के साथ 100% स्कॉलरशिप।
  - द्वितीय स्थान- टैबलेट और 90% स्कॉलरशिप।
  - अन्य शीर्ष रैंक- मोबाइल फोन और फीस में छूट।

खेल/खेल व्यक्तित्व

समर मिस्टर राजस्थान 2026 प्रतियोगिता-

- आयोजन तिथि- 7 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- पुष्करणा स्टेडियम, बीकानेर
- आयोजक- कम्युनिटी वेलफेयर सोसाइटी एवं राजस्थान बॉडी बिल्डिंग संघ के संयुक्त तत्वावधान में
- इस प्रतियोगिता का ऑल ओवर चैंपियनशिप का खिताब जोधपुर के आरशान खान ने अपने नाम किया जबकि जयपुर के प्रवीण वर्मा द्वितीय तथा अनूपगढ़ के सोनू यादव तृतीय स्थान पर रहे।

अषलेश पंवार व मानसिंह शेखावत ने ओपन सेन्ट्रल एशियन हैण्डबॉल पुरूष चैम्पियनशिप में प्राप्त किया तीसरा स्थान-

- उज्बेकिस्तान के ताशकन्द में 31 मार्च से 5 अप्रैल, 2026 के मध्य आयोजित पांचवीं ओपन सेन्ट्रल एशियन हैण्डबॉल पुरूष चैम्पियनशिप में अषलेश पंवार एवं मानसिंह शेखावत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस चैम्पियनशिप में विभिन्न देशों की कुल 8 टीमों ने हिस्सा लिया था।

राष्ट्रीय शूटिंगबॉल प्रतियोगिता-

- आयोजन तिथि-24 से 26 अप्रेल, 2026
- आयोजन स्थल- अलवर में
- आयोजक- शूटिंगबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया, राजस्थान शूटिंगबॉल एसोसिएशन और अलवर जिला शूटिंगबॉल संघ
- इस प्रतियोगिता में देश भर की 12 पुरुष टीमें व 8 महिला टीमों ने भाग लिया।

ओपन सेंट्रल एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप में राजस्थान के चार खिलाड़ी चयनित-

- संस्करण- पांचवां
- आयोजन तिथि- 31 मार्च से 5 अप्रैल तक
- आयोजन स्थल- ताशकंद (उज्बेकिस्तान) में
- चयनित खिलाड़ी लोकेंद्र सिंह राठौड़(दौसा) मानसिंह शेखावत और अश्लेश पंवार राइट (जयपुर), वीरभद्र सिंह (बांसवाड़ा)।

पवन कुमार सुखीजा-

- धौलपुर के पवन कुमार सुखीजा राजस्थान साइक्लिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गये है।
- पवन कुमार सुखीजा राष्ट्रीय स्तर के मुक्केबाज रह चुके हैं।

दिव्यांशी जैन और धैर्य गोगिया-

- राजस्थान के जयपुर जिले के दिव्यांशी जैन और धैर्य गोगिया को एशियन चैंपियनशिप स्क्वैश के लिए भारतीय टीम में चुना गया है।
- यह चैंपियनशिप 20 से 24 मई के मध्य चीन के पांझीहुआ शहर में आयोजित होगी।

श्याम सुंदर स्वामी-

- भारत के श्याम सुंदर स्वामी और तोमन कुमार की जोड़ी ने पैरा एशिया कप में चीनी ताइपे को हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया है।
- श्याम सुंदर स्वामी राजस्थान के निवासी है।

कुशाग्र ओझा-

- बीसीसीआइ की राष्ट्रीय अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले राजस्थान के प्रतिभावान खिलाड़ी कुशाग्र ओझा को बीसीसीआई की ओर से11 मई से 9 जून तक बेंगलुरु में आयोजित होने वाले हाई परफॉर्मेंस कोचिंग कैम्प हेतु सलेक्ट किया गया है।

दिलीप सिंह-

- यह पुलिस दूरसंचार जोधपुर रेंज में पुलिस उपाधीक्षक है। इन्होंने आर.के. खन्ना स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित 26वीं अखिल भारतीय पुलिस लॉन टेनिस प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।

अरुंधती चौधरी-

- यह कोटा जिले की निवासी है। इनके द्वारा मंगोलिया में आयोजित एशियन बॉक्सिग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता गया है।
- अरुंधती ने फाइनल में कजाकिस्तान की बॉक्सर बख्यत सेईडीश को हराया। इससे पहले नवंबर 2025 में आयोजित वर्ल्ड कप में भी अरुंधती चौधरी ने स्वर्ण पदक जीतकर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब अपने नाम किया था।

ख्वाहिश शर्मा-

- यह जयपुर की निवासी है। इनका चयन काहिरा (इजिप्ट) में 19 से 27 अप्रैल तक होने वाले आइएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) के लिए भारतीय टीम में हुआ है।

मनुश्री सक्सेना-

- यह राजस्थान की 8 वर्षीय कराटे खिलाड़ी है। मनुश्री ने 8 वर्ष की उम्र में ब्लैक बेल्ट (सेकंड डिग्री) हासिल कर कीर्तिमान दर्ज किया है।
- इससे पहले मनुश्री ने मात्र 4 वर्ष की उम्र में कराटे ब्लैक बेल्ट (फर्स्ट डिग्री) हासिल कर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाया था।

खुशी राणा-

- यह जोधपुर निवासी है जिन्होंने अंडर-15 एशियन बॉक्सिंग चैंपियन_शिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई है।
- अंडर-15 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप उज्बेकिस्तान के ताशकंद में 1-16 मई, 2026 के मध्य होगी।

नरेंद्र सिंह शक्तावत-

- यह भींडर, उदयपुर जिले निवासी है। इनको अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल संघ से अंतरराष्ट्रीय जज के रूप में नियुक्ति और लाइसेंस प्राप्त हुआ है।

विविध तथ्य

- सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ (न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता) ने पाली और बालोतरा क्षेत्र में जोजरी, लूनी और बांडी नदी में प्रदूषण से प्रभावित क्षेत्रों का वैज्ञानिक आकलन कर उसके आधार पर मुआवजा तय करने के निर्देश दिए हैं।
- हाल ही में राज्य सरकार ने डॉ. मोहनीश ग्रोवर को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) मेडिकल कॉलेज में प्राचार्य एवं नियंत्रक का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है।
- राज्य के डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिले के राजस्थान ग्रामदानी अधिनियम से शासित गांवों के किसानों को खातेदारी अधिकार प्रदान करेगी, जिससे उन्हें बैंक ऋण और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।
- राजस्थान सरकार ने जनजाति क्षेत्रों में कृषि उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि के लिए 100 हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि प्रदर्शनी व 85 करोड़ रुपये के व्यय से 8 लाख 50 हजार जनजाति कृषकों को गुणवत्तापूर्ण बीज संकर मक्का बीज मिनीकिट उपलब्ध करवाये जाने की अनुमति प्रदान की है।
- राज्य सरकार ने कृषि उपज मण्डी समितियों के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण के प्रथम चरण तहत राज्य की 116 मण्डियों के तहत 46 करोड़ 86 लाख रुपये की लागत से 781 किसान विश्राम स्थलों का निर्माण कराये जान का अनुमोदन प्रदान किया है।
- राजस्थान सरकार की बजट घोषणा की अनुपालना में जयपुर शहर की द्रव्यवती नदी पर स्थित सांगानेर के 'गूलर बांध' को पुनर्जीवित करने के लिए लगभग 25 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।
- राजस्थान सरकार गेहूं खरीद पर न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना में गेहूं बेचने पर केन्द्र के 2585 रूपये के साथ ही 150 रूपये बोनस पर्सन कर रही है। इससे राजस्थान भारत में गेहूं खरीद पर सबसे ज्यादा पैसा देना वाला राज्य बन गया है।
- जल संसाधन भवन- यह जल संसाधन विभाग का कोटा के नयापुरा स्थित नवनिर्मित भवन है जो विभागीय कार्यों की दक्षता बढ़ाने तथा अभियंताओं एवं कर्मचारियों के लिए सुव्यवस्थित एवं सुसज्जित कार्य वातावरण उपलब्ध कराने हेतु तैयार किया गया है।
- 21वीं अंतर जिला (रेंज स्तरीय) पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल सभी खेलों में जिला जयपुर ग्रामीण ने सर्वाधिक मेडल जीत कर ओवर ऑल चैम्पियनशीप का खिताब हासिल किया है।
- हाल ही में राज्य सरकार ने खरीफ सीजन के लिए बीटी कपास हाइब्रिड बीजों की बिक्री को औपचारिक मंजूरी दी है। अब राज्य में 34 अधिकृत बीज कंपनियां राज्य के अलग-अलग कृषि-जलवायु क्षेत्रों में बीटी कपास हाइब्रिड बीज उपलब्ध करा सकेंगी।

- राज्य के बारां जिले में वन्यजीव गणना में प्रादेशिक वन मंडल के अंतर्गत पहली बार ट्रैप कैमरों का उपयोग किया जाएगा। यह गणना 1 मई, 2026 से होगी।
- पैरालंपिक काउंसिल, मलेशिया के तत्वावधान में 2 जून से आयोजित एशियाई पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप में जयपुर निवासी वर्ल्ड पैरा थ्रोबॉल की अध्यक्ष निर्मला रावत बतौर मुख्य वक्ता कार्यक्रम में शिरकत करेंगी।
- जयपुर की गोल्फर ओजस्विनी सारस्वत ने प्रतिष्ठित आईजीयू पश्चिम बंगाल महिला एवं जूनियर गर्ल्स गोल्फ चैंपियनशिप में एमेच्योर 'बी' श्रेणी में 11वां राष्ट्रीय खिताब जीता है।
- बीकानेर में लूणकरणसर उपखंड के सहजसर गाँव को पूर्ण जैविक ग्राम बनाने के लिए राज्य सरकार ने सहमती प्रकट की है।
- मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 14 अप्रैल, 2026 को इसके अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में नगरीय क्षेत्रों में 200 अंबेडकर ई-लाइब्रेरी स्थापित करने एवं अंबेडकर पीठ, मूंडला, जयपुर में अंबेडकर आवासीय कोचिंग केन्द्र की स्थापना की घोषणा की है।
- मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 11 अप्रैल, 2026 को बूंदी में महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्री बाई फुले की जीवनी पर आधारित पेनोरमा और पुस्तकालय बनाने की घोषणा की।
- राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में वित्त वर्ष 2026-27 में कुल 30 हजार युवाओं को आर्थिक सहायता देने का लक्ष्य रखा है।
- हाथीखेड़ा क्षेत्र (अजमेर) में 30 एकड़ क्षेत्र में 20 करोड़ रूपए की लागत से बालिका सैनिक स्कूल बनेगा।
- राज्य में घुमन्तू एवं अर्द्ध-घुमन्तू समुदाय के बच्चे औपचारिक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 'राज पहल' कार्यक्रम के तहत प्रत्येक जिले में एक 'स्कूल ऑन व्हील्स' स्थापित किया जायेगा।
- राज्य में एक हजार विद्यालयों में एआई आधारित पर्सनलाइज्ड लर्निंग लैब्स की स्थापना की जायेगी।
- राज्य में एक हजार करोड़ रुपये की लागत से 400 विद्यालयों को 'सीएम-राइज' स्कूलों में क्रमोन्नत किया जाएगा।
- राज्य के माइनिंग सेक्टर को देश का अग्रणी सेक्टर बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने खनन विभाग को वर्ष 2026-27 के लिए 39 फीसदी बढ़ोतरी के साथ 14001 करोड़ रुपए का लक्ष्य दिया है।
- रूफ टॉप सौर ऊर्जा इंस्टॉलेशन में गुजरात (6,882 मेगावाट) और महाराष्ट्र (5,442 मेगावाट) के बाद राजस्थान (2090 मेगावाट) तीसरे स्थान पर रहा है।
- राज्य सरकार प्रदेश में महिलाओं को कृषि क्षेत्र में उन्नत एवं सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत महिलाओं को कृषि प्रशिक्षण प्रदान करेगी।
- प्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य के परामर्श, पुनर्वास और उपचार के लिए प्रत्येक जिले 'मेंटल हेल्थ केयर सेल्स' और जयपुर में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन मेंटल हैल्थ' बनाने की घोषणा की गयी है।
- राजस्थान को उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र किये गए प्रयासों के परिणामस्वरूप इंडिया जस्टिस रिपोर्ट में देश के बड़े राज्यों की श्रेणी में तीसरा स्थान प्राप्त किया हुआ।
- राजस्थान देश में ई-नाम प्लेटफॉर्म पर ई-ट्रेड में प्रथम स्थान, कुल आवक के मामले में दूसरे स्थान जबकि ई-पेमेंट करने में चौथे स्थान पर रहा है।
- जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (जयपुर डेयरी) द्वारा रीको के बिचून औद्योगिक क्षेत्र में नया प्लांट स्थापित किया जाएगा।
- राज्य में 27 अप्रैल, 2026 से प्रारंभ हुए ग्राम रथ अभियान के माध्यम से प्रदेशवासियों को राज्य सरकार की कृषि, पशुपालन एवं ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित योजनाओं से जोड़ने का सशक्त प्रयास किया जा रहा है।
- राज्य के वित्त (पेंशन) विभाग के आदेश की पालना में 27 अप्रैल, 2026 को प्रथम पेंशन अदालत अतिरिक्त निदेशक पेंशन एवं पेंशनर्स कल्याण विभाग क्षेत्रीय कार्यालय (संयोजक) स्तर पर आयोजित की गई।
- हाल ही में अलवर जिला प्रशासन ने शहर में टैल्को चौराहे से जेल चौराहे तक सड़क का नाम "पंथ रतन ज्ञानी संत सिंह मस्कीन मार्ग" करने के आदेश जारी किए हैं।
- हाल ही में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव एवं वन राज्यमंत्री श्री संजय शर्मा ने 30 अप्रैल, 2026 को अलवर शहर के डी-ब्लॉक बुध विहार में प्रदेश की पहली हाईटेक पार्क लाइब्रेरी 'विद्या कुंज' का शुभारम्भ किया।

- जयपुर की पूर्व महारानी स्व. गायत्री देवी का एस्ट्रोलैब लंदन में नीलामीघर सोथबीज की नीलामी में रखा जाएगा। यह हाथ में पकड़ा जाने वाला खगोलीय उपकरण है, जिसे उस दौर का 'एस्ट्रोनॉमिकल सुपर कंप्यूटर' भी कहा जाता है।
- हाल ही में आयोजित 16वीं जूनियर राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता में फलोदी ने फाइनल मुकाबले में हनुमानगढ़ को 1-0 से हराकर चैंपियन बना है।
- हाल ही में केंद्र सरकार ने मथुरा-नागदा तीसरी और चौथी रेल लाइन परियोजना को विशेष रेल परियोजना घोषित करते हुए राष्ट्रीय अवसंरचना का दर्जा दिया है।

Samyak
An Institute For Civil Services

क्लास 12th के बाद
IAS & RAS
ग्रेजुएशन के साथ 2 & 3 वर्षीय कोर्स
बैच प्रारम्भ

COURSE FEATURES
विषय विशेषज्ञों द्वारा क्लासेज
प्रिंटेड बुकलेट्स
पर्सनल मेंटरशिप
टेस्ट सीरीज
लाइब्रेरी सुविधा

OFFLINE & LIVE FROM CLASSROOM
FREE 03 DAYS DEMO CLASSES

SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR
9875170111

-:- वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना -:-

- प्रारम्भ- जनवरी, 2018
- **संबंधित मंत्रालय- केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय**
- उद्देश्य- जिले के विशेष उत्पादों के सन्दर्भ में कारीगरों, किसानों और छोटे उद्यमों को सहयोग देकर स्थानीय विशिष्टताओं को वैश्विक ब्रांडों में परिवर्तित करना है
- इस पहल की शुरुआत वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के पीतल के बर्तनों से हुई थी|
- केंद्र सरकार की ओडीओपी योजना के अंतर्गत राजस्थान के 41 जिलों से 41 विशिष्ट उत्पादों की पहचान की गई है।

क्र. सं.	जिला	ओ.डी. ओ. पी. उत्पाद का नाम	क्र. सं.	जिला	ओ.डी. ओ. पी. उत्पाद का नाम
1	अजमेर	ग्रेनाइट एवं मार्बल उत्पाद	22	जालौर	ग्रेनाइट उत्पाद
2	अलवर	ऑटोमोबाइल पार्ट्स	23	झालावाड़	कोटा स्टोन उत्पाद
3	बालोतरा	वस्त्र उत्पाद	24	झुंझुनूं	लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पाद
4	बाँसवाड़ा	मार्बल उत्पाद	25	जोधपुर	लकड़ी के फर्नीचर उत्पाद
5	बारां	लहसुन उत्पाद	26	करौली	सैंडस्टोन उत्पाद
6	बाड़मेर	कशीदाकारी	27	खैरथल - तिजारा	ऑटोमोबाइल पार्ट्स
7	ब्यावर	क्वार्ट्ज एवं फेल्डस्पार पाउडर	28	कोटा	कोटा डोरिया
8	भरतपुर	कृषि आधारित उत्पाद	29	कोटपूतली-बहरोड़	ऑटोमोबाइल पार्ट्स
9	भीलवाड़ा	वस्त्र उत्पाद	30	नागौर	पान मेथी एवं मसाला प्रसंस्करण
10	बीकानेर	बीकानेरी नमकीन	31	पाली	वस्त्र उत्पाद
11	बूंदी	सैंडस्टोन	32	फलौदी	सोनामुखी उत्पाद
12	चित्तौड़गढ़	ग्रेनाइट एवं मार्बल उत्पाद	33	प्रतापगढ	थेवा आभूषण
13	चूरू	लकड़ी के उत्पाद	34	राजसमंद	ग्रेनाइट एवं मार्बल उत्पाद
14	दौसा	पत्थर आधारित उत्पाद	35	सलूम्बर	क्वार्ट्ज
15	जिला	मार्बल एवं ग्रेनाइट उत्पाद	36	सवाई माधोपुर	मार्बल उत्पाद
16	डीडवाना-कुचामन	पत्थर आधारित उत्पाद	37	सीकर	लकड़ी के फर्नीचर उत्पाद
17	धौलपुर	पत्थर आधारित उत्पाद	38	सिरोही	मार्बल उत्पाद
18	डूंगरपुर	मार्बल उत्पाद	39	श्रीगंगानगर	सरसों का तेल
19	हनुमानगढ़	कृषि आधारित उत्पाद	40	टोंक	स्लेट स्टोन उत्पाद
20	जयपुर	रत्न एवं आभूषण	41	उदयपुर	मार्बल एवं ग्रेनाइट उत्पाद
21	जैसलमेर	येलो स्टोन उत्पाद			

-:- पंच गौरव कार्यक्रम -:-

- प्रारम्भ- वर्ष 2025-26
- उद्देश्य- प्रत्येक जिले की क्षमता और विशिष्ट विशेषताओं के आधार पर उत्पादों/स्थलों का चयन करके प्रत्येक जिले को एक अनूठी पहचान प्रदान करना और उनके संरक्षण, संवर्धन और विकास के माध्यम से जिलों को एक मजबूत सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान प्रदान करना है।
- इस कार्यक्रम के अंतर्गत 'पंच गौरव' पहल के तहत प्रत्येक जिले के लिए पांच प्रमुख तत्व निर्धारित किए गए हैं-
  1. एक जिला-एक उत्पाद
  2. एक जिला-एक फसल
  3. एक जिला-एक वनस्पति प्रजाति
  4. एक जिला-एक खेल
  5. एक जिला-एक पर्यटन स्थल।
- पंच गौरव कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय पंच गौरव समिति और जिला कलेक्टरों की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पंच गौरव समितियों का गठन किया गया है।

क्र. सं.	जिला	उपज	वनस्पति प्रजाति	उत्पाद	पर्यटन स्थल	खेल
1	अजमेर	गुलाब	नीम	ग्रेनाइट एवं मार्बल के उत्पाद	पुष्कर तीर्थ	कबड्डी
2	अलवर	प्याज	अर्जुन	ऑटामोबाइल पार्ट्स	सरिस्का टाईगर रिजर्व	कुश्ती
3	बालोतरा	अनार	रोहिड़ा	टैक्सटाइल उत्पाद	नाकोड़ा जैन मंदिर	क्रिकेट
4	बांसवाड़ा	आम	सागवान	मार्बल के उत्पाद	त्रिपुरा सुंदरी मंदिर	तीरंदाजी
5	बारां	लहसुन	चिरौंजी	लहसुन के उत्पाद	रामगढ़ क्रेटर	फुटबॉल
6	बाड़मेर	ईसबगोल	रोहिड़ा	कशीदाकारी	किराडू मंदिर	बास्केटबॉल
7	ब्यावर	गेंहू	करंज	क्वार्ट्ज एवं फेल्डस्पार पाउडर	टोडगढ़ पहाड़ी	हॉकी
8	भरतपुर	शहद	कदम्ब	कृषि आधारित उत्पाद	केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान	कुश्ती
9	भीलवाड़ा	संतरा	अर्जुन	टेक्सटाईल उत्पाद	माण्डलगढ़ किला	बास्केटबॉल
10	बीकानेर	मोठ	रोहिड़ा	बीकानेरी नमकीन	करणी माता मंदिर	तीरंदाजी
11	बून्दी	चावल	धोक	सेन्ड स्टोन	रामगढ़ विषधारी टाईगर रिज़र्व	कबड्डी
12	चित्तौड़गढ़	सीताफल	बिल्व पत्र	ग्रेनाईट एवं मार्बल के उत्पाद	चित्तौडगढ़ दुर्ग	कबड्डी
13	चूरू	ग्वारपाठा	खेजड़ी	लकड़ी के उत्पाद	सालासर बालाजी मंदिर	एथलेटिक्स
14	दौसा	सौंफ	ढाक	पत्थर के उत्पाद	मेहंदीपुर बालाजी मंदिर	फुटबॉल
15	डीडवाना—कुचामन	प्याज	खेजड़ी	मार्बल एवं ग्रेनाईट के उत्पाद	डीडवाना झील	बास्केटबॉल
16	डीग	सरसों	अर्जुन	स्टोन आधारित उत्पाद	डीग महल	कुश्ती

क्र. सं.	जिला	उपज	वनस्पति प्रजाति	उत्पाद	पर्यटन स्थल	खेल
17	धौलपुर	आलू	करंज	स्टोन आधारित उत्पाद	मचकुण्ड	हॉकी
18	डूंगरपुर	आम	सागवान	मार्बल के उत्पाद	बेणेश्वर धाम	हॉकी
19	हनुमानगढ़	किन्नू	शीशम	कृषि आधारित उत्पाद	गोगामेड़ी मंदिर	हॉकी
20	जयपुर	आंवला	लिसोड़ा	रत्नाभूषण	आमेर दुर्ग	कबड्डी
21	जैसलमेर	खजूर	जाल	येलो स्टोन के उत्पाद	जैसलमेर दुर्ग	जिमनास्टिक
22	जालौर	अनार	जाल	ग्रेनाईट के उत्पाद	सुँधा माता मंदिर	बॉक्सिंग
23	झालावाड़	संतरा	सागवान	कोटा स्टोन के उत्पाद	गागरोन दुर्ग	बास्केटबॉल
24.	झुन्झुनू	सरसों	नीम	लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पाद	लोहार्गल तीर्थ	बास्केटबॉल
25.	जोधपुर	जीरा	जाल	लकड़ी के फर्नीचर	मेहरानगढ़ दुर्ग	जिमनास्टिक
26.	करौली	तिल	बरगद	सेण्ड स्टोन के उत्पाद	कैलादेवी मंदिर	क्रिकेट
27.	खैरथल - तिजारा	प्याज	शीशम	ऑटोमोबाईल पार्ट्स	तिजारा जैन मंदिर	कुश्ती
28.	कोटा	धनिया	खैर	कोटा डोरिया	चम्बल रिवर फ्रंट	कुश्ती
29.	कोटपूतली- बहरोड़	गाजर	गूगल	ऑटोमोबाईल पार्ट्स	बैराठ	कुश्ती
30.	नागौर	मूंग	खेजडी	पान मैथी एवं मसाला प्रसंस्करण	मीराबाई स्मारक	कबड्डी
31.	पाली	मेंहदी	नीम	टेक्सटाईल के उत्पाद	रणकपुर जैन मंदिर	बास्केटबॉल
32.	फलौदी	जीरा	जाल	सोनामुखी के उत्पाद	खींचन	एथलेटिक्स
33.	प्रतापगढ़	कलौंजी	तेंदू	थेवा आभूषण	सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण	तीरंदाजी
34.	राजसमन्द	सीताफल	नीम	ग्रेनाईट एवं मार्बल के उत्पाद	कुम्भलगढ़ किला	हॉकी
35.	सलूम्बर	मक्का	पलाश	क्वार्ट्ज	जयसमंद झील	कबड्डी
36.	सवाई माधोपुर	अमरूद	नीम	मार्बल के उत्पाद	रणथम्भौर नेशनल पार्क	फुटबॉल
37.	सीकर	प्याज	अरडू	लकड़ी के फर्नीचर	खाटूश्यामजी मंदिर	बास्केटबॉल
38.	सिरोही	सौंफ	महुआ	मार्बल के उत्पाद	देलवाड़ा जैन मंदिर	तीरंदाजी
39.	श्रीगंगानगर	किन्नू	शीशम	सरसों का तेल	बूढ़ा जोहड़	एथलेटिक्स
40.	टोंक	सरसों	अमलतास	स्लेट स्टोन के उत्पाद	डिग्गी कल्याण जी	एथलेटिक्स
41.	उदयपुर	सीताफल	महुआ	मार्बल एवं ग्रेनाईट के उत्पाद	फतेहसागर एवं पिछोला झील	तैराकी

:- राजस्थान की राज्य पहचान के प्रतीक -:

राजस्थान का राज्य वृक्ष

- राजस्थान का राज्य वृक्ष खेजड़ी या शमी वृक्ष है।
- इसका वानस्पतिक नाम प्रोसोपिस सिनेरेरिया है।
- इसे 'रेगिस्तान का कल्पवृक्ष' कहते है।
- इसे 31 अक्टूबर, 1983 को राजस्थान का राज्य वृक्ष घोषित किया गया था।

राजस्थान का राज्य पक्षी

- राजस्थान का राज्य पक्षी गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) है।
- इसका वैज्ञानिक नाम एरडेओटिस नाइजीसेप्स है।
- गोडावण को 1981 में राजस्थान का राज्य पक्षी घोषित किया गया।

राजस्थान का राज्य पशु

राजस्थान राजस्थान के राज्य पशु की दो श्रेणियाँ हैं–

1. जंगली पशु –

- राजस्थान का राज्य जंगली पशु चिंकारा है। इसका वैज्ञानिक नाम गजेला बेनेट्टी है। इसे वर्ष 1981 में राज्य पशु घोषित किया गया था।

2. पालतू पशु –

- राजस्थान का राज्य पालतू पशु ऊँट है इसे राजस्थान सरकार ने 30 जून, 2014 को राज्य पशु का दर्जा दिया था। इसे रेगिस्तान का जहाज उपनाम से भी जाना जाता है।

राजस्थान का राज्य पुष्प

- राजस्थान राजस्थान का राज्य पुष्प रोहिड़ा है। इस वानस्पतिक नाम टिकोमेला अन्डुलेटा है। इसे मरुस्थल का सागवान, मारवाड़ टीक भी कहा जाता है।
- रोहिड़ा के फूल को 21 अक्टूबर 1983 को राजस्थान सरकार ने राज्य पुष्प घोषित किया था।

2 राष्ट्रीय परिदृश्य

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर हवाई अड्डे) के प्रथम चरण का उद्घाटन-

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मार्च, 2026 को उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन किया है।
- अवस्थित- जेवर, गौतम बुद्ध नगर
- निर्माता- ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी की सहायक कंपनी 'यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड' के द्वारा।
- क्षमता- प्रथम चरण के पूरा होने पर यह प्रति वर्ष 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा।
- प्रथम चरण में एक रनवे और एक टर्मिनल बिल्डिंग तैयार की गई है।
- यह भारत का पहला हवाई अड्डा है जिसे शुद्ध शून्य उत्सर्जन हवाई अड्डे के रूप में डिजाइन किया गया है।
- इसके सभी चरणों का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह एशिया का सबसे बड़ा और दुनिया का चौथा सबसे बड़ा हवाई अड्डा बन जाएगा।

प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित-

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने और भारत को चक्रीय अर्थव्यवस्थाकी ओर तेजी से अग्रसर करने के उद्देश्य से प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2026 को अधिसूचित किया है।

प्रमुख संशोधन-

- नए नियमों के तहत, उत्पादकों, आयातकों और ब्रांड मालिकों के लिए प्लास्टिक पैकेजिंग में एक निश्चित प्रतिशत पुनर्चक्रित प्लास्टिक का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया गया है।
- वर्ष 2025-26 के लिए कठोर प्लास्टिक पैकेजिंग (श्रेणी-I) में कम से कम 30% पुनर्नवीनीकरण सामग्री होनी चाहिए जो वर्ष 2028-29 तक बढ़कर 60% हो जाएगी।
- लचीले प्लास्टिक (श्रेणी-II) के लिए 10% की आवश्यकता है जो बढ़कर 20% हो जाएगीजबकि बहुस्तरीय प्लास्टिक (श्रेणी-III) में 5% की आवश्यकता को पूरा करना होगा जो बढ़कर 10% हो जाएगी। इसके अतिरिक्त कठोर पैकेजिंग के पुन: उपयोग के लक्ष्य अनिवार्य किए गए हैं।

एनएचएआई आरोग्य वन परियोजना -

- यह सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की परियोजना है।
- इसके तहत एनएचएआई राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे खाली पड़ी जमीनों पर औषधीय वृक्षारोपण करेगा।
- इस परियोजना के तहत पहले चरण में कुल 62.8 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले 17 भूखंडों को चिह्नित किया गया है। इससे राजमार्गों के आसपास पारिस्थितिक संतुलन, परागणकों, पक्षियों और सूक्ष्मजीवों को सहारा तथा औषधीय पौधों की समृद्ध विरासत को संरक्षित किया जा सकेगा।

"भारत में अनुसंधान एवं विकास करने में सुगमता" और "भारत में आरएंडडी में सुगमता पर सर्वेक्षण रिपोर्ट" रिपोर्ट-

- नीति आयोग ने 9 अप्रैल, 2026 को "भारत में अनुसंधान एवं विकास करने में सुगमता" और "भारत में आरएंडडी में सुगमता पर सर्वेक्षण रिपोर्ट" शीर्षक से दो रिपोर्ट जारी कीं है।
- इन रिपोर्ट का उद्देश्य देश में अधिक कुशल, सुगम और नवाचार-संचालित अनुसंधान इकोसिस्टम को सक्षम बनाना है।
- इन रिपोर्टों में भारत के आरएंडडी पारिस्थितिकी तंत्र का व्यापक मूल्यांकन प्रस्तुत किया गया है और वित्तपोषण तंत्र, संस्थागत प्रशासन, नियामक ढांचे और अनुसंधान के व्यावहारिक अनुप्रयोग में सुधार पर केंद्रित व्यावहारिक अनुशंसाओं का एक समूह प्रस्तुत किया गया है।

From Borrowers to Builders: Women and India's Evolving Credit Market रिपोर्ट

- जारीकर्ता- नीति आयोग
- संस्करण- दूसरा
- जारी तिथि- 7 अप्रैल, 2026 को
- यह रिपोर्ट महिला उद्यमिता मंच (WEP), ट्रांसयूनियन सिबिल (TransUnion CIBIL) और माइक्रोसेव कंसल्टिंग (MSC) के सहयोग से तैयार की गई है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु –

- भारत में महिलाओं के बीच क्रेडिट की पहुंच 19% से बढ़कर 36% हो गई है।
- भारत में महिला उधारकर्ताओं के पास अब ₹76 लाख करोड़ का क्रेडिट पोर्टफोलियो है, जो कुल सिस्टम क्रेडिट का 26% है।
- वर्ष 2017 के बाद से महिलाओं के क्रेडिट एक्सपोजर में 4.8 गुना की वृद्धि हुई है। यह ₹16 लाख करोड़ (2017) से बढ़कर ₹76 लाख करोड़ (2025) हो गया है।

केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु को मिली जैव रसायन एवं

रुधिर विज्ञान में आईएसओ 15189:2022 मान्यता-

- आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु की क्लिनिकल प्रयोगशाला को जैव रसायन और रुधिर विज्ञान दोनों के लिए आईएसओ 15189:2022 मान्यता प्राप्त हुई है।
- यह संस्थान केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् संस्थान के अंतर्गत यह उपलब्धि प्राप्त करने वाला पहला संस्थान बन गया है।
- यह मान्यता रोगियों को आश्वस्त करती है कि प्रयोगशाला वैश्विक स्तर पर स्वीकृत गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सटीक, विश्वसनीय और सुरक्षित नैदानिक परिणाम प्रदान करती है।
- आईएसओ 15189:2022 एक अंतरराष्ट्रीय मानक है जो चिकित्सा प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता और दक्षता के लिए आवश्यकताओं को निर्दिष्ट करता है।

महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में दो-वर्षीय राष्ट्रव्यापी समारोह का शुभारंभ-

- भारत सरकार ने अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में 11 अप्रैल, 2026 (11 अप्रैल, 2026 से 11 अप्रैल, 2028) को महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में दो-वर्षीय राष्ट्रव्यापी समारोह का औपचारिक शुभारंभ
- इस राष्ट्रव्यापी समारोह के मार्गदर्शन और देखरेख के लिए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है, जिसमें 126 सदस्य शामिल हैं।
- यह स्मरणोत्सव पूरे देश में कार्यक्रमों और गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से आयोजित किया जाएगा।

महात्मा ज्योतिबा फुले-

- यह एक अग्रणी समाज सुधारक थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन वंचितों के उत्थान तथा शिक्षा और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित कर दिया।
- जन्म- 11 अप्रैल , 1827 को

प्रमुख योगदान-

- इन्होंने अपनी पत्नी के साथ वर्ष 1848 में भारत का पहला कन्या विद्यालय शुरू किया
- महात्मा ज्योतिबा फुले ने जाति उत्पीड़न का विरोध किया, चिपलूणकर और तिलक जैसे ब्राह्मणवादी नेताओं की आलोचना की।
- जाति पदानुक्रम का उन्मूलन करने के लिये सत्यशोधक समाज (1873) की स्थापना की।
- प्रमुख प्रकाशन- तृतीया रत्न (वर्ष 1855), पोवाडा: छत्रपती शिवाजी राजे भोसले यांचा (वर्ष 1869), गुलामगिरी (वर्ष 1873), शेतकऱ्याचा असूड (वर्ष 1881)।
- उन्हें 11 मई, 1888 को महाराष्ट्रीयन सामाजिक कार्यकर्त्ता विट्ठलराव कृष्णजी वांडेकर द्वारा महात्मा की उपाधि प्रदान की गई थी।

मेरा युवा भारत पहल के तहत 'नारी शक्ति युवा संसद' का आयोजन-

- 12 अप्रैल, 2026 को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने मेरा युवा भारत (माय भारत) मंच के माध्यम से राष्ट्रव्यापी नारी शक्ति युवा संसद का आयोजन किया।
- यह पहल "नारी शक्ति: विकसित भारत की आवाज - समावेशी लोकतंत्र को सशक्त बनाना" विषय पर आधारित थी।
- यह पहल एक साथ 17 क्षेत्रों में आयोजित की गई, जिसमें 7,000 से अधिक युवा महिलाओं को संगठित लोकतांत्रिक भागीदारी और युवा नेतृत्व वाले नीतिगत संवाद में भाग लिया।

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के नैदानिक कार्यप्रवाह को सुदृढ़ करने के लिए मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च-

- केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 13 अप्रैल, 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) के नैदानिक कार्यप्रवाह को समर्थन और सुव्यवस्थित करने के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है।
- यह एप्लिकेशन प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करने और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से लाँच किया गया है। यह मोबाइल एप्लिकेशन को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) द्वारा विकसित किया गया है जिसे व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के अंतर्गत विस्तारित 12 सेवा पैकेजों के अनुरूप बनाया गया है।

ब्रिक्स स्वास्थ्य कार्य समूह की बैठक-2026-

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 15 अप्रैल, 2026 को नई दिल्ली में ब्रिक्स स्वास्थ्य कार्य समूह की पहली बैठक-2026 के अंतर्गत प्रथम स्वास्थ्य कार्य समूह (एचडब्ल्यूजी) की बैठक की अध्यक्षता की।
- इस बैठक का विषय विषय "लचीलापन, नवाचार, सहयोग एवं स्थिरता के लिए निर्माण" है, जो जन-केंद्रित एवं भविष्य के लिए तैयार दृष्टिकोण को दर्शाता है।
- इस बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ और प्रतिनिधि सार्वजनिक स्वास्थ्य में सहयोग के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर विचार-विमर्श करने के लिए एकत्रित हुए।

कंकरिया बना भारत का पहला वॉटर न्यूट्रल कोचिंग डिपो–

- अहमदाबाद स्थित कंकरिया कोचिंग डिपो (पश्चिम रेलवे) भारत का पहला पूर्णत: 'वॉटर न्यूट्रल' रेलवे डिपो बना है।
- यह डिपो प्रतिदिन लगभग 1.60 लाख लीटर पानी की बचत करता है, जिससे ताजे पानी पर निर्भरता कम हुई है।
- इस डिपो की सफलता का मुख्य आधार 'फाइटोरेमेडिएशन' तकनीक है।
- 'फाइटोरेमेडिएशन' एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसमें पौधों का उपयोग जल शुद्धिकरण के लिए किया जाता है। पौधे अपशिष्ट जल से अशुद्धियों और प्रदूषकों को अवशोषित कर लेते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान का पहला चरण लागू-

- हाल ही में दिल्ली और एनसीआर में वायु गुणवत्ता खराब होने के कारण ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) का पहला चरण लागू किया गया है।

ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान-

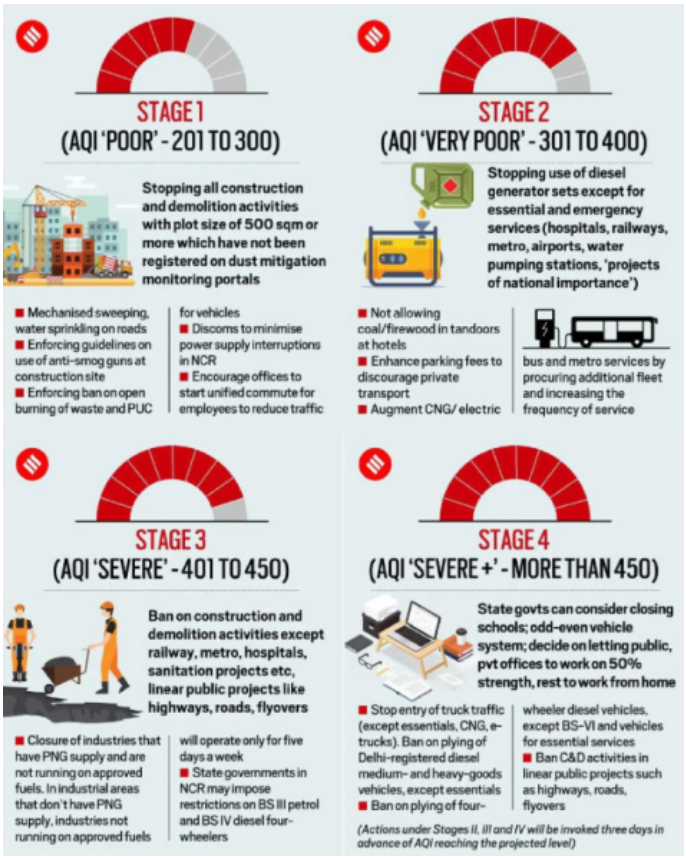

- यह दिल्ली-एनसीआर में में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर 2017 में लागू एक आपातकालीन योजना है। इस प्लान का कार्यान्वयन वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा लागू किया जाता है।
- यह वायु गुणवत्ता सूचकांक के आधार पर चार चरणों (खराब से गंभीर) में बंटी है, जो धूल नियंत्रण, डीजल जनरेटर पर प्रतिबंध और निर्माण कार्यों को रोकने जैसे कड़े उपाय करती है।
- चरण-I (खराब - AQI 201-300)- सड़क की सफाई, पानी का छिड़काव, और PUC (प्रदूषण नियंत्रण) मानदंडों को सख्ती से लागू करना।
- चरण-II (बहुत खराब - AQI 301-400)- डीजल जनरेटर (DG) के उपयोग पर पाबंदी और हॉटस्पॉट पर कार्रवाई।
- चरण-III (गंभीर - AQI 401-450)- निर्माण और विध्वंस गतिविधियों (गैर-आवश्यक) पर रोक, BS-III/IV वाहनों पर प्रतिबंध।
- चरण-IV (अति गंभीर - AQI > 450)- ट्रकों के प्रवेश पर रोक (आवश्यक को छोड़कर), स्कूलों को बंद करना, और वर्क फ्रॉम होम का आदेश।

नीति आयोग ने "दिव्य भारत- भारत की आत्मा की एक झलक" नामक संकलन का शुभारंभ किया-

- हाल ही में नीति आयोग ने 17 अप्रैल, 2026 को "दिव्य भारत- भारत की आत्मा की एक झलक" नामक संकलन का शुभारंभ किया है।
- यह संकलन नागरिकों और वैश्विक यात्रियों को एक संरचित और गहन दृष्टिकोण के माध्यम से भारत के विविध पर्यटन परिदृश्य का पता लगाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से लाँच किया गया है।
- यह संकलन एक व्यापक रणनीतिक दस्तावेज है जो पर्यटन स्थलों को मौसमी दृष्टिकोण (यात्री मौसम के अनुसार सही पर्यटन स्थल चुन सकें), विविधता का समावेश और कम ज्ञात स्थलों को शामिल करता है।
- इसमें पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटकों को दर्शनीय स्थलों को देखने के बजाय स्थानीय समुदायों, उनकी जीवनशैली और परंपराओं के साथ जुड़ने पर जोर दिया गया है।

इन्फो वैली में भारत की पहली उन्नत 3डी सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई का उद्घाटन-

- हाल ही में इन्फो वैली, भुवनेश्वर (ओडिशा) में 19 अप्रैल, 2026 को देश की पहली उन्नत 3D सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई का शिला_न्यास किया गया है।
- यह इकाई भारत की घरेलू सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मजबूत करने और उच्च-स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण में आत्मनिर्भर भारत के दृष्टि-कोण को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- इस इकाई में प्रति वर्ष 70,000 ग्लास पैनल, 50 मिलियन असेंबल किए गए यूनिट और लगभग 13,000 उन्नत 3डीएचआई मॉड्यूल का उत्पादन होने की सम्भावना है।

विश्व सूत्र-

- वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान ने 19 अप्रैल, 2026 भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित 61वीं फेमिना मिस इंडिया में "विश्व सूत्र- दुनिया के लिए भारत की बुनाई" नामक कलेक्शन का अनावरण किया है।
- विश्व सूत्र पहल का उद्देश्य भारतीय पारंपरिक हथकरघा को वैश्विक फैशन और आधुनिक डिजाइन के साथ जोड़ना है।
- इसमें भारत के 30 राज्यों की विशिष्ट बुनाई शैलियों को लिया गया और उन्हें दुनिया के 30 अलग-अलग देशों की कला और डिजाइन से प्रेरित होकर नया रूप दिया गया है।
- यह पहल भारत सरकार की ''लोकल से ग्लोबल तक वोकल'' और प्रधानमंत्री के 5F (फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन) विजन को साकार करती है।

अचप्पाज़ एल्बम-

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (एनएफडीसी) अपनी नवीनतम मलयालम फिल्म 'अचप्पाज़ एल्बम' (ग्रैम्पाज़ एल्बम) को 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया।
- यह फिल्म कल्पना पर आधारित पारिवारिक जीवन, हास्य और भावनाओं के अनूठा संगम के रूप में है जो समय-यात्रा से जुड़ी कहानी को दर्शाती है। यह फिल्म अतीत को पुनः जीने की ओर शाश्वत आकर्षण को दर्शाती है।
- दीप्ति पिल्लै सिवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कहानी संजीव सिवन, अनिर्बान भट्टाचार्य और उमेश नायर ने लिखी है।

एनएफडीसी-

- स्थापना- वर्ष 1975 में
- यह सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन भारतीय सिनेमा के विकास के लिए सर्वोच्च निकाय है।
- यह विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों के निर्माण, प्रचार और संरक्षण सहित संपूर्ण फिल्म निर्माण प्रणाली में सहयोग करता है।

भारत की पहली पॉड टैक्सी परियोजना का उदघाटन-

- हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने 07 अप्रैल, 2026 को मुंबई में भारत की पहली चालक रहित 'पॉड टैक्सी' परियोजना का शिलान्यास किया।
- यह टैक्सी प्रणाली ड्राइवर रहित और एआई द्वारा संचालित हैं तथा इसमें अधिकतम छह यात्री बैठ सकते हैं।
- इसकी अधिकतम गति 40 किमी/घंटा होगी
- यह परियोजना कुर्ला और बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के बीच 8.85 किलोमीटर में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

विमानन सुरक्षा में आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के लिए समझौता ज्ञापन-

- भारत में विमानन सुरक्षा में आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के लिए ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के मध्य 6 अप्रैल, 2026 को समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ।
- इस समझौते के तहत भारतीय हवाई अड्डों पर उपयोग में आने वाले फुल बॉडी स्कैनर्स तथा अन्य सुरक्षा स्क्रीनिंग उपकरणों के परीक्षण, प्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रमाणन को उन्नत किया जायेगा।

जनगणना-2027- मकान सूचीकरण और गणना

- भारत सरकार ने 1 अप्रैल, 2026 से जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण और मकानों की गणना की शुरुआत की है जो 1 अप्रैल से 30 सितंबर, 2026 के बीच पूरे देश में संचालित किया जाएगा। यह भारत की पहली जनगणना है जो पूरी तरह डिजिटल डेटा कैप्चर के साथ स्व-गणना की सुविधा युक्त है।
- यह वेब आधारित सुविधा है जो सोलह क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है।

अमरावती बनी तेलंगाना की आधिकारिक और स्थायी राजधानी-

- लोकसभा ने आंध्रा पुनर्गठन अधिनियम, 2014 में संशोधन कर अमरावती को राज्य की एकमात्र राजधानी घोषित किया।
- पहले राज्य में तीन राजधानियों विशाखापट्टनम (कार्यकारी), अमरावती (विधायी) औरकुसूल (न्यायिक)का मॉडल प्रस्तावित था।
- यह फैसला 2 जून 2024 से प्रभावी माना जाएगा।

एनसीईआरटी को मिला डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा

- सरकार ने एनसीईआरटी को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा दे दिया है, जिससे अब वह खुद डिग्री दे सकेगा। इसके तहत भोपाल, अजमेर, भुवनेश्वर, मैसूर और शिलांग के क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भी शामिल होंगे।

भारत बना दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा बाजार-

- इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी के अनुसार साल 2025 में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा बाजार बना है।
- भारत ने एक साल में करीब 45 गीगावॉट नई क्षमता जोड़ी, जो मुख्य रूप से सौर और पवन ऊर्जा से आई।
- सूची में पहले स्थान पर चीन और दूसरे स्थान पर अमेरिका हैं।

लेफ्ट विंग एक्स्ट्रीमिज्म प्रभावित जिलों के वर्गीकरण में बदलाव-

- केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने लेफ्ट विंग एक्स्ट्रीमिज्म प्रभावित जिलों के वर्गीकरण में बदलाव किया है।
- अब केवल छत्तीसगढ़ का बीजापुर और झारखंड का पश्चिम सिंहभूम ही नक्सल प्रभाविच श्रेणी में बचे हैं।

कमला जलविद्युत परियोजना-

- केन्द्रीय आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने अरुणाचल प्रदेश के कामले, क्रा दादी और कुरुंग कुमे जिलों में कमला नदी (सुबनसिरी की सहायक नदी) पर स्थित कमला जलविद्युत परियोजना के निर्माण के लिए 26,069.50 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी है।

एफआईयू-इंडिया व भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के मध्य साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय अपराधों से निपटने के लिए एमओयू-

- 9 अप्रैल, 2026 को वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-इंडिया) और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (14सी) ने सूचना साझाकरण और समन्वय को बढ़ाने के लिए एक व्यापक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए है।
- इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों एजेंसियों को राष्ट्रीय स्तर पर धोखाधड़ी का पता लगाने के प्रोटोकॉल को बेहतर बनाने के लिए सशक्त प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करने में सक्षम बनाना है।

शेखा झील पक्षी अभयारण्य को मिला रामसर स्थल का दर्जा-

- हाल ही में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ ज़िले में स्थित शेखा झील पक्षी अभयारण्य को रामसर स्थल का दर्जा प्रदान किया गया है।
- यह भारत का 99वाँ जबकि उत्तर प्रदेश का 12वाँ रामसर स्थल है।

शेखा झील पक्षी अभयारण्य-

- अवस्थित- अलीगढ़, उत्तरप्रदेश
- यह अभयारण्य स्वच्छ जल की झील का विस्तार है।

रामसर स्थल-

- यह अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमियाँ होती हैं। इन्हें वर्ष 1971 के रामसर सम्मेलन के तहत संरक्षण के लिए चुना जाता है।

अमरावती क्वांटम रेफरेंस फैसिलिटी केंद्र का शुभारम्भ-

- आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने 14 अप्रैल, 2026 को अमरावती में 'अमरावती क्वांटम रेफरेंस फैसिलिटी' का उद्घाटन किया। यह क्वांटम प्रौद्योगिकी के लिए समर्पित मानक परीक्षण एवं अनुसंधान केंद्र है। यह केंद्र क्वांटम हार्डवेयर के परीक्षण, मानकीकरण और प्रमाणन के लिए राष्ट्रीय मंच के रूप में काम करेगा।

साध्वी सतीश सैल बनी फेमिना मिस इंडिया-2026

- हाल ही में 18 अप्रैल, 2026 को भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजित फेमिना मिस इंडिया-2026 प्रतियोगिता में गोवा की साध्वी सतीश सैल फेमिना मिस इंडिया-2026 चुनी गई है।
- साध्वी सैल अब मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र की राजनंदिनी पवार फर्स्ट रनर अप तो जम्मू कश्मीर की अद्वैता सेकंड रनरअप रहीं।

फरीदाबाद में एलिम्को के अत्याधुनिक सहायक उत्पादन केंद्र का उद्घाटन

- 11 अप्रैल, 2026 को केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने फरीदाबाद, हरियाणा में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के नवनिर्मित अत्याधुनिक सहायक उत्पादन केंद्र का उद्घाटन किया।
- यह केंद्र दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले सहायक उपकरणों की उपलब्धता और सेवा वितरण को सुनिश्चित करेगा।

स्माइल-बेगरी सर्वे मोबाइल एप्लिकेशन लॉंच-

- भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने चंडीगढ़ में स्माइल-बेगरी सर्वे मोबाइल एप्लिकेशन का शुभारंभ किया है।
- यह मोबाइल एप्लिकेशन स्माइल-भिक्षावृत्ति उप-योजना के अंतर्गत विकसित की गई है।
- इसका उद्देश्य वास्तविक समय डेटा संग्रह और बेहतर निगरानी के माध्यम से जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन को मजबूत करना है।

e-SafeHER-

- यह 13 अप्रैल, 2026 को सी-डैक, हैदराबाद तथा रिलायंस फाउंडेशन द्वारा शुरू की गयी पहल है।
- यह एक साइबर सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण भारत की दस लाख महिलाओं को डिजिटल इकोसिस्टम में सुरक्षित और आत्मविश्वास के साथ भाग लेने में सक्षम बनाना है।
- इसका उद्देश्य ग्रामीण भारत की उन महिलाओं के बीच अंतिम छोर तक साइबर सुरक्षा जागरूकता को मजबूत करना है।

वर्कला शहर-

- केरला के वर्कला शहर को 20 सिटीज़ टुवर्ड्स ज़ीरो वेस्ट पहल के प्रथम संस्करण में शामिल किया गया है। यह शहर इस वैश्विक पहल के पहले संस्करण में शामिल होने वाला भारत का एकमात्र शहर बना है।
- 20 सिटीज टुवर्ड्स जीरो वेस्ट पहल- यह संयुक्त राष्ट्र की कचरा प्रबंधन और सतत विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण वैश्विक पहल है।

तमिलनाडु और मेघालय में जैव विविधता संरक्षण और स्थानीय शासन के सुदृढ़ीकरण के लिए पंचवर्षीय परियोजना प्रारम्भ-

- हाल ही में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) और राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (NBA) ने 26 अप्रैल, 2026 को तमिलनाडु और मेघालय में जैव विविधता शासन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए एक पंचवर्षीय परियोजना (2025-2030) शुरू की है।
- यह योजना 'जैव विविधता संरक्षण प्रतिबद्धताओं को सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करना' नामक नाम से शुरू की है।
- यह परियोजना भारत सरकार, वैश्विक पर्यावरण सुविधा (जीईएफ) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की एक संयुक्त पहल

है, जिसके लिए 2025-2030 की अवधि के लिए 4.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान दिया गया है।

- इसके तहत तमिलनाडु (सत्यमंगलम भू-भाग) में वन्यजीव गलियारों के संरक्षण के लिए स्थानीय समुदायों के ज्ञान को ग्राम विकास योजनाओं (GPDP) में शामिल किया जाएगा।
- मेघालय में गारो हिल्स (नोकरेक बायोस्फीयर रिजर्व और बालपक्रम राष्ट्रीय उद्यान) में ग्राम रोजगार परिषदों (VECs) के माध्यम से समुदाय-नेतृत्व वाले संरक्षण पर जोर दिया जाएगा।
- यह परियोजना भारत की राष्ट्रीय जैव विविधता रणनीति (NBSAP 2024-2030) और वैश्विक 30x30 लक्ष्य (कुनमिंग-मॉन्ट्रियल फ्रेमवर्क) को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

रक्षामंत्री ने किया एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व-

- हाल ही में 28 अप्रैल, 2026 को किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत के रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।
- इस बैठक में संगठन के सदस्य देशों के रक्षामंत्रियों ने क्षेत्र की रक्षा एवं सुरक्षा से संबंधित कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया तथा अंतर्राष्ट्रीय शांति, आतंकवाद-विरोधी उपायों और एससीओ सदस्य देशों के बीच रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।
- रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद और चरमपंथ के प्रति भारत के सख्त और शून्य सहिष्णुता वाले दृष्टिकोण को रेखांकित किया।
- शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)-
  - एससीओ एक अंतर-सरकारी संगठन है।
  - इसकी स्थापना 15 जून, 2001 को शंघाई में हुई थी।
  - इसके सदस्यों में भारत, रूस, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस शामिल हैं।
  - भारत वर्ष 2017 में इसका पूर्ण सदस्य बना और वर्ष 2023 में इसकी अध्यक्षता संभाली थी।

डीपीआई@2047-

- हाल ही में नीति आयोग ने 27 अप्रैल, 2026 को डीपीआई@2047 (DPI@2047) नामक एक रणनीतिक ड्राफ्ट प्रस्तुत किया है।
- नीति आयोग द्वार जारी इस ड्राफ्ट का उद्देश्य भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (Digital Public Infrastructure) के अगले चरण को रेखांकित करना है ताकि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।
- इस प्रारूप में देश के डिजिटल परिवर्तन के लिए दो महत्वपूर्ण समय-सीमाएं निर्धारित की गई हैं-
  - डीपीआई 2.0 (2025-2035)- इसका तात्कालिक ध्यान व्यापक स्तर पर आजीविका-आधारित विकास और उत्पादकता बढ़ाने पर है। इसके तहत आठ प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई है।
  - डीपीआई 3.0 (2035-2047)- इसका लक्ष्य पूरे देश में व्यापक समृद्धि और विकसित राष्ट्र की स्थिति सुनिश्चित करना है।

पंचायती राज मंत्रालय ने पंचायत उन्नति सूचकांक (PAI) 2.0 रिपोर्ट जारी की-

- हाल ही में पंचायती राज मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) 2.0 रिपोर्ट जारी की है।
- यह सूचकांक साक्ष्य-आधारित योजना, प्रदर्शन निगरानी और पंचायती राज संस्थाओं को प्रोत्साहन देने के लिए एक सशक्त उपकरण के रूप में कार्य करता है जो पंचायतों के लिए एक 'रिपोर्ट कार्ड' की तरह है।
- इसमें देशभर में 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों में से प्रत्येक का मूल्यांकन 150 संकेतकों और 230 डेटा बिंदुओं के आधार पर किया गया है। यह संकेतक सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के अंतर्गत नौ विषयगत क्षेत्रों (गरीबी, स्वास्थ्य, बाल कल्याण, जल, पर्यावरण, अवसंरचना, सामाजिक न्याय, सुशासन और महिला सशक्तिकरण) को कवर करते हैं।
- पंचायतों को उनके समग्र स्कोर के आधार पर पांच श्रेणियों में बांटा गया है-
  - Achiever (A+)- 90 और उससे अधिक
  - Front Runner (A)- 75 से 90
  - Performer (B)- 60 से 75
  - Aspirant (C)- 40 से 60
  - Beginner (D)- 40 से कम
- **सूचकांक के मुख्य निष्कर्ष-**
  - भागीदारी- देश की 97.30% ग्राम पंचायतों (2,59,867) ने इसमें भाग लिया है।
  - **श्रेणीवार विभाजन-**
  1. अग्रणी-3,635 ग्राम पंचायतें (90% से अधिक स्कोर)।
  2. उत्कृष्ट- 1,18,824 ग्राम पंचायतें (75% से 90% के बीच)।
- **विषयगत सफलता-**
  1. 'गरीबी मुक्त विकास' में 3,313 पंचायतों ने A+ ग्रेड प्राप्त किया।
  2. 'स्वस्थ पंचायत' श्रेणी में 1,015 पंचायतों ने A+ ग्रेड हासिल किया।

- **राजस्थान की स्थिति (विशेष संदर्भ)-**
  - राजस्थान की कुल 11,037 ग्राम पंचायतों ने डेटा प्रस्तुत किया।
  - ग्रेडिंग के अनुसार-
    1. ग्रेड A- 8 पंचायतें
    2. ग्रेड B- 5,437 पंचायतें
    3. ग्रेड C- 5,389 पंचायतें
    4. ग्रेड D- 203 पंचायतें
  - राजस्थान की कोई भी पंचायत A+ श्रेणी में नहीं आई है)
- पश्चिम बंगाल ने इस सूचकांक (PAI 2.0) की प्रक्रिया में भाग नहीं लिया है।

एमओएसपीआई ने "भारत में महिला और पुरुष 2025- चयनित संकेतक और डेटा" शीर्षक जारी किया-

- हाल ही में केंद्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रा_लय (एमओएसपीआई) ने 29 अप्रैल, 2026 को भुवनेश्वर (ओडिशा) में "भारत में महिला और पुरुष 2025: चयनित संकेतक और डेटा" शीर्षक से अपने प्रकाशन जारी किया है।
- यह प्रकाशन भुवनेश्वर में आयोजित "विकास के लिए डेटा" विषय पर राष्ट्रीय विचार-विमर्श शिखर सम्मेलन में जारी किया गया जो इस प्रकाशन का 27वां संस्करण था।
- **प्रकाशन में उल्लेखित प्रमुख बिंदु-**
  - अखिल भारतीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात में वृद्धि हुई है, जो 2017-19 में 904 से बढ़कर 2021-23 में 917 हो गई है।
  - 2008 और 2023 के बीच शिशु मृत्यु दर में लड़कों और लड़कियों दोनों की संख्या में उल्लेखनीय और निरंतर गिरावट दर्ज की गई है।
  - प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर महिला-पुरुष (लैंगिक) समानता हासिल कर ली गई है।
  - उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात 2021-22 और 2022-23 के बीच महिलाओं के लिए 28.5 से बढ़कर 30.2 और पुरुषों के लिए 28.3 से बढ़कर 28.9 हो गया है।
  - पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के लिए श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में वृद्धि हुई है।
  - ग्रामीण महिलाओं में एलएफपीआर में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई है, जो 2022 से 2025 की अवधि के दौरान 37.5 प्रतिशत से बढ़कर 45.9 प्रतिशत हो गई है।
  - 2017 और 2025 के बीच प्रबंधकीय पदों पर कार्यरत पुरुषों की संख्या में 73.80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इसी अवधि के दौरान प्रबंधकीय पदों पर कार्यरत महिलाओं की संख्या में 102.54 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

131वां संविधान संशोधन विधेयक, 2026-

- हाल ही में 17 अप्रैल, 2026 को लोकसभा में 131वां संविधान संशोधन विधेयक, 2026 आवश्यक विशेष बहुमत न मिलने के कारण गिर गया।
- यह विधेयक मुख्य रूप से नारी शक्ति वंदन अधिनियम के क्रियान्वयन को गति देने और लोकसभा की संरचना में आमूल-चूल परिवर्तन करने के उद्देश्य से लाया गया था तथा परिसीमन की प्रक्रिया को 2011 की जनगणना के आधार पर जल्द शुरू करना ताकि महिलाओं के लिए 33% आरक्षण को 2029 के चुनावों तक प्रभावी बनाया जा सके।
- इस विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 विधेयक भी पेश किए गए थे।
- **विधेयक के प्रमुख प्रावधान**
  - विधेयक में लोकसभा सीटों की अधिकतम संख्या 550 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव था।
  - वर्तमान में लोकसभा सीटों का आवंटन 1971 की जनगणना पर आधारित है, जिसे 84वें संशोधन (2001) द्वारा 2026 के बाद की पहली जनगणना तक के लिए स्थिर किया गया था। यह विधेयक इस रोक को हटाने का प्रयास था।
  - विधेयक के अनुसार, परिसीमन के लिए "पिछली जनगणना" के बजाय संसद द्वारा निर्धारित किसी भी प्रकाशित जनगणना का उपयोग किया जा सकता था।
  - इसके तहत संविधान के अनुच्छेद 81, 82, 170 और 332 में संशोधन प्रस्तावित थे।
- **लोकसभा में पारित न होने का कारण-**
  - संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए 'विशेष बहुमत' की आवश्यकता होती है-
    1. सदन की कुल सदस्य संख्या का बहुमत।
    2. उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का कम से कम दो-तिहाई (2/3) बहुमत।
- **मतदान का परिणाम-**
  - कुल मतदान करने वाले सदस्य: 528
  - पक्ष में मत- 298
  - विपक्ष में मत- 230
  - विधेयक को पारित होने के लिए कम से कम 352 वोटों की आवश्यकता थी, अतः पर्याप्त बहुमत न मिलने के कारण यह विधेयक निरस्त हो गया।

विविध तथ्य :–

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 अप्रैल को गंगटोक में सिक्किम राज्य की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ (स्वर्ण जयंती) के भव्य समापन समारोह में भाग लिया। सिक्किम को 16 मई, 1975 को भारत का 22वां पूर्ण राज्य बनाया गया था।
- हाल ही में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के इन्क्यूबेशन सेंटर और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के बीच आयुर्वेद के क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान, तकनीकी उन्नति और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 27 अप्रैल, 2026 को नई दिल्ली में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।
- हाल ही में केंद्र सरकार और तीन राज्यों (उत्तराखंड, कर्नाटक और त्रिपुरा) के मध्य 29 अप्रैल, 2026 को जल जीवन मिशन (JJM)-2.0 के तहत समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए है।
- हाल ही में तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले में 'होलोसीन' काल के जीवाश्म बेड की खोज की गई है। यह जीवाश्म बेड वर्ष 2023 की भारी बारिश के बाद उजागर हुए थे।
- हाल ही में उच्चतम न्यायालय राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षित यात्रा करने को अनुच्छेद-21 के तहत मौलिक अधिकार के रुप में चिह्नित किया है।
- डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) अभियान 4.0- यह पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग का अभियान है जो पेंशनभोगियों, विशेष रूप से अति वरिष्ठ/बीमार/दिव्यांग पेंशनभोगियों के जीवन को सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- करियर कार्ड- यह कार्ड केन्द्रीय स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा विशेष आवश्यकता(दिव्यांग) वाले बच्चों के लिए लॉन्च किए गये है।
- 10 अप्रैल, 2026 को भारत के उप-राष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन ने सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर सिंधी भाषा में भारत के संविधान के अद्यतन संस्करण का विमोचन किया।
- लद्दाख के सिंधु घाट में सालों पुराने शिलाओं पर बने चित्रों को पर्यावरण और मानव गतिविधियों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए देश में पहली पेट्रोग्लिफ संरक्षण पार्क बनेगा।
- हाल ही में मेघालय सरकार ने 'मेघालय आधिकारिक भाषा अध्यादेश, 2026' के द्वारा खासी और गारो भाषा को अंग्रेजी के साथ आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया है।
- हाल ही में पंजाब की राज्य विधानसभा द्वारा धार्मिक ग्रंथों के अपमान के मामलों में कड़ी सजा का प्रावधान के लिए लाये गए एंटी-सैक्रिलेज बिल 2026 को राज्यपाल ने मंजूरी प्रदान की है।
- हाल ही में दक्षिण अफ्रीका से चार चीते बेंगलुरु के बैनरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क में लाए गए है।
- मध्यप्रदेश के रीवा जिले की सिरमौर तहसील में देश का पहला निजी क्षेत्र का न्यूक्लियर पावर प्लांट बनेगा। यह प्लांट टाटा एनर्जी द्वारा 28,000 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित किया जायेगा।
- कर्नाटक हाईकोर्ट ने कर्नाटक सरकार को सभी सेक्टर में मासिक धर्म अवकाश नीति लागू करने के आदेश प्रदान किये है। हाईकोर्ट ने इसे अनुच्छेद-21 के तहत जीवन और गरिमा के अधिकार से जुड़ा मौलिक अधिकार माना है।
- दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे के राजाजी टाइगर रिजर्व और शिवालिक क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए 12 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड सेक्शन बनाया गया है। यह एशिया में जंगल के अंदर बना अब तक का सबसे लंबा एलिवेटेड एक्सप्रेस-वे है।
- भारतीय मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा निर्मित स्वामी विवेकानंद की पहली वास्तविक आकार की कांस्य प्रतिमा का अनावरण अमेरिका के वेस्टलेक स्क्वायर में किया गया। यह किसी अमेरिकी शहर द्वारा स्थापित विवेकानंद की पहली प्रतिमा है।
- हाल ही में बेंगलुरु का कैम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का पहला एयरपोर्ट बना है, जहां अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को पूरी तरह कॉन्टेक्टलेस यात्रा (बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन) की सुविधा प्रदान की गयी है।
- हाल ही में गुजरात पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की जांच और अभियोजन को मजबूत करने के लिए नारकोटिक्स एनालिसिस एंड RAG-बेस्ड इन्वेस्टिगेशन टूल (NARIT-AI) लाँच किया है।
- हाल ही में भारत ने वर्ष 2028 में होने वाले संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक जलवायु परिवर्तन सम्मेलन COP-33 की मेजबानी के अपने प्रस्ताव को वापस ले लिया है।
- श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर- यह कर्नाटक के मांड्या जिले में स्थित श्री आदिचुंचनगिरी महासंस्थान मठ में स्थित मंदिर है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया है।
- 'मायएलआईसी' और 'सुपर सेल्स साथी' मोबाइल ऐप- यह द्वारा लॉन्च किया गया मोबाइल है। यह एलआईसी के ग्राहकों के अनुभव और उनकी डिजिटल पहुंच बढ़ावा देगा।

- ट्रेड वॉच क्वार्टरली रिपोर्ट - यह नीति आयोग के द्वारा जारी की जाने वाली एक त्रैमासिक (तिमाही) रिपोर्ट है, जो भारत के वैश्विक और घरेलू व्यापार रुझानों, निर्यात प्रदर्शन विस्तृत डेटा-आधारित विश्लेषण प्रस्तुत करती है।
- 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के राष्ट्रव्यापी समारोह के एक हिस्से के रूप में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने "वीएम फ्रेम्स" नामक राष्ट्रीय फिल्म निर्माण प्रतियोगिता शुरू करने की घोषणा की है।
- हाल ही में 24 अप्रैल, 2026 को "सहकार से समृद्धि" के विज़न को गति देने के लिए राष्ट्रीय सहकारी सुधार अभियान के अंतर्गत जयपुर में प्रथम क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गयी।
- हाल ही में केंद्रीय कुटीर उद्योग निगम ने प्रथम हेरिटेज डिज़ाइनर कलेक्शन 'सोल थ्रेड्स' को लाँच किया है।
- हाल ही में 15 अप्रैल, 2026 को सम्राट चौधरी ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है।
- दिल्ली सरकार ने दिल्ली में 1 नवंबर से केवल इलेक्ट्रिक, सीएनजी और बीएस-VI मानकों वाले कमर्शियल वाहनों को प्रवेश दिए जाने संबंधित आदेश जारी किये है।

Syllabus, Pattern व स्तर RAS जैसा
तो तैयारी भी RAS विशेषज्ञों द्वारा।

Samyak
An Institute For Civil Services

3 दिवसीय नि:शुल्क कक्षा के साथ

बैच प्रारम्भ

2 से 7 बजे तक

OFFLINE & LIVE FROM CLASSROOM

PSI

PAPER 1st & 2nd

COURSE FEATURES

- RAS विषय विशेषज्ञों द्वारा क्लासेज
- प्रिंटेड बुकलेट्स / ई-नोट्स*
- परीक्षा तक टेस्ट सीरीज
- ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन कोर्स नि:शुल्क

:- भारत की राष्ट्रीय पहचान के प्रतीक -:

राष्ट्रीय ध्वज-

- राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे में समान अनुपात में तीन क्षैतिज पट्टियां हैं- केसरिया रंग सबसे ऊपर, सफेद बीच में और हरा रंग सबसे नीचे है।
- सफेद पट्टी के बीच में नीले रंग का चक्र है जिसमें 24 तीलियाँ हैं।
- ध्वज की लंबाई-चौड़ाई का अनुपात 3:2 है। भारत की संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप 22 जुलाई, 1947 को अपनाया।

राजकीय प्रतीक

- राष्ट्रीय भारत का राजचिह्न सारनाथ स्थित अशोक के सिंह स्तंभ की अनुकृति है, जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है।
- मूल स्तंभ में शीर्ष पर चार सिंह हैं, जो एक-दूसरे की ओर पीठ किए हुए हैं। इसके नीचे घंटे के आकार के पदम के ऊपर एक चित्र वल्लरी में एक हाथी, चौकड़ी भरता हुआ एक घोड़ा, एक सांड तथा एक सिंह की उभरी हुई मूर्तियां हैं, इसके बीच-बीच में चक्र बने हुए हैं।
- एक ही पत्थर को काट कर बनाए गए इस सिंह स्तंभ के ऊपर 'धर्मचक्र' रखा हुआ है।
- भारत सरकार ने यह चिन्ह 26 जनवरी, 1950 को अपनाया।
- फलक के नीचे मुण्डकोपनिषद का सूत्र 'सत्यमेव जयते' देवनागरी लिपि में अंकित है, जिसका अर्थ है- 'सत्य की ही विजय होती है'।

राष्ट्रीय पंचांग

- राष्ट्रीय पंचांग शक संवत पर आधारित है।
- शक संवत की शुरुआत कुषाण वंश के राजा कनिष्क ने (78 ईस्वी) अपने राज्यारोहण के उपलक्ष्य में की थी।
- भारत सरकार ने इसे वर्ष 1957 को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय पंचांग के रूप में अपनाया।

मुद्रा चिन्ह

- भारतीय रुपए का प्रतीक चिन्ह देवनागरी लिपि के 'र' और रोमन लिपि के अक्षर 'आर' को मिला कर बना है, जिसमें एक क्षैतिज रेखा भी बनी हुई है। यह रेखा हमारे राष्ट्रध्वज तथा बराबर के चिन्ह को प्रतिबिंबित करती है। भारत सरकार ने 15 जुलाई, 2010 को इस चिन्ह को स्वीकार कर लिया है। यह चिन्ह आईआईटी-मुम्बई के पोस्ट ग्रेजुएट डिजाइन श्री डी. उदय कुमार ने बनाया है।

राष्ट्रीय पशु

- राष्ट्रीय भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है, जिसका वैज्ञानिक नाम
- पेंथरा टाइग्रिस है। बाघ को राष्ट्रीय पशु के रूप में अप्रैल, 1973 में स्वीकार किया गया।
- इसे इसकी फुर्ती, शक्ति और अपार ऊर्जा के कारण राष्ट्रीय
- गौरव का प्रतीक माना गया।

राष्ट्रीय पक्षी

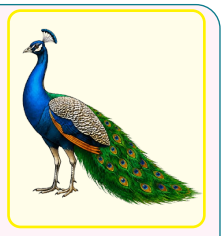

- भारत का राष्ट्रीय पक्षी भारतीय मोर (Indian Peacock) है, जिसका वैज्ञानिक नाम पावो क्रिस्टेटस है।
- भारत सरकार ने इसकी सुंदरता, भव्यता और भारतीय संस्कृति में इसके महत्व को देखते हुए वर्ष 1963 में इसे राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया था।
- भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत मोर को पूर्ण संरक्षण प्राप्त है। इसका शिकार करना कानूनन अपराध है।

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा ।
जन-गण-मंगल-दायक जय हे
भारत भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे ।

- भारत का राष्ट्रगान जन-गण-मन, जिसे मूल रूप से रवींद्रनाथ टैगोर ने बंगाली में रचा था, को 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा द्वारा भारत के राष्ट्रगान के रूप में हिंदी संस्करण में अपनाया गया था। इसे पहली बार 27 दिसंबर, 1911 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में गाया गया था। इस पूरे गीत में पाँच पद हैं। पहले पद में राष्ट्रगान का पूरा संस्करण शामिल है।
- राष्ट्रगान के पूर्ण संस्करण की अवधि लगभग 52 सेकंड है। कुछ अवसरों पर इसके संक्षिप्त संस्करण (लगभग 20 सेकंड) को भी बजाया जाता है, जिसमें श्लोक की पहली और अंतिम पंक्तियाँ शामिल होती हैं।

राष्ट्रीय गीत

- भारत का राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' है। यह गीत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जन-जन का प्रेरणा स्रोत था। इसके रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय थे। यह उनके प्रसिद्ध उपन्यास आनंदमठ(1882) से लिया गया है जो संस्कृत और बंगाली भाषा का मिश्रण के रूप में है।
- संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को इसे आधिकारिक रूप से 'राष्ट्रीय गीत' के रूप में अपनाया।

3 अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा-

- हाल ही में दक्षिण कोरिया गणराज्य के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग 19 से 21 अप्रैल, 2026 तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहे।
- यह यात्रा एक्ट ईस्ट पॉलिसी और दक्षिण कोरिया की इंडो-पैसिफिक स्ट्रेटेजी के बीच बढ़ते समन्वय को दर्शाती है।

प्रमुख समझौते और घोषणाएं-

- भारत-दक्षिण कोरिया ने अपनी विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से 'संयुक्त रणनीतिक विजन (2026-2030)' को अपनाया है।
- VOYAGES विजन- "Yard Assisted Growth with Efficiency and Scale" (VOYAGES) के माध्यम से पोत निर्माण, शिपिंग और समुद्री रसद में सहयोग के लिए एक व्यापक ढांचे पर सहमति बनी है।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, और अंतरिक्ष अन्वेषण में सहयोग बढ़ाने पर जोर।
- इनके अलावा समुद्री विरासत, कौशल विकास और रक्षा सहयोग में 'मेक इन इंडिया' पहल को और गहरा करने पर सहमति बनी है।
- इस यात्रा के दौरान उप-मंत्री स्तर पर प्रथम 'रक्षा एवं विदेश मामलों की 2+2 वार्ता' आयोजित करने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है।

ऑस्ट्रिया के फेडरल चांसलर का भारत दौरा-

- ऑस्ट्रिया के फेडरल चांसलर डॉ. क्रिश्चियन स्टॉकर 14 से 17 अप्रैल, 2026 के बीच भारत के दौरे पर रहे।
- यह किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर का 42 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद पहला भारत दौरा था। इससे पहले किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर का वर्ष 1984 में भारत दौरा हुआ था।

प्रमुख समझौते और परिणाम-

- रक्षा सहयोग- सैन्य मामलों में सहयोग के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।
- आतंकवाद विरोध- आतंकवाद के वित्तपोषण और कट्टरपंथ को रोकने के लिए एक 'संयुक्त कार्य समूह' स्थापित करने पर सहमति बनी।
- साइबर सुरक्षा- दोनों देशों ने एक संस्थागत 'साइबर सुरक्षा संवाद' शुरू करने का निर्णय लिया।
- प्रधानमंत्री मोदी ने भी 3T (Trade, Technology, Talent) को भारत-ऑस्ट्रिया संबंधों के तीन मुख्य स्तंभ बताया है।

रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री देनिस मांतुरोव की भारत यात्रा-

- रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री देनिस मांतुरोव ने 2 अप्रैल, 2026 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की। उन्होंने यहाँ भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के सह-अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण चर्चाएं कीं जिसमें ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और रक्षा सहयोग शामिल थे।

भारत के उपराष्ट्रपति का श्रीलंका दौरा-

- हाल ही में भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन 19-20 अप्रैल को श्रीलंका की आधिकारिक यात्रा पर रहे।
- यह भारत के उपराष्ट्रपति की श्रीलंका की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी।

रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट (RELOS) समझौता-

- भारत और रूस ने रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट (RELOS) समझौते को लागू कर दिया है।
- यह समझौता सैन्य लॉजिस्टिकल सपोर्ट तक पारस्परिक पहुँच को मज़बूत करेगा।

मुख्य प्रावधान-

- सैनिकों की तैनाती- दोनों देश एक-दूसरे के क्षेत्र में 3,000 सैनिक तैनात कर सकते हैं।
- सैन्य संपत्ति- समझौते के तहत 5 युद्धपोत और 10 सैन्य विमानों को एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों पर रखने की अनुमति है।
- लॉजिस्टिक्स सपोर्ट- इसमें ईंधन भरना, मरम्मत, कलपुर्जे, भोजन और चिकित्सा सहायता जैसे तकनीकी सहयोग शामिल हैं।

भारत के लिए महत्व-

- भारत को रूस के आर्कटिक क्षेत्रों तक पहुँच मिलेगी।
- यह भारत की 'सामरिक स्वायत्तता' को मजबूत करता है।

टाइम मैगजीन ने जारी की दुनिया के 100 प्रभावशाली लोगों की सूची-

- हाल ही में टाइम मैगजीन ने दुनिया के 100 प्रभावशाली लोगों की सूची जारी की। इस सूची में शामिल लोग राजनीति, बिजनेस टेक्नोलॉजी, विज्ञान, मनोरंजन और समाज के क्षेत्रों में बदलाव ला रहे हैं।
- इस सूची में पोप लियो, डोनाल्ड ट्रंप, न्यूयॉर्क के मेयर ज़ोहरान मामदानी और बेंजामिन नेतन्याहू जैसे दिग्गज नेताओं को जगह दी गई है।
- भारतीय मूल के सुंदर पिचाई (तकनीक), रणबीर कपूर (मनोरंजन/सिनेमा), और विकास खन्ना (पाक कला/सामाजिक कार्य) को भी इस सूची में जगह मिली है।

भारत-यूएसए ट्रेड फैसिलिटेशन पोर्टल-

- हाल ही में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 8 अप्रैल, 2026 को अमेरिका में 'भारत-यूएसए ट्रेड फैसिलिटेशन पोर्टल' लॉन्च किया।
- इस पोर्टल का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार को सरल बनाना और 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को प्राप्त करना है।
- यह डिजिटल पोर्टल नए निर्यातकों को अमेरिकी बाजार तक आसान पहुंच प्रदान करेगा।

भारत और मिस्र के बीच 11वीं संयुक्त रक्षा समिति की बैठक आयोजित-

- हाल ही में मिस्र के काहिरा में 20-22 अप्रैल, 2026 तक भारत-मिस्र संयुक्त रक्षा समिति (जेडीसी) की 11 वीं बैठक आयोजित हुई।
- इस बैठक में भारत और मिस्र के द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाये जाने का उल्लेख किया तथा वर्ष 2026-27 के लिए एक द्विपक्षीय रक्षा सहयोग योजना पर सहमति व्यक्त की।
- इस द्विपक्षीय रक्षा सहयोग योजना का मुख्य उद्देश्य संरचित सैन्य अंतःक्रिया तंत्रों का विस्तार करना, संयुक्त प्रशिक्षण आदान-प्रदान को मजबूत करना, समुद्री सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना, सैन्य अभ्यासों के दायरे और जटिलता को बढ़ाना और रक्षा उत्पादन एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग को बढ़ावा देना है।

भारत और मोज़ाम्बिक के बीच संयुक्त रक्षा कार्य समूह की पांचवीं बैठक आयोजित-

- आयोजन तिथि- 1-2 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- मापुटो, मोज़ाम्बिक में
- इस बैठक में संरचित सैन्य आदान-प्रदान, संयुक्त प्रशिक्षण के अवसर, समुद्री क्षेत्र की जागरूकता, सैन्य अभ्यासों का संचालन और रक्षा उपकरणों की आपूर्ति में सहयोग को प्रोत्साहन देने पर ध्यान पर जोर दिया गया।

Rising Repression Meets Global Resistance: Internet Shutdowns in 2025 Report

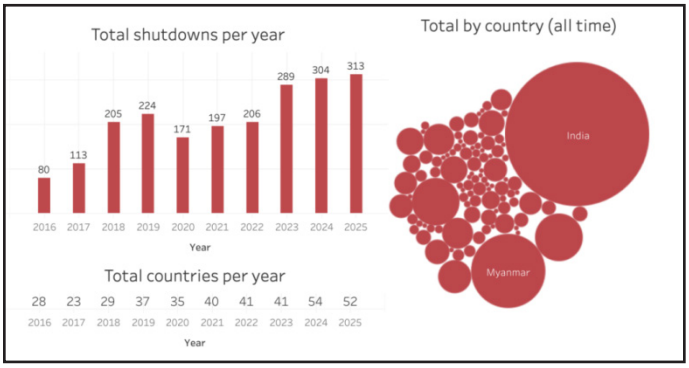

- जारीकर्ता- एक्सेस नॉउ और कीपइटऑन एलायंस
- इस रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में 52 देशों में कुल 313 इंटरनेट शटडाउन दर्ज हुए।
- इंटरनेट शटडाउन- भारत (सर्वाधिक 65 बार), म्यांमार (37), पाकिस्तान (24), ईरान (20)
- प्लेटफॉर्म शटडाउन- फेसबुक (31), वाट्सएप (27), टेलीग्राम (23), इंस्टाग्राम (20)।
- इन शटडाउन के पीछे मुख्य कारण संघर्ष, विरोध-प्रदर्शन, चुनाव, राजनीतिक अस्थिरता, साम्प्रदायिक हिंसा नियंत्रण और सूचना पर नियंत्रण रहे है।

सिंगापुर का चांगी दुनिया का बेस्ट एयरपोर्ट-

- सिंगापुर का चांगी एयरपोर्ट 14वीं बार दुनिया का सबसे बेहतरीन एयरपोर्ट घोषित हुआ है। उसे यह खिताब स्काईट्रैक्स वर्ल्ड एयरपोर्ट अवॉर्ड्स 2026 में मिला है।
- चांगी एयरपोर्ट के अंदर गार्डन, आर्ट इंस्टॉलेशन, एंटरटेनमेंट एरिया, दुनिया का सबसे ऊंचा इनडोर वॉटरफॉल आदि प्रमुख आकर्षक स्पॉट है।
- **इसे सबसे बेहतरीन एयरपोर्ट डाइनिंग में भी बेस्ट एयरपोर्ट चुना गया है।**

भारत के पाँच एयरपोर्ट टॉप-100 में शामिल हुए हैं जो निम्न है-

- दिल्ली एयरपोर्ट- 28वां
- बेंगलूरु एयरपोर्ट- 41वां
- हैदराबाद एयरपोर्ट- 43वां
- गोवा एयरपोर्ट- 64वां
- मुंबई एयरपोर्ट- 66वां

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक-2026-

- जारीकर्ता- रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स
- यह सूचकांक पांच प्रमुख संकेतकों (आर्थिक, कानूनी, राजनीतिक, सामाजिक और सुरक्षा स्थितियों) का उपयोग करके देशों में प्रेस की स्वतंत्रता का आकलन करता है।
- **रैंकिंग**
- शीर्ष देश-
  - 1 स्थान. नॉर्वे
  - 2 स्थान. नीदरलैंड
  - 3 स्थान. एस्टोनिया
  - 4 स्थान. डेनमार्क
  - 5 स्थान. स्वीडन
- न्यूनतम स्थान-
  - 180वां स्थान- इरिट्रिया
  - 179वां स्थान- उत्तर कोरिया
  - 178वां स्थान - चीन
  - 177वां स्थान - ईरान
  - 176वां स्थान- सऊदी अरब
- इस सूचकांक में भारत को 180 देशों में 157वाँ स्थान दिया गया है जो वर्ष 2025 के 151वें स्थान से छह स्थान की गिरावट दर्शाता है।
- अपने राजनीतिक परिवर्तन के बाद 36 स्थान ऊपर चढ़कर सबसे बड़ा सुधार दर्ज किया।

'टाइम्स हायर एजुकेशन' एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026-

- जारीकर्ता- टाइम्स हायर एजुकेशन (THE)
- इसमें 36 देशों और क्षेत्रों के 929 विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन किया गया है।
- एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में चीन शीर्ष पर रहा है। टॉप-10 संस्थानों में से 5 चीन के हैं।

एशिया के शीर्ष संस्थान-

रैंक	संस्था	देश/क्षेत्र	अंक
1	सिंघुआ विश्वविद्यालय	चीन	93.6
2	पेकिंग विश्वविद्यालय	चीन	93.1
3	सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एनयूएस)	सिंगापुर	91.1

- भारत इस रैंकिंग में सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाला देश है, जिसके 128 संस्थान रैंकिंग में शामिल हैं।
- भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु ने द एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में 43वां स्थान हासिल किया है, जो पिछले साल के 38वें स्थान से पांच पायदान नीचे खिसक गया है।
- आईआईएससी शीर्ष 50 में शामिल एकमात्र भारतीय संस्थान बना हुआ है।

भारत के शीर्ष संस्थान-

एशिया रैंक	संस्था का नाम	समग्र प्राप्तांक
43	भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc बेंगलुरु)	65.1
128	सेवेथा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज	52.0
141	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर	50.6
158	शूलिनी जैव प्रौद्योगिकी और प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय	49.4
160	जामिया मिलिया इस्लामिया	49.3
169	केआईआईटी विश्वविद्यालय	48.0
186	अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय	46.7
186	राउरकेला राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान	46.7
197	लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी	46.0
197	मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन	46.0
197	थापर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान	46.0

एस्केल ए सेते उत्सव-2026

- आयोजन तिथि- 31 मार्च से 6 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- सेते शहर, फ्रांस
- यह एक द्विवार्षिक उत्सव है जो भूमध्य सागर में सबसे बड़े समुद्री समारोहों में से एक है तथा वैश्विक समुद्री विरासत के जश्न के रूप में आयोजित किया जाता है। इस उत्सव में भारतीय नौसेना के नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शनी ने भाग लिया था।

खालिलुर रहमान-

- यह बांग्लादेश के विदेश मंत्री है जो भारत के दो दिवसीय भारत दौरे पर रहे। बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की सरकार बनने के बाद किसी बांग्लादेशी समक्ष का यह पहला दौरा था।

वर्ष 2025 में दुनिया का कुल सैन्य खर्च 2.89 ट्रिलियन (लगभग 273 लाख करोड़ रुपए) पहुचा-

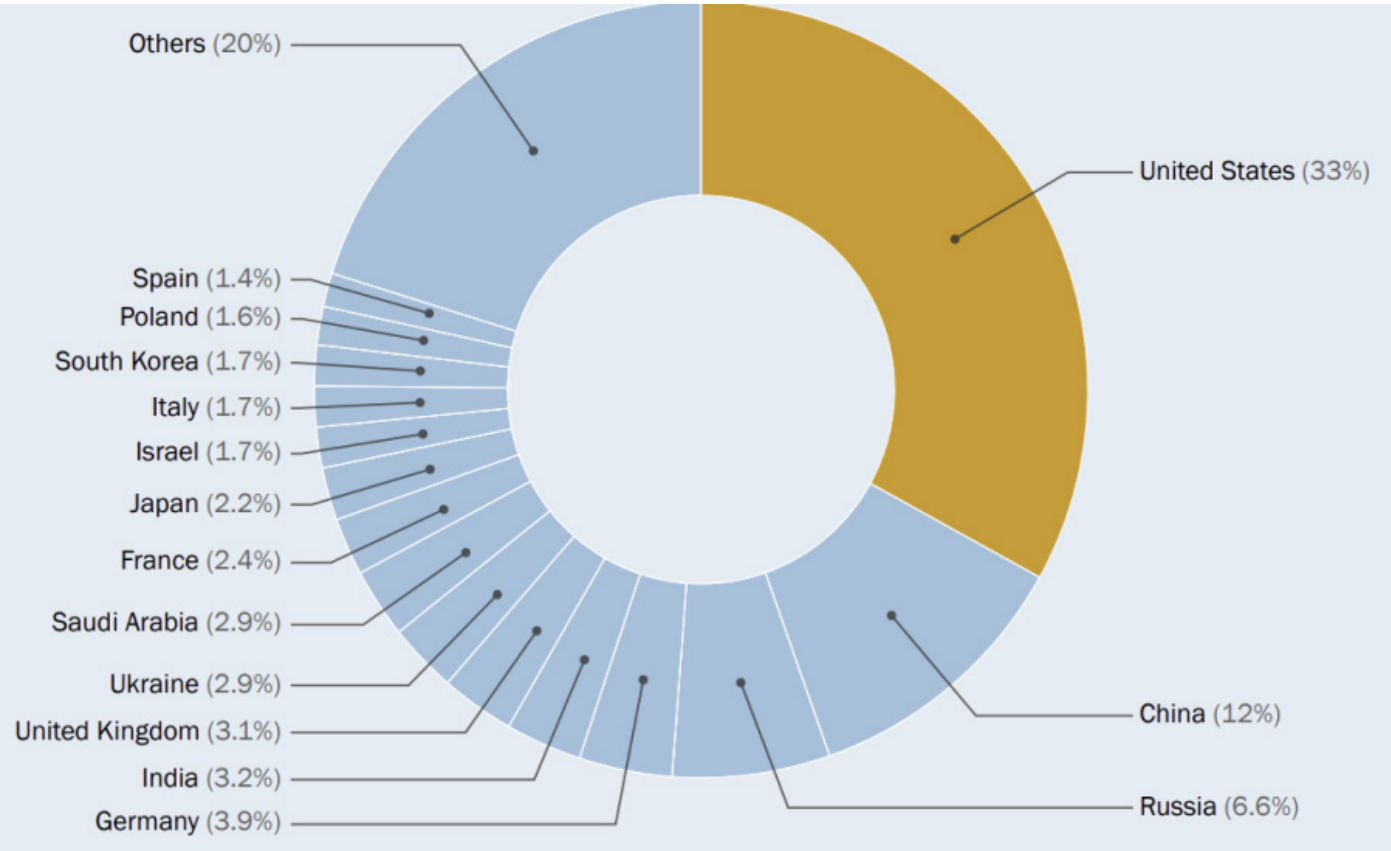

- हाल ही में सिपरी की द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में दुनिया का कुल सैन्य खर्च 2887 बिलियन डॉलरतक पहुंच गया है।
- विश्व में भारत 92.1 अरब डॉलर (8.6 लाख करोड़) के खर्च के साथ दुनिया के शीर्ष पांच देशों में रहा है।
- रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर प्रति व्यक्ति सैन्य खर्च अब 352 डॉलर (लगभग 29,000 रुपए) हो गया है।
- दुनिया भर में बढ़ती भू-राजनीतिक अस्थिरता और युद्धों के ने इस खर्च को बढ़ावा दिया है।
- **वैश्विक स्तर देशवार सैन्य खर्च-**

रैंक	देश	रक्षा खर्च (डॉलर)	वृद्धि/गिरावट	वैश्विक हिस्सेदारी
1	अमेरिका	954 अरब	-7.5%	33%
2	चीन	336 अरब	7.4%	12%
3	रूस	190 अरब	5.9%	6.6%
4	जर्मनी	114 अरब	24%	3.9%
5	भारत	92.1 अरब	8.9%	3.2%

विविध तथ्य :-

- फिनलैंड (यूरोपीय देश) ने कोक्कोला के पास यूरोप का पहला पूरी तरह एकीकृत लिथियम प्रोजेक्ट शुरू किया। इस प्रोजेक्ट में खनन से लेकर रिफाइनिंग तक पूरी प्रक्रिया एक ही नेटवर्क में की जा रही है।
- हाल ही में अर्जेंटीना के निचले सदन "चैंबर ऑफ डेप्युटीज" ने ग्लेशियर क्षेत्रों में खनन करने के लिए लाये गए विधेयक को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में पर्यावरणीय क्षति पर बहस को बढ़ा सकती है।
- भूटान में अवस्थित पुनात्सांगछु हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट (1200 मेगावाट) पर भारत की मदद से 7 साल बाद फिर काम शुरू हो गया है। यह प्रोजेक्ट 2019 से भूगर्भीय समस्याओं के कारण रुका हुआ था यह भारत और भूटान का अब तक का सबसे बड़ा संयुक्त जलविद्युत प्रोजेक्ट है।
- फिलीपींस अमेरिका-नेतृत्व वाले पैक्स सिलिका समूह का 13वां सदस्य बना। इसका उद्देश्य सेमीकंडक्टर और AI सप्लाई चेन को सुरक्षित करना है।
- स्काईट्रैक्स द्वारा जापान के हानेडा एयरपोर्ट को दुनिया का सबसे साफ एयरपोर्ट का खिताब प्रदान किया गया है।
- ऑस्ट्रेलिया की एयरलाइन क्वांटास 'प्रोजेक्ट सनराइज' नामक पहल के तहत वर्ष 2027 की पहली छमाही में दुनिया की सबसे लंबी 22 घंटे नॉन-स्टॉप कमर्शियल फ्लाइट (सिडनी से लंदन और न्यूयॉर्क) लॉन्च करगी।
- भारत द्वारा पहलगाम हमले की प्रथम बरसी पर वाशिंगटन (अमेरिका) में "आतंकवाद की मानवीय कीमत" विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- फ्रांस सरकार ने अपने सरकारी विभागों के कंप्यूटर सिस्टम से माइक्रोसॉफ्ट विंडोज हटाने का फैसला किया है। फ्रांस ने यह निर्णय अमेरिकी टेक कंपनियों पर निर्भरता घटाने और डिजिटल संप्रभुता बढ़ाने के लिए लिया है।
- हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने आगामी दो वर्ष में अपना आधा सरकारी काम 'एजेंटिक एआई' पर शिफ्ट करने की घोषणा की है। यूएई इतने बड़े पैमाने पर सरकारी कामकाज एआई से कराने वाला दुनिया का पहला देश होगा।
- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार यूक्रेन यूरोप का सबसे गरीब देश है। यहां प्रति व्यक्ति आय लगभग 6,067 डॉलर प्रति वर्ष है।
- अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार वर्ष 2026 में दुनिया में दुर्लभ खनिज के सबसे बड़े भंडार चीन (वैश्विक हिस्सेदारी का 48.9%) के पास हैं। (द्वितीय स्थान- ब्राजील, तृतीय स्थान- वैश्विक हिस्सेदारी का 8%)
- हाल ही में तुर्की ने 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया तक पहुँच को सीमित करने के उद्देश्य से एक नया बिल पास किया है।
- हाल ही में ब्रिटेन की संसद द्वारा प्रस्तुत तंबाकू और वेप्स बिल को मंज़ूरी के बाद ब्रिटेन में 1 जनवरी, 2009 या उसके बाद पैदा हुए लोग अब कभी भी तंबाकू उत्पाद नहीं खरीद पाएंगे।

IAS FOUNDATION बैच प्रारम्भ
Samyak
An Institute For Civil Services
SEPARATE BATCHES FOR
ENGLISH MEDIUM
& हिंदी माध्यम
COURSE FEATURES
Expert pool of faculties and mentors
Timely phase wise course completion
Scientific and tech enabled pedagogy
Revision classes on regular intervals
Special focus on CSAT modules
FREE 03 DAYS DEMO CLASSES
OFFLINE & LIVE FROM CLASSROOM
SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR 9875170111

4 आर्थिक परिदृश्य

सरकार ने जारी की स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 की अधिसूचना-

- 13 अप्रैल, 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ₹10,000 करोड़ के कोष के साथ स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 को मंजूरी प्रदान की है।
- यह एक ₹10,000 करोड़ का सरकारी समर्थित फंड है जिसे वैकल्पिक निवेश फंड्स में निवेश करके दीर्घकालिक घरेलू पूंजी जुटाने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो बदले में स्टार्टअप में निवेश करते हैं।
- स्टार्टअप इंडिया इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 के तहत निवेश उन वैकल्पिक निवेश कोष पर केंद्रित होंगे जो प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का समर्थन करते हैं।
- प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में गहन प्रौद्योगिकी (डीप टेक) स्टार्टअप्स, छोटे एआईएफ द्वारा समर्थित प्रारंभिक विकास चरण के स्टार्टअप, प्रौद्योगिकी-संचालित और नवाचार आधारित निर्माण स्टार्टअप्स तथा क्षेत्र या चरण से स्वतंत्र स्टार्टअप शामिल हैं।

अर्बन चैलेंज फंड के लिए संचालन संबंधी दिशा-निर्देश जारी-

- हाल ही में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री ने 15 अप्रैल, 2026 को नई दिल्ली में अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) के संचालन संबंधी दिशानिर्देशों व ऋण पुनर्भुगतान गारंटी उप-योजना (सीआर_जीएसएस) का शुभारंभ किया।
- यह दिशा-निर्देश और ऋण पुनर्भुगतान गारंटी उप-योजना (सीआरजी_एसएस) देश में शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए वित्तपोषण को बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

अर्बन चैलेंज फंड क्या है?-

- यह आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय की एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
- इसमें वित्तीय वर्ष 2025–26 से 2030–31 तक ₹1,00,000 करोड़ की केंद्रीय सहायता निर्धारित है।
- इसका उद्देश्य शहरों को नए विकास केंद्रों और भारत के शहरी भविष्य के इंजन के रूप में परिवर्तित करना है।

धोलेरा में भारत के पहले चिप फैब्रिकेशन प्लांट के लिए 'विशेष आर्थिक क्षेत्र' अधिसूचित

- केंद्र सरकार ने 16 अप्रैल, 2026 को गुजरात के धोलेरा में भारत के पहले चिप फैब्रिकेशन प्लांट के लिए 'विशेष आर्थिक क्षेत्र' को अधिसूचित किया है।
- यह 'विशेष आर्थिक क्षेत्र' लगभग 66.16 हेक्टेयर भूमि पर फैला होगा, जिसमें 91,000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।
- यहाँ प्लांट या संयंत्र टाटा सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित किया जा रहा है।

भारत में अन्य प्रमुख सेमीकंडक्टर परियोजनाएं-

संस्था का नाम	स्थान	निवेश (करोड़ ₹)	परिचालन का प्रकार
माइक्रोन	सानंद, गुजरात	13,000	असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग
टाटा सेमीकंडक्टर	धोलेरा, गुजरात	91,000	AI-सक्षम सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन
CG सेमी	गुजरात	2,150	आउटसोर्स सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण
केयन्स सेमीकॉन	गुजरात	681	आउटसोर्स सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण यूनिट
हुबली ड्यूरेबल गुड्स	धारवाड़, कर्नाटक	100	इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण

कोल टू अमोनियम नाइट्रेट परियोजना-

- हाल ही में भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल) और महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के बीच ओडिशा के लखनपुर में प्रस्तावित कोल टू अमोनियम नाइट्रेट परियोजना के लिए भूमि पट्टा समझौते पर हस्ताक्षर हुए है।
- यह भारत की पहली कोयला गैसीकरण परियोजना है जो एमसीएल के अधीन है। इसमें भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड द्वारा विकसित स्वदेशी गैसीफिकेशन तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इस परियोजना की क्षमता 2,000 टन प्रति दिन होगी जो भारत का ऊर्जा और रसायन क्षेत्र में स्वदेशी नवाचार, तकनीकी प्रगति और आयातित तकनीकों पर निर्भरता में कमी की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'भारत समुद्री बीमा पूल' के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दी-

- हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 18 अप्रैल, 2026 को 'भारत समुद्री बीमा पूल' (बीएमआई पूल) के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।
- इस पूल में सतत समुद्री बीमा कवरेज की सुविधा के लिए 12,980 करोड़ रुपये की संप्रभु गारंटी दी गई है तथा सदस्य बीमाकर्ताओं की प्रारंभिक संयुक्त बीमा क्षमता लगभग 950 करोड़ रुपये होगी।
- यह बीमा पूल सुनिश्चित करता है कि भारतीय व्यापार को उन जहाज़ों के लिए किफायती बीमा मिलता रहे, जो भारतीय पत्तनों या इसके विपरीत मार्ग पर कार्गो ले जा रहे हैं, भले ही वे जहाज़ अस्थिर समुद्री रास्तों से गुज़र रहे हों।
- यह पूल उन सभी समुद्री जोखिमों को कवर करेगा जिनमें जहाज और मशीनरी, कार्गो, युद्ध जोखिम, तेल प्रदूषण, मलबे को हटाना, चालक दल की चोट और टक्कर जैसी तीसरी पक्ष की देनदारियां शामिल हैं।

भारत का समुद्री खाद्य पदार्थ निर्यात रिकॉर्ड 72,000 करोड़ रुपये पार-

- हाल ही में समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का समुद्री खाद्य पदार्थ निर्यात रिकॉर्ड 72,325.82 करोड़ रुपये पहुंच गया।
- भारत से निर्यात किये गए समुद्री खाद्य पदार्थ की कुल मात्रा 19.32 लाख मीट्रिक टन रही है।
- इस निर्यात में फ्रोजन झींगा का निर्यात हिस्सा 47,973.13 करोड़ रुपये रहा है जो कुल निर्यात आय के दो-तिहाई से अधिक है।
- झींगा मछली के निर्यात में मात्रा के हिसाब से 4.6% और मूल्य के हिसाब से 6.35% की वृद्धि दर्ज की गयी है।
- समुद्री उत्पाद निर्यात लॉजिस्टिक्स के संदर्भ में शीर्ष पांच बंदरगाहों (विशाखापट्टनम, जेएनपीटी, कोच्चि, कोलकाता, चेन्नई) का कुल निर्यात मूल्य में लगभग 64% हिस्सा रहा है।
- अमेरिका ने 2.32 अरब डॉलर के कुल आयात के साथ सबसे बड़े निर्यात गंतव्य के रूप में शीर्ष स्थान पर रहा है हालांकि, अमेरिका को भेजे जाने वाले शिपमेंट की मात्रा में 19.8% और मूल्य में 14.5% की गिरावट दर्ज की गयी है।
- दूसरे सबसे बड़े निर्यात गंतव्य के रूप चीन में निर्यात मूल्य में 22.7% और मात्रा में 20.1% की वृद्धि दर्ज की गयी है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ग्राम सड़क योजना-III को मार्च 2028 तक जारी रखने की मंजूरी दी-

- हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 18 अप्रैल, 2026 को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-III को मार्च 2025 की अवधि के उपरांत मार्च 2028 तक जारी रखने की मंजूरी प्रदान की है।
- मंत्रिमंडल द्वारा प्रदत्त इस मंजूरी के अंतर्गत ग्रामीण बस्तियों को ग्रामीण कृषि बाजारों, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों और अस्पतालों से जोड़ने वाले 'थ्रू रूट्स' और 'प्रमुख ग्रामीण लिंक' का सुदृढ़ीकरण शामिल है।
- इस योजना का संशोधित परिव्यय ₹83,977 करोड़ होगा।

भारतीय परिवारों पर कर्ज 44 प्रतिशत बढ़ा-

- हाल ही में क्लाइंट एसोसिएट्स के वाइट पेपर 'द न्यू इंडियन हाउस_होल्ड बैलेंस शीट' के अनुसार भारतीय परिवारों की वित्तीय देनदारियां कर जीडीपी के 6.2 प्रतिशत पर पहुंच गई हैं, जो बीते एक दशक का उच्चतम स्तर है।
- महामारी के बाद के दौर में घरेलू कर्ज में 44.6 प्रतिशत कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट की बढ़त हुई है।
- महामारी से पहले शुद्ध वित्तीय बचत जीडीपी का 7.7 प्रतिशत थी जो वित्त वर्ष 2024 में यह घटकर 5.2 प्रतिशत रह गई है।

टेक्सटाइल्स एंड क्लोथिंग मार्केट: नेशनल हाउसहोल्ड सर्वे 2024-

- यह भारत में कपड़ों की घरेलू मांग पर अध्ययन रिपोर्ट है जो घरेलू क्षेत्र में टेक्सटाइल्स एंड अपैरल की घरेलू मांग के अनुमान को दर्शाती है।

महत्वपूर्ण तथ्य-

- कपड़ों का बाजार आकार 2024 में- ₹14.95 लाख करोड़
- कुल बाजार आकार में घरेलू क्षेत्र का योगदान 2024 में- ₹8.77 लाख करोड़
- प्रति व्यक्ति मांग 2024 में- ₹6,066

राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल)-

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1 अप्रैल, 2026 को बहु-राज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 2002 के अधीन राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) की स्थापना की है।
- एनसीओएल जैविक उत्पादों के एकत्रीकरण, प्रापण, प्रमाणन, परीक्षण, ब्रांडिंग और विपणन के लिए एक अम्ब्रेला संगठन के रूप में कार्य करेगा तथा इसके जैविक उत्पादों को "भारत ऑर्गेनिक्स ब्रांड" नाम के तहत बेचा जाता है।

आयकर अधिनियम, 2025-

- भारत में नया आयकर अधिनियम, 2025 1 अप्रैल, 2026 से लागू हुआ है।
- यह अधिनियम देश के आयकर कानून को सरल और आधुनिक बनाने का एक व्यापक प्रयास है, जो पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेता है।

कर साथी प्लेटफॉर्म-

- **लाँच-** आयकर विभाग द्वारा
- यह कर अनुपालन को सुगम बनाने हेतु उन्नत एआई-सक्षम प्लेटफॉर्म है।

बॉब संवाद-

- यह बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा लाँच प्लेटफॉर्म एआई-संचालित बहुभाषी विशिष्ट संवाद मंच है।
- यह बैंक की शाखाओं में ग्राहकों के साथ 22 भाषाओं में संवाद स्थपित करेगा।

भारत ने दर्ज की पवन ऊर्जा क्षमता में अब तक की सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि-

- भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान पवन ऊर्जा क्षमता में अब तक की सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि 6.05 गीगावाट प्राप्त की है जो वित्त वर्ष 2016-17 में दर्ज 5.5 गीगावाट क्षमता वृद्धि से अधिक है।
- इस वृद्धि के साथ, भारत की कुल स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता 56 गीगावॉट से अधिक हो गई है।

वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात-

- भारत का वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपए रहा है जो पिछले वित्त वर्ष के 23,622 करोड़ रुपए के आंकड़े से 14,802 करोड़ रुपए (62.66 प्रतिशत) की भारी वृद्धि दर्शाता है और अब तक का सर्वोच्च स्तर है।
- भारत के रक्षा निर्यात में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) और निजी क्षेत्र का योगदान क्रमशः 54.84 प्रतिशत और 45.16 प्रतिशत रहा है।

भारत और न्यूजीलैंड ने ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर हस्ताक्षर किए-

- हाल ही में भारत और न्यूजीलैंड ने मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए हैं।
- इस मुक्त व्यापार समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है, जिससे भारतीय उत्पादों को न्यूजीलैंड के बाजार में ड्यूटी-फ्री पहुंच मिलेगी।
- **प्रावधान-**
  - भारत के 100% निर्यात को न्यूजीलैंड में शून्य शुल्क बाजार पहुँच होगी।
  - भारत द्वारा 95% द्विपक्षीय व्यापार को कवर करते हुए टैरिफ उदारीकरण पर बल।
  - वस्त्र, फार्मा, चमड़ा, ऑटो, कृषि आदि श्रम-प्रधान क्षेत्रों को लाभ मिलेगा।
  - सेवाओं में न्यूजीलैंड का अब तक का सबसे उदार प्रस्ताव (118 क्षेत्र, 139 उप-क्षेत्र)।
  - STEM छात्रों को 3–4 वर्ष कार्य अनुमति; 1,000 वर्किंग हॉलिडे वीज़ा प्रदान किये जायेंगे।
  - भारतीय पेशेवरों के लिए 'अस्थायी रोज़गार प्रवेश वीज़ा' का 5,000 का विशेष कोटा प्रदान किया जायेगा।
  - 15 वर्षों में USD 20 बिलियन निवेश को प्रोत्साहन।
  - संवेदनशील उत्पाद (डेयरी, चीनी, तेल आदि) बाहर; किसानों की सुरक्षा।
- Note- 2024-25 में ओशिनिया और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 26 अरब अमरीकी डॉलर था। न्यूजीलैंड ओशिनिया क्षेत्र में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जिसके साथ द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य लगभग 1.3 अरब अमरीकी डॉलर है।
- ओशिनिया- यह प्रशांत महासागर के द्वीपीय इलाकें है जिनमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, मेलानेशिया, माइक्रोनेशिया और पॉलिनेशिया आदि आते है।

लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने के लिए डाक विभाग और डीटीडीसी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए-

- हाल ही में डाक विभाग (DoP) और डीटीडीसी एक्सप्रेस लिमिटेड (DTDC) ने 27 अप्रैल 2026 को लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स इको-सिस्टम को मजबूती प्रदान करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।
- समझौते के प्रमुख बिंदु-
  - डीटीडीसी, देश भर में पार्सल डिलीवरी के लिए डाक विभाग के विशाल नेटवर्क का उपयोग कर सकेगा।
  - इसमें कैश ऑन डिलीवरी सेवाएं शामिल होंगी।
  - डीटीडीसी को डाक विभाग के 1.64 लाख डाकघरों के अद्वितीय नेटवर्क तक पहुंच प्राप्त होगी, जो दुनिया का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क है।

विविध तथ्य :–

- हाल ही में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने हितधारकों को नए आयकर अधिनियम, नियम, और प्रावधानों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से 'सीमाओं को जोड़ना, विश्वास का निर्माण' विषय पर व्यापक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया है।
- हाल ही में केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री जीतन राम मांझी और बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने संयुक्त रूप से सिकंदरपुर, बिहटा और पटना में एमएसएमई प्रौद्योगिकी केन्द्रों का उद्घाटन किया है।
- हाल ही में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए), कृषि विभाग और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच पीलीभीत में बासमती और जैविक प्रशिक्षण केंद्र के लिए 70 वर्ष के पट्टे समझौते पर हस्ताक्षर किए है।
- हाल ही में इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक (डाक विभाग) ने स्वयं सहायता समूह बचत खाता आरंभ करने की घोषणा की है। इसका उद्देश्य देश भर के ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय समावेशन बढ़ाना और महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाना है।
- हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली प्रशिक्षण अकादमी ने अपनी सांख्यिकी पर आधारित एक आधिकारिक द्वि-वार्षिक पत्रिका 'सर्वेक्षण' का 120वां अंक जारी किया है।
- हाल ही में डीजीसीए ने स्काईहॉप एविएशन को भारत में सीप्लेन सेवाएं शुरू करने के लिए लाइसेंस दे दिया है। इससे पहले स्पाइसजेट ने गुजरात में सीप्लेन सेवा शुरू की थी, लेकिन वह लंबे समय तक चल नहीं सकी थी।
- सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 16 अप्रैल, 2026 को 'PAIMANA' पोर्टल में 'प्रदर्शन निगरानी डैशबोर्ड' को जोड़ा दिया है।
- भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 55,200 से अधिक स्टार्टअप को मान्यता दी है, जो स्टार्टअप इंडिया पहल की शुरूआत के बाद से किसी एक वर्ष में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की सर्वाधिक संख्या है।
- भारत का वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान हस्तशिल्प सहित कुल वस्त्र निर्यात 3,16,334.9 करोड़ रुपये रहा है। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 2.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- वर्ष 2025-26 में सारस्वत सहकारी बैंक और अमूल ने ₹1 लाख करोड़ के वार्षिक टर्नओवर का आंकड़ा पार किया है।
- भारत ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 168.4 मिलियन टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया और दुनिया में दूसरा स्थान बनाए रखा।
- आईएमएफ के अनुसार ब्रिटेन वैश्विक अर्थव्यवस्था रैंकिंग में भारत को पीछे छोड़कर 5वें स्थान पर आ गया है। इसके अलावा अमेरिका पहले, चीन दूसरे, जर्मनी तीसरे, और जापान चौथे स्थान पर हैं। इससे पूर्व भारतीय अर्थव्यस्था चौथे स्थान पर थी।
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में चीन (151.1 अरब डॉलर), भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना है जबकि अमेरिका (140.2 अरब डॉलर) दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है।
- भारत के पेटेंट आवेदन साल 2025-26 में 30.2% से बढ़कर 1,43,729 हुए। भारत अब दुनिया का छठा सबसे ज्यादा पेटेंट फाइल करने वाला देश बन गया है।
- अमरीका ने भारत से आने वाले सोलर सेल और पैनल उत्पादों पर शुरुआती एंटी-डंपिंग शुल्क (टैक्स) 123.04% लगाने की घोषणा की है।
- आरबीआइ ने बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत नियमों की अनदेखी करने के आरोप में पेटीएम पेमेंट बैंक लिमिटेड का लाइसेंस रद्द कर दिया।

5 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

रक्षा-प्रौद्योगिकी

डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने सफलतापूर्वक लघु दूरी की जहाज-रोधी मिसाइल (NASM-SR) का पहला सैल्वो लॉन्च किया-

- हाल ही में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना ने 29, अप्रैल, 2026 को ओडिशा के तट पर बंगाल की खाड़ी में लघु दूरी की जहाज-रोधी मिसाइल (NASM-SR) का सफल 'सैल्वो लॉन्च' (Salvo Launch) किया है।
- यह परीक्षण नौसेना के एक हेलीकॉप्टर प्लेटफॉर्म से किया गया। यह इस उन्नत वायु-प्रक्षेपित प्रणाली का पहला सैल्वो लॉन्च था।
- **विशेषताएं-**
  - इस मिसाइल को इमारत अनुसंधान केन्द्र (RCI), हैदराबाद तथा अन्य सहयोगी प्रयोगशालाओं के माध्य से विकसित किया गया है।
  - इस मिसाइल में 'सॉलिड प्रोपल्शन बूस्टर' और 'लॉन्ग-बर्न सस्टेनर' का उपयोग किया गया है।
  - इसमें स्वदेशी रूप से विकसित सीकर (Seeker), फाइबर-ऑप्टिक जाइरोस्कोप आधारित इनर्टियल नेविगेशन सिस्टम और रेडियो-अल्टीमीटर का उपयोग किया गया है।
  - इसमें उच्च-बैंडविड्थ टू-वे डेटा लिंक और जेट-वेन नियंत्रण जैसी आधुनिक उप-प्रणालियां शामिल हैं।

मालवन युद्धपोत-

- भारतीय नौसेना को सुपुर्द- 31 मार्च, 2026
- निर्मित- कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, कोच्चि द्वारा
- इस युद्धपोत का नाम महाराष्ट्र के ऐतिहासिक तटीय शहर मालवन से लिया गया है।

विशेषता-

- यह युद्धपोत 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री से तैयार किया गया है।
- यह युद्धपोत लगभग 80 मीटर लंबा और 1,100 टन भार वाला है।
- यह टॉरपीडो, बहु-कार्यकारी पनडुब्बी-रोधी रॉकेट तथा अत्याधुनिक सेंसरों से लैस है।
- यह पानी के भीतर निगरानी, तटीय जलक्षेत्र में पनडुब्बी-रोधी युद्ध अभियानों, कम तीव्रता वाली समुद्री गतिविधियों के साथ-साथ समुद्री युद्धक क्षमताओं से सुसज्जित है।

आइएनएस अरिदमन-

- यह भारत की अरिहंत श्रेणी की तीसरी परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी है जिस हाल ही में परिचालन में शामिल किया गया है। इसे उन्नत प्रौद्योगिकी वेसेल प्रोजेक्ट के तहत विकसित किया गया है।

विशेषताएँ-

- निर्माण- शिप बिल्डिंग सेंटर, विशाखापत्तनम
- विस्थापन क्षमता- लगभग 7,000 टन
- हथियार प्रणाली- 8 वर्टिकल लॉन्च ट्यूब, K-15 सागरिका मिसाइल, K-4 मिसाइल

डीआरडीओ द्वारा विकसित उन्नत बख्तरबंद वाहनों का अनावरण-

- हाल ही में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित उन्नत बख्तरबंद वाहनों का 25 अप्रैल, 2026 को डीआरडीओ प्रयोगशाला परिसर, अहिल्यानगर (महाराष्ट्र) में अनावरण किया गया।

विशेषताएं-

- डिजाइन और विकास- व्हीकल्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट द्वारा स्वदेशी रूप से।
- स्वदेशी हथियार प्रणाली- दोनों वाहन 30 मिमी के क्रू-लेस टरेट से सुसज्जित हैं, जिसमें 7.62 मिमी पीकेटी गन और एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल क्षमता शामिल है।
- एम्फीबियन क्षमता- ये वाहन 'हाइड्रो जेट प्रणाली' से लैस हैं, जो इन्हें पानी के अवरोधों को आसानी से पार करने में सक्षम बनाती है।
- इन वाहनों का निर्माण टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) और भारत फोर्ज लिमिटेड (BFL) द्वारा किया गया है, जिसमें कई MSMEs का भी सहयोग रहा है।

रक्षा मंत्रालय ने ट्रॉल असेंबली की खरीद के लिए किया अनुबंध -

- हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने 21 अप्रैल, 2026 को भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) और इलेक्ट्रो न्यूमेटिक्स एंड हाइड्रोलिक्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के साथ लगभग 975 करोड़ रुपये लागत से टी-72/टी-90 टैंकों के लिए ट्रॉल असेंबली की खरीद के लिए अनुबंध किया हैं।
- टी-72/टी-90 टैंकों के लिए ट्रॉल असेंबली (माइन क्लियरिंग डिवाइस) डीआरडीओ द्वारा विकसित एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो भारतीय सेना की बारूदी सुरंगों को भेदने की क्षमता को बढ़ाएगा।
- ट्रॉल असेंबली टी-72/टी-90 टैंकों के आगे लगकर बारूदी सुरंगों को नष्ट करता है, जिससे बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र में में बख्तरबंद गाड़ियों के लिए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो पाता है।

125 एमएम एफएसएपीडीएस टैंकभेदी बम-

- यह स्वदेशी टैंकभेदी बम है।
- निर्माण- आयुध निर्माणी खमरिया (ओएफके),
- यह प्रोजेक्ट पहले रूस के सहयोग से संचालित था, जिसे अब पूरी तरह स्वदेशी रूप से विकसित किआ जा रहा है।
- यह बम 125 एमएम गन से दागा जाता है और दुश्मन के टैंक की सुरक्षा प्रणाली को भेदने के लिए विशेष तकनीक से विकसित किया गया है।

आईएनएस तारागिरी-

- **प्रोजेक्ट 17-ए श्रेणी का चौथा शक्तिशाली युद्धपोत आई-एनएस तारागिरी को 3 अप्रैल, 2026 को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना में सम्मिलित किया गया।**

विशेषता-

- डिजाइन- युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा
- निर्मित- एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) के सहयोग से माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा
- विस्थापन क्षमता- लगभग 6,670 टन
- 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री
- संयुक्त डीजल या गैस प्रणोदन इंजन द्वारा संचालित
- इसमें घातक सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और उन्नत स्वदेशी पनडुब्बी रोधी प्रणाली शामिल हैं।

- ▶ हाल ही में भारतीय वायु सेना ने 'मेहर बाबा प्रतियोगिता' के तीसरे संस्करण के लिए पंजीकरण आरंभ किये है। यह प्रतियोगिता स्वदेशी ड्रोन और स्वायत्त तकनीक को बढ़ावा देने वाली एक प्रमुख प्रतियोगिता है।
- ▶ चर्चित शब्द "लोइटरिंग म्यूनिशन"- इसे सुसाइड ड्रोन कहा जाता है जो हवा में काफी समय तक मंडराता रहता है और तुरंत हमला नहीं करता। यह पहले अपने लक्ष्य की तलाश करता है। जैसे ही इसे सही लक्ष्य मिलता है, यह सीधे उससे टकराकर विस्फोट कर देता है।
- ▶ फेडेक्स और आईआईटी मद्रास ने देश का पहला इंट्रा-सिटी ड्रोन डिलीवरी ट्रायल पूरा किया। यह ट्रायल बेंगलुरु में इलेक्ट्रॉनिक सिटी फेज-2 से एयरपोर्ट के पास तक किया गया है।

अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी

आर्टेमिस-2 मिशन

आर्टेमिस II, नासा के आर्टेमिस कार्यक्रम का पहला मानवयुक्त मिशन है।

लॉन्च - मिशन 1 अप्रैल, 2026 को

वापसी- 10 अप्रैल, 2026 को

यह आर्टेमिस कार्यक्रम का पहला मानवयुक्त मिशन है

मिशन दिवस- 10 दिवसीय (9 दिन, 1 घंटा, 32 मिनट)

मिशन प्रकार - लुनार फ्लाईबाई मिशन

अंतरिक्ष यान- ओरियन अंतरिक्ष यान

मिशन का पथ-

लुनार फ्लाईबाई-

- चालक दल चंद्रमा पर उतरेगा नहीं, बल्कि चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगाकर वापस आया।
- फ्री-रिटर्न ट्रेजेक्टरी- यान चंद्रमा के सुदूर हिस्से से लगभग 7,400 किमी दूर से गुजरा और चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण का उपयोग करके पृथ्वी की ओर "स्लिंगशॉट" (वापस मुड़ना) किया।

अंतरिक्ष यात्री-

- **रीड वाइसमैन (कमांडर)-** नासा के अनुभवी और पूर्व मुख्य अं_तरिक्ष यात्री।
- **विक्टर ग्लोवर-** लो-अर्थ ऑर्बिट से परे यात्रा करने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति।
- **क्रिस्टीना कोच-** चंद्रमा के चरों ओर यात्रा करने वाली पहली महिला।
- **जेरेमी हैनसेन-** पृथ्वी की कक्षा छोड़ने वाले पहले गैर-अमेरिकी।

सौर तंतुओं के भौतिक गुणों को मापने की नई विधि की खोज-

- आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज (नैनीताल) ने आईआईटी-दिल्ली और स्पेन के इंस्टीट्यूट डी एस्ट्रोफिसिका डी कैनारियास संस्थान के खगोलविदों के साथ मिलाकर सौर तंतुओं के दोलनों का विश्लेषण करके उनके भौतिक गुणों को मापने की एक नई तकनीक खोजी है।
- यह तकनीक 'प्रोमिनेंस सीस्मोलॉजी' पर आधारित है, जो सूर्य के वायुमंडल में मौजूद चुंबकीय क्षेत्रों द्वारा स्थिर रखे गए ठंडे प्लाज्मा के विशाल बादलों की आंतरिक स्थितियों का अनुमान लगाती है

प्रोमिनेंस सीस्मोलॉजी तकनीक-

- जिस तरह भूकंपीय तरंगों का उपयोग पृथ्वी की आंतरिक संरचना जानने के लिए किया जाता है, उसी तरह 'प्रोमिनेंस सीस्मोलॉजी' सौर तंतुओं में होने वाले दोलनों का उपयोग उनकी आंतरिक स्थितियों का अनुमान लगाने के लिए करती है।

सौर तंतु क्या हैं?-

- ये सूर्य के वायुमंडल में निलंबित ठंडे प्लाज्मा के विशाल बादल हैं। ये शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्रों द्वारा स्थिर रखे जाते हैं। जब ये तंतु सूर्य के किनारे पर दिखाई देते हैं, तो इन्हें सौर ज्वाला कहा जाता है।

वैज्ञानिकों ने छोटी आकाशगंगाओं में ब्लैक होल की उपस्थिति की संभावना का पता लगाया-

- हाल ही में भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (बेंगलुरु) के अरुण मंगलम और के. आदित्य ने मिल्की वे आकाशगंगा की परिक्रमा करने वाली लघु गोलाकार आकाशगंगाओं के मध्य में भी ब्लैक होल होने की संभावना का पता लगाया है।
- आमतौर पर माना जाता है कि बड़ी आकाशगंगाओं के बीच में एक बहुत विशाल ब्लैक होल होता है। लेकिन छोटी आकाशगंगाओं के बारे में यह पक्का नहीं था।
- भारतीय वैज्ञानिकों ने गणितीय मॉडल और तारों की चाल का अध्ययन करके यह बताया है कि इन छोटी आकाशगंगाओं के मध्य में भी ब्लैक होल छिपे हो सकते हैं। ये ब्लैक होल 'मध्यम आकार' के हो सकते हैं। इस खोज से यह समझने में मदद मिलेगी कि ब्रह्मांड में ब्लैक होल के 'बीज' कैसे पड़े और वे छोटे से बड़े कैसे हुए।

अंतरिक्ष यान मिशन संचालन: एसएमओपीएस-2026-

- संस्करण- द्वितीय संस्करण
- आयोजन तिथि- 8-10 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- बेंगलुरु
- आयोजक- इसरो, एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया और इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ़ एस्ट्रोनॉटिक्स के द्वारा
- विषय- स्मार्ट और सतत अंतरिक्ष मिशन प्रबंधन के लिए अभिनव संचालन - अगली पीढ़ी
- उद्देश्य- विभिन्न अंतरिक्ष एजेंसियों, स्टार्टअप्स, उद्योग जगत और शिक्षा जगत के लोगों को आपस में जोड़ना और संपर्क स्थापित करके मौजूदा और भविष्य के रुझान से जुड़े विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करना।

मिशन मित्रा-

- इसरो ने 2 से 9 अप्रैल, 2026 तक लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश लेह में मित्रा मिशन का संचालन किया है।
- इसरो ने यह मिशन गगनयान के यात्रियों की शारीरिक और मानसिक क्षमता परखने के लिए शुरू किया है।
- MITRA- Mapping of Interoperable Traits and Response Assessment

99942 एपोफिस-

- यह एक क्षुद्रग्रह है जो अप्रैल, 2029 में पृथ्वी के करीब से सुरक्षित रूप से गुजरेगा। यह पृथ्वी की सतह से लगभग 20,000 मील की दूरी से गुजरेगा।

विविध तथ्य :-

- इसरो द्वारा जारी 'इंडियन स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस रिपोर्ट-2025' के मुताबिक वर्ष 2025 में भारतीय उपग्रहों को अंतरिक्ष में मलबे के टकराने के खतरों से बचाने के लिए इसरो को 18 बार कोलोजन अवॉइडेंस मैन्यूवर करना पड़ा।
- हैदराबाद स्थित रेड बैलून एयरोस्पेस वर्ष-2026 में 'सुपर प्रेशर बैलून' लॉन्च करेगी। यह बैलून जमीन से 20-40 किमी ऊपर रहकर दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट सिग्नल पहुंचाएगा।

जैव-प्रौद्योगिकी

वैज्ञानिकों ने शरीर में निकोटीन और कोटिनिन का शीघ्र पता लगाने हेतु अत्याधुनिक सेंसर विकसित किया-

- हाल ही में नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (INST), मोहाली के वैज्ञानिकों ने शरीर में निकोटीन और उसके उप-उत्पाद 'कोटिनिन' का शीघ्र पता लगाने हेतु एक अत्याधुनिक 'फ्लोरोसेंट टर्न-ऑन सेंसर' विकसित किया है।
- वैज्ञानिकों ने आयरन मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (MOF) नैनोस्फीयर का उपयोग करके एक सूक्ष्म सेंसर विकसित किया है।
- यह सेंसर जलीय माध्यम और जीवित कोशिकाओं में निकोटीन और उसके उप-उत्पाद कोटिनिन की पहचान करता है। जब निकोटीन या कोटिनिन इस सेंसर के छिद्रों में प्रवेश करते हैं, तो यह चमकीले नीले रंग की रोशनी उत्सर्जित करने लगता है।

कोटिनिन-

- निकोटीन शरीर में जाने के बाद टूटकर कोटिनिन बनाता है।

- कोटिनिन रक्त, लार और मूत्र में लंबे समय तक मौजूद रहने वाला एक स्थिर बायोमार्कर है, जिससे यह पता चलता है कि व्यक्ति तंबाकू या धूम्रपान के संपर्क में रहा है या नहीं।

इस सेंसर की उपयोगिता या लाभ-

- यह नया सेंसर कम लागत वाला और त्वरित परिणाम देने वाला विकल्प है।
- लोहे पर आधारित होने के कारण यह सुरक्षित, कम विषाक्त और शरीर की कोशिकाओं के लिए अनुकूल है।
- इस सेंसर का बार-बार उपयोग किया जा सकता है।

वैज्ञानिकों ने अंगूरों में बीज-रहित होने के आनुवंशिक आधार का पता लगाया

- आगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे ने सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के सहयोग से डॉ. रविंद्र पाटिल के नेतृत्व में अनुसंधान दल ने अंगूरों में बीज-रहित होने के आनुवंशिक आधार का पता लगाया है।
- अनुसंधान में पाया गया कि परागकणों की विकृति और अंकुरण क्षमता की कमी के कारण निषेचन असफल रहता है, जिससे अंगूर बीजरहित बनते हैं।
- वर्तमान में प्रजनन कार्यक्रमों में अंगूर का बीज-रहित होना वांछनीय गुण बन गया है क्योंकि उपभोक्ता बीज-रहित अंगूरों को ज़्यादा पसंद करते हैं।

भारत में दो नये निर्दिष्ट भंडार (Designated Repositories) अधिसूचित -

- राष्ट्रीय जैव-विविधता प्राधिकरण ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के परामर्श से दो संस्थानों को नये निर्दिष्ट भंडारों के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- यह दो संस्थान 'रेफरल केन्द्र भवसागर (समुद्री सजीव संसाधन एवं पारिस्थितिकी केंद्र, कोच्चि) तथा सूक्ष्मजीव संग्रह व राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह (आघारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे) है।
- इन्हें जैविक विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 39 के तहत 'निर्दिष्ट भंडार' के रूप में अधिसूचित किया गया है। यह विभिन्न प्रकार के जैविक संसाधनों (पौधों, जानवरों, सूक्ष्मजीवों) के नमूनों को सुरक्षित रखने और उनके डेटाबेस को बनाए रखने के लिए अधिकृत होंगे।

भवसागर रेफरल सेंटर-

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा भवसागर रेफरल सेंटर को जैव विविधता अधिनियम, 2002 के तहत गहरे समुद्री जीवों के लिए राष्ट्रीय भंडार का दर्जा प्रदान किया गया है।
- यह कोच्चि स्थित सेंटर फॉर मरीन लिविंग रिसोर्सेज एंड इकोलॉजी में अवस्थित उन्नत वैज्ञानिक संस्थान है जो गहरे समुद्र में पाए जाने वाले जीवों के संरक्षण, अध्ययन और व्यवस्थित अभिलेखीकरण के लिए विकसित किया गया है।

नियोनकोवैक्स-

- रूस में 60 वर्षीय कैंसर मरीज मेलानोमा को पहली 'नियोनकोवैक्स' एमआरएनए पर्सनलाइज्ड वैक्सीन दी गयी है।
- पर्सनलाइज्ड वैक्सीन- यह हर मरीज के ट्यूमर के विशिष्ट जेनेटिक प्रोफाइल के आधार पर तैयार की जाने वाली वेक्सिन है।

क्यूडेंगा (TAK-003)-

- भारत के औषधि महानियंत्रक के अधीन विषय विशेषज्ञ समिति ने ताकेदा के पहले डेंगू वैक्सीन 'क्यूडेंगा' (TAK-003) को स्वीकृति प्रदान की है।
- यह 'लाइव-एटेन्यूएटेड' वैक्सीन डेंगू के चारों प्रकार के वायरस के खिलाफ प्रभावी मानी गई है और 4 से 60 वर्ष तक के लोगों के लिए उपयुक्त है।

सूचना-प्रौद्योगिकी व अन्य प्रौद्योगिकी

स्कूली बच्चों को पढ़ाया जायेगा कृत्रिम बुद्धिमता और कोडिंग-

- CBSE ने नई शिक्षा नीति-2020 के तहत कक्षा 6 से 8 के छात्रों के लिए AI और कोडिंग पढ़ाने की घोषणा की है। इसे 2026-27 सत्र से लागू किया जाएगा। इसका, उद्देश्य बच्चों में कंप्यूटेशनल थिंकिंग और समस्या सुलझाने की क्षमता बढ़ाना है।

विश्व का सबसे छोटा क्यूआर कोड-

- ऑस्ट्रिया के Vienna University of Technology के शोधकर्ताओं ने दुनिया का सबसे छोटा क्यूआर कोड बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है।
- यह माइक्रोस्कोपिक क्यूआर कोड महज 1.977 वर्ग माइक्रोमीटर का है। इसे विशेष माइक्रोस्कोप की सहायता से देखा जा सकता है।

चक्षु पोर्टल-

- यह पोर्टल दूरसंचार विभाग के 'संचार साथी' प्लेटफॉर्म के तहत शुरू किया गया है। इस पोर्टल पर शिकायत करने पर मोबाइल नंबर , फोन का IMEI ब्लॉक कर दिया जाता है।
- वर्तमान में राजस्थान में बढ़ते साइबर अपराध के मद्देनजर पुलिस ने आमजन को 'चक्षु पोर्टल' का उपयोग करने की सलाह दी है।

प्रौद्योगिकी और नीति विशेषज्ञ समिति का गठन-

- हाल ही में भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 18 अप्रैल, 2026 को प्रौद्योगिकी और नीति विशेषज्ञ समिति (टीपीईसी) का गठन किया है।
- यह समिति एक स्थायी विशेषज्ञ सलाहकार निकाय के रूप में होगी जो भारत की एआई शासन संरचना को विशेषज्ञ सलाहकार सहायता प्रदान करेगी। इस समिति की अध्यक्षता इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव द्वारा की जायेगी।

स्वदेशी रूप से विकसित सिलिकॉन फोटोनिक्स टेक्नोलॉजी सॉल्युशंस लॉन्च-

- हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 24 अप्रैल, 2026 को आईआईटी मद्रास द्वारा विकसित दो स्वदेशी सिलिकॉन फोटोनिक्स टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस को लॉंच किया है।
- यह सॉल्यूशंस आईआईटी मद्रास के सेंटर फॉर प्रोग्रामेबल फोटोनिक इंटीग्रेटेड सर्किट्स एंड सिस्टम्स द्वारा विकसित किये गये है।
  1. सिलिकॉन फोटोनिक्स प्रोसेस डिज़ाइन किट- इसमें 50 से अधिक सत्यापित कंपोनेंट शामिल हैं। यह स्टार्टअप्स, उद्योगों और रक्षा संगठनों को उन्नत फोटोनिक आईसी (ICs) डिजाइन करने में मदद करेगा।
  2. यूनिवर्सल प्रोग्रामेबल फोटोनिक आईसी टेस्ट इंजन- यह विभिन्न ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक मॉड्यूल्स के परीक्षण और कैरेक्टराइजेशन के लिए एक स्वचालित प्लेटफॉर्म है।
- फोटोनिक्स तकनीक- यह तकनीक डेटा संचार के लिए प्रकाश (फोटॉन्स) का उपयोग करती है।

कलपक्कम में स्थित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने पहली बार क्रिटिकल अवस्था प्राप्त की-

- 6 अप्रैल, 2026 को तमिलनाडु के कलपक्कम में स्थित 500 मेगावाट के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने प्रथम क्रिटिकै-लिटी (नियंत्रित विखंडन श्रृंखला प्रतिक्रिया की शुरुआत) अवस्था प्राप्त की है

फास्ट ब्रीडर रिएक्टर-

- फास्ट ब्रीडर रिएक्टर, पारंपरिक थर्मल रिएक्टरों के विपरीत होते है जो यूरेनियम-प्लूटोनियम मिक्स्ड ऑक्साइड ईंधन का उपयोग करता है।
- इसमें न्यूट्रॉन की गति को धीमा करने के लिए किसी 'मॉडरेटर' का उपयोग नहीं किया जाता है। यह रिएक्टर जितना ईंधन खर्च करता है, उससे अधिक ईंधन पैदा करता है।

भारत के त्रि-चरणीय परमाणु कार्यक्रम-

- भारत के परमाणु कार्यक्रम के जनक डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने तीन चरणों वाली रणनीति बनाई थी-
  - प्रथम चरण- दाबित भारी जल रिएक्टर (PHWR)।
  - द्वितीय चरण- फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (FBR) –
  - तृतीय चरण- थोरियम आधारित रिएक्टर।

महत्व-

- यह भारत को परमाणु ईंधन के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।
- यह रिएक्टर भारत के विशाल थोरियम भंडार का उपयोग करने के लिए द्वार खोलता है।
- रूस के बाद भारत दुनिया का दूसरा ऐसा देश है जिसके पास व्यावसायिक स्तर पर संचालित होने वाला फास्ट ब्रीडर रिएक्टर है।

विविध तथ्य

- हाल ही में वैज्ञानिकों ने अंटार्कटिका के डेंजर जोन में गीजा के पिरामिड के आकार का रहस्यमयी द्वीप खोजा है। यह द्वीप वेडेल सागर के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में खोजा गया है।
- हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के नामदफा टाइगर रिजर्व में 'लिम्स्रोनक्टेस मोतीझील' नामक मेंढक की नई प्रजाति खोजी गयी है जो कीचड़ में घोंसला बनाने वाली दुर्लभ प्रजाति है।
- हाल ही में डब्ल्यूएचओ ने पहली बार आर्टेमेथर-लुमेफैट्रिन मलेरिया रोधी फॉर्मूलेशन से नवजात और छोटे बच्चों के लिए मलेरिया के उपचार को मंजूरी दी है।
- हाल ही में भारतीय मूल के अमरीकी शोधकर्ता डॉ. कुमार मृत्युंजय ने 3डी मस्तिष्क जैसी प्रणाली तैयार की है। इस प्रणाली में जीवित न्यूरॉन्स विकसित हो सकते हैं तथा इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के साथ लगातार संवाद भी कर सकते हैं।

6 खेल परिदृश्य

क्रिकेट - लॉरा कारडोसो बनी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच की एक पारी में नौ विकेट लेने वाली दुनिया की पहली गेंदबाज-

- ब्राजील की तेज गेंदबाज लॉरा कारडोसो ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच की एक पारी में नौ विकेट लेकर इतिहास रच दिया है। लॉरा ऐसा करने वाली दुनिया की पहली गेंदबाज बन गई हैं।
- लॉरा ने लेसोथो के खिलाफ तीन ओवर में चार रन देकर नौ विकेट चटकाए है। उन्होंने यह उपलब्धि बोत्सवाना में 'कालाहारी महिला T20I टूर्नामेंट' के दौरान लेसोथो के खिलाफ हासिल की है।
- यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में किसी पुरुष व महिला क्रिकेटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पहले यह रिकॉर्ड भूटान के सोनम येशे के नाम था जिन्होंने 2025 में म्यांमार के खिलाफ सात रन देकर आठ विकेट चटकाए थे।

फैनी उतागुशिमानिंदे

- यह रवांडा की 15 वर्षीय क्रिकेट खिलाड़ी है जो महिला टी-20 अंत-रराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं।
- फैनी ने नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में घाना के खिलाफ मात्र 65 गेंद में नाबाद 111 रन की पारी खेली।

तमीम इकबाल-

- यह बांग्लादेश के 37 वर्षीय पूर्व दिग्गज बल्लेबाज है। इनकों बांग्लादेश सरकार ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है जो इस बोर्ड के इतिहास में सबसे कम उम्र के अध्यक्ष बन गए हैं।

विविध तथ्य :-

- हाल ही में वरुण चक्रवर्ती भारत के सबसे तेज 200 T-20 विकेट लेने वाले स्पिनर बने। उन्होंने यह उपलब्धि 155 पारियों में हासिल की।
- हाल ही में बीसीसीआइ ने अजीत अगरकर का भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल वर्ष 2027 के वनडे विश्व कप तक बढ़ा दिया है।
- स्मृति मंधाना ने भारत के लिए T-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। स्मृति मंधाना ने 155 पारियों में 4,244 रन बनाए, जबकि रोहित शर्मा ने 151 पारियों में कुल 4,231 रन बनाए थे।
- आइसीसी ने भारत संजू सैमसन को मार्च महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना गया। संजू सैमसन पहली बार आइसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने है।
- हाल ही में भारतीय मूल के इंग्लैंड के क्रिकेटर समित पटेल ने 25 साल लंबे करियर के बाद इंग्लिश घरेलू क्रिकेट से सन्यास की घोषणा की है।
- गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने आईपीएल इतिहास में सबसे तेज 2,000 रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने केवल 47 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की।
- विराट कोहली ने आईपीएल 9000 रन पूरे करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गये है। उन्होंने यह उपलब्धि अपने 275वें आईपीएल मैच में हासिल की है।
- हाल ही में तमिलनाडु की रितिका श्री देश की पहली ट्रांसजेंडर क्रिकेट अंपायर बनी हैं। रितिका श्री का जन्म सलेम में हुआ था और उन्होंने 2021 से अंपायरिंग शुरू की थी।

शूटिंग/तीरंदाजी- विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज-2026

- आयोजन तिथि- 30 मार्च-4 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- बैंकॉक (थाईलैंड) में
- इस प्रतियोगिता में 21 देशों के 113 खिलाड़ियों ने भाग लिया था।
- भारत ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 13 पदक (7 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य) के साथ पदक तालिका में प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकी इंडोनेशिया ने दूसरा (6 पदक) और थाईलैंड तीसरा (5 पदक) स्थान पर रहा।
- इस प्रतियोगता भारत के 21 खिलाडियों ने भाग लिया था।

भारत के पदक विजेता खिलाड़ी-

- तोमन कुमार (टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना एथलीट)- 3 स्वर्ण (कंपाउंड पुरुष ओपन, मिश्रित टीम, पुरुष टीम)
- शीतल देवी (टीओपीएस एथलीट)- 2 स्वर्ण (मिश्रित टीम, महिला टीम), 1 रजत (महिला ओपन)
- पायल नाग- 2 स्वर्ण (महिला ओपन, महिला टीम)
- हरविंदर सिंह (पद्म श्री, टीओपीएस एथलीट)- 1 स्वर्ण (पुरुष टीम), 1 रजत (पुरुष ओपन)
- श्याम सुंदर स्वामी (टीओपीएस एथलीट)- 1 स्वर्ण (पुरुष टीम), 1 कांस्य (पुरुष ओपन)
- भावना (राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र एथलीट)- 1 स्वर्ण (महिला ओपन), 2 कांस्य (मिश्रित टीम, महिला टीम)
- स्वाति चौधरी- 1 रजत (डब्ल्यू1 महिला)
- राजश्री धनराज राठौड़- 1 कांस्य (महिला टीम)
- विजय सुंडी- 1 स्वर्ण (पुरुष टीम), 1 कांस्य (मिश्रित टीम)

आईएसएसएफ (इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन) विश्व कप-2026

- आयोजन तिथि- 5 से 12 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- ग्रेनाडा (स्पेन) में
- इस प्रतियोगिता में ओलंपियन चैन सिंह और अंजुम मौदगिल के नेतृत्व में 18 सदस्यीय भारतीय शूटिंग दल ने हिस्सा लिया।
- भारतीय निशानेबाजों पलक गुलिया और मुकेश नेलावल्ली ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में 487.7 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता है।

विविध तथ्य :-

- भारत के शीर्ष निशानेबाज शिवा नरवाल ने मिस्र के काहिरा में आयोजित आइएसएसएफ जूनियर विश्व कप- 2026 की पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया है।

शतरंज - बोधना शिवानंदन-

- भारतीय मूल की11 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी बोधना शिवानंदन अंत_ रराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) की नवीनतम रेटिंग सूची के अनुसार इंग्लैंड की शीर्ष महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उनके अभी 2366 रेटिंग अंक हैं।
- बोधना के माता-पिता 2007 में तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली से इंग्लैंड चले गए थे।

आरित कपिल ने शतरंज में इंटरनेशनल मास्टर नॉर्म हासिल किया-

- हाल ही में दिल्ली के 10 वर्षीय आरित कपिल ने स्पेन में इंटरनेशनल टूर्नामेंट के अंतिम दौर में ड्रॉ खेलकर शतरंज में इंटरनेशनल मास्टर (आइएम) नॉर्म हासिल किया है।
- वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह भारत के सबसे कम उम्र के शतरंज के खिलाड़ी बने है।
- आरित ने वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन के साथ ड्रॉ खेला।
- इससे पूर्व भी आरित कपिल दिसंबर, 2024 में क्लासिकल शतरंज मैच में अमरीका के रसेट जियाल्दिनोव को हराकर किसी ग्रैंडमास्टर को हराने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय और दुनिया के तीसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे।

ए.एस. शरवानिका बनी फिडे वर्ल्ड चैम्पियन-

- हाल ही में विश्व अंडर-10 कैडेट चैम्पियन ए.एस. शरवानिका ने सर्बिया में फिडे वर्ल्ड रैपिड अंडर-12 गर्ल्स चैम्पियनशिप का खिताब जीत लिया है।
- ए.एस. शरवानिका ने इस चैम्पियनशिप के नौवें दौर में स्लोवेनिया की एमा जाक्सा पर जीत हासिल कर खिताब जीता। यह शरवानिका का दूसरा वर्ल्ड रैपिड खिताब है।
- शरवानिका मूलत: तमिलनाडु के अरियालुर जिले के उदयर्पलायम शहर की हैं।

आर. वैशाली फीडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट-2026 की विजेता बनी-

- भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली ने रूसी ग्रैंडमास्टर कतेरीना लाग्नो को हराकर फीडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट-2026 अपने नाम कर लिया है।
- यह टूर्नामेंट अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ द्वारा साइप्रस की राजधानी निकोसिया में आयोजित करवाया गया था।
- 24 वर्षीय ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली इस टूर्नामेंट को जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

विविध तथ्य :-

- हाल ही में कोलकाता के अरण्यक घोष भारत के 95वें ग्रैंडमास्टर बने है। वर्तमान में अरण्यक वर्ल्ड रैंकिंग में 401वें स्थान पर मौजूद हैं।

बैडमिन्टन - विक्टर एक्सेलसन-

- यह डेनमार्क के बैडमिंटनन खिलाड़ी है इन्होंने हाल ही में बैडमिंटनन से संन्यास की घोषणा की है।
- यह दो बार के ओलंपिक चैंपियन (2020, 2024) और दो बार के विश्व चैंपियन और पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी रहे है।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप-2026

- आयोजन तिथि- 7 से 12 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- निंगबो शहर, चीन
- यह एशिया की सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तिगत बैडमिंटन प्रतियोगिता है।

भारत का प्रदर्शन-

- भारत के आयुष शेट्टी ने पुरुष एकल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इतिहास रचा है। यह एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप के इतिहास में पुरुष एकल में भारत का पहला रजत पदक है। आयुष शेट्टी को चीन के शी यू क्यूई के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले दिनेश खन्ना (1965) स्वर्ण जीतने वाले एकमात्र भारतीय हैं।

विभिन्न श्रेणियों के विजेता-

श्रेणी	विजेता	देश
पुरुष एकल	शी यूकी	चीन
महिला एकल	एन से-यंग	दक्षिण कोरिया
पुरुष युगल	किम वॉन-हो और सो सेउंग-जे	दक्षिण कोरिया
महिला युगल	ली यिजिंग और लुओ ज़ुमिन	चीन
मिश्रित युगल	किम जे-ह्योन और जांग ह-जोंग	दक्षिण कोरिया

विविध तथ्य :-

- हाल ही में भारतीय शटलर पीवी सिंधु को बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन काउंसिल की सदस्य के रूप में चुना गया है। वह इस वैश्विक संस्था में पूर्ण वोटिंग अधिकार पाने वाली सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं।

फुटबाल- यूईएफए यूथ लीग में रियाल मैड्रिड बना दूसरी बार चैंपियन-

- हाल ही में 20 अप्रैल, 2026 को यूईएफए यूथ लीग-2025-26 (12वां सीजन) के फाइनल में रियाल मैड्रिड U-19 ने क्लब ब्रुग U-19 को हराकर दूसरी बार विजेता बना है।
- इस मैच का फाइनल मुकाबल स्विट्जरलैंड के लॉज़ेन में हुआ था जिसमें 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद रियल मैड्रिड ने पेनल्टी शूटआउट में क्लब ब्रुग को 4-2 से हराकर चैंपियन बना है।
- यूईएफए यूथ लीग- यह यूईएफए द्वारा आयोजित एक यूरोपीय युवा क्लब फुटबॉल प्रतियोगिता है।

क्रिसपिन छेत्री-

- ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने पूर्व भारतीय फुटबॉल मैनेजर और फुटबॉलर क्रिसपिन छेत्री को भारतीय महिला फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है।
- क्रिसपिन छेत्री ने अमेलिया वाल्वर्डे की जगह ली है।

टेनिस- अमरीका की जेसिका पेगुला बनी चार्ल्सटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट की विजेता-

- शीर्ष वरीयता प्राप्त अमरीका की जेसिका पेगुला ने चार्ल्सटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। पेगुला यहां लगातार दूसरी बार चैंपियन बनी है।
- पेगुला ने फाइनल में युलिया स्टारोदुबत्सेवा को 6-2, 6-2 से शिकस्त दी।

कुश्ती - एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप-2026-

- आयोजन तिथि- 6 से12 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- बिश्केक, किर्गिस्तान
- स्पर्धा– तीन (ग्रीको-रोमन, महिला फ्रीस्टाइल, पुरुष फ्रीस्टाइल)
- भारत का प्रदर्शन- भारत ने कुल 17 पदक जीते है।
- 2 स्वर्ण- सुजीत कलकल (पुरुष 65 किग्रा), अभिमन्यु मंडवाल (पुरुष 70 किग्रा)
- 6 रजत- ललित सहरावत, नितेश सिवाच, अमन सहरावत, मुकुल दहिया, मीनाक्षी गोयत, संदीप मान
- 9 कांस्य- सुनील कुमार, प्रिंस, सचिन सहरावत, हंसिका लांबा, नेहा, मोनिका, हर्षिता, अंकुश, दिनेश

भारत को भिन्न-भिन्न स्पर्धाओं में प्राप्त पदक-

- ग्रीको-रोमन स्पर्धा- पांच पदक (दो रजत और तीन कांस्य)
- महिला फ्रीस्टाइल स्पर्धा- पांच पदक (एक रजत और चार कांस्य)
- पुरुष फ्रीस्टाइल स्पर्धा- सात पदक (दो स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य)

मुक्केबाजी- एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप-2026-

- आयोजन स्थल- उलानबटार, मंगोलिया
- आयोजन तिथि- 28 मार्च-11 अप्रैल, 2026
- आयोजक- वर्ल्ड बॉक्सिंग से संबद्ध परिसंघ द्वारा

भारत का प्रदर्शन(समग्र)-

- कुल पदक- 16 पदक (5 स्वर्ण, 3 रजत और 8 कांस्य)
- पदक तालिका में स्थान- भारत पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा।
- कजाकिस्तान कुल 6 स्वर्ण पदकों के साथ प्रथम स्थान पर रहा।

भारत की महिला टीम का प्रदर्शन-

- महिला टीम ने पदक तालिका में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- कुल पदक- 10 (4 स्वर्ण, 2 रजत, 4 कांस्य)
- स्वर्ण पदक विजेता- मीनाक्षी हुड्डा, प्रीति पवार, प्रिया घनघस, अरुंधति चौधरी

भारत की पुरुष टीम का प्रदर्शन-

- कुल पदक- 6 (1 स्वर्ण, 1 रजत, 4 कांस्य)
- स्वर्ण पदक- विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा)- इन्होंने 5 वर्षों में भारत का पहला पुरुष एशियाई स्वर्ण पदक जीता है।

अन्य- खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (KITG) 2026

- संस्करण- प्रथम
- आयोजन- 25 मार्च से 3 अप्रैल, 2026 तक छत्तीसगढ़ में
- यह जनजातीय एथलीटों के लिये समर्पित भारत का पहला राष्ट्रीय बहु-खेल आयोजन था।
- खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स, भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की प्रमुख खेलो इंडिया योजना का हिस्सा हैं।
- आयोजक- युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), भारतीय ओलंपिक संघ (IOA), विभिन्न राष्ट्रीय खेल संघों और छत्तीसगढ़ सरकार।
- आधिकारिक मैस्कॉट- मोरवीर (मोर- मेरा या हमारा और वीर- साहस या पराक्रम)
- खेल स्पर्धाएँ- सात स्पर्धाएँ (एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती)
- सात स्पर्धाओं के अलावा दो डेमो गेम(मल्लखंभ और कबड्डी) भी आयोजित किए गये।
- उत्कृष्ट पुरुष एथलीट- कर्नाटक के तैराक मणिकांत एल. (आठ स्वर्ण और एक रजत पदक जीता)
- उत्कृष्ट महिला एथलीट- ओडिशा की अंजलि मुंडा (तैराकी में पाँच स्वर्ण पदक)

पदक तालिका-

- शीर्ष स्थान- कर्नाटक (23 स्वर्ण, 8 रजत और 7 कांस्य पदक)
- द्वितीय स्थान- ओडिशा (21 स्वर्ण, 15 रजत, 21 कांस्य)
- राजस्थान 22वां स्थान (3 रजत, 2 कांस्य)

डोपिंग निलंबन सूची में भारत शीर्ष पर-

- एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआइयू) की डोपिंग उल्लंघन के कारण निलंबित किए गए खिलाड़ियों और खेल से जुड़े सहयोगी स्टाफ के सदस्यों की सूची में भारत केन्या को पीछे छोड़कर शीर्ष पर पहुंच गया है।
- भारत के ट्रैक एंड फील्ड के 148 एथलीट और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्य डोपिंग मामलों के कारण निलंबित है, जो केन्या से दो अधिक है।

रूपा बायर-

- यह अरुणाचल प्रदेश की भारतीय ताइक्वांडो खिलाड़ी है। इन्होंने विश्व ताइक्वांडो की ताजा रैंकिंग में पांचवां स्थान हासिल किया है। रूपा बायर यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय ताइक्वांडो खिलाड़ी बन गई हैं। उन्हें हाल में भारत की इस साल की सर्वश्रेष्ठ ताइक्वांडो खिलाड़ी भी चुना गया था।

"श्रीनगर खेल संकल्प" का शुभारंभ-

- हाल ही में केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने श्रीनगर में 26 अप्रैल, 2026 को भारत में एक एकीकृत और खिलाड़ी-केंद्रित खेल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने के लिए 'श्रीनगर खेल संकल्प' का शुभारंभ किया है।
- **श्रीनगर खेल संकल्प का उद्देश्य-**
  - भारत में एक एकीकृत और खिलाड़ी-केंद्रित खेल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है।
  - यह केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करता है।
- **प्राथमिकताएं-**
  - खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर तालमेल।
  - खेल अवसंरचना का विस्तार करना और शुरुआती स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान करना।
  - राज्यों को उनकी भौगोलिक और सांस्कृतिक विशेषताओं के आधार पर विशिष्ट खेल क्लस्टर विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना।
  - ओलंपिक और विश्व कप जैसे प्रमुख वैश्विक खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए भारत को तैयार करना।
  - खेल प्रशासन में पारदर्शिता लाना और इसे अधिक पेशेवर बनाना।

विविध तथ्य :-

- विश्व वॉलीबॉल महासंघ ने कानूनी और प्रशासनिक मानकों के उल्लंघन का हवाला देते हुए भारतीय वॉलीबॉल महासंघ की मान्यता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी।
- हाल ही में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2027 की मेजबानी उज्बेकिस्तान को मिली। पहली बार यह आयोजन मध्य एशिया में होगा।
- भारत, गोवा में 25 मई से 6 जून, 2026 तक होने वाली सैफ चैम्पियनशिप की दूसरी बार मेजबानी करेगा। इससे पहले वर्ष 2016 में भारत ने सिलीगुड़ी में इसकी मेजबानी करते हुए खिताब जीता था।
- मॉस्को, रूस में आयोजित मॉस्को वुशू स्टार प्रतियोगिता में राजस्थान के शिव ने 60 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक व धीरज चौधरी ने 100 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक जीता है।
- सान्या (चीन) में 22-27 अप्रैल तक आयोजित होने वाली 5वीं एशियन बीच कबड्डी गेम्स के लिए राजस्थान के 4 खिलाड़ियों (पुरुष टीम- बिजेंद्र सिंह चौधरी, जितेंद्र यादव, जयभगवान और महिला टीम- मनप्रीत कौर) का भारतीय कबड्डी टीम में चयन हुआ है।
- भारतीय धावक सावन बरवाल ने नीदरलैंड्स में आयोजित 42 किलोमीटर रॉटरडैम मैराथन को 2:11:58 के समय में पूर्ण करके वर्ष 1978 में स्थापित शिवनाथ सिंह के 2:12:00 के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।
- नॉर्थ आयरलैंड के गोल्फर रॉरी मैक्लरॉय ने लगातार दूसरी बार मास्टर्स गोल्फ का खिताब अपने नाम कर किया है।
- हाल ही में एपिया (समोआ) में आयोजित कॉमनवेल्थ यूथ एंड जूनियर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप्स में भारत ने चार स्वर्ण पदक जीते हैं। स्वर्ण पदक विजेता- सुनील सिंह, ऐसांगफा गोगोई, अभिनोब गोगोई, चारू पेसी।
- हाल ही में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने चीन में हुए एशियन बीच गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक तथा पुरुष कबड्डी टीम ने रजत पदक जीता है।
- हाल ही में सिम्बाइन क्लासिक-2026 एथलेटिक्स मीट में मुरली श्रीशंकर ने पुरुषों की लंबी कूद में 8.12 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले इन्होंने एशियाई खेलों के रजत पदक जीता था।

7 पुरस्कार एवं सम्मान

एम.एस. स्वामीनाथन पुरस्कार-2024-250-

- हाल ही में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के कुलपति डॉ. सी. एच. श्रीनिवास राव को 9वें प्रो. एम.एस. स्वामीनाथन पुरस्कार-2024-25 से नवाजा गया है।
- उन्हें यह सम्मान जलवायु-लचीली (क्लाइमेट रेजिलिएंट) कृषि व प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में योगदान के लिए दिया गया है।

एम.एस. स्वामीनाथन पुरस्कार-

- स्थापना- वर्ष 2004
- संस्थापक- ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज
- प्रथम पुरस्कार- 15 मार्च, 2005 को डॉ. नॉर्मन ई बोरलॉग को
- यह पुरस्कार डॉ. एम.एस. को सम्मानित करने व उनके द्वारा किये गये कार्यों को मान्यता प्रदान करता है।

'समृद्ध ग्राम' पहल को WSIS पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन मिला-

- केन्द्रीय संचार मंत्रालय की 'समृद्ध ग्राम' पहल को 'सूचना समाज पर विश्व शिखर सम्मेलन (WSIS) पुरस्कार-2026- के लिए 'सक्षम पर्यावरण' श्रेणी में नामांकित किया गया है।
- इस श्रेणी में समृद्ध ग्राम पहल को मिला नामांकन भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी को सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण में बदलने के प्रयासों की वैश्विक स्तर पर पुष्टि करता है।

'समृद्ध ग्राम' पहल- यह पहल भारतनेट के बुनियादी ढांचे (ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क) का उपयोग करती है जिसके तहत गांवों में समृद्धि केंद्र स्थापित किए जाते हैं जो वन-स्टॉप सामुदायिक केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।

WSIS पुरस्कार- यह अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ और अन्य सहयोगी वैश्विक संस्थानों द्वारा आयोजित एक वैश्विक प्रतियोगिता के तहत प्रदान किये जाते है। इन पुरस्कारों का उद्देश्य उन परियोजनाओं को पहचानना जो सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का लाभ उठाती हैं।

विजडन क्रिकेटर्स अल्मनैक पुरस्कार-2026-

- विजडन क्रिकेटर्स अल्मनैक के 163वें संस्करण के पुरस्कारों की घोषणा की गयी है। यह पुरस्कार क्रिकेट की पत्रिका विजडन द्वारा प्रदान किये जाते है।

विजेता-

- लीडिंग मेन क्रिकेटर इन द वर्ल्ड- मिशेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया)
- लीडिंग वीमेन क्रिकेटर इन द वर्ल्ड- दीप्ति शर्मा (भारत)
- लीडिंग टी-20 क्रिकेटर इन द वर्ल्ड- अभिषेक शर्मा (भारत)
- विजडन ट्राफी (आउट्स्टेंडिंग इंडिविजुअल परफॉर्मेंस)- शुभमन गिल (भारत),
- **वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर-** शुभमन गिल (भारत), रवींद्र जडेजा (भारत), ऋषभ पंत (भारत), मोहम्मद सिराज (भारत), हसीब हमीद (इंग्लैंड)

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2026-

- हाल ही में स्पेन के मैड्रिड में आयोजित लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स-शो में वर्ष 2025 में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष एथलीटों और टीमों को सम्मानित किया गया।

अवार्ड्स विजेता-

- विश्व स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड्स- कार्लोस अल्काराज़
- विश्व स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर अवार्ड्स- आर्यना सबलेंका
- वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम- पेरिस सेंट-जर्मेन
- वर्ष की सर्वश्रेष्ठ एक्शन स्पोर्ट्सपर्सन- क्लो किम
- वर्ष का सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी- लामिन यामल
- लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार- नादिया कोमनेसी

नौसेना अलंकरण समारोह - 2026

- नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने 01 अप्रैल, 2026 को मुंबई में आयोजित नौसेना अलंकरण समारोह में भारत के माननीय राष्ट्रपति की ओर से भारतीय नौसेना के कर्मियों को वीरता और विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रदान किए। इस समारोह में व्यक्तिगत पुरस्कारों में दो युद्ध सेवा पदक, बारह नौसेना पदक (वीरता), आठ नौसेना पदक (कर्तव्य के प्रति समर्पण) और अठारह विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किये गये है।

शीतल देवी

- भारत की शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी ने वर्ष 2025 का सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना है।
- जम्मू-कश्मीर की 19 वर्षीय शीतल देवी पिछले साल दक्षिण कोरिया के ग्वांगझू में आयोजित विश्व पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली और एकमात्र बिना बाजू वाली तीरंदाज बनीं।
- पुरूष वर्ग में 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ तीरंदाज' तुर्कीए के एमिरकान हैनी को चुना गया।
- 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ युवा तीरंदाज' का पुरस्कार फ्रांस के बैपटिस्ट एडिस को चुना गया।
- 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम' का पुरस्कार कोरिया की रिकर्व पुरुष टीम ने जीता है।

विविध तथ्य :–

- हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री सयानी गुप्ता को सार्वजनिक जीवन में दक्षिण एशियाई पहचान और प्रतिनिधित्व को महत्वपूर्ण आकार देने के लिए हार्वर्ड साउथ एशियन एसोसिएशन ने 2026 का पर्सन ऑफ द ईयर नामित किया है।
- फ्रांस में हुए 15वें यूरोपीय गर्ल्स मैथमेटिकल ओलंपियाड में मुंबई की श्रेया शांतनु मुंधदा ने गोल्ड मेडल जीता। वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय छात्रा बनीं।
- भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अमरीका के यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के 'इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया है।
- हाल ही में केरल के बॉटनिस्ट एन. अलीम यूसुफ को वर्ल्ड वाइल्ड फंड फॉर नेचर ने उनके एआई आधारित मोबाइल एप के लिए सम्मानित किया है। यह एप केरल में मौजूद करीब 100 आक्रामक पौधों की पहचान कर सकता है।
- हाल ही में ऑल इंडिया टेंट डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रवि जिंदल को बैंकाक में आयोजित समारोह में भारत गौरव अवार्ड गोल्ड मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

निर्वाचन और नियुक्ति

राष्ट्रीय

अशोक कुमार लाहिड़ी	■ इनको नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नीति आयोग के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में श्री राजीव गौबा, प्रो.के.वी.राजू, प्रो.गोबर्धन दास, प्रो.अभय करंदीकर तथा डॉ. एम.श्रीनिवास को नियुक्त किया गया है। **नीति आयोग (NITI Aayog)-** NITI- National Institution for Transforming India ■ स्थापना- 1 जनवरी, 2015 (योजना आयोग के स्थान पर) ■ यह भारत सरकार का प्रमुख 'नीतिगत थिंक टैंक' है। ■ उद्देश्य- भारत के विकास में राज्यों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना और सहकारी संघवाद को मजबूत करना है।
अनूपिंदर सिंह ग्रेवाल-	■ हाल ही में केंद्र सरकार ने सेवानिवृत्त न्यायाधीक्ष अनूपिंदर सिंह ग्रेवाल को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल का अध्यक्ष नियुक्त किया। ■ वे पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के जज रह चुके हैं और मार्च 2026 में ही सेवानिवृत्त हुए थे। ■ नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT)- ■ स्थापना- 1 जून, 2016 (कंपनी अधिनियम, 2013 (18 ऑफ 2013) की धारा 408 के तहत) ■ यह एक अर्ध-न्यायिक निकाय है। ■ यह भारत में कंपनियों से जुड़े विवादों और दिवाला मामलों का सुनवाई करता है।
डॉ.के.एस. सोमशेखर	■ इनको राज्यसभा के सभापति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने राज्यसभा सचिवालय का सचिव नियुक्त किया है।
लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ-	■ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को सेना उप प्रमुख नियुक्त किया गया है। ■ धीरज सेठ कों बख्तरबंद रेजिमेंट, बख्तरबंद ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी बल को कमांड करने का अनुभव रहा है।
विलियम वॉल्श	■ देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने ब्रिटिश एयरवेज के पूर्व प्रमुख विलियम वॉल्श को नया सीईओ नियुक्त किया है।
वीर विक्रम यादव-	■ इनको नागर विमानन महानिदेशक (डीजीसीए) के पद पर नियुक्त किया गया है। यह ओडिशा कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी है।
मेनका गुरुस्वामी	■ यह सुप्रीम कोर्ट की वकील है जिन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली है। वे देश की पहली सांसद बनी है जिन्होंने अपनी क्वीयर पहचान को स्वीकार किया है। ■ क्वीयर वे लोग होते हैं, जो पारंपरिक लैंगिक पहचान की श्रेणियों से अलग पहचान रखते हैं।
दिनेश त्रिवेदी-	■ हाल ही में पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का नया हाई कमिश्नर नियुक्त किया गया। यह बंगाल के बैरकपुर से सांसद, रेल मंत्री और स्वास्थ्य राज्य मंत्री रहे हैं।

हरिवंश नारायण सिंह-	■ हाल ही में राज्यसभा के मनोनीत सांसद हरिवंश नारायण सिंह लगातार तीसरी बार निर्विरोध राज्यसभा के उपसभापति चुने गए है। हरिवंश नारायण सिंह को देश के पहले उपसभापति बने है जिनकों मनोनीत सदस्य होते हुए राज्यसभा का उपसभापति चुना गया है। **निर्वाचन-** राज्यसभा का कोई भी सदस्य किसी अन्य सदस्य का नाम प्रस्तावित कर सकता है। प्रस्तावक के साथ एक समर्थक होना अनिवार्य है। प्रस्तावित उम्मीदवार को पद संभालने की इच्छा व्यक्त करने वाली घोषणा देनी होती है। **पद की समाप्ति-** उपसभापति का पद तब तक बना रहता है जब तक- ❐ उनकी राज्यसभा की सदस्यता समाप्त न हो जाए। ❐ वे सभापति को अपना त्यागपत्र सौंप दें। ❐ सदन द्वारा उन्हें पद से हटा दिया जाए। **भूमिका और शक्तियाँ** ❐ सभापति की अनुपस्थिति में उपसभापति सदन की अध्यक्षता करते हैं और उनके पास सभापति की सभी शक्तियाँ होती हैं। ❐ उपसभापति, सभापति के अधीनस्थ नहीं होते। वे सीधे राज्यसभा के प्रति उत्तरदायी होते हैं। जब सभापति सदन की अध्यक्षता कर रहे होते हैं, तब उपसभापति एक सामान्य सदस्य की तरह बहस में भाग ले सकते हैं और मतदान कर सकते हैं। **मतदान की शक्ति-** सदन की अध्यक्षता करते समय, उपसभापति पहली बार में मतदान नहीं कर सकते। वे केवल तभी मतदान करते हैं जब किसी विषय पर पक्ष और विपक्ष में बराबर मत हों। **पद से हटाना-** उन्हें राज्यसभा के तत्कालीन सदस्यों के बहुमत से पारित प्रस्ताव द्वारा हटाया जा सकता है हालांकि हटाने के प्रस्ताव के लिए 14 दिन की पूर्व सूचना देना अनिवार्य है। **वेतन और भत्ते-** इनके वेतन और भत्ते संसद द्वारा निर्धारित किए जाते हैं और ये भारत की संचित निधि पर भारित होते हैं। **राज्यसभा के उपसभापति के पद के सन्दर्भ में प्रमुख तथ्य-** **संवैधानिक प्रावधान-** भारत का संविधान का अनुच्छेद 89(2) यह अनिवार्य करता है कि राज्यसभा अपने सदस्यों में से किसी एक को 'उपसभापति' के रूप में चुनेगी।

अंतराष्ट्रीय

पीटर मैग्यार-	■ यह हंगरी के प्रधानमंत्री चुने गए है। इन्होंने डेज़ पार्टी के नेता विक्टर ओर्बन को हराया है।
मिन आंग ह्लाइंग	■ म्यांमार में सेना प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग को देश का नया राष्ट्रपति चुना गया है।
उचरल न्याम-ओसोर-	■ मंगोलिया ने उनचालीस वर्षीय नेता उचरल न्याम-ओसोर को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है।
श्री तो लाम-	■ यह वियतनाम समाजवादी गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप चुने गये है।
रुमेन रादेव-	■ यह बुल्गारिया के राजनेता है जिन्होंने बुल्गारिया के संसदीय चुनावों में जीत दर्ज की है। इनकी राजनीतिक पार्टी 'प्रोग्रेसिव बुल्गारिया' को 44.7% वोट मिले हैं।
सुसान कॉयल	■ यह ऑस्ट्रेलिया में सेना प्रमुख के पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला प्रमुख है। सुसान कॉयल जुलाई में सेना प्रमुख का पद संभालेंगी।
रोमन गोफमैन-	■ यह इजरायल की ख़ुफ़िया एजेंसी मोसाद अगले प्रमुख के तौर नियुक्त होंगे। ■ यह इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सैन्य सचिव रहे थे।
निजार अमीदी-	■ इराक की संसद ने निजार अमीदी को देश का नया राष्ट्रपति चुना। अमीदी इराक के 11वें राष्ट्रपति बने हैं।
मंगला कुप्पा	■ यह भारतीय मूल की टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ है जिनको अमेरिका के श्रम विभाग का चीफ इन्फॉर्मेशन ऑफिसर (सीआईओ) नियुक्त किया गया है।
दीप जरीवाला-	■ भारतीय मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक है। इनकों अमेरिका में क्वांटम डिवाइसेज के लिए प्रतिष्ठित UT-ORNL गवर्नर चेयर के रूप में नियुक्त किया गया है।

चर्चित व्यक्ति

सुदर्शन पटनायक	■ गृह मंत्रालय ने सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक को 'जनगणना 2027' का ब्रांड एंबेसडर बनाया। ■ वे अपनी कला से देश की पहली डिजिटल जनगणना के प्रति जागरूकता फैलाएंगे।
पद्मा विश्वनाथन -	■ यह भारतीय मूल की प्रख्यात लेखिका और अनुवादक है जिनकों 'अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2026' की अंतिम सूची में जगह बनाई है। उन्हें ब्राजीली लेखिका एना पाउला माया के चर्चित उपन्यास 'ऑन अर्थ ऐज इट इज बिनीथ' के अंग्रेजी अनुवाद के लिए यह नामांकन मिला है।
दिव्या सिंह-	■ यह गोरखपुर (उत्तरप्रदेश) की 28 वर्षीय शिक्षिका है जिन्होंने माउंट एवरेस्ट बेस कैप तक साइकिल से पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त किया है। दिव्या सिंह ने 14 दिवसीय यात्रा में 17,560 फीट की ऊंचाई तय है।

निधन

आशा भोंसले-	■ भारत की पार्श्व गायिका आशा भोंसले का 12 अप्रैल, 2026 को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। **प्रमुख तथ्य-** ■ जन्म- 8 सितंबर, 1933 (सांगली, महाराष्ट्र) ■ यह लता मंगेशकर की छोटी बहन थी। ■ **पुरस्कार और सम्मान-** महाराष्ट्र भूषण (2021), पद्म विभूषण (2008), दादा साहब फाल्के पुरस्कार, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, ग्रैमी नामांकन (1997)
नादेंडला भास्कर राव-	■ यह अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री थे जिनका 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। भास्कर राव को वर्ष 1984 के 'अगस्त तख्तापलट' के लिए याद किया जाता है, जो आंध्र प्रदेश का एक प्रमुख राजनीतिक संकट था।
बलबीर पुंज-	■ यह राज्यसभा के पूर्व सदस्य, पत्रकार और भाजपा के वरिष्ठ नेता थे। ■ इनका 76 वर्ष की आयु में 18 अप्रैल, 2026 को निधन हो गया।
मोहसिना किदवई-	■ 8 अप्रैल, 2026 को 94 वर्ष की आयु में पूर्व वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का निधन हो गया। यह मेरठ से सांसद तथा छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सदस्य रहीं थी।
कर्नल सोनम वांगचुक-	■ महावीर चक्र से सम्मानित और वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध के वीर योद्धा कर्नल सोनम वांगचुक का 10 अप्रैल, 2026 को निधन हो गया है। इन्होंने ऑपरेशन विजय के दौरान व्यक्तिगत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उनके साहसी कार्यों ने सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी उनके जवानों को प्रेरित किया था। ■ वर्ष 2017 में तत्कालीन राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने "लायन ऑफ लद्दाख" नामक एक वृत्तचित्र जारी किया था जो वांगचुक के नेतृत्व में उन सैनिकों के बारे में है जिन्होंने चोरबत ला से दुश्मन सेना को खदेड़ दिया था।
गुरुबख्श सिंह ग्रेवाल -	■ यह हाकी खिलाड़ी थे, जिनका हाल ही में निधन हुआ है। इन्होंने वर्ष 1968 के मैक्सिको ऑलम्पिक में हॉकी में गुरुबख्श सिंह ग्रेवाल और बलवीर सिंह ग्रेवाल दोनों सगे भाइयों ने भाग लिया था और भारत को कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
गुरु भगवानदास रायकवार 'दाऊ' -	■ हाल ही में वर्ष 2026 में पद्मश्री सम्मान के लिए चयनित 83 वर्षीय अखाड़ा गुरु भगवानदास रायकवार 'दाऊ' का निधन हो गया। इन्होंने बुंदेलखंड की प्राचीन शस्त्र कला 'अखाड़ा' को वैश्विक पहचान दिलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
अलेक्जेंडर लियोनोव-	■ यह रूसी मिसाइल डिजाइनर और भारत-रूस के संयुक्त उपक्रम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस के प्रमुख व्यक्तियों में से एक थे। इनका 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया है।
रघु राय-	■ यह भारत के दिग्गज फोटोग्राफर और पद्म श्री (1972) से सम्मानित व्यक्ति थे। ■ इनका हाल ही में 26 अप्रैल, 2026 को 83 वर्ष की आयु में दिल्ली में निधन हो गया है। ■ इनको आधुनिक भारत के सबसे प्रमुख फोटोग्राफरों में से एक माना जाता था।

सम्मेलन/बैठक /मेला.महोत्सव/प्रदर्शनी

ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ मेडिटेशन लीडर्स (जीसीएमएल)-

- आयोजन तिथि-3-5 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- भारत मंडपम, नई दिल्ली में
- आयोजक- पिरामिड स्पिरिचुअल सोसाइटीज मूवमेंट और ब्रह्म-सीईओ क्वांटम फाउंडेशन द्वारा
- उद्देश्य- मानसिक स्वास्थ्य, तनाव से मुक्ति और वैश्विक शांति के लिए ध्यान को बढ़ावा देना।

इंडिया फार्मा सम्मेलन 2026-

- आयोजन तिथि- 13-14 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- एफआईसीसी, फेडरेशन हाउस (नई दिल्ली) में
- विषय- डिस्कवर इन इंडिया: लीपफ्रॉगिंग लाइफ-साइंसेज इनोवेशन
- आयोजक- औषधि विभाग द्वारा फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसी) और इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस (आईपीए) के सहयोग से
- यह आयोजन वैश्विक फार्मास्युटिकल पारिस्थितिकी तंत्र में भारत के नेतृत्व को मजबूत करने के अवसरों, चुनौतियों और रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक अग्रणी मंच है।

अंतरराष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम (IEVP), 2026-

- भारत निर्वाचन आयोग का कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के पहले चरण में 23 देशों के 43 प्रतिनिधि 8-9 अप्रैल, 2026 को असम, केरल और पुडुचेरी का दौरा किया।
- दूसरे चरण में प्रतिनिधि 20 अप्रैल, 2026 से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु राज्यों का दौरा करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रतिनिधियों को ईवीएम का प्रदर्शन और मतदान प्रक्रिया की व्यावहारिक समझ के लिए विभिन्न घटकों से अवगत करवाया गया।
- अंतरराष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष भारत की चुनाव प्रणाली की मजबूती को प्रदर्शित करता है और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव संचालन के लिए अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करता है।

त्रि-सेवा संगोष्ठी 'रण संवाद'-

- आयोजन तिथि- 9-10 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- वायु सेना प्रशिक्षण कमान, बेंगलुरु
- विषय- पारदर्शी एवं विस्तृत युद्धक्षेत्र में उच्च-तीव्रता वाले अभियान: बल प्रयोग और बल संरक्षण की चुनौतियां।
- यह संस्करण युद्ध के उभरते प्रतिमानों पर निरंतर और सुनियोजित संवाद की शुरुआत का प्रतीक है। इस संगोष्ठी में भारत की रक्षा बलों को थल, वायु, समुद्र, साइबर, अंतरिक्ष और संज्ञानात्मक क्षेत्रों सहित बहुआयामी संघर्ष के लिए तैयार करने हेतु एक रूपरेखा बनाने पर विचार-विमर्श किया गया।

साधना सप्ताह-

- आयोजन तिथि- 2 से 8 अप्रैल, 2026
- यह राष्ट्रीय पहल 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के अनुरूप प्रौद्योगिकी, परंपरा और ठोस परिणामों पर केंद्रित है जो 'मिशन कर्मयोगी' के तहत सिविल सेवकों के लिए क्षमता विकास और नागरिक-केंद्रित शासन को बढ़ावा देती है।
- Sadhana- Strengthening Adaptive Development and Humane Aptitude for National Advancement

7वें राष्ट्रीय समीक्षा सम्मेलन-

- आयोजन तिथि- 9 और 10 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- वाराणसी, उत्तरप्रदेश
- संबंधित मंत्रालय- सहकारिता मंत्रालय
- उद्देश्य- सहकारी क्षेत्र के विस्तार, सुधारों को गति देने और 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करना।

मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ)-

- संस्करण- 19वां संस्करण
- आयोजन तिथि- 15 से 21 जून, 2026
- आयोजन स्थल- एनएफडीसी कॉम्प्लेक्स, मुंबई (महाराष्ट्र)
- आयोजक- राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) (सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत) द्वारा
- उद्देश्य- वृत्तचित्र फिल्म निर्माताओं, फिल्म पेशेवरों, सिने प्रेमियों, लेखकों, शिक्षाविदों, आलोचकों, पत्रकारों, छात्रों और भारत तथा विश्वभर के प्रतिभागियों को मंच उपलब्ध करवाना और उनके द्वारा किये गए कार्य को मान्यता पप्रदान करना।
- 1990 में स्थापित एमआईएफएफ दक्षिण एशिया का सबसे पुराना और सबसे बड़ा गैर-फीचर फिल्म महोत्सव है। यह एक द्विवार्षिक आयोजन है।

कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन(CPA)-इंडिया क्षेत्र ज़ोन-VII का सम्मेलन-

- आयोजन तिथि- 9 और 10 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- पणजी, गोवा
- उद्घाटन- श्री ओम बिरला (लोकसभा अध्यक्ष)
- उद्देश्य- संसदीय सहयोग को मजबूत करने, अच्छे अनुभवों का आदान-प्रदान करने और क्षेत्र के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार करना।
- CPA इंडिया क्षेत्र का ज़ोन VII गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र की विधानसभाओं से मिलकर बना है। वर्ष 2024 में CPA इंडिया क्षेत्र को 9 ज़ोन में पुनर्गठित किए जाने के बाद यह ज़ोन VII का पहला सम्मेलन है।

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा-

- संस्करण- 8वां
- आयोजन तिथि-9 से 23 अप्रैल 2026
- आयोजक- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
- विषय "जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना"
- यह देश भर में पोषण संबंधी परिणामों में सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।
- Note- वर्तमान में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी है।

मेंटेनेंस कमांड कमांडर्स कॉन्क्लेव 2026-

- आयोजन तिथि-10-11 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- वायुसेना नगर, नागपुर
- आयोजक- भारतीय वायुसेना
- विषय- "ऑपरेशंस को सहयोग देने के लिए मिशन मोड में मेंटेनेंस कमांड"
- उद्देश्य- दक्षता में वृद्धि करना, संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करना, निरंतर युद्धक कार्रवाई हेतु तत्परता बनाए रखने के लिए मेंटेनेंस सहायता प्रणालियों को मजबूत करना, आधुनिकीकरण के साथ तकनीकी एकीकरण को बढ़ावा देना तथा उभरती चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के उद्देश्य से सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को अपनाना था।

सीफूड एक्सपोर्टर्स मीट 2026-

- आयोजन तिथि- 11 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- अंबेडकर भवन, नई दिल्ली
- आयोजक- मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के अंतर्गत मत्स्य पालन विभाग
- उद्देश्य- सरकार और उद्योग से जुड़े हितधारकों के बीच संवाद के लिए एक व्यवस्थित मंच प्रदान करना तथा निर्यातकों से बाजार तक पहुंच, मूल्य निर्धारण के दबाव और अनुपालन आवश्यकताओं से संबंधित वर्तमान चुनौतियों पर प्रतिक्रिया प्राप्त करना।
- भारत के समुद्री खाद्य निर्यात में पिछले 11 वर्षों के दौरान औसतन 7% वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2013–14 में समुद्री खाद्य निर्यात ₹30,213 करोड़ से बढ़कर 2024–25 में ₹62,408 करोड़ हो गया।

भारतीय नौसेना के कमांडर्स का सम्मेलन-2026-

- संस्करण- पहला संस्करण
- आयोजन तिथि- 14-16 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- नौसेना भवन, नई दिल्ली में
- उद्देश्य- राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा, क्षमता विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ रणनीतिक गठबंधन के लिए नौसेना की परिचालन स्थिति की व्यापक समीक्षा करना।

विश्व सीमा सुरक्षा कांग्रेस 2026-

- आयोजन तिथि- 14-16 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- वियना, ऑस्ट्रिया में
- उद्देश्य- सीमा प्रबंधन, सुरक्षा चुनौतियों और आप्रवासन से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।

विश्व सीमा सुरक्षा कांग्रेस-

- स्थापना- वर्ष 2012 में
- यह एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मंच है, जो सीमा प्रबंधन से जुड़ी उभरती चुनौतियों, अत्याधुनिक तकनीकी नवाचारों और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों पर व्यापक विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करता है।

खाद्य व्यवसाय स्टार्टअप प्रोत्साहन कार्यक्रम 2.0-

- आयोजन तिथि-16-17 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (एनआईएफटीईएम), तंजावुर
- आयोजक- खाद्य व्यवसाय प्रबंधन विभाग
- उद्देश्य- खाद्य व्यवसाय संबंधी क्षमताओं को मजबूत करना और इच्छुक खाद्य उद्यमियों, छात्रों और प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप संस्थापकों को संरचित मार्गदर्शन प्रदान करना।

भारत अंतर्राष्ट्रीय जल सप्ताह (आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू)-2026

- संस्करण- 9वां संस्करण
- विषय- जलवायु अनुकूल जल प्रबंधन।
- आयोजन तिथि- 22-26 सितंबर, 2026 को
- आयोजन स्थल- भारत मंडपम, नई दिल्ली
- उद्देश्य- वैश्विक जल चुनौतियों का समाधान करना, सतत विकास को बढ़ावा देना और नवोन्मेषी समाधानों को प्रदर्शित करना।

नौसेना नागरिक समारोहन-

- आयोजन तिथि- 23 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- मानेकशॉ सेंटर (नई दिल्ली)
- यह समारोह भारतीय नौसेना के अभियानों के सफलता पूर्वक पूरा करने में नौसेना सिविलियंस के अमूल्य योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

डब्ल्यूटीओ का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन-

- संस्करण- 14वां
- आयोजन तिथि- 26-29 मार्च, 2026
- आयोजन स्थल- याउंडे, कैमरून
- विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन डब्ल्यूटीओ का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है। इस मंत्रिस्तरीय सम्मेलन की बैठक कम से कम हर दो साल में एक बार होनी अनिवार्य है। इस सम्मलेन में भारत का प्रतिनिधित्व पीयूष गोयल ने किया तथा उन्होंने WTO सुधारों, मत्स्य पालन सब्सिडी, ई-कॉमर्स तथा कृषि से संबंधित मुद्दों परिचर्चा की।

- 'याउंडे पैकेज' (Yaoundé Package)- यह इस सम्मेलन का प्रारंभिक परिणाम है जो वैश्विक व्यापार नियमों को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया था, जिसमें व्यापार और स्वास्थ्य पर घोषणा, सुधार और छोटी अर्थव्यवस्थाओं के लिए विशेष उपाय शामिल थे, जिन्हें अब जिनेवा में अंतिम रूप दिया जाएगा।

उन्नत कृषि महोत्सव-

- आयोजन तिथि- 11 से 13 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- दशहरा मैदान, रायसेन (मध्य प्रदेश)
- उद्देश्य- विकसित खेती-समृद्ध किसान के संकल्प को लागू करना।
- केंद्र द्वारा राज्य सरकार के सहयोग से होने वाले इस महोत्सव में आधुनिक तकनीक के ज़रिये खेती, ड्रोन, नैनोउर्वरक, सूक्ष्म सिंचाई और जलवायुस्मार्ट खेती सफल मॉडल और पहलों पर चर्चा और उनका प्रदर्शन किया गया।

भारत और भूटान के बीच सीमा शुल्क पर संयुक्त समूह की बैठक-

- बैठक क्रम- सातवीं
- आयोजन तिथि-20-21 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- मुन्नार, केरल
- उद्देश्य- भारत और भूटान के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देना, सीमा पार तस्करी पर लगाम लगाना और सीमा शुल्क प्रक्रियाओं का सरलीकरण व डिजिटलीकरण करना।
- वर्तमान में भारत, भूटान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भूटान के कुल व्यापार का लगभग 80 प्रतिशत भारत के साथ होता है।
- वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 1.9 अरब डॉलर से अधिक रहा जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 46 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाता है।

इंडिया फार्मा 2026-

- संस्करण- 9वां संस्करण
- आयोजन तिथि- 13-14 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- फेडरेशन हाउस (फिक्की), नई दिल्ली
- **आयोजक-** औषध विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) और इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस (आईपीए) के सहयोग से)
- विषय- "भारत में खोजें: जीवन विज्ञान नवाचार में अभूतपूर्व प्रगति"।
- यह सम्मेलन भारत की औषध क्षमताओं, अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुदृढ़ता पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्षेत्रीय विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करता है।

फिक्की-

- फिक्की- फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
- स्थापना- वर्ष 1927 में। यह भारत का सबसे पुराना और सबसे बड़ा शीर्ष व्यापारिक संगठन है। यह भारत के व्यापार और उद्योग की आवाज़ का प्रतिनिधित्व करता है।

विश्व लघु मत्स्य पालन सम्मेलन-2026-

- संस्करण- 5वां
- आयोजन तिथि- 27-30, अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- हुआ हिन, थाईलैंड
- आयोजक- खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और टीबीटीआई ग्लोबल द्वारा
- विषय- "न्यायपूर्ण सद्भाव, युवा भविष्य और पुनर्योजी ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए लघु मत्स्य पालन"।
- उद्देश्य- तटीय और समुद्री क्षेत्रों में न्याय और संघर्ष समाधान को बढ़ावा देना, मत्स्य पालन और समुद्री प्रबंधन में युवाओं को सशक्त बनाना और पारंपरिक ज्ञान पर आधारित पुनर्योजी, जलवायु-अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देना है।
- इस आयोजन में लगभग 50 देशों के 300 प्रतिनिधी शामिल हुए और इसमें 45 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।
- इसमें भारत का प्रतिनिधित्व भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्य विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी ने किया था।

भारत–केन्या संयुक्त व्यापार समिति की बैठक-

- बैठक क्रम- 10वीं
- आयोजन तिथि- 27-28, अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- नैरोबी, केन्या में
- उद्देश्य- दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग की समीक्षा और उसे मजबूत करना।
- यह बैठक व्यापार विविधीकरण को बढ़ाने, बाजार पहुंच संबंधी मुद्दों को हल करने और इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में पूरकताओं का लाभ उठाने पर केंद्रित थी।
- भारत और केन्या के बीच कुल व्यापार 2025-26 में 4.31 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो 2024-25 के 3.45 अरब अमेरिकी डॉलर से 24.91 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

सीईआरटी-इन संवाद-2026-

- आयोजन तिथि- 27 से 29 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- गोवा
- आयोजक- सीईआरटी-इन ने बीआईटीएस पिलानी, गोवा के सहयोग से
- विषय- "भविष्य के लिए तैयार ऑडिट के माध्यम से डिजिटल भारत को सुरक्षित करना: अनुकूलन, आश्वासन, प्रगति"।
- उद्देश्य- भारत के साइबर सुरक्षा ऑडिट इकोसिस्टम को मजबूत करना।

बिटकॉइन-2026 सम्मेलन-

- आयोजन तिथि- 27 से 29 अप्रैल, 2026

- आयोजन स्थल- लास वेगास, संयुक्त राज्य अमेरिका
- आयोजक- बिटकॉइन मैगज़ीन
- विषय- Bitcoin fundamentals, AI + Compute + Mining, and self-sovereignty.
- यह क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की सबसे बड़ी सालाना कॉन्फ्रेंस है।
- इस बार इस सालाना कॉन्फ्रेंस में मेहमानों का स्वागत 'मेलोडी' नाम की ह्यूमनॉइड रोबोट नेकिया है । कनाडा की कंपनी रियलबोटिक्स द्वारा विकसित यह एम-सीरीज रोबोट मेलोडी को खास तौर पर सर्विस सेक्टर के लिए डिजाइन किया गया है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों में बेहतर और अनुकरणीय प्रथाओं तथा नवाचारों पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन-

- संस्करण- 10वां
- आयोजन तिथि- 30 अप्रैल से 1 मई, 2026
- आयोजन स्थल- चंडीगढ़
- आयोजक- केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
- यह राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन, स्वास्थ्य मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है।
- उद्देश्य- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए अपनाई गई नवोन्मेषी और प्रभावशाली पद्धतियों को प्रदर्शित करना, मान्यता देना और उनका दस्तावेजीकरण करना।
- इस शिखर सम्मेलन का 9वां संस्करण 28 फरवरी से 1 मार्च, 2025 तक पुरी (ओड़िशा) में आयोजित किया गया था।

अभियान/ऑपरेशन /युद्धअभ्यास

साइक्लोन-IV अभ्यास-

- संस्करण- चौथा संस्करण
- आयोजन तिथि- 9-17 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- अंशास क्षेत्र, मिस्र
- यह अभ्यास भारत और मिस्र के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग की निरंतरता का प्रतीक है।
- **उद्देश्य-** विशेष अभियानों में सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान के माध्यम से संयुक्त मिशन नियोजन क्षमताओं को सुदृढ़ करना तथा दोनों सेनाओं के बीच आपसी तालमेल को और बेहतर बनाना।

ऑपरेशन दहाबू ब्लिट्ज-

- यह राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) द्वारा मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संगठित सोने की तस्करी के खिलाफ किया गया ऑपरेशन है। इसके तहत नैरोबी से पहुंची महिला तस्करों के समूह से 29.37 किलोग्राम सोना जब्त किया गया है।

ऑपरेशन हिम सेतु-

- यह भारतीय सेना की पूर्वी कमान की त्रिशक्ति कॉप्स और बीआरओ के जवानों के द्वारा चलाया गया अभियान था। यह अभियान उत्तरी सिक्किम के लाचेन व चुंगथांग के बीच बर्फबारी व भूस्खलन के बाद फसे लोगों को बचाने के लिए चलाया गया था।

ब्रह्मास्त्र युद्धाभ्यास-

- हाल ही में भारतीय सेना द्वारा पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में 9 अप्रैल, 2026 को ब्रह्मास्त्र युद्धाभ्यास के तहत अपनी आधुनिक सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया गया। यह युद्धाभ्यास दक्षिणी कमान द्वारा आयोजित हुआ था।

संयुक्त सैन्य अभ्यास 'दुस्तलिक'-

- संस्करण- 7वां संस्करण
- आयोजन तिथि- 12 से 25 अप्रैल, 2026
- आयोजन स्थल- गुरुमसराय फील्ड ट्रेनिंग एरिया, उज़्बेकिस्तान
- **उद्देश्य-** सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना और अर्ध-पहाड़ी इलाकों में संयुक्त अभियानों को अंजाम देने के लिए संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाना।
- यह एक वार्षिक अभ्यास है जो बारी-बारी से भारत और उज़्बेकिस्तान में किया जाता है। इसका पिछला संस्करण अप्रैल 2025 में औंध (पुणे) स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड़ में आयोजित किया गया था।

आईएन-एसएलएन डाइवएक्स-2026 अभ्यास-

- संस्करण- चौथा संस्करण
- आयोजन तिथि- 21-27 अप्रैल, 2026
- **आयोजन स्थल**- श्रीलंका
- यह अभ्यास एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय पहल है जो भारत और श्रीलंका के बीच गहरी समुद्री साझेदारी का प्रमाण है।
- उद्देश्य- साझेदार देशों के साथ निरंतर समुद्री सहयोग और गतिविधियां, हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता, सहकारिता और सामूहिक विकास को बढ़ावा देना।

महत्वपूर्ण दिवस

सिविल सेवा दिवस-2026-

- तिथि- प्रतिवर्ष 21 अप्रैल
- विषय- "विकसित भारत: अंतिम छोर तक नागरिक केन्द्रित शासन और विकास।"
- इस दिवस को आयोजित किये जाने का उद्देश्य देश के सिविल सेवकों के समर्पण, कड़ी मेहनत और जनसेवा को चिह्नित किया जाना है।

विश्व पृथ्वी दिवस -2026-

- तिथि- प्रतिवर्ष 22 अप्रैल
- विषय- "हमारी शक्ति, हमारा ग्रह"
- इस दिवस को आयोजित किये जाने का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रेरित करना है।।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस-2026-

- तिथि- प्रतिवर्ष 24 अप्रैल
- आयोजन स्थल- विज्ञान भवन, नई दिल्ली
- आयोजक- पंचायती राज मंत्रालय
- इस दिवस को 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के लागू होने की याद में आयोजित किया जाता है।

प्रोजेक्ट चेतक का 47वां स्थापना दिवस-

- सीमा सड़क संगठन की प्रोजेक्ट चेतक का 4 अप्रैल, 2026 को राजस्थान के बीकानेर में अपना 47वां स्थापना दिवस मनाया गया।
- प्रोजेक्ट चेतक 4 अप्रैल, 1980 को राजस्थान, पंजाब और गुजरात के उत्तरी भागों में बुनियादी ढांचे के विकास और रखरखाव के लिए शुरू किया गया था।

विश्व विरासत दिवस-

- तिथि- प्रतिवर्ष 18 अप्रैल
- विषय- Emergency Response for Living Heritage in the Context of Conflicts and Disasters
- उद्देश्य- दुनिया भर की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026-

- तिथि- 7 अप्रैल
- विषय- स्वास्थ्य के लिए एकजुट। विज्ञान के साथ खड़े रहें।
- उद्देश्य- वैश्विक स्वास्थ्य संबंधी प्रमुख मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, बीमारियों की रोकथाम और सभी के लिए अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता पर जोर देना।

विश्व होम्योपैथी दिवस-2026-

- तिथि- प्रतिवर्ष 10 अप्रैल
- विषय- "सतत स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी।"
- यह दिवस होम्योपैथी के जनक डॉ सैमुएल हैनीमैन के जन्म दिन के रूप में मनाया जाता है।
- इस दिवस पर केन्द्रीय आयुष मंत्रालय ने "दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी" विषय पर राष्ट्रीय समारोह मनाया।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस-

- आयोजन- प्रतिवर्ष 26 अप्रैल
- विषय- आईपी और खेल: रेडी, सेट, इनोवेट
- संबंधित संगठन- विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO)
- उद्देश्य- रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे पेटेंट, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट के पार्टी जागरूकता बढ़ाना।

विविध

आजाद भारत फिल्म-

- यह नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर बनी हिन्दी देशभक्ति फिल्म है। इस फिल्म का निर्माण एवं निर्देशन डा. रूपा अय्यर द्वारा किया गया है।

'यशोदा और कृष्ण' पेंटिंग-

- राजा रवि वर्मा द्वारा चित्रित प्रसिद्ध 'यशोदा और कृष्ण' पेंटिंग ने 167.20 करोड़ में नीलाम होकर भारतीय कला की अब तक की सबसे महंगी कृति होने का रिकार्ड बनाया है।
- यह पेंटिंग सैफ्रॉनआर्ट की स्प्रिंग लाइव ऑक्शन (दिल्ली) मे नीलाम हुई है। इससे पहले यह रेकॉर्ड एम.एफ. हुसैन की 1954 की पेंटिंग 'अनटाइटल्ड (ग्राम यात्रा)' के नाम था, जो वर्ष 2025 में 118 करोड़ रुपए में बिकी थी

ANMOL योजना-

- यह दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य योजना है जिसके माध्यम से नवजात शिशुओं के खून की एक बूंद से 56 बीमारियों की जांच होगी। इससे जन्मजात रोग जल्दी पता चलेंगे और इलाज आसान होगा।
- यह योजना गरीब परिवारों को महंगे टेस्ट से बचाने और शिशु मृत्यु दर कम करने में मदद करेगी।

टाइड्स ऑफ टाइम: भारतस हिस्ट्री थ्रू मुरल्स इन पार्लियामेंट-

- यह श्रीमती सुधा मूर्ति द्वारा लिखित पुस्तक है जिसका विमोचन उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने किया। यह पुस्तक भित्ति चित्रों के माध्यम से भारत के इतिहास को जीवंत करती है।

रानी चींटियां-

- यह केन्या में पाए जाने वाली चींटियां है। इन रानी चींटियों की अवैध तस्करी तेजी से बढ़ी है क्योंकि लोग शौक के तौर पर इनको शीशे के बक्सों में रखकर घर बनाते हुए देखते है। ■■■

ऊर्जा संसाधन- राजस्थान

अशोक कुमार शर्मा
डिप्टी कमिश्नर (जीएसटी)

"मानव जीवन के सभी पहलुओं में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। आधुनिक समय में हम ऊर्जा संसाधनो के बिना मानव प्रगति और विकास के बारे में नहीं सोच सकते हैं। किसी भी देश में ऊर्जा खपत और आर्थिक विकास (जिसे जी-डी-पी- सकल घरेलू उत्पाद में) वृद्धि के रूप में मापा जाता है, में घनिष्ठ संबंध होता है।

किसी देश या राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में "ऊर्जा की लागत" (कीमत) तथा ऊर्जा की उपलब्धता दो प्रमुख कारक होते हैं।"

ऊर्जा संसाधनों का वर्गीकरण

- ऊर्जा संसाधनों को व्यापक रूप से उपयोग और उपलब्धता के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है।

(A) उपयोग के आधार (Basis of Traditional use) पर वर्गीकरण
- (क) परंपरागत (Conventional)
- (ख) गैर परम्परागत (Non-Conventional)

(B) उपलब्धता (Basis of Availability) के आधार पर वर्गीकरण
- (अ) नव्यकरणीय (Renewable)
- (ब) अनव्यकरणीय (Non-Renewable)

(C) 'उपयोग के आधार पर वर्गीकरण' - ये दो भागों में वर्गीकृत है।
- (क) परम्परागत
- (ख) गैर-परंपरागत

परंपरागत स्रोतों के द्वारा उत्पादन दी गई ऊर्जा को 'परम्परागत' क्यों कहते हैं। इसके निम्न कारण है।

1. **Used for A long time** - लंबे समय (एक से अधिक पीढ़ियों) से इनका उपयोग किया जा रहा है यानि ये (गैर-परम्परागत से) अधिक पुरानी है।
2. **Well Established** - व्यापक रूप से स्थापित है अर्थात् ये ऊर्जा उत्पादन की तकनीकें बहुत पुरानी होने के कारण इनके उत्पादन का प्रकार स्थापित हो चुका है।
3. **Back Bone of Energy Production**- ये विश्व के अधिकांश भाग में लंबे समय से विद्युत उत्पादन के प्रमुख आधार है।

- अर्थात् ये ऊर्जा/विद्युत उत्पादन की तकनीकें (A New world - जो यू.एन.ओ. की स्थापना 24 अक्टूबर, 1945 से माना जाता है, से) ऊर्जा उत्पादन में बड़े स्तर पर उपयोग में ली जा रही है।
- **परम्परागत** ऊर्जा संसाधन उपभोग/उपयोग के आधार पर निम्न प्रकार से बाँटे जा सकते हैं।

(A) व्यावसायिक/वाणिज्यिक
- 1. कोयला
- 2. पेट्रोलियम
- 3. प्राकृतिक गैस
- 4. विद्युत- (i) जल विद्युत, (ii) तापीय विद्युत

(B) गैर व्यावसायिक/गैर-वाणिज्यिक

1. लकड़ी
2. उपले

- यह (a) व (b) वर्गीकरण NCERT Class X - समकालीन भारत-2 पुस्तक के अध्याय खनिज व ऊर्जा संसाधन अध्याय (हिन्दी माध्यम), पृष्ठ संख्या - 61 पर आधारित है।
- इसी प्रकार ऊर्जा संसाधन के परम्परागत स्रोत में (i) जीवाश्म ईंधन (कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस) तथा परमाणु ऊर्जा, ऊर्जा के परम्परागत स्रोत है।
- **NCERT Class XI भूगोल :** भारत: लोग और अर्थव्यवस्था पार्ट-II (हिन्दी माध्यम) पृष्ठ संख्या 76 के आधार पर है।
- इस प्रकार किसी भी परीक्षा/लेख में हम परम्परागत ऊर्जा के प्रकारों का सार संक्षेप में इस प्रकार बता सकते हैं।

'परम्परागत ऊर्जा'

इसके निम्न तीन प्रकार हैं-

1. **तापीय विद्युत**
2. **जल विद्युत**
3. **आण्विक विद्युत**

1. तापीय विद्युत:- इसके स्रोत - जीवाश्मीय ईंधन
(क) कोयला
(ख) पेट्रोलियम
(ग) प्राकृतिक गैस है।

(क) कोयला :- कोयले के उत्पत्ति (कालक्रम), कार्बन की मात्रा तथ अन्य विशेषताओं (अवशिष्ट राख के % etc) के आधार पर मुख्य रूप से 4 प्रकार के हैं।

1. **एन्थ्रासाइट**- यह सर्वोत्तम प्रकार का कोयला है। इसमें 80% से 95% तक कार्बन का प्रतिशत होता है। इसमें बहुत कम वाष्पशील पदार्थ होते हैं। नमी की मात्रा नगण्य रूप से अर्थात् कम होती है। राख का प्रतिशत भी बहुत कम होता है। यह धीरे-धीरे जलता है, LPG गैस की तरह नीली लौ के साथ जलता है, सबसे अधिक रूपान्तरित होने के कारण यह घना, कठोर और काला होता है। यह कार्बनीकरण का अंतिम चरण है। इसे **कठोर कोयला** भी कहते हैं।
- उच्च कार्बन प्रतिशत होने के कारण इसका उपयोग 'धातु विज्ञान' (Metallurgy) और ताप विद्युत उत्पादन संयन्त्रों में ईंधन के रूप में मुख्यत: किया जाता है।

इसके
- ✓ कार्बन - 93.50
- ✓ हाइड्रोजन - 2.8%
- ✓ ऑक्सीजन - 2.72%
- ✓ नाइट्रोजन - .97%
- ✓ अन्य - .01

- यह निर्धूम जलता है, इसलिए कमरों को गर्म करने में (पहले) इसका उपयोग सर्वाधिक किया जाता (था) है।
- इसका रंग काला होता है, लेकिन यह हाथ में लेने पर हाथ को काला नहीं करता है। इसमें अर्धधात्विक चमक होती है। इसके तीन श्रेणियाँ देखी जाती है।
  (A) ''मानक श्रेणी''
  (B) High Grade उच्च श्रेणी
  (C) Ultra High Grade अति उच्च श्रेणी
- **एन्थ्रासाइट ग्रीक शब्द**- **''एन्थ्राक्टस''** से बना है, जिसका अर्थ है 'कोयले जैसा'।
- सल्फर की मात्रा बहुत कम होने के कारण यह बहुत ही स्वच्छ दहनशील ईंधन है।
- यू.के. के स्वच्छ वायु अधिनियम-1993 में यह अनुमोदित ईंधन हुआ करता था।

2. **बिटुमिनस:**- नरम कोयला, सबसे व्यापक रूप से उपलब्ध और उपयोग किया जाने वाला कोयला, बिटुमेन नामक तरल पदार्थ पर इसका नाम रखा गया। इसमें कार्बन की मात्रा 45% से 86% तक होती है। लिग्नाइट की तुलना में इसकी नमी कम, वाष्पशील पदार्थ अधिक और कैलोरी मान अधिक होता है। यह लिग्नाइट से श्रेष्ठ लेकिन एन्थ्रासाइट से कम कार्बन सान्द्रता है। यह अक्सर धारीदार होता है। इसे **नरम कोयला या काला कोयला** कहा जाता है। क्योंकि इसका रंग गहरा काला होता है।
- उच्च कैलोरी मान होने के कारण इसका उपयोग विद्युत उत्पादन संयन्त्रों तथा स्टील बनाने के लिए Cock उत्पादन में किया जाता है, जलने पर तेज व लंबी लौ के, धुएँ के साथ जलता है। जर्मनी में इसे **'स्टीम-कोल'** के नाम से जाना जाता है।

3. **लिग्नाइट कोयला:**- इसे **भूरा कोयला** कहा जाता है। कार्बन की मात्रा 40% से 55% (NCERT के अनुसार तक होती है। इसमें नमी की मात्रा अधिक, (75% से अधिक), राख 6-19% होती है। यह भुरभुरा (Crumbly) होता है। इसका तापीय मान कम होता है। नमी के कारण यह जलते समय अधिक धुँआ अधिक पैदा करता है। इसमें स्वत: दहन (Spontaneus Combustion) (खुद से आग लगने) का खतरा अधिक होता है। जिससे खदानों में दुर्घटनाएं हो जाती है।

- इसका प्रयोग बिजली उत्पादन और औद्योगिक ईंधन (ईंट उद्योग, सिरेमिक उद्योग) के रूप में किया जाता है। यह सबसे युवा प्रकार का कोयला है। इसके दहन से CO_2 व सल्फर का उत्सर्जन अधिक होता है, जो इसे अधिक प्रदूषणकारी बनाते हैं। इसे पत्थर कोयला भी कह देते हैं। यह वानस्पतिक ऊतकों के रूपान्तरण की प्रारंभिक अवस्था को प्रदर्शित करता है। यह देखने में मिट्टी जैसा लगता है, अत: इसे भूरा कोयला कहते हैं।

4. **पीट:**- कोयला निर्माण का प्राथमिक चरण है। यह निम्नतम श्रेणी का है। नमी बहुत अधिक होती है, जलने पर अधिक धुँआ देता है, बहुत सारी राख का निर्माण होता है। गर्मी (Heat) कम देता है। इसमें कार्बन की मात्रा 45% से कम होती है। (NCERT के अनुसार)

- भारत/राजस्थान में सार्वजनिक वितरण के लिए पेट्रोलियम उत्पादों से विद्युत उत्पादन नहीं किया जाता है। यद्यपि सार्वजनिक/सरकारी तथा निजी कार्यालयों/उद्योगों में जनरेटर के माध्यम से पेट्रोलियम उत्पादों से ऊर्जा खपत के अनुसार विद्युत का उत्पादन किया जाता है।
- तापीय विद्युत उत्पादन संयंत्रों के बारे में अध्ययन के लिए कुछ पारिभाषिक शब्दावली को जानना आवश्यक है।
  1. Sub Critical Unit
  2. Super Critical Unit
  3. Ultra Super Critical Unit
  4. Super thermal Power plant
- इसी प्रकार प्राकृतिक गैस से तापीय विद्युत उत्पादन में
  5. स्टीम टर्बाइन यूनिट
  6. गैस टर्बाइन यूनिट
- किसी भी तापीय विद्युत उत्पादन संयंत्र में विद्युत उत्पादन की कई यूनिट होती है। 2009 से पूर्व Sub-critical unit ही हुआ करती थी।
- Sub-critical unit व Super critical unit के बीच मुख्य अंतर बॉयलर द्वारा पैदा किए गए दबाव (Pressure) व तापमान (Tempereture) का होता है।
- **सब क्रिटिकल पॉवर यूनिट:**- ये वे यूनिट होती है, जो पानी के क्रिटिकल प्वॉइंट (क्रांतिक बिंदु) 221.2 bar से नीचे काम करते है। ये बॉयलर ड्रम का उपयोग कर भाप उत्पन्न करते है, और भाप टरबाइन को घुमाती है, जिससे विद्युत का उत्पादन होता है।
- इनका डिजाइन सरल तथा प्रारंभिक पूंजी लागत कम होती है। इसके विपरीत Super critical power plants unit 374° c से अधिक तापमान और 212.2 bar से अधिक दबाव पर काम करती है। जिसमें ड्रम का प्रयोग नहीं होता है पानी सीधे भाप बनती है।
- **Super critical में**
  - कम कोयले का उपयोग
  - कम प्रदूषण/कम उत्सर्जन emmission
  - Capital coast पूंजी लागत अधिक
  - Operational coast परिचालन लागत कम
  - उच्च दक्षता (पारंपरिक Subcritical की तुलना में इसमें 46% तक अधिक ऊर्जा दक्षता होती है।)
  - पर्यावरण प्रदूषण कम होता है।
  - Super critical में Once through बॉयलर होता है, जहाँ पानी बॉयलर से गुजरकर सुपरहीट भाप बन जाता है।
  - Super critical unit 600MW/660MW से अधिक के होते हैं। जबकि Sub critical unit 500 MW से कम क्षमता के होते हैं।
- **Ultra-Super critical** - जिस प्रकार Sub critical में दक्षता 33% से 37% होती है। Super critical में दक्षता 42% से 46% होती है, उसी प्रकार उच्च तकनीक के उपयोग से USC में दक्षता 47% से 50% तक का लक्ष्य रहता है। यह सबसे आधुनिक तकनीक विधि है। ये कम कोयला जलाकर अधिक बिजली पैदा करते हैं। उसी प्रकार CO_2 का कम उत्सर्जन होता है। ये Eco-friendly के लगभग है।
- **Sub critical में 1KW विद्युत का उत्पादन हेतु**- 600gm कोयला का उपयोग, Super critical में 1KW विद्युत उत्पादन के लिए 500 ग्राम कोयला का उपयोग तथा U.S.C. में 450 ग्राम कोयला का उपयोग होता है।
- अब वर्तमान में Advance Ultra Super Critical पर कार्य जारी है।

राजस्थान के कोयले पर आधारित तापीय विद्युत उत्पादन संयंत्र

- यहाँ पर कोयले से आशय, एन्थ्रासाइट व बिटुमिनस कोयले के उपयोग से लिया गया है।

1. **सूरतगढ़ सुपरथर्मल पॉवर प्लाण्ट** :- प्रभात कालोनी, ठुकराणा गाँव, सूरतगढ़ श्री गंगानगर यह राज्य का पहला सुपर थर्मल पॉवर प्लाण्ट हैं।

- **सुपर थर्मल पॉवर प्लाण्ट:**- उसे कहते हैं, जिसकी उत्पादन क्षमता 1000MW से अधिक हो।
- यहाँ 6 यूनिट 250 मेगावाट की Sub critical units है।
- इसमें पहली यूनिट मई 1998 में चालू की गई थी।
- मार्च, 2002 में यह चौथी यूनिट के उत्पादन के बाद राज्य का पहला सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन बना।
- कोयला रेल परिवहन द्वारा उपलब्ध कराया जाता है।
- आवश्यक जल इंदिरा गाँधी नहर परियोजना के बिरधवाल हैड से उपलब्ध कराया जाता है। (इस परियोजना से 1890 FMCT /60 क्यूसेक पानी आवण्टित है।)

- वर्तमान में यहाँ 8 यूनिट है। इसमें से 6 Unit - Sub critical unit हैं। तथा शेष 2 Unit - Super Critical 660 M.W. हैं।
- **इस प्रकार वर्तमान में कुल उत्पादन**
  250 MW × 6 UNIT = 1500 MW
  660 MW × 2 unit = 1320 MW
  Total = 2820 MW
- विद्युत उत्पादन है। इस प्रकार आज (माह मई, 2026) में इस प्लाण्ट की तापीय विद्युत/विद्युत उत्पादन क्षमता राज्य में सर्वाधिक है।
- **नोट:-** राज्य का यह पहला सुपर थर्मल पॉवर प्लाण्ट है। लेकिन यह राज्य का पहला क्रिटिकल सुपर पॉवर प्लाण्ट नहीं है। सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर प्लाण्ट, ऐसा प्लाण्ट है जिसे लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री से 2004 में स्वर्णशील्ड 2005, 2006 कांस्य शील्ड प्राप्त हुई थी।
- **S.S.T.P.S.** - राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (राज्य सरकार) द्वारा संचालित है।
- इसकी सुरक्षा का जिम्मा C.I.S.F. केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पास है।
- पारसा ईस्ट कांटा बासन PEKB Block (कोरबा-जिला, छत्तीसगढ़) से Sub-Bitumins Coal की आपूर्ति होती है।

2. कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन- यह राज्य का पहला कोयला आधारित बिजली संयंत्र है, जिसे 1983 में चालू किया गया था।

- सूरतगढ़ थर्मल पॉवर स्टेशन राज्य में दूसरा पावर प्लाण्ट है।
- चंबल नदी के पश्चिमी तट (बाएं किनारे) पर स्थित है।
- **जल की आपूर्ति** - कोटा बैराज से ताप विद्युत संयंत्र में भाप बनाने के लिए पानी की आपूर्ति की जाती है। ध्यान रहे: कोटा बैराज के पास तापीय विद्युत संयंत्र है तथा कोटा डैम (जवाहर सागर) चंबल नदी घाटी परियोजना में जल विद्युत उत्पादन संयंत्र है।
- यह 2004 में राज्य का दूसरा सुपर थर्मल पावर स्टेशन हुआ।
- यहाँ 7 यूनिट हैं।
  - 110 MW × 2 Unit
  - 210 MW × 3 Unit
  - 195 MW × 2 Unit
  - कुल - 1240 MW - 7 Unit
- 'सेन्टर फॉर साइन्स एण्ड एन्वायरमेंट' नई दिल्ली की रिपोर्ट में 2021 में इस प्लाण्ट को अत्यधिक प्रदूषणकारी बताया गया था। इसलिए अब यहाँ नई यूनिट्स नहीं लगाई जा रही है।
- ये ऐसा प्लाण्ट है, जहाँ केवल Subcritical units से ही तापीय विद्युत उत्पादन किया जाता है, सुपर क्रिटिकल यूनिट नहीं है।
- यह Plant भी राज्य सरकार की विद्युत कंपनी RVUNL राजस्थान विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड द्वारा संचालित है।
- 2022-23 में इसकी पहली व दूसरी यूनिट को बंद करने की तैयारी की गई थी। लेकिन कार्मिकों की बेरोजगारी न हो इसलिए बंद नहीं की गई। लेकिन अभी मार्च, 2026 में फिर यह कहा गया कि यदि 2030 में पर्यावरण-विभाग की स्वीकृति नहीं मिलती है, तो यूनिट 1, 2, 3, 4 बंद करनी पड़ सकती है, क्योंकि पॉवर प्लाण्ट यूनिट्स का औसत सामान्य कार्यकाल 25 वर्ष माना जाता है, इसकी यूनिट को 25 वर्ष से अधिक समय 2030 तक हो जाएगा।

3. छबड़ा सुपर थर्मल पावर स्टेशन मोतीपुरा चौक, छबड़ा, बारां

- यह राज्य का तीसरा तापीय विद्युत उत्पादन संयंत्र है।
- कालक्रम के अनुसार तापीय विद्युत संयंत्र स्थापना में:
  1. कोटा - 1983
  2. सूरतगढ़ - 1998
  3. छबड़ा - 2009-10
  - 2009-10 में 250 MW की 2 यूनिट्स
  - 2013 में 250 MW की तीसरी यूनिट्स
  - 2014 में 250 MW की चौथी यूनिट्स चालू हुई। इस प्रकार राज्य में यह तीसरा सुपर थर्मल पावर स्टेशन बना।
- **कालक्रम के अनुसार** -
  सुपर थर्मल पावर स्टेशनों का स्थापना क्रम-
  1. S.S.T.P.S. सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)
  2. K.S.T.P.S. कोटा
  3. C.S.T.P.S. छबड़ा (बारां)
  - 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) में 5वीं तथा 6वीं यूनिट 660 MW × 2 Unit स्थापना की गई।
  - Unit - 5 - अप्रैल, 2017 में चालू
  - Unit -6- मार्च, 2019 में वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ हुआ।
  - युनिट्स का प्रारंभ होना यानि निर्माण पूरा होना उसे ग्रिड से जोड़ना - ये अलग-dates होती है।
  - Units की dates RVUNL की Website पर निम्न है।
  - यूनिट-5 की डेट - 9.8.18, 9 अगस्त, 2018
  - यूनिट-6 की डेट - 2.4.19 है।, 2 अप्रैल, 2019 है।
- इस प्रकार C.S.T.P.S. छबड़ा (बारां) 2019 में राज्य का सर्वाधिक तापीय विद्युत उत्पाद वाला संयंत्र था, जो उस समय अनेक परीक्षाओं में पूछा गया था। अब सर्वाधिक उत्पादन वाला नहीं है।
- **C.S.T.P.S. को पानी की आपूर्ति हिंगलोत बाँध**- बारां व बैथंली बाँध (बांरा) से होती है।

- वर्ष 2017 में NTPC (भारत सरकार) ने C.S.T.P.S. का अधिग्रहण कर राजस्थान सरकार के साथ समझौता किया।
- वर्तमान में स्वामित्व RVVNL - 51%
- NTPC - 49% (NTPC में GOI-51.1%, Small share holders 48.9%) है।
- वर्तमान में यहाँ 6 यूनिट्स है, जिनकी उत्पादन क्षमता
  - 250 MW × 4 Unit = 1000 MW
  - 660 MW × 2 Unit = 1320 MW
  - Total = 2320 MW राज्य में दूसरा सर्वाधिक उत्पादन वाला संयंत्र है।
- वर्तमान में राज्य में सर्वाधिक विद्युत उत्पादन (मई, 2026)
  1. SSTPS - 2820 MW
  2. CSTPS - 2320 MW
  3. KSTPS - 1240 MW
  4. कालीसिंध STPS - 1200 MW है।
- जुलाई, 2022 में यहाँ CSTPS (छबड़ा, बारां) में 660 मेगावाट की दो ओर यूनिट्स की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। अत: भविष्य में यहाँ 660MW × 2 Unit proposed है। अत: वर्तमान (मई, 2026) में नहीं लेकिन भविष्य में इसकी **उत्पादन क्षमता - 2320 MW + 660 MW × 2 Unit - 1320 MW = 3640 MW** हो सकती है।

4. **कालीसिंध सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन**- यह राज्य सरकार का चौथा सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन है। यह कालीसिंध डैम के पास पाँच गाँवों उण्डल, निभोदा, मोतीपुरा, सिघानिया, देवरी गाँवों के बीच है। लेकिन Main branch 'उन्डल' में माना जाता है।

   यहाँ दो यूनिट्स हैं- 600 MW × 2 Unit
   I unit - 7/05/2014
   II unit - 25/07/2015 (RVVNL की वेबसाईट के अनुसार)

- यह राज्य का ऐसा सुपर थर्मल पावर प्लाण्ट है, जहाँ सब क्रिटिकल Unit एक भी नहीं है।
- अत: इसे 'राज्य का पूर्णत: (Completely) सुपर क्रिटिकल पावर प्लाण्ट' कहा जा सकता है।
- यहाँ 800 MW × 2 Unit July 2022 से प्रस्तावित है। केवल प्रस्तावित है।, अभी केवल एक यूनिट 800 मेगावाट की स्थापना हेतु J.V. (Joint venture) पर सितम्बर, 2024 में हस्ताक्षर हुए है। कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है।
- **परियोजना का नाम:- 1 × 800 Ultra super critical kalisindh coal fixed thermal power plant** रखा जाना है। यह निर्णय 9 जनवरी, 2026 को किया गया है।
- **उपरोक्त 4 सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन राज्य सरकार के हैं।**

निजी क्षेत्र के तापीय विद्युत संयंत्र :-

1. **कावई सुपर थर्मल पावर स्टेशन** : 2009 में निजी क्षेत्रों को कोयला खनन की अनुमति मिलने के बाद राजस्थान के APRL-अडानी पावर राजस्थान लिमिटेड द्वारा राजस्थान के बारां जिले के कावई गाँव में निजी क्षेत्र का पहला सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन स्थापित किया गया।

- कावई सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट - कावई (अटरू-बारां) **660 MW × 2 Unit = 1320 MW**
- राज्य में निजी क्षेत्र का पहला सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन है।
- 800 मेगावाट की 4 यूनिट्स प्रस्तावित है।
- **पानी की आपूर्ति** - परवन मध्यम सिंचाई परियोजना के परवन डैम (बारां) से की जाती है।
- जनवरी, 2013 में पहल यूनिट
- जनवरी, 2014 से दूसरी यूनिट चल रही है।
- राज्य के तीनों डिस्कॉम - JVVNL, AVVNL, JDVVNL - 1200 MW विद्युत खरीदते हैं।

2. **BSTPS बाँसवाड़ा सुपर थर्मल पावर स्टेशन**- दानपुर **(बाँसवाड़ा)**- यह निजी क्षेत्र हेतु प्रस्तावित S.T.P.S. है। लेकिन डूंगरपुर-रतलाम रेलवे लाईन प्रोजेक्ट निर्माणाधीन है। अत: जब तक यह रेलवे लाइन नहीं बन जाती है तब तक यह प्रोजेक्ट शुरू नहीं हो सकता है।

लिग्नाइट कोयले पर आधारित तापीय विद्युत संयंत्र

- कोयले से तात्पर्य एन्थ्रासाइट व बिटुमिनस कोयला लिया जाता है, लेकिन यदि किसी प्रसंग में लिग्नाइट कोयले पर आधारित संयंत्रों के बारे में प्रश्नगत होगा तब लिग्नाइट कोयला आधारित शब्द लिखकर प्रश्न पूछा जाता है।
- राजस्थान में लिग्नाइट कोयला का वितरण पाया जाता है। जो मुख्यत: बाड़मेर, बीकानेर एवं नागौर जिले में मुख्यत: है। राज्य में लिग्नाइट कोयला का उत्खनन व विपणन "RSMML" राजस्थान स्टेट माइन्स एवं मिनरल्स लिमिटेड द्वारा किया जाता है। भारत में लिग्नाइट कोयले का उत्खनन NLC इंडिया, नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाता है। NLC इंडिया लिग्नाइट कोयला उत्खनन के साथ-साथ तापीय विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में भी कार्यरत है।
- **राज्य में लिग्नाइट आधारित तापीय विद्युत उत्पादन संयंत्र**-
  1. G.O.R. (राजस्थान सरकार)
  2. G.O.I. (भारत सरकार)
  3. संयुक्त क्षेत्र
  4. PPP Model (निजी सार्वजनिक सहभागिता मॉडल)

1. G.O.R. (राजस्थान सरकार)

- **राज्य सरकार का लिग्नाइट कोयले पर आधारित तापीय विद्युत उत्पादन संयंत्र:**
- **गिरल प्रोजेक्ट** (गिरल परियोजना) GLTPP थुम्बली, शिव, बाड़मेर
- कोयले की आपूर्ति- गिरल खदान (बाड़मेर) से RSMML द्वारा
- पानी की आपूर्ति - इंदिरा गांधी नहर परियोजना, पाइपलाइन द्वारा
- संयंत्र का संचालन RVVNL द्वारा 25 Feb 2007 को प्रारंभ यह राज्य का पहला लिग्नाइट आधारित तापीय विद्युत संयंत्र है।
- यहाँ 125 मेगावाट की 2 यूनिट हैं। जो 2007 व 2009 में प्रारंभ की गई।
- यह गैसीकरण पद्धति पर आधारित है, जिसे जर्मनी के सहयोग से विकसित किया गया है। लिग्नाइट कोयले को भूमि में ही गैस में परिवर्तित कर उत्पादन किया जाता है।
- लिग्नाइट में सल्फर की अधिक मात्रा व उच्च परिचालन लागत के कारण 31.03.2015 को इस प्रोजेक्ट को बंद करने की सिफारिश की गई। 2016 में बंद कर दिया गया।
- RERC - राजस्थान विद्युत नियामक आयोग के मानदंड के अनुसार प्लाण्ट की कुल उत्पादन क्षमता के अनुपात में 75 प्रतिशत बिजली उत्पादन नहीं होता है तो उस ''संयंत्र''/इकाई को घाटे में माना जाता है। गिरल प्लाण्ट में 2009 से 2016 के बीच 15 से 30 प्रतिशत तक ही बिजली उत्पादन होता रहा है। वर्तमान में यह प्लाण्ट 2016 से बंद है। लेकिन Fixed charges, Security, etc के कारण करीब 2000 करोड़ का घाटा हो चुका है तथा प्लाण्ट की निर्माण लागत 1865 करोड़ रही थी।
- इस संयंत्र को BHEL भारत हेवी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा 1 प्रतिशत तक सल्फर युक्त लिग्नाइट पर संचालन करने हेतु डिजाइन किया गया था। लेकिन गिरल खदान से आपूर्ति किए गए जाने वाले लिग्नाइट कोयले में 5 प्रतिशत से 6 प्रतिशत सल्फर की उपस्थिति होने के कारण पचिालन में घाटा हुआ।
- इस विषय में सरकार द्वारा किए गए प्रयासों में कपूरड़ी-जालीपा खदानों से लिग्नाइट कोयले की आपूर्ति हेतु प्रयास किए लेकिन राजवेस्ट पावर लिमिटेड (JSW ग्रुप) द्वारा मना कर दिया गया, क्योंकि ये 30 साल के लिए इस कंपनी हेतु रिजर्व कर दिए गए।
- इसके अलावा 'शिवकर' गाँव-बाड़मेर में लिग्नाइट कोयले का जमाव है, वहाँ से लिग्नाइट कोयले की आपूर्ति किए जाने के प्रयास किए गए लेकिन 'शिवकर' गाँव के किसानों की भूमि अधिग्रहण समस्या हो गई। अत: प्लाण्ट निजी कंपनियों को बेचना ही समाधान हो सकता है। लेकिन ये प्रयास राजनीति की भेंट चढ़ गए।

2. संयुक्त क्षेत्र का लिग्नाइट कोयले पर आधारित

- **''कपूरड़ी-जालीपा प्रोजेक्ट''**
- यह निजी क्षेत्र की परियोजना है।
- यह प्रोजेक्ट 'कपूरडी और जालीपा', जो लिग्नाइट के खाने है, उसके पास भादरेस गाँव (बाड़मेर ग्रामीण तहसील, जिला बाड़मेर), यह परियोजना है।
- संचालन JSW एनर्जी (राजवेस्ट लिमिटेड + RSMML का संयुक्त उपक्रम)
- यहाँ 135 मेगावाट की 8 यूनिट है - कुल उत्पादन क्षमता 1080 मेगावाट है।
- यह राज्य में लिग्नाइट कोयले पर आधारित राज्य का एकमात्र सुपर थर्मल पावर प्लाण्ट है।
- कपूरडी-जालीपा खदानों को बाड़मेर में South-west coal field के नाम से जाना जाता है
- कोयले की आपूर्ति हेतु BLMCL बाड़मेर लिग्नाइट माइनिंग कंपनी लिमिटेड एक संयुक्त उपक्रम बनाया गया, जिसके पार्टनर RSMML और राजवेस्ट पावर लिमिटेड है।
- यह उपक्रम इसलिए बनाया गया कि क्योंकि, RSMML के पास संसाधनों की कमी थी, जो पर्याप्त मात्रा में कपूरड़ी-जालीपा प्रोजेक्ट को लिग्नाइट कोयले की आपूर्ति (उत्खनन व परिवहन) नहीं कर पा रहा था। इसलिए उस संयुक्त उपक्रम की स्थापना की गई थी।
- जल की आपूर्ति - IGNP द्वारा पाइप लाइन के द्वारा।
- कपूरड़ी-जालीपा खदान इलाके में NH68 (Old N.H. numbers) को 28 किलोमीटर की दूरी लंबाई में खदान क्षेत्र से हटाकर शिफ्ट किया गया है, क्योंकि यह N.H. 68 खदान क्षेत्र से गुजर रहा था, यह 28 किलोमीटर लंबाई भांडखा से जालीपा के बीच में 20 किलोमीटर लंबा था तथा 8 किलोमीटर की लंबाई में दी गई है।

3. भारत सरकार द्वारा संचालित-

- **बरसिंहसर लिग्नाइट पॉवर प्रोजेक्ट** बरसिंहसर (कोलायत-बीकानेर) स्वामित्व व संचालन कंपनी- नेवेली
- लिग्नाइट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (भारत सरकार की नवरत्न कंपनी)
  - यहाँ 125 मेगावाट की 2 यूनिट है।
  - प्रथम यूनिट 28 जून, 2010 को प्रारंभ
  - द्वितीय यूनिट 25 जनवरी, 2011 को प्रारंभ
  - यह Sub critical प्रकार का प्लाण्ट है।

4. P.P.P. Model (सार्वजनिक-निजी सहभागिता प्रारूप पर आधारित) -

- गुढा वेस्ट/गुढा लिग्नाइट पॉवर प्लाण्ट। यह परियोजना RVUNL 26% और NLC 74% इंडिया लिमिटेड के बीच एक संयुक्त उद्यम (Joint Venture) के तहत प्रस्तावित है।

- 125 मेगावाट का **पिटन्हेड लिग्नाइट** पावर स्टेशन स्थापित किया जाना है।
- **पिट-हेड**-ऐसे ताप विद्युत केन्द्र जो खदान के बिल्कुल पास स्थापित किए जाते हैं, चूंकि लिग्नाइट में नमी अधिक होती है। दूर परिवहन करना महँगा और कठिन होता है। अत: जो खदान के पास ही लगाए जाए। पिट-हेड लिग्नाइट पावर प्लाण्ट होते हैं।

गैस आधारित तापीय विद्युत संयंत्र-

- **प्राकृतिक गैस:**- भारत में लगभग 83.3 प्रतिशत उत्पादन ONGC एवं OIL द्वारा किया जाता है। शेष 16.7 प्रतिशत निजी/संयुक्त उद्यम कंपनियों द्वारा किया जाता है। भारत में 67.3 प्रतिशत प्राकृतिक गैस का उत्पादन अपतटीय क्षेत्र से होता है। शेष जिसमें CBM Coal bed methane भी शामिल है, 10 राज्यों से प्राप्त होती है।
- प्राकृतिक गैस एक हाइड्रोकार्बन गैस मिश्रण है, मुख्य रूप से मीथेन से बना होता है।
- 1984 में GAIL की स्थापना के बाद प्राकृतिक गैस/इस पर आधारित उद्योगों पर जोर दिया जाने लगा।
- भारत में 40 प्रतिशत गैस का उपयोग उर्वरक उत्पादन, 30 प्रतिशत विद्युत विद्युत उत्पादन, 10 प्रतिशत LPG एवं शेष अन्य उद्योग काँच निर्माण उद्योग etc में किया जाता है।
- **ONGC - स्थापना 1956, मुख्यालय- नई दिल्ली।** यह भारत की सबसे बड़ी कच्चा तेल व प्राकृतिक गैस से संबंधित कंपनी है, भारत का 70 प्रतिशत से अधिक व 84 प्रतिशत से अधिक और घरेलू प्राकृतिक गैस का उत्पादन करती है।
- राजस्थान में पेट्रोलियम निदेशालय की स्थापना 1997 हुई।
- प्राकृतिक गैस पर आधारित तापीय विद्युत संयंत्र
  (1) RGTPP (राजस्थान सरकार)
  (2) DCCPP (राजस्थान सरकार)

राज्य सरकार (RUVNL) के द्वारा संचालित

1. **Ramgadh gas Thermal Power Plant (RGTPP) :** यह राज्य सरकार का पहला गैस एवं थर्मल पॉवर प्लाण्ट है। (1994 में स्थापना - 12.01.1996 से उत्पादन)
   प्रथम चरण GT-1 - 35.5 MW
   द्वितीय चरण GT-2 - 37.5 MW
   ST-1 - 37.5 MW
   तृतीय चरण GT-3 110MW
   ST-2 50MW
- ये दोनों गैस आधारित टर्बाइन है।
- **S.T - 37.5 MW (110.5 MW)** एक स्टीम टर्बाइन है।
- इस प्रकार कुल उत्पादन विद्युत उत्पादन क्षमता 270.5 मेगावाट है।
- **जलस्रोत:**- IGNP (इंदिरा गांधी नहर से) पानी की आपूर्ति की जाती है।

2. **DCCPP -** धौलपुर कम्बाइन्ड साइकल पॉवर प्रोजेक्ट पुरानी छावनी, धौलपुर।
- यह राज्य सरकार (RVUNL) का गैस आधारित तापीय विद्युत उत्पादन संयंत्र है। इसकी तीन यूनिट है।
- जिनमें से दो गैस टरबाइन 110 MW × 2 unit
- एक स्टीम टरबाइन 110 MW × 1 unit
- कुल तीन - 330 MW
- तीसरी इकाई, जो स्टीम टरबाईन है, जो गैस टर्बाइन की अपशिष्ट ऊष्मा (Waste heat) का उपयोग करती है।
- **गैस की आपूर्ति** - GAIL की HBJ हजीरा (गुजरात)-बीजापुर (विजयपुर) (मध्यप्रदेश)- जगदीशपुर (उत्तरप्रदेश) पाइप लाइन से की जाती है।
- यह परियोजना (प्रथम यूनिट) मार्च, 2007में प्रारंभ हुई।
- राज्य में यह एकमात्र परियोजना है, जिसमें जब गैस की आपूर्ति बाधित होती है या आपूर्ति कम हो जाती है तब नेफ्था (कच्चे तेल Crude Oil से प्राप्त एक ज्वलनशील हाइड्रोकार्बन मिश्रण है, जो पेट्रोल जैसा दिखता है।) का उपयोग किया जाता है।

भारत सरकार का राज्य में गैस आधारित तापीय विद्युत संयंत्र।

- **अंता प्रोजेक्ट:**- अंता (बारां)
- यह NTPC (नेशनल थर्मल पॉवर कॉर्पोरेशन) द्वारा संचालित कम्बाइंड साइकिल गैस पावर प्लाण्ट है।
  A - 88.71 मेगावाट × 3 यूनिट (गैस टर्बाइन)
  B - 153.2 मेगावाट × 1 यूनिट (स्टीम टर्बाइन)
  कुल - 419.33 मेगावाट
- इसकी स्थापना 1987 में हुई थी। संचालन, प्रारंभ - 1989
- ईंधन की आपूर्ति HBJ पाइपलाइन से
- जल की आपूर्ति - चम्बल नदी घाटी परियोजना की R.M.C. दांई मुख्य नहर से होती है।
- राज्य को 19.81 प्रतिशत कुल उत्पादन में हिस्सा प्राप्त होता है। यानि 419.33 मेगावाट में से 83.07 मेगावाट विद्युत राजस्थान को प्राप्त होती है।

4. **राज्य में निजी क्षेत्र के गैस आधारित पावर प्लाण्ट।**
- राजस्थान में निम्न चार स्थानों पर निजी क्षेत्र के गैस आधारित तापीय विद्युत संयंत्र लगाया जाना प्रस्तावित है।
  1. केशोरायपाटन (बूँदी)
  2. नांता (कोटा)
  3. कवई (बारां)
  4. सागड़ूंगरी (बाँसवाड़ा)

- इन चारों स्थानों पर HBJ पाइपलाइन द्वारा प्राकृतिक गैस की आपूर्ति की जाएगी। लेकिन प्राकृतिक गैस की ऊर्जा क्षेत्र को गैस के आवण्टन की कमी क्योंकि यदि ऊर्जा क्षेत्र को उपलब्ध गैस का आवण्टन बढ़ाया जाता है, तो उर्वरक उत्पादन प्रभावित होता है। अत: KG Basin (कृष्णा-गोदावरी बेसिन), जैसलमेर (शाहगढ़-बल्ख क्षेत्र) बेसिन etc से जब गैस-परिवहन की पाइप लाइनें निर्मित होगी तब इन परियोजनाओं पर काम किया जाएगा।
- केन्द्र सरकार की कोयला व गैस आधारित परियोजनाओं से राज्य को आनुपातिक लागत देने पर आनुपातिक विद्युत का आवण्टन किया हुआ है, जो दिया जाता है।

जल विद्युत परियोजना

- यह उपयोग (Basis of Traditional use) के आधार पर परंपरागत ऊर्जा का प्रकार है लेकिन स्रोत की उपलब्धता (Basis of Availability) के आधार पर नव्यकरणीय ऊर्जा (Renewable Energy) का प्रकार है, क्योंकि इस ऊर्जा उत्पादन में बहते हुए या ऊँचाई से गिरते पानी की ऊर्जा से टरबाईन के माध्यम से बिजली/विद्युत में बदला जाता है तथा पानी टरबाइन को घुमाने के बाद समाप्त नहीं हो जाता है, वह आगे बहता हुआ निकल जाता है अर्थात् यह ऊर्जा का स्रोत पुन: दूसरे/अन्य टरबाइन पर गिरकर ऊर्जा का उत्पादन कर सकता है। अत: यह नव्यकरणीय ऊर्जा का स्रोत है। जो पर्यावरण अनुकूल (Ecofriendly) व टिकाऊ (Sustainable) ऊर्जा स्रोत है।
- **कार्यप्रणाली** - नदियों के ऊपर बाँध बनाकर, पानी का इकट्ठा कर, उस पानी को टरबाइन पर गिराकर जनरेटर के जरिए बिजली उत्पन्न की जाती है। नदियों के अलावा लिंक कैनाल/इरिगेशन कैनाल पर बाँध बनाकर व झरनों के बहते हुए पानी से भी इस प्रकार की ऊर्जा का उत्पादन किया जाता है।
- इस प्रकार इस ऊर्जा के प्रकार में विज्ञान की दृष्टि से गतिज ऊर्जा (Kinetic Energy) को टरबाइन के माध्यम से यांत्रिक ऊर्जा में तथा इसके पश्चात् जनरेटर के माध्यम से विद्युत ऊर्जा (Elecrtrical Energy) में परिवर्तन किया जाता है।

इस प्रकार **Step in working** में

1. जल भण्डारण (Storage)
2. पानी का तेज गति से प्रवाह (Flow of water at full speed)
3. टरबाइन घुमाना
4. जनरेटर से बिजली उत्पादन
5. ट्रांसफार्मर से ग्रिड तक विद्युत प्रसारण
6. पानी को पुन: नदी/नहर में छोड़ देना

ये कार्य किए जाते हैं।

-:: विशेषताएं ::-

- ये संयंत्र स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत हैं, ये स्रोत विश्वस्तरीय और स्थिर (यानी पानी की उपलब्धता के स्रोत सदावाही नदियां होने पर) होते हैं, लंबी आयु यानि दीर्घकाल तक संचालित होते हैं। इस परियोजना में जल विद्युत उत्पादन के साथ-साथ बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई भी होती है, बाँधों के पीछे भरे जलाशय (Reservior) पर्यटन के आकर्षण बिंदु (Site) भी होते हैं, लेकिन इन परियोजनाओं की उच्च लागत होती है, इन परियोजनाओं में बाँध के निर्माण व बाँध के पीछे भरे पानी (जलाशय) के कारण नदियों के किनारे की उपजाऊ भूमि जलमग्न हो जाती है, पेड़ डूब जाते हैं, उन्हें परियोजना के निर्माण के दौरान डूब क्षेत्र के पेड़ो/वनों को काटा जाता है, साथ ही जलाशयों में विघटित होने वाले कार्बनिक पदार्थ मीथेन etc. (ग्रीन हाउस) गैसों का उत्सर्जन करते है, जो पर्यावरण में Global warming (भू-तापन) का प्रभाव करते है लेकिन फिर भी ये संयंत्र/परियोजनाएं तापीय ऊर्जा संयंत्रों की अपेक्षा अधिक पर्यावरण अनुकूल है व टिकाऊ स्रोत है।

राज्य की जलविद्युत परियोजना-

(A) बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाओं में जल विद्युत उत्पादन परियोजनाओं में भागीदारी

(i) संयुक्त परियोजनाएं

(ii) स्वयं की परियोजनाएं

(B) लघुपन विद्युत परियोजनाएं

(A) बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाओं में जल विद्युत उत्पादन

संयुक्त परियोजनाओं में भागीदारी वाली परियोजनाएं-

(क) भांखडा नांगल परियोजना

(ख) व्यास नदी घाटी परियोजना

(ग) चंबल नदी घाटी परियोजना

'भाखड़ा नांगल परियोजना'

इस परियोजना का स्रोत:- सतलज नदी है। इस नदी पर तीन स्थानों पर जल विद्युत उत्पादन संयंत्र है।

I. भांखड़ा बाँध (सतलज नदी पर) - हिमाचल प्रदेश
II. गंगवाल डैम (भाखड़ा नहर, जो नांगल डैम से निकाली गई है, पर) - पंजाब
III. कोटला डैम (भाखडा नहर, जो नांगल डैम से निकाली गई, पर) पंजाब

- भाखडा नांगल परियोजना, एक बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजना है, इसके भागीदार 3 राज्य हैं।
  1. पंजाब, 2. हरियाणा, 3. राजस्थान।
- राजस्थान की हिस्सेदारी 15.22% है। यानि लागत रखरखाव में भी 15.22% अंशदान किया जाता है। व करना पड़ता है इसी प्रकार उत्पादित जलविद्युत में से 15.22% राज्य को प्राप्त होती है।

A. भाखड़ा बायां (Left) किनारा - जलविद्युत उत्पादन संयंत्र

126 MW × 2 unit =
126 MW × 3 unit =

पहले 108 MW की 3 unit थी वे भी अब 126 MW की हो गई/कुल = 630 MW

B. भाखड़ा दांया (Right) किनारा जल विद्युत उत्पादन संयंत्र

157 MW × 5 unit = 785 MW

C. भाखडा नहर पर (गगवाल डैम Gangu wal) रोपड़, पंजाब- यह नांगल हाइडल चैनल पर नांगल बांध से लगभग 19 किलोमीटर की दूरी पर डाऊन स्ट्रीम स्थित है।

D. **भाखडा नहर पर कोटला डैम, रोपड़, पंजाब**- यह नांगल हाइडल चैनल पर नांगल डैम से 30 किलोमीटर दूरी पर डाऊन स्ट्रीम स्थित है।

ये दोनों Run of the river जल विद्युत उत्पादन संयंत्र है।

उत्पादन क्षमता-

गंगवाल डैम 24.20 MW × 2 unit = 48.40 MW
27.99 MW × 1 unit = 27.99 MW
Total = 76.39 MW

कोटला डैम- 24.20 MW × 2 unit
28.94 MW × 1 unit
कुल - 77.34

- इस प्रकार भाखड़ा नहर के दोनों संयंत्रों की उत्पादन क्षमता 155.30 मेगावाट है।
- इस प्रकार कुल जल विद्युत उत्पादन - 630 MW + 785 MW + 153.73 MW = 1516.3 MW
- कुछ पुस्तकों में भांखड़ा बाया किनारा बिजली घर की उत्पादन क्षमता कम बताई गई वह इसलिए है कि पहले यहाँ 2 Unit, 126 MW की थी तथा 3 Unit, 108 MW की थी, जो 3 Units 108 MW की थी वे भी अब 126 MW की कर दी गई। अत: ये अंतर देखने को मिलता है।
- पहले राज्य का हिस्सा 1516.3 MW में 15.22% के अनुसार 238.76 MW आवण्टित है। यह जो विद्युत राज्य को आवण्टित है वह राज्य के 6 जिलों - श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चुरू, बीकानेर व सीकर तथा झुंझुनूं जिलों में Discoms वितरण कंपनियों (JDVVNL, AVVNL) द्वारा वितरित की जाती है।

व्यास नदी घाटी परियोजना

- स्रोत व्यास नदी है।
- इस परियोजना में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान जल विद्युत उत्पादन में भागीदार है। इसमें राजस्थान राज्य की हिस्सेदारी भाखडा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड के अनुसार बाँधों के आधार पर अलग-अलग आवण्टित की गई है।
- व्यास नदी घाटी परियोजना में दो बड़े बाँधों का निर्माण किया गया है।

1. **पौंग डैम** - यह हिमाचल प्रदेदश में कांगड़ा जिले में व्यास नदी पर है। इसमें राज्य को 58.5% हिस्सा आवण्टित है। यहाँ 66 MW की 6 unit हैं।
   - 66 MW × 6 unit = 396 MW
   - राज्य का हिस्सा 58.5% = 231.66 MW बिजली आवण्टित है।

2. **देहर डैम:** यह व्यास नदी पर मण्डी जिले में निर्मित पण्डोह डैम के पानी को सतलज नदी में स्थानांतरित (Shifting) करने के लिए बनाई गई VSLC व्यास सतलज लिंग कैनाल पर 'देहर' नामक स्थान पर है।
   - यहाँ 165 MW की 6 unit है।
   - 165 MW × 6 unit = 990 MW

- कुल जल विद्युत उत्पादन 990 MW में राजस्थान राज्य का 20% हिस्सा ही आवण्टित है। अत: राज्य को देहर डैम से 198 MW जलविद्युत प्राप्त होती है।

- इस प्रकार व्यास परियोजना से राज्य को पौंग डैम से 231.66 MW तथा देहर डैम से 198 MW कुल 231.66 + 198 = 429.66 MW जलविद्युत प्राप्त होती है। इस प्रकार वह राज्य को सर्वाधिक जल विद्युत उपलब्ध कराने वाली परियोजना है।

3. **चंबल नदी घाटी परियोजना:-** यह चंबल नदी पर रा. जस्थान व म.प्र. की संयुक्त हिस्सेदारी 50:50 के अनुपात में निर्मित परियोजना है। इस परियोजना में तीन बाँधों पर वर्तमान में जल विद्युत उत्पादन हो रहा है।
   i. **गाँधी सागर बाँध**- भानपुर, मन्दसौर, म.प्र. 23 MW की 5 unit है कुल = 115 MW
   ii. **राणा प्रताप सागर बाँध** - चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) 43 MW की 4 unit है कुल 172 MW
   iii. **कोटा डैम**- कोटा - 33 MW की 3 unit है कुल = 99 MW है।
   iv. राहूघाट (करौली) में भी जलविद्युत उत्पादन संयंत्र प्रोजेक्ट में प्रारूपित था, लेकिन निर्माण नहीं हुआ।

- परियोजना में कुल जल विद्युत उत्पादन = 386 MW है, जिसमें से राज्य को 193 MW आवण्टित है। इस प्रकार उपरोक्त तीन परियोजनाओं में भागीदारी से राजस्थान को जल विद्युत उत्पादन होता है।

माही नदी घाटी परियोजना

- यह राजस्थान व गुजरात की संयुक्त बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजना है लेकिन सिंचाई हेतु गुजरात की भागीदारी 55 प्रतिशत व राज्य की भागीदारी 45 प्रतिशत है। लेकिन जल विद्युत उत्पादन में गुजरात की भागीदारी नहीं है। अर्थात् **जल विद्युत उत्पादन** में राज्य की 100% स्वामित्व (Ownership) है। यानि माही बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजना में जल विद्युत उत्पादन हेतु जो दो बाँध बनाए गए है।
   1. हैगपुरा डैम (बाँसवाड़ा)
   2. लीलवानी डैम (बाँसवाड़ा)
- इन पर जो जल विद्युत उत्पादन संयंत्र स्थापित किए गए उनका व्यय राजस्थान द्वारा ही किया गया तथा उत्पादित जल विद्युत जो क्रमशः 45 MW × 2 unit = 90 MW तथा 25 MW × 2 unit = 50 MW = कुल जल विद्युत उत्पादन = 140 MW का उपयोग राजस्थान द्वारा किया जाता है। इस प्रकार यह राज्य की **स्वयं की जल विद्युत उत्पादन परियोजना** है, जिसका 100% व्यय व 100% उपयोग जल विद्युत उत्पादन में राजस्थान द्वारा किया गया है।

लघु पन बिजली परियोजना

- राज्य में 12 लघु पन बिजली परियोजना है। ये इंदिरा गांधी नहर परियोजना की शाखाओं पर चंबल नदी घाटी परियोजना की दाईं मुख्य नहर पर व माही दाई मुख्य नहर तथा जाखम परियोजना में पाँच तथा IGNP में
  - सूरतगढ़ शाखा
  - अनूपगढ़ शाखा
  - पूगल शाखा
  - बिरसलपुर शाखा
- चारणवाला शाखा इन शाखाओं पर सात इस प्रकार 12 लघुपन बिजली परियोजनाओं द्वारा राज्य में 23.65 MW जल विद्युत का उत्पादन होता है।

आण्विक ऊर्जा

- आण्विक ऊर्जा का उत्पादन केन्द्र सरकार के उपक्रम ''न्युक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा किया जाता रहा है लेकिन अब अणुशक्ति विकास निगम नई इकाइयाँ का निर्माण व विकास करता है।
- राज्य में वर्तमान दो आण्विक ऊर्जा परियोजनाओं का उल्लेख होता है जिनमें एक-
  1. क्रियान्वित (चालू) तथा दूसरी निर्माणाधीन आणि वक ऊर्जा उत्पादन परियोजनाएं है।
     (i) RAPP
     (ii) MBRAPP

1. राजस्थान आण्विक ऊर्जा परियोजना- रावतभाटा (चित्तौड़गढ़), क्रियान्वित (Running)

- यह चंबल नदी के किनारे चित्तौड़गढ़ में है। इस परियोजना की पहली यूनिट का शिलान्यास 1963 में कनाडा के सहयोग से किया गया था, यह पहली यूनिट 1973 में चालू (Operational) हुई। यह राजस्थान का पहला परमाणु बिजलीघर है। यह देश का दूसरा परमाणु बिजली घर है। देश का पहला परमाणु बिजलीघर तारापुर (महाराष्ट्र) में है। तारापुर परमाणु बिजलीघर की पहली, दूसरी इकाई BWR (Boling water reacters) पर आधारित है। अतः PWHR (Pressurized Heavy water reactor) तकनीक पर आधारित इकाई वाला देश का पहला परमाणु बिजलीघर है।
- यहाँ 6 इकाईयों को परमाणु सामग्री की आपूर्ति कनाडा द्वारा की जाती है। वर्तमान में 7वीं युनिट जिसकी Criticality

(यानि इकाई में नियंत्रित परमाणु विखण्डन श्रृंखला प्रतिक्रिया) 19 सितम्बर, 2024 को प्रारंभ की गई। लेकिन इसे उत्तरी ग्रिड से 17 मार्च, 2025 को जोड़ा गया। अत: इसका चालू होना 17 मार्च, 2025 से माना जाता है। इस 7वीं यूनिट की उत्पादन क्षमता 700 मेगावाट है। 8वीं युनिट जो भी 700 मेगावाट की होगी, वह निर्माणाधीन है। इन दोनों युनिट्स को परमाणु सामग्री की आपूर्ति फ्रेंच कंपनी AREVA के द्वारा की जा रही है।

- Unit - 1 100 MW × 1 (बंद)
- Unit - 2 200 MW × 1
- Unit - 3-6 220 MW × 4
- विद्युत उत्पादन = 1180 MW - 100 MW = 1080 MW
- 7वीं इकाई 700 MW × 1 unit

- कुल उत्पादन 1780 मेगावाट है, इसमें राज्य को 806.74 मेगावाट (दिसंबर, 2025) दी जाती है। 7वीं इकाई आरंभ होने से पूर्व 456.74 मेगावाट विद्युत आपूर्ति की जाती थी।
- इस परियोजना की 6 युनिट्स में उत्पादन कार्य न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL) द्वारा किया जाता है लेकिन 7वीं यूनिट का संचालन व 8वीं यूनिट का निर्माण व विकास (ASVINI) अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड (शेयर NPCIL 51% तथा NTPC 49%) द्वारा किया जा रहा है।

II. MBRAPP

- माही बाँसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना – नापला गाँव तहसील – छोटी सरवन जिला बाँसवाड़ा।
- यहाँ 700 मेगावाट की 4 यूनिट्स, जो PWHR दाब युक्त भारी जल रिएक्टर पर आधारित है, जिसका निर्माण व विकास ASVINI (अणुशक्ति विकास निगम लिमिटेड) द्वारा किया जा रहा है। ये सभी निर्माणाधीन है। इनमें पहली इकाई का शिलान्यास 25 सितम्बर, 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया।

गैर- परम्परागत ऊर्जा

- उपयोग के आधार पर (Basis of Traditional use) ये गैर-परम्परागत ऊर्जा के प्रकार है।

इन्हें गैर परम्परागत क्यों कहते है?

- क्योंकि इनका उपयोग पारम्परिक ईंधनों कोयला, पेट्रोलियम की तरहसदियों से नहीं है, बल्कि हाल के वर्षो में आधुनिक तकनीक विकसित होने के बाद शुरू हुआ है। भारत में 1973 के बाद से अनुसंधान एवं विकास कार्य प्रारभ हुआ।
- 1982 में भारत सरकार द्वारा इन स्रोतों के विकास के लिए पृथक से समर्पितविकास के लिए विभाग की स्थापना की गई। राजस्थानमे 1985 मे REDA Renewable Energy Development Agency की स्थापना की गई।
- **उपलब्धता के आधार पर** ये नव्यकरणीय ऊर्जा Renewable Energy स्रोत कहे जाते हैं। ये वे स्रोत है, जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं द्वारा निरन्तर पुन: पूर्ति होते रहते हैं। अर्थात Renew होते रहते है अत: Renewable हैं।
- परम्परागत ऊर्जा के स्रोत (कोयला, पेट्रोलियम) सीमित है, वे कभी न कभी खत्म हो सकते हैं लेकिनगैर परम्परागत ऊर्जा के स्रोत (सूर्य का प्रकाश, पवन प्रवाह etc) के भण्डार असीमित है अर्थात् इनका क्षय (समाप्ति) नहीं हो सकता है **अत: ये 'अक्षय' ऊर्जा स्रोत है।**

गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतो की विशेषताऐ

1) **नव्यकरणीय (Renewabee) -** ये प्रकृति में लगातार बने रहते है अर्थात् उपयोग के बाद समाप्त नही होते हैं, जैसे- सौर प्रकाश, पवन प्रवाह, जल प्रवाह आदि|
2) **ये पर्यावरण के अनुकुल है (eco friendly)**ये प्रकृति प्रदत्त है, इनके ऊर्जा रूपान्तरण के दौरान व उपयोग के दौरान हानिकारक गैसो का उत्सर्जन लगभग शून्य हैं, जिससे ग्रीन हाऊस प्रभाव होकर वैश्विक तापमान colobal warming) जैसे प्रभाव नही होते हैं तथा प्रदूषण नहीं फैलता है।
3) **असीमित भंडार (Inexhaustible storge)** ये प्राकृतिक प्रक्रियाओं द्वारा स्वत: ही पुनर्जीवित होते हैं, ये प्राकृतिक चक्र के रूप में चलते रहते हैं, इसलिए परम्परागत स्रोतों के विपरीत इनके भविष्य में समाप्त होने का खतरा नहीं है।
4) **विकेन्द्रीकृत उत्पादन :**इसके कुछ प्रकारोकोसौर-पवन Bio gas, Bio Mass को भी स्रोत की उपलब्धता के आधार पर स्थापित किया जा सकता है, जैसे घरो, वाणिज्यिक औद्योगिक परिसरो, खेतो में स्थापित किया जा सकता है।

5) **उच्च प्रारंभिक लागत(High intial cost) :**यद्यपि इस ऊर्जा उत्पादन के स्रोत निःशुल्क या सस्ते हैं, लेकिन ऊर्जा रूपान्तरण हेतु प्रयुक्त तकनीको की प्रारम्भिक लागत उच्च है। यद्यपि रखरखाव, संचालन अपेक्षाकृत सस्ता है।

6) **स्रोत उपलब्धता में समयानुसार बाधा:-** इसके कुछ स्रोतो की उपलब्धता मौसम और समय पर बाधित होती है। जैसे मानसून के समय बादलो के कारण धुंध के समय तथा रात्रि में सौर ऊर्जा उत्पादन के स्रोत प्रकाश की कमी, नवम्बर माह में धीमी हवा की गति 9 km प्रति घण्टा से कम होने पर पवन प्रवाह की आदर्श गति न मिलने पर उत्पादन बाधित होता है

7) **सतत ऊर्जा के स्रोत:-** भावी पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित रखने में टिकाऊ - विकास हेतु अत्यधिक महत्व है।

8) जीवाश्म ईंधन की निर्भरता को कम करने मे महत्वपूर्ण है। ईरान युद्ध जैसी परिस्थितियो मेयदि इस ऊर्जा के उत्पादन आत्मनिर्भरिता होती तो ईंधन संकट / महंगाई जैसी समस्याएं नही होती।

गैर परम्परागत ऊर्जा के प्रकार

(1) सौर ऊर्जा
(2) पवन ऊर्जा
(3) बायो गैस ऊर्जा
(4) जीव द्रव्य (Biomass) ऊर्जा
(5) भू-तापीय ऊर्जा
(6) ज्वारीय ऊर्जा
(7) महासागरीय तरंगे ऊर्जा

- इन उपरोक्त प्रकार के अलावा 'जलविद्युत ऊर्जा' भी नव्यकरणीय ऊर्जा का प्रकार, स्रोत की उपलब्धता के आधार पर है। अर्थात् जब नव्यकरणीय ऊर्जा के प्रकारो का उल्लेख किया जाता है ये जल विद्युत सहित 8 प्रकार होते हैं।

(1) सौर ऊर्जा

- सौर ऊर्जा का स्रोत- सौर प्रकाश (sunlight) है। अत: सौर ऊर्जा संयन्त्र की बड़ी परियोजनाएं उन क्षेत्रो में स्थापित की जाती हैं, जहाँ लम्बी अवधि (Days) और समय (Timings) सौर प्रकाश उपलब्ध हो।
- SEEZ – Solar Energy Enterprises Zone - ये वे क्षेत्र है जहाँ वर्ष में325 दिन से अधिक सौर प्रकाश उपलब्ध हो। उन क्षेत्रों को SEEZ कहा जाता हैराज्य मेंपहले 3 जिले (1) जैसलमेर (2) जोधपुर (3) बाडमेर अब (5) जिले (1) जैसलमेर (2) जोधपुर (3) फलौदी (4) बाडमेर (5) बालोतरा, SEEZ के अन्तर्गत माने जाते है। सरकार की सौर ऊर्जा उत्पादन की बड़ी परियोजनाओं को उन जिलो में प्राथमिकता (Priority) दी जाती है।
- सूर्य के प्रकाश को ऊर्जा में परिवर्ततित करने के लिए धातु की अर्धचालक शीट की आवश्यकता होती है, इन्हें फोटोवोल्टिक सेल कहा जाता है, इन फोटोवोल्टिक सेल में अर्धचालक पदार्थ की एक या अधिक परते होती है और ये एक पारदर्शी कॉच से ढकी होती है, जो विकिरण को गुजरने देती है औ ऊष्मा हानि को कम करती है। सूर्य की किरणे फोटॉनो से बनी होती है, जो सोलर पैनल के फोटोवोल्टिक सेल में प्रवेश करती है. जिससे उनके बीच विद्युत क्षेत्र और परिणाम स्वरूप एक विद्युत परिपथ उत्पन्न होता है। प्रकाश जितना तीव्र होगा, विद्युत प्रवाह उतना ही अधिक होगा।
- राजस्थान राज्य में मरुस्थलीय क्षेत्र की उपलब्धता, (वनस्पति की कमी, नमी की कमी) उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्र की निकटता etc कारणो से सौर विकिरण तीव्रता अपेक्षाकृत अधिक है। यह 6 से 7 k.w/मीटर^{2}है।

सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजनाएं

- राज्य सरकार की पहली सौर ऊर्जा परियोजना, मथानिया (जोधपुर), में प्रस्तावित थी। इस परियोजना की लागत लगभग 872 करोड थी। इसमे 105 m.w ऊर्जा का उत्पादन गैस से तथा 35 m.w.उर्जा का उत्पादन सौर ऊर्जा से किया जाना था। यह सोलर थर्मल प्रक्रिया पर आधारित परियोजना थी। सौर तापीय प्रक्रिया, सोलर फोटो-वोल्टिकप्रक्रिया(Solar Photo voltic) से जटिल एवं महंगी होती है अत: यह क्रियान्वित नहीं की गई।
- निजी क्षेत्र की पहली सौर उर्जा परियोजना - खीवसर (नागौर) में रिलायंस एनर्जी द्वारा 2010 में चालू की गई। यह 5 m.w.उत्पादन क्षमता की थी। शिलान्यास Nov. 2008 में हुआ था।
- सोलर पार्क एवं मेगा सोलर पावर परियोजना: ये पार्क वपरियोजनाएं निजी, राज्य सरकार केन्द्र सरकार द्वारा विकसित किए गए हैं।

सौर ऊर्जा परियोजनाएं

1. भड़ला सोलर पार्क, जोधपुर में 2,245 मेगावाट क्षमता का सोलरपार्क चार चरणों (फेज) में विकसित किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

   i. **प्रथम चरण (65 मेगावाट)**: राजस्थान सोलरपार्क

डवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड (जो कि आरआरईसीएल की सहयोगी कम्पनी है) द्वारा विकसित किया गया है एवं 65 मेगावाट क्षमता से विद्युत उत्पादन प्रारम्भ हो चुका है।

ii. **द्वितीय चरण(680 मेगावाट):** राजस्थान सोलरपार्क डवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड (आरएसडीसीएल) द्वारा 680 मेगावाट क्षमता का पार्क स्थापित।

iii. **तृतीय चरण (1,000 मेगावाट) :**आईएल एण्ड एफएस एनर्जी डवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड एवं राज्य सरकार की संयुक्त उपक्रम कम्पनी सौर्य ऊर्जा कम्पनी ऑफ राजस्थान लिमिटेड (एसयूआरएजे) द्वारा विकसित किया गया है एवं 1,000 मेगावाट क्षमता का पार्क स्थापित।

iv. **चतुर्थ चरण (500 मेगावाट) :** अडानी रिन्युएबल एनर्जी पार्क राजस्थान लिमिटेड (जो कि अडानी व राज्य सरकार के मध्य संयुक्त उपक्रम कम्पनी है) के द्वारा विकसित किया जा गया है एवं 500 मेगावाट क्षमता का पार्क स्थापित।

- **भड़ला सोलर पार्क -** प्रथम चरण राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड (आरआरईसीएल) द्वारा स्वयं के स्तर पर विकसित किया गया है तथा द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ चरण को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) भारत सरकार की सोलर पार्क योजना के अन्तर्गत विकसित किया गया है।

2. नोख सोलर पार्क (925 मेगावाट) विकास राजस्थान डवलपमेंट कम्पनी (आरआरईसी की सहयोगी कम्पनी) द्वारा किया गया है एवं 925 मेगावाट क्षमता का पार्क स्थापित।

एमएनआरई की सौर पार्क योजना के अन्तर्गत अन्य निर्माणाधीन सोलर पार्क्स का विवरण निम्नानुसार है:-

i. फलोदी - पोकरण सोलर पार्क (750 मेगावाट): यह परियोजना एसेल सौर्य ऊर्जा कंपनी ऑफ राजस्थान लिमिटेड द्वारा विकसित की गई है, जो राजस्थान सरकार और एसेल इंफ्रा लिमिटेड का संयुक्त उपक्रम है। 450 मेगावाट क्षमता का पार्क स्थापित।

ii. फतेहगढ़ चरण - आईबी (1,500 मेगावाट): संयुक्त उद्यम, अडानी रिन्यूएबल एनर्जी पार्क राजस्थान लिमिटेड द्वारा विकसित। 1,496 मेगावाट क्षमता चालू कर दी गई है। इस सोलर पार्क में 500 मेगावाट की क्षमता और बढ़ाई गई हैं।

iii. पूगल सोलर पार्क (2,450 मेगावाट): राजस्थान सोलर पार्क डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (आरएसडीसीएल) द्वारा इस परियोजना को तीन चरणों में 1600/6400 मेगावाट घंटा के बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) के साथ विकसित किया गया है।

(2) पवन ऊर्जा

- राज्य में पवन ऊर्जा के उत्पादन की अपार संभावनाएं है क्योंकि मरुस्थलीय क्षेत्र मे वनस्पति कम है, साथ ही पहाडी क्षेत्र की तथा आवासो (मकानों) की बिखरी हुई बसावट है, अत: पवन प्रवाह की गति बाधित नहीं होती है, साथ ही अरावली पर्वतमाला की पहाडियो पर एक निश्चित ऊँचाई 150 मीटर तक आदर्श पवन प्रवाह उपलब्ध है। अतः राज्य मे मरुस्थलीय क्षेत्र व पहाड़ी क्षेत्र दोनो में पवन ऊर्जा संयन्त्र/परियोजनाएं है।
- राज्य सरकार की पहली पवन ऊर्जा परियोजनाअमरसागर (जैसलमेर) है। यह 10/4/1999 को स्थापित की गई, जिसकी क्षमता 2 m.w. है।
- राज्य सरकार की दूसरी पवन ऊर्जा परियोजना देवगढ़ (प्रतापगढ़) में स्थापित की गई लेकिन राज्य में यह पहाड़ी क्षेत्र की पहली पवन ऊर्जा परियोजना है। यह 6 मार्च 2001 को स्थापित की गई। इसकी उत्पादन क्षमता 2.25 M.W है।
- राज्य सरकार की तीसरी पवन ऊर्जा परियोजना महास बीठडी (फलौदी) में स्थापित की गई यह भी2001 में स्थापित की गई।
- राजस्थान में निजी क्षेत्र की पहली पवनऊर्जा परियोजना बड़ा बाग (जैसलमेर) मेंमार्च 2001 में स्थापित की गई। यह मैं कालानीएन्टर प्राइजेज द्वारा10.6 M.W. की परियोजनास्थापित की गई।
- राज्य में पवन ऊर्जा की 150 मीटर की ऊंचाई (घरातल स्तर से) पर अनुमानित क्षमता लगभग 284 गीगावाट है।
- राज्य में पहली पवन सौर हाइब्रिड ऊर्जा परियोजना के जैसलमेर में अडानी ग्रीन एनर्जी लि. की सहायक कम्पनी AHEGOL अडाणी हाइब्रिड एनर्जी जैसलमेर वन लि. द्वारालगाया गया।
- यह 390 M.W.का हाइब्रिड पावर प्लाण्ट है, जो भारत कापहला पवन और सौर ऊर्जा हाइजिड बिजली उत्पादन संयन्त्र है। यह मई २०22 मे चालू हुआ है।

(3) बायो गैस ऊर्जा

- स्रोत - जीव जंतुओ के अपशिष्ट- गोबर, मल मूत्र etc. इसके स्रोत है
- 1975 में न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत Bio-gas plant की स्थापना प्रारंभ हुई।
- वर्तमान में 60 % अनुदान सरकार द्वारा 40% लाभार्थी द्वारा दिया जाता है| Bio-gas में सर्वाधिक (1) मीथेन गैस होती है (2) Co2 होती है|

योजनाएँ-

(1) गोबर-धन योजना

(2) बायो गैस जन सहभागिता योजना

(1) गोबर-धन योजना

(1) गोबर धन योजना Galvanizing organic Bio-Agro Resources Dhan

- अप्रैल, 2018 (घोषणा बज़ट 2018, G.OI) (भारत सरकार द्वारा की गयी)
- राज्य मेंHPCL के द्वारा पहला प्लांट इस योजना के 'तहत पथमेड़ा (जालौर) में लगाया गया|
- कोटा (धर्मपुरा) की देवनारायण आवासीय योजना, जो पशुपालको के लिए है, में देश का सबसे बड़ा Bio-gas Plant लगाया जा रहा है
- Bio-gas Plant की सर्वाधिक संभावना - उदयपुर में है|
- प. राजस्थान की अपेक्षा पूर्वी राजस्थान इस हेतु अधिक उपयुक्त है|

(4) जीव द्रव्य (Biomass) ऊर्जा

- स्रोत:- सरसो की तुड़ी व उण्डल
- गन्ने की खोई
- चावल की भूसी
- कपास के अपशिष्ट
- मक्का व बाजरा के अपशिष्ट
- इजरायली बबूल (2013 से) आदि इसके स्रोत है|
- राज्य का प्रथम Bio-mass ऊर्जा संयन्त्रपद्मपुर (श्री गंगानगर) श्री गंगानगर में 2003 में लगाया गया।
- राज्य मे खातौली (उनियारा), टोंक, रंगपुर (लाडपुरा-कोटा) कचेला- बागसरी (जालौर), रामपुर (सिरोही), चंदेरिया(चितौडगढ़) में Bio-mass प्लांट है|
- राज्य में सर्वाधिक संभावना – श्रीगंगानगर- गन्ना (खोई) अपशिष्ट के कारण है|
- इस ऊर्जा का उत्पादन पूर्णत: निजी क्षेत्र द्वारा किया जाता है|
- इस क्षेत्र की प्रमुख कम्पनी M/S कल्पतरू एनर्जी प्रा.लि.है।
- नवीनतम : जसरासर नॉर्थ (बीकानेर) 14.9 M.W.
- मालासर(चुरू) 14.9 M.W.
- फागी (जयपुर) 22.9 M.W.
- छतरपुर (बीकानेर) 22.9 M.W.
- राज्य में गैर परम्परागतऊर्जा के उपरोक्त ऊर्जा प्रकारों ही उत्पादन किया जाता है।

प्रमुख योजनाएं

राजस्थान में सौलर पंप और पावर प्लांट पहल

- राजस्थान ने कृषि क्षेत्र में ऊर्जा आपूर्ति में सुधार के लिए सौर ऊर्जा के माध्यम से कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। भारत सरकार की प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (कुसुम) योजना को अपनाते हुए, राज्य में किसानों की मदद के लिए ऑफ-ग्रिड सोलर पंप और ग्रिड से जुड़े सोलर पावर प्लांट लगाए जा रहे हैं।
- भारत सरकार द्वारा अनुमोदित पीएम- कुसुम योजना के तहत, डिस्कॉम सबस्टेशनों के 5 किमी के भीतर 0.5 मेगावाट से 2 मेगावाट के विकेन्द्रीकृत ग्राउंड / स्टिल्ट- माउंटेड ग्रिड-कनेक्टेड नवीकरणीय ऊर्जा विद्युत संयंत्रों को मंजूरी दी गई है, जिसमें 5,250 मेगावाट की कुल स्वीकृत क्षमता है, जिसके अन्तर्गत 153 मेगावाट (संशोधित प्रथम चरण), 397 मेगावाट (द्वितीय चरण), अतिरिक्त 1,000 मेगावाट (संशोधित द्वितीय चरण) और 3,700 मेगावाट (संशोधित तृतीय चरण) शामिल हैं।

कम्पोनेन्ट-ए :

- **प्रथम चरण (संशोधित 153 मेगावाट)** – दिनांक 16 सितम्बर 2025 को एमएनआरई द्वारा परियोजना कमीशनिंग की समय-सीमा 31 दिसम्बर, 2025 तक बढ़ाई गई। माननीय आरईआरसी ने 3.14 रूपये प्रति यूनिट की सीलिंग प्री- फिक्स्ड लेवलाइज्ड टैरिफ को स्वीकृति प्रदान की, जबकि न्यूनतम खोजी गई टैरिफ 2.79 रूपये प्रति यूनिट रही । दिसम्बर, 2025 तक 468.75 मेगावाट क्षमता के 364 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किये जा चुके हैं।
- **द्वितीय चरण (संशोधित 1,000 मेगावाट)** – प्रधानमंत्री कुसुम योजना के क्रिर्यान्वयन, जिसे प्रारंभ में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड (आरआरईसीएल) द्वारा संचालित किया जा रहा था. 23 जुलाई, 2024 को राजस्थान सरकार के ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार राजस्थान डिस्कॉम को हस्तांतरित कर दिया गया। राजस्थान विद्युत नियामक आयोग (आरईआरसी) ने ₹3.04 प्रति केडब्ल्यूएच की पूर्व निर्धारित स्तरित टैरिफ को स्वीकृति प्रदान की। इसके बाद 30 अक्टूबर 2024 को, सभी तीन डिस्कॉम ने पीएम-कुसुम योजना के घटक ए के तहत सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के लिए एक्सप्रैस ऑफ इन्ट्रस्ट (ईओआई) जारी किया। दिसम्बर, 2025 तक 11 मेगावाट क्षमता के कुल 6 सौर विद्युत संयन्त्र सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं।

- **तृतीय चरण (संशोधित 3.700 मेगावाट)-** राजस्थान ऊर्जा विकास और आईटी सर्विस लिमिटेड जयपुर द्वारा 5,000 मेगावाट क्षमता को तीनों डिस्कॉम्स में वितरित किया गया। इसके बाद में एमएनआरई द्वारा 4,000 मेगावाट की स्वीकृति को 3,700 मेगावाट संशोधित कर 20 जुलाई 2025 को पुनः तीनों डिस्कॉम में वितरित किया गया। दिसम्बर, 2025 तक 2 मेगावाट क्षमता का 1 सौर विद्युत संयंत्र सफलतापूर्वक स्थापित किया जा चुका हैं।

कम्पोनेन्ट-सी (फीडर लेवल सोलराईजेशन)

- इस योजना के अंतर्गत पृथक कृषि फीडरों की वार्षिक विद्युत आवश्यकता को पूरा करने के लिये डिस्कॉम सब-स्टेशनों के निकट ग्रिड से जुड़े सौर पीवी विद्युत संयंत्र स्थापित किए गये हैं। इस परियोजना का उद्देश्य कृषि उपभोक्ताओं को सतत एवं विश्व-सनीय विद्युत आपूर्ति है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा पूंजीगत व्यय (सीएपीईएक्स) मोड में परियो-जना लागत का 30 प्रतिशत एवं नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी (आरईएससीओ) मोड में ₹1.05 करोड़ प्रति मेगावाट की दर से केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान की जाती है, जो प्रति पंप 7.5 हॉर्स पावर (एचपी) क्षमता तक सीमित है। 7.5 एचपी (या 15 एचपी, जहाँ लागू हो) से अधिक क्षमता वाले पंपों के लिए, उसी फीडर पर 7.5 / 15 एचपी पंपों की (सीएफए) औसत खपत को केन्द्रीय वित्तीय सहायता के लिए आधार माना गया है।
- एमएनआरई के अन्तर्गत पूंजीगत व्यय (सीएपीईएक्स) और आरईएससीओ मोड में चल रही परियोजनाओं के लिये केन्द्रीय वित्तीय सहायता तीन किश्तों में जारी की जाती है-
  - कुल कार्य के 30 प्रतिशत पूर्ण होने पर - 30 प्रतिशत
  - कुल कार्य के 75 प्रतिशत पूर्ण होने पर 30 प्रतिशत
  - परियोजना के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर 40 प्रतिशत की राशि का भुगतान निम्न प्रकार किया जाता है-
  - सौर संयंत्र के संचालित होने पर डिस्कॉम के माध्यम से 25 प्रतिशत
  - स्थापना के दो माह पश्चात् सफल संचालन होने पर 15 प्रतिशत राशि जारी की जाएगी, बशर्ते कि इनमें से कम से कम एक माह में विद्युत क्रय समझौते (पीपीए) में निर्धारित न्यूनतम सीयूएफ प्राप्त किया गया हो।
- यह सुनियोजित विवरण कृषि फीडर के लिए सौर ऊर्जा परियोजनाओं का समय पर क्रियान्वयन और प्रदर्शन को सुनिश्चित करता है। दिसम्बर, 2025 तक 2,162 मेगावाट क्षमता के कुल 838 सौर विद्युत संयंत्र सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं।

घरों तक सौर ऊर्जा पहुंच का विस्तार

- **पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना :** भारत सरकार द्वारा 13 फरवरी, 2024 को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की शुरूआत 1 करोड़ घरों में सौर संयंत्र लगाकर प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से की गई है। इस योजना के माध्यम से अधिकतम ₹78,000 (3 किलोवाट या उससे अधिक) का अनुदान प्रदान किया जा रहा है। राजस्थान में 5 लाख घरों में सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- दिसम्बर, 2025 तक 1.22 लाख उपभोक्ताओं के लिए 493 मेगावाट सोलर रूफटॉप क्षमता स्थापित की जा चुकी है। इस योजना के अंतर्गत रूफटॉप सौर संयंत्रों के लिये सब्सिडी, बैंकों से रियायती ब्याज दरें तथा पंजीकरण, अनुमोदन और अनुदान वितरण के लिए पूर्णतः ऑनलाइन प्रणाली है।
- पीएम सूर्य घर योजना के तहत स्थापित उच्चतम क्षमता वाले 05 जिले जयपुर 110627 किलोवाट, श्रीगंगानगर 37023 किलोवाट, जोधपुर 30544 किलोवाट, सीकर 28117 किलोवाट और हनुमानगढ़ 25623 किलोवाट हैं।

150 यूनिट प्रति माह निःशुल्क बिजली योजना

- 150 यूनिट प्रति माह निःशुल्क बिजली योजना के अन्तर्गत लाभार्थी उपभोक्ताओं के पंजीकरण के लिए पोर्टल का शुभारंभ 13 अक्टूबर, 2025 को किया गया था।

■■■

भारतीय रक्षा प्रौद्योगिकी

Er. Suryakant Sharma
Expert Faculty -
Science & Technology
SAMYAK- IAS

- आजादी से लेकर वर्तमान स्थिति तक आते-आते भारत के रक्षा क्षेत्र में "आयात निर्भर" ढाँचे से "आत्मनिर्भर" एवं "रक्षा निर्यातक" की स्थिति में सुदृढ़ हो चुका है।
- 1980 के दशक में, DRDO (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) को मजबूत किया गया जिसके परिणामस्वरूप 'एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम' (IGMDP) की शुरुआत हुई । इस कार्यक्रम के तहत पृथ्वी, अग्नि, आकाश, त्रिशूल एवं नाग मिसाइलों का निर्माण हुआ।
- आधुनिक युग (2014- वर्तमान) :- "मेक इन इंडिया" और 'आत्मनिर भारत' के अभियानों के तहत स्वदेशी रक्षा उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है।
- वर्ष 2025 के अन्त तक आते-आते भारत का रक्षा उत्पादन लगभग 1.54 लाख करोड़ रुपये पहुँच गया जो 2015 की तुलना मे लगभग 175% ज्यादा है।
- अब 65% अधिक रक्षा उपकरण देश में ही निर्मित हो रहे है एवं विदेशी निर्भरता कम हुई है।

भारतीय प्रतिरक्षा तकनीक

1. मिसाइल

- भारत में बैलस्टिक मिसाइल के विकास में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिये, 1983 में 'समन्वित निर्देशित प्रक्षेपास्त्र विकास कार्यक्रम' (IGMDP) की शुरुआत की गई। डा. कलाम की अध्यक्षता वाले इस कार्यक्रम में अग्नि, आकाश, त्रिशूल, पृथ्वी एवं नाग मिसाइल विकसित की गयीं
- IGMDP के तहत सतह से सतह से सतह, सतह से हवा एवं ऐंटी टैंक मिसाइलों का निर्माण किया गया जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है -

1. सतह से सतह पर भारत :-

(i) पृथ्वी :- 1988 से पृथ्वी श्रृंखला प्रारम्भ बेलेस्टिक मिसाइल है –

पृथ्वी के तीन संस्करण है -

(i) पृथ्वी - I	150km परास	एक चरण युक्त तरल ईंधन
(ii) पृथ्वी - II	250-350km परास	एक चरण युक्त तरल ईंधन
(iii) पृथ्वी - III	350 km से अधिक	दो चरण युक्त सरल एवं ठोस ईंधन

(ii) अग्नि मिसाइल :- 1989 से श्रृंखला प्रारम्भ - अग्नि मिसाइल प्रोजेक्ट की मुख्य विशेषता रि-एन्ट्री टेक्नोलॉजी डिमांस्ट्रेटर का' शामिल किया जाना था |

यह बैलेस्टिक मिसाइल है।

अग्नि के संस्करण

मिसाइल	परास	प्रणोदक
अग्नि - I	700 – 1200 km परास	एकल ठोस
अग्नि - II	2000 – 2500 km परास	दो चरण – ठोस, ठोस
अग्नि - III	2500 – 3500 km परास	दो चरण – ठोस, ठोस
अग्नि - IV	3000 – 4000 km परास	दो चरण – ठोस, ठोस
अग्नि - V	5000 – 8000 km परास	तीन चरण - ठोस, गैस, ठोस

- **अग्नि-V परमाणु सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइल** (ICBM) **है।**
- **अनि** -V MIRV (Multiple Independently Targetable Re-entry vehicle) **तकनीक से युक्त है अर्थात् एक मिसाइल से कई परिमाणु हथियार अलग-2 निशानों पर दागे जा सकते हैं।**
- **अग्नि-V को शांति को अलग नाम दिया गया हैं।**

2. सतह से हवा में मारक-

(i) त्रिशूल :-

- 1989 **में परीक्षण**
- 9 to 12 km **मारक क्षमता**:
- 2008 में निर्माण बंद ; वर्तमान में उपयोग नहीं'।
- त्रिशूल के स्थान पर मैत्री मिसाइल का विकास किया गया।

(ii) आकाश :- 1990 में परीक्षण

- **मारक क्षमता**:- 25 to 30 km
- **गति** - 2.5 **मैक**
- **आकाश मिसाइल में रैमजेट प्रणोदन तकनीक लगी हुई है।**
- **आकाश मिसाइल में राजेन्द्र रडार का प्रयोग होता है।**

(iii) एन्टी टैंक मिसाइल :-

1. **नाग :-**

- 1990 **में परीक्षण**
- **मारक क्षमता** - 4 to 5 km
- **दागो एवं भूल जाओ का सिद्धान्त**

नाग मिसाइल के संस्करण

(i) **हेलिना (हेलिकॉप्टर नाग मिसाइल)** - नाग का वायुसेना संस्करण टैंक नाशक मिसाइल है

(ii) **नामिका** (NAMECA)– नाग मिसाइल कैरियर वास्तव में मिसाइलों के प्रक्षेपण के लिये एक धर्मल इमेजर से लैस विशेष वाहन है।

(ii) **अमोध** :- DRDO द्वारा विकसित टैं; नाशक मिसाइल है जिसकी मारक दामता 18 km है।

भारत की अन्य महत्वपूर्ण बैलेस्टिक एवं कूज मिसाइलें-

(i) स्कैल्प क्रूज मिसाइल :- यूरोपियन रक्षा कम्पनी MBDA **द्वारा निर्मितलम्बी दूरी** (5000 km) **की सबसोनिक क्रूज मिसाइल है।हवा से जमीन पर मारक**

(ii) हैमर (HAMMER - Highly Agile Modular Munitition - Extended Range)

- **फ्रांसीसी रक्षा कम्पनी** Safran **द्वारा विकसित** 20-70 km **की मध्यम दूरी की मिसाइल ग्लाइड बम की तरह मारक; हवा से जमीन पर मारक**

(iii) प्रेसिजन गाइडेड मिसाइल :- DRDO **द्वारा विकसित स्वदेशी लेजर, गाइडेड बम (सुदर्शन)**

- Note:- **उक्त तीनों मिसाइलों का प्रयोग ऑपरेशन सिंदूर के दौ_रानभारत द्वारा पाकिस्तान के आंतकवादी ठिकानों पर किया गया।**

iv. सागरिका मिसाइल :-

- K-15 नाम से प्रसिद्ध
- 1300km तक मारक
- भारत की परमाणु पनडुब्बी "अरिहंत" पर तैनात |
- 2008 में सफल परीक्षण : DRDO द्वारा विकसित।

v. अस्त्र :-दृश्यसीमा से परे (BVR) ; **हवा से हवा माल**

- 2003 में सफल परीक्षण
- सुखोई MKI-30 पर तैनात
- 100km तक मारक परास

vi. निर्भय :-

- सफल परीक्षण - 2014
- सतह से सतह मारक सबसोनिक क्रूज मिसाइल1000 km तक मारक परास |
- परम्परागत एवं परमाणु दोनों प्रकार के हथियार ले जाने में सक्षम

vii. बराक-8 :- DRDO एवं इजराइल की Acrospace मिलकर विकास किया है।

- भारतीय नौसेना को समर्पित इस मिलाइल का परीक्षण 2015 में हुआ। मारक क्षमता 90 km तक

viii. प्रहार :- प्रथम परीक्षण 2011 मेंसतह से सतह पर माल शॉर्ट रेन्ज बैलेस्टिक मिसाइल विभिन्न दिशाओं में लक्ष्य भेदने में सक्षम

ix. QRSAM (Quick Response surface to air Missile)- DRDO द्वारा विकसित सतह से हवा में मारक मिसाइल परास 30km है। एकल चरण ठोस प्रणोदक मिसाइल है।

x. पिनाका -

- DRDO द्वारा विकसित यह मल्टी बैरल रॉकेट लाँच लिस्टम है 40-70 km की परास
- DRDO ने उन्नत संस्करण पिनाका Mark-II भी विकसित किया है।

xi. ब्रह्मोस :-

- प्रथम परीक्षण 2001 में
- भारत एवं रूस का संयुक्त उद्यम
- परास 290 km से बढ़ाकर 400 km की गयी है।
- गति 2.8 मैक है |
- यह सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है।
- भारत द्वारा पहली बार फिलीपीन्स को इसका निर्यात किया गया है।
- ब्रह्मोस MK-II का परीक्षण 2007 में किया गया। शाली, पराल 700 km है। यह हाइपर सोनिक क्रूज मिसाइल है।

xii. रुद्रम :-

- DRDO द्वारा विकसित देश की प्रथम स्वदेशी विकिरण रोधी मिसाइल है। **हवा से सतह पर मारक है।**
- दुश्मन के राडार, संचार तंत्र का पता लगाने एवं उन्हें नष्ट करनेके लिये डिजाइन किया है।
- इसे सुखोई MKI-30 पर लगाकर 2020 में सफल परीक्षण किया।

xiii. S-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम :-

- रूस से आधारित भारत का एयर डिफेंस सिस्टम है।
- 30km ऊँचाई तक, 400 kmकी बास में सभी लक्ष्यों को भेदने में सक्षम
- भारत 5, S-400 चीन व पाक सीमा क्षेत्रों के निकटस्थापित कर रहा है।

xiv. वरुणास्त्र:-

- बिजली से चलने पनडुब्बियों पर वाला पनडुब्बी रोधी टारपीडो जो पानी में पनडुब्बियों पर सटीक निशाना लगाने में निक्षम) सेना में शामिल: किया।
- 2016 में इसे भारतीय नौ-सेना में शामिल किया।
- Note (i) मिसाइल मैन ऑफ इण्डिया – Dr. A.P.J. अब्दुल कलाम
  (ii) मिसाइल वुमन ऑफ इण्डिया - टेसी थॉमस
  (अग्नि-IV मिसाइल बनाई)

2. राडार (Radio Detection and Ranging-RADAR)

- सिद्धान्त :- रेडियो तरंगों के परावर्तन एवं परिकलित समय अवधि से वायु का पता लगाना।
- भारत में राडार बनाने वाली प्रमुख संस्था- ERDE (Electrimies and Radar Development Establishment) है।

भारत के प्रमुख राडार

(i) INDRA-1 - 2D :- निचले स्तर पर उड़ने वाले लक्ष्यों कापता लगाता है। (क्रजमिसाइल, हेलीकॉटर)

(ii) INDRA - I :- निचले स्तर पर उड़ने वाले विमानों कापता लगाने में नाम।

(iii) रोहिणी :- यह 15 km ऊँचाई एवं 170 km दूरी तक लक्ष्य कोट्रैक कर सकता है।

(iv) रेवती :- यह भारतीय नौसेना (एवं वायु सेना के लिये 180 km से अधिक दूरी के लक्ष्यों को ट्रैक करता है।

(v) स्थायी वेपन लोकेटिंगराडार:- यह 7 लक्ष्यों को एक साथ ट्रैक कर सकता है।

(vi) ईरमा:- भारत के सभी हवाई अड्डों पर लगाया गया है।

(vii) रानी :- वायु यातायात में सहायता करता है।

(viii) इन्द्र -I, इन्द्र -II :- वायु सेना के राडार हैं।

(ix) अपर्णा :- नौसेना का राडार

(x) शांत राडार :- परमाणु हथियारों का पता लगाने वाला राडार

3. प्रतिरक्षा क्षेत्र में वैमानिकी

युद्धक विमान

(i) मानवयुक्त विमान (Manned Aircraft)
(ii) मानव रहित विमान(Unmanned Aircraft)
(iii) हेलीकॉप्टर (Helicopter)

(A) मानव युक्त विमान :-

(i) तेजस :-

- जनवरी 2015 में भारतीय वायुसेना में शामिल सबसे हल्का लड़ाकू विमान। एकल सीट एवं एकल इंजन युक्त इसका निर्माण HAL (हिन्दुस्तान (ज्यरोनॉटिक्स लिमिटेड ने किया है।)
- अस्त्र मिसाइल लगाई गयी है।
- MIG-21 की जगह तेजस को शामिल किया है।

(ii) सुखोई-30 MKE :-

- दोहरे इंजन एवं दो सीटों वाला बहुउपयोगी लड़ाकू विमान
- रूस द्वारा निर्मित
- 2002 में भारतीय वायुसेना में सम्मिलित |
- इस पर ब्रह्मोस एवं निर्भय मिसाइल लगाई गयी हैं।

(iii) मिराज - 2000 :-

- फ्रांस द्वारा निर्मित
- कूज मिसाइल दागने में सक्षम
- कारगिल युद्ध में प्रयोग हुआ था।

(iv) मिग - 29 :- दो इंजन युक्त फाइटर जेट है। रूस द्वारा निर्मित। क्रूज मिसाइल दागने में सक्षम।

(vi) राफाल :-

- फ्रांस द्वारा निर्मित
- हवा में जासूसी तथा -यूक्लिअर स्ट्राइक में माहिर।
- भारत ने फ्रांस से 36 राफाल खरीदे हैं।

(vi) CA 130 I Super Hercules:- (सुपर हरक्यूलस)

- U.S.A द्वारा निर्मित, 2014 में भारतीय वायु-सेनामें शामिल।
- विश्व का उन्नत एयर लिफ्टर है।

(vii) जगुआर -

- यह एंग्लो-फ्रेंच जेट एयरकॉफ्ट है नजदीकी सहायता तथा न्यूक्लिअर स्ट्राइक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारतीय वायुसेना ने इसका नाम शमशेर रखा है।

(B.) मानव रहितवायुयान :-

(i) **निशान्त-** भारत का प्रथम मानव रहित विमान।

- अधिक ऊँचाई से निगरानी एवं जासूसी के लिये प्रयुक्त। प्राम्भिक नाम ' फाल्कन' था। आधुनिक संस्करण का नाम 'पंछी'है।

(ii) लक्ष्य :- दूसरी मानव रहित विमान

- मिसाइल दस्ता रोधी दल लक्ष्य पर अपनी ट्रेनिंग लेते हैं।
- 500 km/hr की गति है

(iii) रूस्तम :-

- सभी मौसमों में मध्यम ऊँचाई परकार्यकरने वाला मानव रहित विमान है। निगरानी, सीमा गश्त एवं जासूसी में प्रयोग।रुस्तम-H, रुस्तम-I), रुस्तम -II रुस्तम के उन्नतसंस्करण हैं।

(iv) नेत्र :- रिमोट निर्देशित मानव रहित विमान है।

- सेना के साथ C.R.P.F के पास है।
- थर्मल कैमरा द्वारा रात्रि में तस्वीर ले सकता है।
- 2.5 km ऊँचाई तक उड़ान भर सकता है।

(v) औरा (AURA-Autonomous Unmanned Research Aircraft)

- भारत का स्वयं से नियंत्रित झोन विमान
- इसमें लेजर चार्जिंग सिस्टम है।

(vi) पुष्पक :-

- यह भारत का दूसरा स्वयं से नियंत्रित ड्रोनहै
- यह भी लेजर चार्जिंग सिस्टम से युक्तहै।

(vii) शेषनाग –

- भारत का स्वदेशी उन्नत एवं लोंगरैंज - स्वार्मकामिकेज ड्रोन है।
- न्यूस्पेस रिसर्च एवं टेक्नॉलॉजी द्वारा विकसित।
- दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को चकमा देकर सटीक हमला करने में सक्षम।

(C.) हेलीकॉप्टर

(i) **ध्रुव हेलीकॉप्टर :-**HAL के द्वारा निर्माण सैन्य एवं नागरिक दोनों उद्देश्य हेतु।

(ii) **रूद्र हेलीकॉप्टर :-** HAL ने 'ध्रुव' हेलीकॉप्टर का ही उन्नत रूप "रुद्र" हेलीकॉप्टर तैयार किया है। यह भारतीय सेना की आवश्यकता के अनुरूप है।

(iii) **चीता हेलीकॉप्टर :**यहह एक फ्रांसीसी हेलीकॉप्टर है जिसे भारत में HAL द्वारा 'चीता' नाम से बनाया है। एकल इंजन युक्त यह हेलीकॉ-प्टर गर्म वातावरण में भी काम करता है।

(iv) **चिनूक हेलीकॉप्टर :-**

- अमेरिका की बोइंग कम्पनी का यह हेलीकॉप्टर है। भारतीय वायुसेना की उच्चभार वहन क्षमता में वृद्धि।

4. नौसेना - प्रतिरक्षा तंत्र

नौसेना प्रतिरक्षा क्षेत्र

1. पनडुब्बी (submarines)
2. . विमान वाहक पोत (Aircraft carriers)

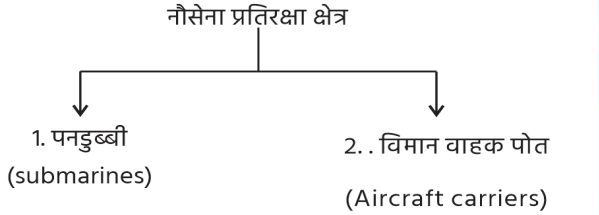

1. पनडुब्बी:-

- भारतीय नौसेना की पनडुब्बी दामता हिंद महासागरक्षेत्र में उसकी रणनीतिक आत्मनिर्भरता एवं समुही सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।
- भारत पारम्परिक (डीजल - इलेक्ट्रिक) और परमाणु संचालित दोनों प्रकार की पनडुब्बियों का एक मिश्रण संचालित कर रहा है जो " ब्लू वाटर नेवी" बनने की दिशा में भारत की यात्रा स्पष्ट करता है।

(i) परमाणु पनडुब्बियाँ :- भारत में तीन परमाणु पनडुब्बियाँ अभी सुरक्षा बेड़े में शामिल हैं -

- INS अरिहंत (2016)
- INS अरिघाट (2024)
- INS अरिदमन (2026)

(ii) पारम्परिक पनडुब्बियाँ :- भारत में वर्तमान में 15 से ज्यादा पारम्परिक पनडुब्बियाँ है। इनमें कलवरी श्रेणी, सिंधुघोष श्रेणी एवं शिशुमार श्रेणी शामिल हैं।

- **NOTE :-** प्रोजेक्ट 75, प्रोजेक्ट 28, प्रोजेक्ट 75 (I) आदि पनडुब्बी से सम्बंधित प्रोजेक्ट हैं।

2. विमान वाहक पोट (Aircraft carrier)

- विमान वाहक पोत वास्तव में समुद्र में एयरबेस की सुविधा उपलब्ध कराने वाला युवक जहाज होता है। भारत के प्रमुख विमान वाहक पोत निम्न हैं-

(i) INS विक्रमादित्य :-

- रूस से आयातित है।
- Nov. 2013 में कमीशन किया गया था
- वर्तमान में नौसेना रीड की हड्डी माना जाता है 44500 टन वजनी युद्धपोत है।

(ii) INS- विक्रांत

- कोच्चि शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित स्वदेशी विमान वाहक पोत विक्रांत को सितम्बर 2022 में नौसेना में शामिल किया गया है।
- वर्तमान में इसे बंगाल की खाड़ी में चेन्नई के पास स्थापित किया है।

(iii) INS- विशाल -

- INS विक्रान्त का बड़ा उन्नत संस्करण है।
- कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा बनाया जा रहा है।
- विस्थापन लगभग 65000 टन होगा।
- विकास के चरण से गुजर रहा है।

- भारत के रक्षा तंत्र का वर्तमान परिदृश्य "आयात से आत्म-निर्भर" की ओर एतिहासिक एवं शानदार बदलाब की अवधारणा को स्पष्ट करता है।
- आज का भारत केवल हथियार खरीदता ही नहीं है, वरन् बेचता भी है एवं वैश्विक रक्षा आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है।
- मेक इन इण्डिया पहल से आत्मनिर्भरता में ऊँचाई मिली है। भारत के रक्षा उत्पादन में 1.54 लाख करोड़ के साथ रिकार्ड वृद्धि हुई है एवं अब हम 80 से ज्यादा देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहे हैं।
- संक्षेप में भारत का रक्षा तंत्र "सक्षम, सुरक्षित एवं स्वदेशी" है; जो आधुनिक दौर में किसी भी युद्ध के खतरे का सामना करने के लिये तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बन चुका है।

अद्यतन रक्षा प्रौद्योगिकी

- 2026 की पहली तिमाही भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' से 'विश्वसनीय निर्यातक भारत' बनने का एतिहासिक पड़ाव रही। जनवरी से अप्रैल, 2026 के मध्य निर्यात, आधुनिकीकरण, स्वदेशी तकनीक एवं रणनीतिक क्षमता में कई महत्त्वपूर्ण चरणों पर कार्य हुआ।
- वित्त वर्ष 2025-26 में भरत का रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रूपए पहुँच गया जो 2024-25 की तुलना में लगभग 62% ज्यादा है।

(A) प्रोजेक्ट 17 (A):- प्रोजेक्ट 17A भारतीय नौ सेना की नीलगिरी क्लास स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट बनाने की महत्वाकांक्षी योजना है। जनवरी से अप्रैल, 2026 के बीच इस प्रोजेक्ट में 2 बड़े युद्ध पोत भारतीय नौ सेना को मिले।

i. **INS दूनागिरी** - 30 मार्च, 2026 को नौ सेना को सौंपा गया। यह प्रोजेक्ट 17A का पांचवा युद्धपोत है।

स्थान:- गार्डन रीच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE), कोलकाता

ii. INS तारागिरी:- 3 अप्रैल, 2026 को कमीशन।

विशाखापत्तनम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी ने नौ सेना में शामिल किया। यह प्रोजेक्ट 17A का चौथा युद्धपोत है। इसका निर्माण MDL; मुंबई ने किया है।

नोट:- उक्त दोनों ही फ्रिगेट 75 प्रतिशत स्वदेशीकरण से निर्मित है।

(B) INS सुदर्शिनी का कोच्चि से 20 जनवरी, 2026 को लोकायन अभियान शुरू किया। इसके तहत 22000 से ज्यादा नॉटिकल मील की यात्रा एवं 13 देशों के 18 बंदरगाह तक पहुँचना है।

(C) INS विक्रांत पूरी तरह ऑपरेशनल एवं दूसरे विमानवाहक IAC-2 पर कार्य शुरू।

- 2026 की पहली तिमाही भारत के मिसाइल कार्यक्रम के लिए 'हाइपरसोनिक युग' में प्रवेश का काल रही। DRDO ने स्वदेशी तकनीक से सामरिक एवं परम्परागत दोनों तरह की मिसाइलों में बड़ी छलांग लगाई। हाल में विकसित मिसाइलें-

(A) LR-ASHM हाइपर सोनिक एंटी शिप मिसाइल-

- 26 जनवरी, 2026: गणतंत्र दिवस परेड में DRDO ने पहली बार लोंग रेंज एंटीशिप हाइपरसोनिक मिसाइल LR-ASHM को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया। गति 10 मैक एवं परास 1500 किलोमीटर है।

(B) आकाश- NG

- जनवरी, 2026 में आकाश NG (Next Generation) का यूजर इवेल्यूएशन ट्रायल सफल।

(C) हाल ही में भारत ने रेल आधारित मोबाइल लॉचर से अग्निप्राइम का सफल परीक्षण किया।

- 2026 की पहली तिमाही में भारत ने थल, वायु एवं नौसेना के स्तर पर कई बड़े द्विपक्षीय-बहुपक्षीय युद्धभ्यास किए। इनका मकसद युद्ध तैयारी एवं हिन्द प्रशान्तक क्षेत्र में रणनीतिक बढ़त है।

(A) वायुशक्ति-2026 :- इण्डियन एयरफोर्स का मेगाफायर पावर प्रदर्शन फरवरी, 2026 को पोकरण फायरिंग रेंज, जैसलमेर में राफेल, सुखोई- 30MKI, मिराज, जगुआर आदि ने सटीक हमला प्रदर्शन किया।

(B) अग्नि वर्षा :- थल सेना का हाईटेक युद्धाभ्यास 24 फरवरी, 2026 को पोकरण राजस्थान रेगिस्तानी युद्ध क्षेत्र में ऑपरेशनल तैयारी एवं एकीकृत युद्ध क्षमता परखना

(C) **वज्रप्रहार-2026:-** भारत-अमेरिका स्पेशल फॉर्स अभ्यास 21 फरवरी, 2026 से, 16वां संस्करण

(D) **Sea Dragon 2026:-** क्वाड एंटी सबमरीन वायफेयर

- मार्च, 2026 में, 2 सप्ताह तक
- एंडरसन एयरबेस, गुआम
- भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान एवं न्यूजीलैण्ड।

(E) **दुस्तलिक-2026:-** भारत-उज्बेकिस्तान के मध्य 12 अप्रैल से 25 अप्रैल, 2026

- गुरूम सराय फील्ड ट्रेनिंग एरिया, नमनगढ़, उज्बेकिस्तान

- 2026 की पहली तिमाही भारतीय वायुसेना के लिए 'स्वदेशी इंडक्शन' का दौर रही। TEJAS MK-1A की डिलीवरी, वायुशक्ति-2026 का फायरपावर, आकाश NG का शामिल होना एवं नेटवर्किंग फोर्स की नींव, इनसे IAF 2026 में ज्यादा घातक, आत्मनिर्भर एवं तकनीकी रूप से उन्नत बनीं।

(A) TEJAS MK-1A की एंट्री:- मार्च, 2026 तक HAL ने 6 तेजस MK-1A, IAF को सौंपे। ये AESA राडार, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट BVR मिसाइल एवं हवा में ईंधन भरने की क्षमता से युक्त है।

(B) C-295 ट्राँसपोर्ट विमान:- पहला स्वदेशी C-295 वायु सेना में शामिल। TATA-Airbus के बड़ोदरा प्लांट में निर्माण। कुल 56 विमान, 40 भारत में बनेंगे।

(C) LCN प्रचंड:- वायुशक्ति अभ्यास 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन। दुश्मन के एयरडिफेंस सिस्टम एवं ड्रोन को निशाना बनाने में सक्षम। 2026 में 10 नए LCH प्रचंड और शामिल होंगें।

- पिछली एक तिमाही से भारतीय रक्षा क्षेत्र का एक स्पज़्ट रूख उभर के सामने आया है कि भारत सिर्फ आयातक नहीं बल्कि हथियारो का डिजाइनर, निर्माता एवं निर्यातक बन चुका है। 38,424 करोड़ रूपये का निर्यात, तेजस MK-1A की डिलीवरी, आर्मी, स्पेस क्षमता ये सब भारत को 2026 में वैश्विक सैन्य शक्ति के रूप से स्थापित कर रहे हैं। 'आत्मनिर्भर भारत' अब सशक्त भारत में बदल रहा है।

जय हिन्द

■■■

राजस्थान के प्रमुख दुर्ग

दुर्गों का निर्माण निवास, सुरक्षा, सामग्री संग्रहण, पशुधन को बचाने व सम्पत्ति छिपाने के लिए किया जाता था। शुक्रनीति में राज्य के सात अंगों में किले को भी गिना है। राजस्थान में किले के स्थापत्य के विकास का आरम्भिक सूत्र कालीबंगा की खुदाई में मिलता है। मध्यकाल में किलों के निर्माण में ऊँची पहाड़ियाँ जो ऊपर से चौड़ी हो तथा जिनमें खेती और सिंचाई के साधन हो, किले बनाने के उपयोग में लाई जाने लगी। इस काल में प्राचीन किलों का भी पुनर्निर्माण करवाया गया। किले के भीतर ऊँचे भाग का प्रयोग राजप्रासाद के लिए एवं नीचे भाग को जलाशय हेतु तथा समतल भाग को खेती हेतु प्रयोग में लाया जाता था। किले के चारों ओर बड़ी-बड़ी दीवारें बनाई जाती थी ताकि अभेद्यता बनी रहे।

दुर्गों के प्रकार

शुक्रनीतिसार के अनुसार किले के नौ भेद हैं।

1. **एरण दुर्ग:**- खाई तथा पत्थरों से जिनके मार्ग दुर्गम बने हों। **उदाहरण**-रणथम्भौर दुर्ग
2. **गिरि दुर्ग:** ऊँची पहाड़ी पर स्थित दुर्ग, **उदाहरण**- चित्तौड़गढ, कुम्भलगढ़, मेहरानगढ़।
3. **पारिख दुर्ग:** जो चारों तरफ से बहुत बड़ी खाई से घिरा हो। उदाहरण-लोहागढ़ (भरतपुर)।
4. **पारिध दुर्ग:** जो चारों तरफ से ईंट, पत्थर तथा मिट्टी के परकोटों से घिरा हो। **उदाहरण**- सिवाणा
5. वन दुर्ग: जो बहुत बड़े-बड़े कांटेदार वृक्षों के समूह द्वारा चारों ओर से घिरा हो। जैसे-खण्डार किला (सवाई माधोपुर), रणथम्भौर दुर्ग, बयाना दुर्ग।
6. **धान्वन दुर्ग:** जो चारों ओर से मरूभूमि से घिरा हो। जैसे- जैसलमेर दुर्ग, सोनारगढ़, जूनागढ़, भटनेर दुर्ग।
7. **औदक (जल) दुर्ग:** नदी, नाले या झील से घिरा हुआ दुर्ग। उदाहरण- गागरौन का किला, शेरगढ़ दुर्ग (बाराँ)।
8. सैन्य दुर्ग: व्यूह रचना में चतुर वीरों से व्याप्त होने से अभेद्य हो। **शुक्रनीति अनुसार इन दुर्गों मे सैन्य दुर्ग सर्वश्रेष्ठ बताया है।**
9. सहाय दुर्ग: जिसमें शूर व सदा अनुकूल रहने वाले बांधव लोग राहतें हों।

नोट:

1. **चित्तौड़गढ़ का किला धान्वन दुर्ग को छोड़कर सभी श्रेणियों की विशेषता रखता है।**
2. **मिट्टी के किले**- भटनेर (हनुमानगढ़) व लोहागढ़ (भरतपुर)

दुर्गों की विशेषताएँ :-

- दुर्ग राज्य की सामरिक प्रतिष्ठा के प्रतीक होते थे जिसमें विभिन्न महल, छतरियाँ, बावड़ियाँ, तालाब एवं मीनारें होती थी।
- दुर्गों के समीप विभिन्न नगरों का विकास हुआ था। जैसे आमेर के निकट आमेर शहर तथा अजयमेरु दुर्ग के निकट अजमेर शहर।
- दुर्ग आध्यात्मिकता के केन्द्र थे क्योंकि राजस्थान के दुर्गों के अन्तर्गत विभिन्न देवी-देवताओं के मन्दिर एवं कई पीरों की मस्जिद स्थित थी। जैसे- संत पीपा की दरगाह (गागरोन दुर्ग), कुम्भ श्याम मंदिर (कुम्भलगढ़ दुर्ग) तथा शिलादेवी मंदिर (आमेर दुर्ग)।
- राज्य के दुर्ग स्थापत्य की दृष्टि से सुदृढ़ थे। जिसमें विशाल बुर्ज व दरवाजे बने हुए हैं।
- राज्य के दुर्ग सामरिक व भौगोलिक दृष्टि से विभिन्न स्थानों पर बने हुए जो सुरक्षा की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण थे। जैसे- धान्वन दुर्ग, गिरि दुर्ग तथा जल दुर्ग आदि।
- दुर्गों के अन्तर्गत विशाल जलाशय स्थित थे। जिनसे जलापूर्ति के साथ-साथ कृषि कार्यों को भी सम्पन्न किया जाता था।
- दुर्ग के चारों ओर गहरी खाई तथा शस्त्रागार की सुदृढ़ व्यवस्था थी।

चित्तौड़गढ़ दुर्ग (दुर्गों का सिरमौर)

- **गम्भीरी तथा बेड़च** नदी के संगम पर स्थित है। **इसकी लम्बाई 8 किमी. व चौड़ाई 2 किमी. है।**
- यह मेसा के पठार पर स्थित है।
- वीरविनोद के अनुसार मौर्य राजा चित्रांग (चित्रांगद) ने यह किला बनवाकर अपने नाम पर इसका नाम चित्रकोट रखा था, उसी का अपभ्रंश चित्तौड़ है।
- मौर्य वंश के अंतिम शासक मानमोरी से बप्पारावल (गुहिल वंश के संस्थापक) ने इस किले पर अधिकार कर लिया।
- दुर्ग में **'लाखोटा की बारी'** नामक प्रसिद्ध खिड़की है। इस दुर्ग में रानी पद्मनि का महल गोरा एवं बादल के महल, कालिका माता मंदिर सूरजकुण्ड, जयमल और फत्ता की हवेलियाँ, जैमल जी का तालाब, समिद्धेश्वर मंदिर (मोकल मंदिर परमार शासक भोज द्वारा निर्मित) जटाशंकर मंदिर **कुंभश्याम मंदिर, विष्णु वराह अवतार का कुंभा द्वारा निर्मित,** मीरा बाई का मंदिर, कुकड़ेश्वर महादेव मंदिर,नीलकंठ महादेव मंदिर, भामाशाह की हवेली, नवलखा भण्डार और तुलजा भवानी माता का मंदिर (निर्माण बनवीर द्वारा) स्थित है। यहाँ फतेह प्रकाश के महल भी है।
- किले में जैन मंदिर-अद्भूत जी का मंदिर (ऋषभदेव को भील अद्भूत जी भी कहते है) सतबीस देवरी (27 मंदिर का समूह) शृंगार चँवरी (निर्माण कुंभा के कोषाध्यक्ष बेलाक द्वारा) शांतिनाथ की चौमुखी प्रतिमा।
- ग्यारहवीं शताब्दी में बघेरवाल महाजन सनाय के पुत्र जीजा साह द्वारा निर्मित सात मंजिला जैन कीर्ति स्तम्भ (आदिनाथ को समर्पित) का निर्माण करवाया।
- कुंभा द्वारा निर्मित नौ मंजिला कीर्तिस्तम्भ (कुछ विद्वान इसे विजयस्तम्भ कहते है। चित्तौड़ को सर्वाधिक भव्य निर्माण जो विष्णु को समर्पित है। 122 फीट ऊँचे इस भवन में 157 सीढ़ियाँ है।

मंजिल	मूर्तियाँ
प्रथम	अनंत, ब्रह्मा, रुद्र
द्वितीय	अर्द्धनारीश्वर तथा हरिहर
तृतीय	विरंचि, जयंत, नारायण और पितामह
चौथी	त्रिखण्डा, हरिसिद्ध, पार्वती, हिंगलाज, गंगा, यमुना, सरस्वती, गंधर्व, कार्तिकेय और विश्वकर्मा
पांचवी	लक्ष्मीनारायण, उमा महेश्वर, ब्रह्मा-सावित्री
छठीं	सरस्वती, महालक्ष्मी और महाकाल
सातवीं	वाराह, नृसिंह, रामचंद्र, बलदेव बुद्ध (विष्णु के अवतार)
आठवीं	कोई मूर्ति नहीं
नवीं	महाराणा हम्मीर से लेकर महाराणा मोकल तक का इतिहास

चित्तौड़गढ़ दुर्ग में तीन प्रसिद्ध साके हुऐ

प्रथम साका :-

आक्रांता	समय	केसरिया	जौहर	पुस्तक जिसमें युद्ध का वर्णन
अलाउद्दीन खिलजी (दिल्ली सुल्तान)	26 अगस्त 1303	गोरा, बादल	पद्मिनी	तारीख-ए-अलाई (अमीर खुसरो)
द्वितीय साका :-				
बहादुर शाह (गुजरात सुल्तान)	8 मार्च 1534	रावत बाघ सिंह	कर्मवती	वीर विनोद (श्यामलदास)
तृतीय साका :-				
अकबर (मुगल बादशाह)	25 फरवरी 1567	जयमल व फत्ता	फूल कंवर (फत्ता की पत्नी)	अकबरनामा (अबुल फजल)

- "यह दुर्ग व्हेल मछली के आकार में बना है। राजस्थान का सबसे बड़ा लिविंग फोर्ट है। इस दुर्ग में खेती भी की जाती है।" इसे मालवा का प्रवेश द्वार, राजस्थान का गौरव भी कहा जाता है।

कुम्भलगढ़ (राजसमन्द)

- राजसमंद में अरावली पर्वतमाला के उत्तुंग शिखर पर अवस्थित है।
- वीर विनोद ग्रंथ के अनुसार, महाराणा कुम्भा ने वि. संवत् 1505 (1448 ई.) में कुम्भलगढ़ या कुम्भलमेरू दुर्ग की नींव रखी। कुंभा ने इसका निर्माण अपनी पत्नी कुम्भल देवी की स्मृति में करवाया, इसके प्रमुख **शिल्पी मंडन** थे।

- दुर्ग का निर्माण पूरा होने के उपलक्ष्य में कुम्भा ने इसकी स्मृति में विशेष सिक्के ढलवाये जिन पर कुम्भलगढ़ दुर्ग का नाम अंकित किया गया।
- इस दुर्ग की प्राचीर (दीवार) लगभग **36 किमी. लम्बी** है यह मेवाड़ की संकटकालीन राजधानी रहा है।
- यह एक पर्वत दुर्ग है इसके अन्य नाम-मत्स्येन्द्र, कुम्भलपुर, माहोर।
- यह दुर्ग मेवाड़-मारवाड़ की सीमा पर स्थित है। कुम्भलगढ़ का दोहरा महत्त्व इससे सैनिक अभियानों के संचालन तथा विपत्ति के समय शरणस्थल के रूप में था।
- दुर्ग के भीतर ऊँचाई पर **एक लघु दुर्ग है, जिसे कटारगढ़ कहते है।** यह गढ़ 7 विशाल दरवाजों और सुदृढ़ प्राचीर से सुरक्षित कटारगढ़ में ही कुम्भस्वामी का मन्दिर, बादल महल, झाली रानी का महल है।
- हल्दीघाटी युद्ध की तैयारी महाराणा प्रताप ने इसी दुर्ग में की थी
- **''कर्नल जेम्स टॉड ने कुंभलगढ़ दुर्ग की तुलना सुदृढ़ प्राचीर, बुर्जो एवं कंगूरों के कारण 'एट्रस्कन' से की है। कुंभलगढ़ दुर्ग के पूर्व में हाथी-गुढ़ा की नाल है।''**
- कुंभलगढ़ दुर्ग के अंदर स्थित कटारगढ़ दुर्ग के बारे में अबुल फजल **ने कहा कि ''यह इतनी बुलन्दी पर बना हुआ है कि नीचे से ऊपर की ओर देखने पर सिर की पगड़ी गिर जाती है।''**

रणथम्भौर दुर्ग (सवाई माधोपुर)

- 'गिरीदुर्ग' विषम आकृति वाली ऊँची-नीची सात पर्वत श्रेणियों से घिरा है, जिनके बीच-बीच में गहरी खाइयाँ और नाले हैं।
- रणथम्भौर दुर्ग का वास्तविक नाम रन्त: पुर है अर्थात् 'रण की घाटी में स्थित नगर'। 'रण' उस पहाड़ी का नाम है जो किले की पहाड़ी से कुछ नीचे है एवं थंभ (स्तम्भ) उसका, जिस पर यह किला बना है। इसी से इसका नाम रणस्तम्भपुर (रण+स्तम्भ+पुर) हो गया।
- दुर्ग का निर्माण 8वीं शताब्दी में अजमेर के चौहान शासकों द्वारा करवाया गया। इसमें गिरी और वन दुर्ग दोनों की विशेषताएँ है।
- दुर्ग में स्थित त्रिपोलिया दरवाजा सात मेहराबों को मिलाकर सुरंगनुमा बनाया गया है। (अन्य दरवाजे- नौलखा दरवाजा हाथी पोल, गणेश पोल, सूरज पोल, त्रिपोलिया दरवाजा (अंधेरी दरवाजा) किले में प्रमुख प्रवेश द्वार है।)
- **दुर्ग परिसर में:** हम्मीर महल (लाल पत्थर से बना), सुपारी महल, जोगी महल, बादल महल, **32 खंभों** की छतरी, **जौंरा-भौंरा** (अनाज रखने के गोदाम), रनिहाड़ तालाब, लक्ष्मी नारायण मंदिर, **मुस्लिम पीर सदरूद्दीन की दरगाह,** त्रिनेत्र गणेश मंदिर (यहाँ गणेश जी के केवल मुख की पूजा होती है), हम्मीर कचहरी, रानी महल।
- ''अबुल-फजल के अनुसार'' और दुर्ग नंगे हैं परन्तु यह बख्तर बंद है।
- 1292 ई. में जलालुद्दीन खिलजी के रणथम्भौर पर असफल आक्रमण पर कहा ''ऐसे 100 किलों को भी वह मुसलमान के एक बाल के बराबर भी नहीं मानता।''
- **राजस्थान का प्रथम साका।**

आक्रांता	वर्ष	जौहर	केसरिया	वर्णन
अलाउद्दीन खिलजी	1301	रंगदेवी व पुत्री देवलदेवी	हम्मीर देव	खजाइन उल-फुतूह (अमीर खुसरो)

- इस दुर्ग के सन्दर्भ में अमीर खुसरो ने कहा ''आज कुफ्र का गढ़ इस्लाम का घर हो गया'। 'सोने के 2 दानों के बदले चावल का 1 दाना भी नसीब नहीं हो रहा था।'
- अकबर द्वारा यहाँ शाही टकसाल स्थापित की।
- 21 जून, 2013 को रणथम्भौर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।

मेहरानगढ़ दुर्ग (गढ़ चिन्तामणी, जोधपुर)

- राव जोधा ने (13 मई, 1459 ई.) चिड़ियाटूक नामक पहाड़ी पर इस किले की नींव रखी प्रचलित मान्यताओं के अनुसार किले की नींव में राजिया नामक व्यक्ति को जिंदा दफन किया। उसके चारों ओर एक नगर बसाया जो उनके नाम पर जोधपुर कहलाया तथा उनके राज्य की राजधानी बना। इससे पहले मारवाड़ की राजधानी मण्डोर थी।
- इसकी नींव जोधा ने करणी माता से रखवाई। मयूर आकृति होने के कारण इसे मयूरध्वजगढ़ के नाम से भी जानते है। अपनी विशालता के कारण यह किला मेहरानगढ़ कहलाया।
- मेहरानगढ़ दुर्ग **वीर दुर्गादास** की स्वामिभक्ति का साक्षी रहा है।
- तख्तसिंह द्वारा निर्मित सिणगार चौकी (शृंगार चौकी) पर जोध पुर के शासकों का राजतिलक होता था।

यहाँ के प्रमुख महल-

- मोती महल:
- फूल महल:
- फतह महल:
- पुस्तक प्रकाश नामक पुस्तकालय
- रंग महल तथा चोखेलाव महल

- चामुण्डा देवी का मंदिर
- इस दुर्ग में कड़क, किलकिला, गजनी खाँ, शम्भूबाण तथा गुब्बार, **नागपली,** नुसरत, गजक आदि यहाँ की प्रसिद्ध तोपे दर्शनीय है।
- किले की तलहटी में 'जसवंत थड़ा' (मारवाड़ का ताजमहल) स्थित है।
- ब्रिटिश साहित्यकार रूडयार्ड किपलिंग ने यहाँ लम्बा समय व्यतीत किया। **''रूडयार्ड किपलिंग ने इस किले को देवताओं, परियों और फरिश्तों द्वारा निर्मित माना है।''**

सोनारगढ़ (जैसलमेर)

- 1155 ई. में रावल जैसल द्वारा पीले पत्थरों से निर्मित सोनारगढ़ या सोनगढ़ किला धान्वन दुर्ग है जो त्रिकुटा पहाड़ी पर जैसलमेर में स्थित।
- इस किले की नीवं **महारावल जैसल भाटी** ने 12 जुलाई, 1155 ई. में रखी तथा शीघ्र ही रावल जैसल की मृत्यु होने के कारण इस दुर्ग का शेष निर्माण पुत्र शालिवाहन द्वितीय ने करवाया।
- दूर से देखने पर यह दुर्ग 'लंगर डाले जहाज', 'अंगड़ाई लेते सिंह' का आभास कराता है।
- दुर्ग में 99 बुर्ज है। किले का दोहरा परकोटा 'कमरकोट' कहलाता है।
- यह एकमात्र ऐसा किला जिसकी छत लकड़ी की बनी हुई है।
- इसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।
- **''सत्यजीत रे''** ने 'सोनार किला' फिल्म इस दुर्ग के सम्बन्ध में बनाई।'' जैसलमेर दुर्ग, चित्तौड़गढ़ दुर्ग के उपरान्त दूसरा बड़ा लिविंग फोर्ट है।
- दुर्ग में हस्तलिखित ग्रन्थों का एक दुर्लभ भण्डार है, जो जैन आचार्य जिनभद्र सूरि के नाम पर 'जिनभद्र सूरि ग्रन्थ भण्डार' के नाम से जाना जाता है।

जैसलमेर के ढाई साका

प्रथम साका :-

आक्रांता	समय	केसरिया	जौहर
अलाउद्दीन खिलजी	1312-13 ई.	मूलराज व रतनसिंह	रानियों सहित महिलाओं ने जौहर किया

द्वितीय साका :-

फिरोजशाह तुगलक	1351 ई.	रावल दूदा व त्रिलोकसी	रानियों सहित महिलाओं ने जौहर किया

अर्द्ध साका :-

हमीर अली (कंधार)	1550 ई.	रावल लूणकरण	जौहर नहीं

नोट : अर्द्धसाका-(वीरों ने लड़ते हुए वीरगति तो पायी लेकिन जौहर नहीं हुआ)।

मांडलगढ़ दुर्ग

- भीलवाड़ा स्थित गिरी दुर्ग श्रृंगी ऋषि शिलालेख के अनुसार मंडलाकृति का होने के कारण इसका नाम माण्डलगढ़ पड़ा। **'वीर विनोद'** के रचनाकार श्यामलदास के अनुसार **शाकम्भरी** के चौहान शासकों ने मांडलगढ़ के किले का निर्माण करवाया था। जनश्रुति के अनुसार मांडिया **नामक** भील के नाम पर चानणा नामक गुर्जर द्वारा इस दुर्ग का निर्माण करवाया। दुर्ग के उत्तर में बीजासण माता का पहाड़ व नकटिया का चौढ़ (चढ़ाई) है।
- हल्दीघाटी से पूर्व मानसिंह ने इसी दुर्ग में अपनी सैनिक तैयारियों को अंतिम रूप दिया। मुगल बादशाहों माण्डलगढ़ को मेवाड़ के प्रवेश द्वार के रूप में अपनी सैनिक अभियानों का केन्द्र बनाया। 1654 ई. में शाहजहाँ ने माण्डलगढ़, किशनगढ़ के शासक रूपसिंह को जागीर में दे दिया। उत्तराधिकार युद्ध (1658) के समय **महाराणा राजसिंह** ने मुगलों से यह दुर्ग छीनकर अपने अधीन कर लिया था।
- किले के प्रमुख भवनों में ऋषभदेव का जैन मंदिर, ऊँडेश्वर मंदिर, चामुण्डा देवी व चारभुजा मंदिर प्रमुख है।

गागरोन का दुर्ग/डोड़गढ़/धूलरगढ़

- कालीसिंध और आहू नदियों के संगम पर झालावाड़ जिले में स्थित 'जल दुर्ग' यह दुर्ग तिहरे परकोटे से सुरक्षित।
- इस दुर्ग का निर्माण डोड (परमार) (बीजलदेव द्वारा 1195 ई. में निर्मित) ने करवाया। इसलिए इसे डोड़गढ या धूलरगढ़ के नाम से जाना गया।

दुर्ग के प्रमुख साके

प्रथम साका

आक्रांता	वर्ष	केसरिया	जौहर	वर्णन
होशंगाशाह (माण्डू)	1423	अचलदास खींची	रानी उमादे और लीला मेवाड़ी	अचलदास खींची री वचनिका (शिवदास गाडण)

द्वितीय साका

मालवा सुल्तान महमूद खिलजी प्रथम	1444	अचलदास के पुत्र पाल्हणसी	रानियों के नेतृत्व में	महासिरे महमूदशाही

- महमूद खिलजी ने इस किले में एक और कोट का निर्माण करवाकर उसका नाम मुस्तफाबाद रखा।
- शाहजहाँ ने गागरोन कोटा के राव मुकुंदसिंह को दे दिया।

- जैतसिंह खीची के शासनकाल में खुरासान से सूफी संत हमीमुद्दीन चिश्ती आए, इनकी समाधि **मीठेशाह की दरगाह** के नाम से जानी जाती है।
- **दुर्ग में स्थित इमारतें:** टकसाल, पीपाजी की छतरी, मधुसूदन मंदिर, शीतला माता का मंदिर, सूफी संत मीठे शाह की दरगाह, (संत हमीदुद्दीन चिश्ती की समाधि) **औरंगजेब द्वारा निर्मित बुलन्द दरवाजा, झाला जालिमसिंह (कोटा शासक) द्वारा निर्मित विशाल परकोटा जालिम कोटा, अचलदास खींची** व रानियों के महल प्रमुख है।
- **गागरोनी तोते:**-हीरामन तोता (इनका उल्लेख सलीम अली के पुस्तक The Book of Indian Birds, में मिलता है।)
- माना जाता है कि कुँवर पृथ्वीराज ने 1580 ई. में गागरोन दुर्ग में निवास करते हुए ही 'वेलिक्रिसन रुक्मणी री' काव्य की रचना की।

चूरू का किला

- इस किले का निर्माण ठाकुर कुशल सिंह ने 1739 ई. में कराया। 1814 ई. में ठाकुर शिवसिंह के काल में बीकानेर के राजा सूरत सिंह ने अमरचंद सुराणा के नेतृत्व में एक सेना चुरु के किले को अपने अधिकार में लेने के लिए भेजी किले में गोला बारूद समाप्त होने पर अपनी आजादी की रक्षा हेतु दुश्मन पर **चाँदी के गोले** दागे गये।
- यह दुर्ग स्थल व धान्वन श्रेणी के दुर्ग में आता है।

सिवाणा दुर्ग (कुम्थाना)

- बाड़मेर स्थित पर्वतीय किले का निर्माण वीरनारायण पँवार ने 954 ई. में करवाया था। किले की पहाड़ी के आसपास कूमट नामक झाड़ी की अधिकता के कारण इसे कूमट दुर्ग भी कहा जाता है। 1308 ई. में अलाउद्दीन ने इसकी विजय के बाद इसका नाम खैराबाद रखा। तत्कालीन किलेदार-सातलदेव सोनगरा।
- अपने दुर्भेद्य स्वरूप के कारण सिवाणा का दुर्ग संकटकाल में मारवाड़ के राजाओं का आश्रय स्थल रहा है।
- इस दुर्ग में वीर सातलदेव तथा राठौड़ कल्ला रायमलोत की शौर्य गाथाएँ जुड़ी हुई है। राव मालदेव ने सुमेल के युद्ध (1544) के समय इसी दुर्ग में शरण ली थी।

सिवाणा दुर्ग (कुम्थाना)				
	आक्रांता	**समय**	**केसरिया**	**जौहर**
प्रथम साका	अलाउद्दीन खिलजी	1308	सातलदेव	रानियों सहित महिलाओं ने जौहर किया
दूसरा साका	मोटा राजा उदयसिंह, अकबर का सेनापति		वीरकल्ला रायमलोत (कल्याण मल)	हाडी रानी के नेतृत्व में

- **भांडेलाव तालाब:**-दुर्ग में प्रमुख पेयजल स्त्रोत है।
- यह दुर्ग धान्वन, गिरी, पारिध व एरण दुर्ग की श्रेणी में आता है।
- 1452 ई. में **महाराणा कुम्भा** ने परमार शासकों द्वारा बनवाए आबू के पुराने किले के भग्नावशेषों पर अचलगढ़ दुर्ग बनवाया। महमूद बेगड़ा की सेना पर यहाँ मधुमक्खियों ने आक्रमण किया वह स्थान आज **'भवराँथल'** के नाम से प्रसिद्ध है। मंदाकिनी कुण्ड तथा मानसिंह स्मारक दुर्ग उल्लेखनीय स्थल है।

आमेर का किला

- आमेर प्राचीन काल में अम्बावती और अम्बिकापुर के नाम से जाना जाता था। आमेर दुर्ग का निर्माण राजा भारमल ने करवाया था। 1592 ई. में मानसिंह प्रथम द्वारा निर्मित महल हिन्दू-मुस्लिम शैली का समन्वित रूप हैं। यहाँ शीशमहल, शिलामाता का मंदिर, जगत शिरोमणी मंदिर दर्शनीय है।
- 1707 ई. में मुगल बादशाह बहादुरशाह प्रथम ने आमेर का नाम 'मोमिनाबाद' रखा था।
- यहाँ प्रसिद्ध **मावठा जलाशय के किनारे दिलाराम का बाग** स्थित है। जून, 2013 में आमेर दुर्ग को **यूनेस्को** द्वारा विश्व विरासत स्थल सूची में शामिल कर लिया गया है। दीवान-ए-आम (40 स्तम्भों पर टिका आयताकार) जिसका निर्माण राजा जयसिंह (1621-67 ई.) में करवाया। दीवान-ए-खास, बारहदरी आदि भवन स्थापत्य कला इस दुर्ग का अनूठा उदाहरण है।
- **विशप हैबर ने आमेर के महलों के संदर्भ में लिखा है 'मैनें क्रेमलिन में जो कुछ देखा है और अलम्भरा के बारे में जो कुछ सुना है। उससे भी बढ़कर ये महल है।'**
- **किले में खास**- सुहाग मन्दिर (रानियों के हास्य-प्रमोद के लिए), गणेशपोल द्वार (फर्ग्यूसन ने इसे विश्व का सर्वश्रेष्ठ द्वार कहा) कदमी महल।
- मानसिंह प्रथम की रानी कनकावती ने अपने पुत्र जगत सिंह की स्मृति में जगत शिरोमणि मंदिर का निर्माण करवाया। (कृष्णमूर्ति)।

जयगढ़ दुर्ग

- महाराजा मानसिंह के समय निर्मित तत्पश्चात् मिर्जा राजा जयसिंह और सवाई जयसिंह के काल में इसे उत्तरोतर परिवर्द्धन कर पूर्ण किया। यह पूर्ण 'गिरि दुर्ग' है।
- इस दुर्ग में जल संग्रहण की **नालीदार पद्धति** से जल का संरक्षण किया जाता था।
- 'चिल्ह का टीला' नामक स्थान पर निर्मित जयगढ़ दुर्ग के तीन मुख्य प्रवेश द्वार डूँगर दरवाजा (नाहरगढ़ की ओर), अवनि दरवाजा (आमेर महलों की ओर) तथा भैरू दरवाजा।
- जयगढ़ में एक लघु दुर्ग **'विजयगढ़ी'** भी है जहाँ सवाई जयसिंह ने अपने छोटे भाई विजय सिंह (चीमाजी) को कैद रखा था। विजयगढ़ी के पार्श्व में 7 मंजिला प्रकाश स्तम्भ जो 'दीया बुर्ज' कहलाता है।

- दुर्ग में तोप ढालने का कारखाना है। सवाई जयसिंह के समय एशिया की सबसे बड़ी तोप **'जयबाण'** का निर्माण हुआ।
- जून, 1975 में घोषित आपातकाल में इस किले के भीतर गुप्त दरवाजे की खोज हुई है। जयगढ़ राजस्थान का ऐसा दुर्ग है जिस पर कभी भी बाह्य आक्रमण नहीं हुआ है।

नाहरगढ़

- पूर्व में सुदर्शनगढ़ के नाहरसिंह भोमिया के नाम पर इस दुर्ग का नाम नाहरगढ़ पड़ा। जिसका निर्माण 1734 ई. में सवाई जयसिंह ने मराठा आक्रमणों से रक्षा के लिए करवाया।
- इस दुर्ग में सवाई माधोसिंह द्वितीय ने अपनी 9 पासवानों के लिए एक जैसे 9 महलों (सूरजप्रकाश, खुशहाल प्रकाश, जवाहर प्रकाश, ललित प्रकाश, लक्ष्मी प्रकाश, आनन्द प्रकाश, चाँद प्रकाश, फूल प्रकाश तथा बसन्त प्रकाश) का निर्माण करवाया। गणेशपोल सवाई जयसिंह द्वारा निर्मित।
- महाराजा जगत सिंह की प्रेमिका रसकपूर इसी किले में कैद कर के रखी गई थी।
- दुर्ग की तलहटी में कछवाहों का शाही शमशान गैटोर की छतरियाँ स्थित है। पंचायतन शैली में बनी ये छतरियाँ सवाई जयसिंह से सवाई माधोसिंह तक के शासकों की है।

तारागढ़ दुर्ग (अजमेर)

- 'गढ़ बीठली' अजयमेरु और तारागढ़ के नाम से प्रसिद्ध यह किला अरावली के उत्तुंग शिखर पर निर्मित।
- कर्नल टॉड के मतानुसार इस दुर्ग का निर्माता अजयराज था। बीठली उस पहाड़ी का नाम जहाँ दुर्ग बना इसलिए इसे गढ़ बिठली कहा जाता है।
- हरविलास शारदा ने इसे भारत का प्राचीनतम गिरी दुर्ग माना है।
- विलियम बैंटिग ने 1832 ई. किले के प्राचीरों को तुड़वा कर इसके सामरिक महत्व को समाप्त कर दिया।
- राजपूताना के मध्य में होने के कारण इसका सामरिक महत्त्व था। इस दुर्ग को मालदेव की पत्नी 'रूठीरानी' (उमादे) ने भी अपना निवास बनाया था।
- घूंघट, गूगड़ी, फूटी, नक्कारची, शृंगार चंवरी, आर-पार का अत्ता, जानू नायक पीपली, इब्राहीम, दोराई, बांदरा, इमली, खिड़की, फतेह बुर्ज नामक तोपें यहाँ है।
- गढ़बीठली पहाड़ी पर इस दुर्ग का निर्माण 1113 ई. में अजयराज चौहान द्वारा करवाया गया था।
- 15वीं सदी में मेवाड़ के राणा रायमल के ज्येष्ठ पुत्र कुंवर पृथ्वीराज की पत्नी ताराबाई के नाम पर इसका नाम तारागढ़ पड़ा।
- दुर्ग के भीतर सबसे ऊँची पहाड़ी पर मुस्लिम **संत मीरानशाह** की दरगाह है। यह दरगाह तारागढ़ के प्रथम मुस्लिम गवर्नर मीर सैयद हुसैन खिंगसवार की है। इन्होंने 1202 ई. में किले की रक्षार्थ अपने प्राणों की आहुती दी। **दरगाह में घोड़े की मजार स्थित है।**
- किले के भीतर पाँच बड़े जलाशय है, जिनमें नाना साहब का झालरा, गोल झालरा, इब्राहीम का झालरा और बड़ा झालरा प्रमुख है।
- विशप हैबर-'यदि यूरोपीय तकनीक से इसका जीर्णोद्धार करवाया जाए तो यह दूसरा जिब्राल्टर बन सकता है। इसे राजस्थान का जिब्राल्टर भी कहा जाता है।''

तारागढ़ दुर्ग (बूँदी)

- गिरी दुर्ग, पर्वत की चोटी पर स्थित दुर्ग धरती से आकाश के तारे के समान दिखाई देने के कारण 'तारागढ़' कहलाया।
- इसका निर्माण 1354 ई. में राव बरसिंह द्वारा मेवाड़ मालवा व गुजरात की ओर से संभावित आक्रमणों से बूँदी की रक्षा के लिए करवाया गया।
- किले के भीतर बने महल अपनी शिल्पकला एवं भित्ति चित्रों के कारण अद्वितीय है। इन महलों के छत्र महल, अनिरूद्ध महल, रतन महल, बादल महल और फूल महल प्रमुख है। अन्य भवनों में जीवरखा महल, दीवान-ए-आम, सिलहखाना, नौबतखाना, दूधा महल, अश्वशाला आदि प्रमुख है।
- दुर्ग में 16वीं सदी की प्रसिद्ध तोप **'गर्भगुंजन'** रखी हुई है।
- जंगल बुक के लेखक रूडयार्ड किपलिंग यहाँ ठहरे थे।
- ''ये महल मानव नहीं, प्रेतों द्वारा बनाए हुए लगते हैं''- रूडयार्ड किपलिंग
- **कर्नल टॉड ने बूँदी के राजमहलों को राजस्थान के सभी रजवाड़ों के राजप्रसादों में सर्वश्रेष्ठ बताया है।**

टॉडगढ़ (अजमेर)

- कर्नल टॉड द्वारा निर्मित पूर्व में यह स्थान बोराड़वाड़ा कहलाता था। इस दुर्ग में विजय सिंह पथिक व गोपाल सिंह खरवा को कैद में रखा गया।

जूनागढ़ दुर्ग (बीकानेर)

- यह दुर्ग धान्वन दुर्ग व भूमि दुर्ग की श्रेणी में आता है।
- इस दुर्ग की नींव महाराजा रायसिंह के मंत्री करमचन्द्र ने 30 जनवरी, 1589 को रखी तथा 17 फरवरी, 1594 ई. को यह पहली बार बनकर तैयार हुआ। इसका निर्माण मुगल शैली में करवाया गया।
- किले में 37 विशाल बुर्जे हैं। किले में प्रवेश हेतु दो प्रमुख प्रवेश द्वार-पूर्वी दरवाजा कर्णपोल तथा पश्चिमी दरवाजा चांदपोल, किले में 5 आंतरिक द्वार-दौलतपोल फतेहपोल, रतनपोल, सूरजपोल और ध्रुवपोल कहलाते है। सूरजपोल पर जदूता द्वारा रचित राय प्रशस्ति उत्कीर्ण तथा यही सूरजपोल के दोनों ओर जयमल एवं फत्ता की गजारूढ़ मूर्तियां स्थापित है।

- दुर्ग **बीका की टेकरी** पर निर्मित है। इसका निर्माण बीकाजी द्वारा किया गया था इसे **जमीन का जेवर** भी कहा जाता है।
- हिंदू मुस्लिम कला शैलियों का समन्वय मिलता है।
- इसी दुर्ग में सबसे पहले लिफ्ट लगी थी।
- जूनागढ़ में 33 करोड़ देवी देवताओं का मंदिर बना हुआ है।

भटनेर दुर्ग (हनुमानगढ़)

- घग्घर नदी के मुहाने पर स्थित धान्वन दुर्ग का निर्माण जनश्रुति के अनुसार तीसरी शताब्दी में भाटी राजा भूपत ने करवाया। 52 बीघा में विस्तृत, इसमें 52 बुर्जे बने हैं किले का निर्माण पक्की ईटों व चूने से हुआ है।
- दिल्ली-मुल्तान मार्ग पर होने के कारण इसका सामरिक महत्त्व था। भटनेर दुर्ग पर 1398 में तैमूर लंग के बर्बर आक्रमण किया तो इसका सामना राव केलण भाटी ने किया और केसरिया बाना पहन वीरगति को प्राप्त हुए अंत में भयाक्रांत होकर दुर्ग की हिन्दू स्त्रियों ने ही नहीं बल्कि मुस्लिम महिलाओं द्वारा भी जौहर का अनुष्ठान किए जाने के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते है।
- बीकानेर के शासक राव जैतसी ने सन् 1527 में भटनेर दुर्ग पर आक्रमण कर वहाँ के शासक सादा चायल को पराजित कर दुर्ग पर राठौड़ वंश का आधिपत्य स्थापित किया तथा खेतसी राठौड़ (रावकांधल के पुत्र) को भटनेर का दुर्गाध्यक्ष नियुक्त किया।
- बीकानेर के महाराजा सूरतसिंह द्वारा 1805 ई. में मंगलवार के दिन इस किले पर अधिकार किए जाने के कारण भटनेर का नाम **हनुमानगढ़** रख दिया गया है। इस दुर्ग को **उत्तरी** सीमा का प्रहरी भी कहा जाता है।

नागौर का किला/नाग दुर्ग/अहिछत्रपुर दुर्ग

- धान्वन दुर्ग इसकी नींव 1154 ई. चौहान राजा सोमेश्वर के सामंत कैमास ने रखी। इस किले के चारों ओर तिहरी प्राचीर निर्मित है। इसकी विशेषता यह है कि इस पर "दागे गए गोले इसके महलों को बगैर छुए निकल जाते है।"
- इसे यूनेस्कों ने 'अवार्ड ऑफ एक्सीलैन्स' से सम्मानित किया है।
- इस किले में 1570 ई. में अकबर ने प्रसिद्ध **नागौर दरबार** का आयोजन किया जहाँ अनेक राजपूत शासकों ने मुगल आधिपत्य स्वीकार किया।

जालौर का किला (सुवर्ण गिरी)

- सूकड़ी नदी के किनारे गिरी दुर्ग सोनगढ़/सुवर्णगिरी का निर्माण **प्रतिहार नरेश नागभट्ट प्रथम** ने 8वीं शताब्दी में करवाया था। सोनगिरी पहाड़ी पर निर्मित होने के कारण किले का सोनगढ़ कहा जाता है।
- किले के भीतर **तोपखाना मस्जिद** है जो पूर्व में परमार शासक भोज द्वारा निर्मित संस्कृत पाठशाला थी।

दुर्ग का प्रसिद्ध साका

आक्रांता	समय	केसरिया	जौहर	वर्णन
अलाउद्दीन खिलजी	1311-1312	कान्हड़देव सोनगरा, वीरमदेव	रानियों सहित महिलाओं ने जौहर किया	वीरमदेव सोनगरा री बात तथा कान्हणदेव प्रबंध (पद्मनाभ)

- इस किले पर परमार, चौहान, सोलंकी, राठौड़ व मुगलों का आधिपत्य रहा। अलाउद्दीन खिलजी ने जालौर का नाम **जलालाबाद** किया व यहाँ **अलाई मस्जिद** बनवाई।
- इस दुर्ग में **'संत मलिकशाह की दरगाह'** स्थित है।
- **हसन निजामी**- 'यह ऐसा किला है जिसका दरवाजा कोई आक्रमणकारी नहीं खोल सका।'

शाहाबाद का किला (बाराँ)

- यह गिरि दुर्ग की श्रेणी में आता है। शाहाबाद का प्राचीन दुर्ग बाराँ में **मुकुन्दरा पर्वत** श्रेणी की भामती पहाड़ी पर स्थित है। मुगल बादशाह औरंगजेब अपनी दक्षिण यात्रा के दौरान इस दुर्ग का उपयोग विश्राम स्थल के रूप में करता था। यह दुर्ग 9वीं शताब्दी में परमारों शासको द्वारा बनवाया माना जाता है। इसका पुनः निर्माण रणथम्भौर के शासक हम्मीर देव चौहान के वंशज चौहान राजा मुकुट मणि देव ने 1521 ई. में करवाया था। मुगलों के शासनकाल में इस दुर्ग का वर्तमान नाम शाहबाद पड़ा है। औरंगजेब के काल में इस दुर्ग में मुगल फौजदार मकबूल ने जामा मस्जिद बनवाई।
- यहाँ रखी **नवलवान तोप** विख्यात है।

लोहागढ़ दुर्ग (भरतपुर)

- 1733 ई. में महाराजा सूरजमल ने निर्मित करवाया।
- यहाँ पहले एक कच्ची गढ़ी थी जिसका निर्माण खेमकरण सोगरिया ने करवाया था।
- यह दुर्ग 'राजस्थान का सिंहद्वार' व पूर्वी सीमान्त का प्रहरी कहलाता है। किला दोहरी बाहरी प्राचीर का बना भीत री प्राचीर ईंट, पत्थर की बनी व बाहरी प्राचीर मिट्टी की बनी है जिस पर तोप के गोलों का असर नहीं होता था। किले के चारों ओर एक पानी भरी गहरी खाई होने के कारण यह दुर्ग पारिख दुर्ग की श्रेणी में आता है।
- 1765 ई. में महाराजा जवाहर सिंह ने दिल्ली के लाल किले से अष्टधातु के किवाड़ लाकर किले के दक्षिणी द्वार पर लगवाए।
- इस किले को न तो मुगल जीत सके न अंग्रेज।
- इसी दुर्ग में **कचहरी कला** स्थित है। जिसमें मार्च, 1948 को **मत्स्य संघ** का उद्घाटन **सरदार वल्लभ भाई पटेल** द्वारा किया गया था।

भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगाँठ

- भारत सरकार द्वारा 7 नवंबर, 2025 को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगाँठ मनाई गयी है|
- संविधान सभा ने वंदे मातरम को 24 जनवरी, 1950 को आधिकारिक रूप से पहले दो छंदों को 'राष्ट्रीय गीत' के रूप में अपनाया गया तथा लक्ष्मीकान्त मैत्र की अगुवाई में गाया गया।
- हाल ही में भारत सरकार ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय के अनुसार अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। यह आदेश 28 जनवरी को जारी हुआ।
- **वंदे मातरम के लिए नये दिशा-निर्देश-** अब देश में राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत गाए/बजाया जाएगा तथा सामूहिक रूप से पूरे छह पैरा गाए/बजाए जाएंगे। राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे पूरे 3 मिनट 10 सेकंड में गाये जायेगे।
- **कब-कब गाया जाएगा राष्ट्रगीत-** किसी कार्यक्रम में राष्ट्रपति के पहुंचने पर, राष्ट्रपति के संबोधन से पहले और बाद में, तिरंगा फहराते समय, राष्ट्रध्वज को परेड में लाते समय आदि विभिन्न अवसरों पर।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि-

- 'वंदे मातरम', जिसका अर्थ है "माँ, मैं तुम्हें प्रणाम करता हूँ", भारतीय राष्ट्रवाद का एक अमर युद्धघोष रहा है। यह गीत पहली बार 1875 में प्रकाशित हुआ था। इस तथ्य की पुष्टि श्री अरबिंदो द्वारा 16 अप्रैल 1907 को अंग्रेजी दैनिक 'बंदे मातरम' में लिखे एक लेख से होती है। 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर के गायन से शुरू होकर, यह 1905 के स्वदेशी आंदोलन का मुख्य स्वर बना और इसी वर्ष वाराणसी अधिवेशन में इसे राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया गया।
- अक्टूबर 1905 में 'वंदे मातरम संप्रदाय' की स्थापना ने इसे एक मिशन बना दिया। ब्रिटिश सरकार ने बारीसाल सम्मेलन (1906) में इस पर रोक लगाई और रंगपुर में छात्रों पर जुर्माना भी किया, फिर भी दमन के बावजूद यह गीत लाहौर से लेकर तूतीकोरिन के मजदूरों और बॉम्बे कोर्ट तक फैल गया। बिपिन चंद्र पाल और श्री अरबिंदो के संपादन में निकले 'वंदे मातरम' दैनिक ने इस वैचारिक चेतना को और अधिक धार दी।
- विदेशी धरती पर भी, मैडम भीकाजी कामा द्वारा फहराए गए तिरंगे पर यह अंकित था, तो मदन लाल ढींगरा के अंतिम शब्द भी यही थे। जिनेवा से इसी नाम की पत्रिका का प्रकाशन और केप टाउन में गोखले का भव्य स्वागत, इसकी वैश्विक गूँज का प्रमाण है।

बंकिम चंद्र चटर्जी

- वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी (1838–1894), 19वीं सदी के बंगाल की सबसे जानी-मानी हस्तियों में से एक थे। यह एक जाने-माने उपन्यासकार, कवि और निबंधकार थे।
- 19वीं सदी के दौरान बंगाल के बौद्धिक और साहित्यिक इतिहास में उनकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।
- उनके साहित्यक विशेष कार्यों में आनंदमठ (1882), दुर्गेश नंदिनी (1865), कपालकुंडला (1866), और देवी चौधरानी (1884) शामिल हैं।

वन्दे मातरम्।

सुजलाम् सुफलाम् मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 1।।

शुभ्रज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुरभाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 2।।

कोटि-कोटि कण्ठ कल-कल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
के बॉले माँ तुमि अबले,
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीम्,
रिपुदलवारिणीं मातरम्। वन्दे मातरम्।। 3।।

तुमि विद्या तुमि धर्म, तुमि हृदि तुमि मर्म,
त्वम् हि प्राणाः शरीरे, बाहुते तुमि माँ शक्ति,
हृदये तुमि माँ भक्ति, तोमारेई प्रतिमा गड़ि मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम् ।। 4।।

त्वम् हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम्,
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्। वन्दे मातरम्।। 5।।

श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम्,
धरणीम् भरणीम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 6।।

सम्यक् करेंट अफेयर्स - मई 2026 अंक पर आधारित टेस्ट

कुल प्रश्न : 100 अंक : 200

1. हाल ही में राजस्थान विधानसभा में विभिन्न समितियाँ गठित की गयी है, इन समितियों के अध्यक्ष के सन्दर्भ में असत्य युग्म है-

समिति		अध्यक्ष
(a) जनलेखा समिति	-	श्री टीकाराम जूली
(b) प्राक्कलन समिति 'क'	-	श्री संदीप शर्मा
(c) प्राक्कलन समिति 'ख'	-	श्री मानवेन्द्र सिंह
(d) राजकीय उपक्रम समिति	-	श्री कालीचरण सराफ

2. हाल ही में भारत द्वारा पहलगाम हमले की प्रथम बरसी पर वाशिंगटन (अमेरिका) में किस विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था-

(a) आतंकवाद:- वैश्विक उन्मूलन की मांग
(b) आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता
(c) आतंकवाद:- मानवीय वेदना
(d) आतंकवाद की मानवीय कीमत

3. हाल ही में ग्रामीण भारत की दस लाख महिलाओं को डिजिटल इकोसिस्टम में सुरक्षित और आत्मविश्वास के साथ भाग लेने e-SafeHER पहल किसके द्वारा प्रारम्भ की गयी है-

(a) सी-डैक, हैदराबाद तथा चिन्मय फाउंडेशन द्वारा
(b) सी-डैक, हैदराबाद तथा इन्फोसिस फाउंडेशन द्वारा
(c) सी-डैक, हैदराबाद तथा विप्रो फाउंडेशन द्वारा
(d) सी-डैक, हैदराबाद तथा रिलायंस फाउंडेशन द्वारा

4. हाल ही में नीति आयोग ने नागरिकों और वैश्विक यात्रियों को एक संरचित और गहन दृष्टिकोण के माध्यम से भारत के विविध पर्यटन परिदृश्य का पता लगाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य किस नाम से संकलन जारी किया है-

(a) परिपूर्ण भारत- भारत की आत्मा की एक झलक
(b) विविधतापूर्ण भारत- भारत की आत्मा की एक झलक
(c) अखंड भारत- भारत की आत्मा की एक झलक
(d) दिव्य भारत- भारत की आत्मा की एक झलक

5. हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कितनी राशि के कोष के साथ स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 को मंजूरी प्रदान की है-

(a) ₹100 करोड़ के (b) ₹100000 करोड़ के
(c) ₹10000 करोड़ के (d) ₹1000 करोड़ के

6. हाल ही में जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (जयपुर डेयरी) द्वारा रीको के किस औद्योगिक क्षेत्र में नया प्लांट स्थापित किया जाने की घोषणा की है-

(a) घिलोट औद्योगिक क्षेत्र
(b) बिचून औद्योगिक क्षेत्र
(c) कासगंज औद्योगिक क्षेत्र
(d) झाडौल औद्योगिक क्षेत्र

7. हाल ही में टाइम्स हायर एजुकेशन ने 'टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026' जारी की है, इसमें किस देश की यूनिवर्सिटी ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है-

(a) सिंगापूर (b) जापान
(c) चीन (d) भारत

8. हाल ही में ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मोटर व्हीकल्स डिपार्टमेंट टेक्निकल ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा किसे "नेशनल रोड सेफ्टी एक्सीलेंस अवार्ड 2026" से सम्मानित किया गया है-

(a) दिनेश सिंह को
(b) रुमा देवी को
(c) केसर सिंह को
(d) नमोनारायण यादव को

9. हाल ही में विश्व बैंक ने राजस्थान में राज्य राजमार्गों की दक्षता, मजबूती और सुरक्षा सुधार के लिए कितनी राशि के ऋण की मंजूरी प्रदान की है-

(a) 100 मिलियन डॉलर
(b) 125 मिलियन डॉलर
(c) 225 मिलियन डॉलर
(d) 275 मिलियन डॉलर

10. हाल ही में राज्य में प्रोजेक्ट कराकल का शुभारंभ कहाँ से किया गया है-

(a) रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से

(b) सरिस्का वन्यजीव अभयारण से

(c) सीतामाता वन्यजीव अभयारण से

(d) कुम्भलगढ़ वन्यजीव अभयारण से

11. हाल ही में कथाकार एवं फिल्म निर्देशक ऊषा दशोरा की फिल्म 'मैंने कभी चिड़िया नहीं देखी' का चयन नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 15वें दिल्ली इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल-2026 के लिए हुआ है, ऊषा दशोरा राज्य के किस जिले से है-

(a) जोधपुर (b) सीकर

(c) भरतपुर (d) जयपुर

12. हाल ही में किसने मिस ग्रैंड राजस्थान-2026 का खिताब अपने नाम किया है-

(a) हिमानी चारण ने

(b) मीनाक्षी छापोला ने

(c) शुरभी विजयवर्गीय ने

(d) सीमा हिरन्या ने

13. राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2026 जो जवाहर कला केन्द्र, जयपुर में आयोजित हुआ था, का आयोजक था-

(a) रीको (b) आयोजन विभाग

(c) कॉनफेड (d) रीति आयोग

14. हाल ही में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026 के लिए दिल्ली में रोड शो आयोजित किया गया था-

(a) 7 अप्रैल, 2026 को

(b) 1 अप्रैल, 2026 को

(c) 13 अप्रैल, 2026 को

(d) 17 अप्रैल, 2026 को

15. हाल ही में किसे राजस्थान में विधायक विधि खर्च में हो रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली खोजी रिपोर्ट के लिए प्रतिष्ठित 'दानिश सिद्दीकी जर्नलिज्म अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया है-

(a) प्रद्युमन चतुर्वेदी (b) अवधेश आकोदिया

(c) सी.के.पन्त (d) राम मनोहर

16. हाल ही में जयपुर निवासी रेखा मीणा को एथेंस (यूरोप) में आयोजित समारोह में वर्ष 2025 के लिए प्रतिष्ठित 'गुड डिजाइन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है, यह अवॉर्ड पाने वाली वह एशियाई की –(?)--- महिला बनी है।

(a) पहली (b) तीसरी

(c) पांचवीं (d) सातवीं

17. हाल ही में कोटा जिले अरुंधती चौधरी ने मंगोलिया में आयोजित एशियन बॉक्सिग चैंपियनशिप में कौनसा पदक जीता है?

(a) कांस्य पदक (b) स्वर्ण पदक

(c) रजत पदक (d) कांस्य और रजत पदक

18. हाल ही में राज्य सरकार ने किस गाँव को पूर्ण जैविक ग्राम बनाने के लिए सहमती प्रकट की है-

(a) किलाना गाँव कों

(b) किशोरगढ़ गाँव को

(c) सहजसर गाँव को

(d) राघुनाथपुर गाँव को

19. हाल ही में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 11 अप्रैल, 2026 को किस जिले में महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्री बाई फुले की जीवनी पर आधारित पेनोरमा और पुस्तकालय बनाने की घोषणा की है-

(a) जोधपुर में (b) बूंदी में

(c) भरतपुर में (d) सीकर में

20. हाल ही में भारत के किस शहर में पहली पॉड टैक्सी परियोजना का उदघाटन किया गया है-

(a) बैंगलूर में (b) दिल्ली में

(c) चेन्नई में (d) मुम्बई में

21. हाल ही में राजस्थान को उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र किये गए प्रयासों के परिणामस्वरूप इंडिया जस्टिस रिपोर्ट में देश के बड़े राज्यों की श्रेणी में कौनसा स्थान प्राप्त हुआ?

(a) चौथा स्थान (b) पहला स्थान

(c) तीसरा स्थान (d) सातवाँ स्थान

22. हाल ही में किसे आंध्रप्रदेश की एकमात्र राजधानी घोषित किया गया है-

(a) कुरनूल (b) विशाखापत्तनम

(c) अमरावती (d) हैदराबाद

23. हाल ही में किस देश ने भारत के साथ रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट (RELOS) समझौते को लागू कर दिया है-

(a) इजरायल (b) रूस

(c) संयुक्त अरब अमीरात (d) जापान

24. हाल ही में टाइम मैगजीन ने दुनिया के 100 प्रभावशाली लोगों की सूची जारी की है, इस सूची में भारतीय मूल के शामिल व्यक्ति है-

(a) सुंदर पिचाई, रणबीर सिंह, विकास बरार

(b) सुंदर पिचाई, रणबीर सिंह, विकास खन्ना

(c) सुंदर पिचाई, रणबीर कपूर, विकास खन्ना

(d) नरेंद्र मोदी, सुंदर पिचाई, रणबीर कपूर

25. हाल ही में किस देश के सदन ने ग्लेशियर क्षेत्रों में खनन करने के लिए लाये गए विधेयक को मंजूरी प्रदान की है-

(a) अर्जेंटीना (b) चिली

(c) उरुग्वे (d) अमेरिका

26. हाल ही में कौनसा देश अमेरिका-नेतृत्व वाले पैक्स सिलिका समूह का 13वां सदस्य बना है-

(a) भारत (b) दक्षिण कोरिया

(c) ताइवान (d) फिलीपींस

27. हाल ही में किसके द्वारा "From Borrowers to Builders: Women and India's Evolving Credit Market" रिपोर्ट जारी की गयी है-

(a) भारतीय रिजर्व बैंक (b) नीति आयोग

(c) केन्द्रीय श्रम मंत्रालय (d) वित्त मंत्रालय

28. हाल ही में कहा पर भारत की पहली उन्नत 3डी सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई का उद्घाटन हुआ है-

(a) भुवनेश्वर (b) अमरावती

(c) बेंगलुरु (d) चेन्नई

29. हाल ही में इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी के अनुसार साल 2025 में कौनसा देश विश्व में सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा बाजार बना है-

(a) भारत (b) चीन

(c) अमेरिका (d) जर्मनी

30. हाल ही में शेखा झील पक्षी अभयारण्य को रामसर स्थल का दर्जा दिया गया है, यह भारत का कौनसा रामसर स्थल बना है-

(a) 97वाँ रामसर स्थल (b) 98वाँ रामसर स्थल

(c) 99वाँ रामसर स्थल (d) 95वाँ रामसर स्थल

31. हाल ही में साध्वी सतीश सैल फेमिना मिस इंडिया-2026 चुनी गयी है, इस प्रतियोगिता में फर्स्ट रनर अप कौन रही है-

(a) करिश्मा देवना (b) राजनंदिनी पवार

(c) सौम्या देवा (d) ललित नुमैद

32. हाल ही में 20 सिटीज़ टुवर्ड्स ज़ीरो वेस्ट पहल के प्रथम संस्करण में शामिल होने वाला भारत का एकमात्र शहर बना है-

(a) जयपुर शहर (b) वर्कला शहर

(c) मदुरै शहर (d) कलकता शहर

33. हाल ही में हाल ही में मेघालय सरकार ने 'मेघालय आधिकारिक भाषा अध्यादेश, 2026' के द्वारा कौनसी भाषा को अंग्रेजी के साथ आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया है-

(a) खासी भाषा को

(b) गारो भाषा को

(c) गारो और खासी दोनों भाषाओं को

(d) जयंतिया भाषा को

34. हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर उद्घाटन किया है, यह मंदिर है-

(a) पश्चिम बंगाल में (b) केरल में

(c) कर्नाटक में (d) तमिलनाडु में

35. हाल ही में ओडिशा के लखनपुर में प्रस्तावित कोल टू अमोनियम नाइट्रेट परियोजना के लिए भूमि पट्टा समझौते पर हस्ताक्षर हुए है, इस परियोजना की क्षमता है-

(a) 200 टन प्रति दिन

(b) 100 टन प्रति दिन

(c) 1,000 टन प्रति दिन

(d) 2,000 टन प्रति दिन

36. हाल ही में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने बूस्ट इलेक्ट्रिक जंप टेक-ऑफ तकनीक परियोजना के लिए किसके साथ

समझौता किया है-

(a) आर्चरी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड से
(b) लिकोर एविएशन प्राइवेट लिमिटेड से
(c) केसी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड से
(d) टारगेट एविएशन प्राइवेट लिमिटेड से

37. हाल ही में आईएनएस तारागिरी 3 अप्रैल, 2026 को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना में सम्मिलित किया गया है, यह प्रोजेक्ट 17-ए श्रेणी का कौनसा शक्तिशाली युद्धपोत है-

(a) दूसरा (b) तीसरा
(c) चौथा (d) पाँचवा

38. हाल ही में सौर तंतुओं के दोलनों का विश्लेषण करके उनके भौतिक गुणों को मापने की एक नई तकनीक खोजी गयी है, यह तकनीक आधारित है-

(a) प्रोमिनेंस ओसिनोलोजी पर
(b) निओन सीस्मोलॉजी पर
(c) प्रोमिनेंस सीस्मोलॉजी पर
(d) निओन ओसिनोलोजी पर

39. हाल ही में इसरो ने 2 से 9 अप्रैल, 2026 तक कहाँ पर मित्रा मिशन का संचालन किया है-

(a) लेह-लद्दाख में (b) बैंगलूर में
(c) अमरावती में (d) चेन्नई में

40. हाल ही में नियोनकोवैक्स वैक्सीन सुर्ख़ियों में थी, यह वैक्सीन किस रोग के लिए प्रभावी है-

(a) मलेरिया (b) हृदय घात
(c) कुष्ट रोग (d) कैंसर

41. हाल ही में लॉरा कारडोसो टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच की एक पारी में नौ विकेट लेने वाली दुनिया की पहली गेंदबाज बनी है, लॉरा ने यह रिकार्ड किस देश की टीम के खिलाफ बनाया है-

(a) लेसोथो की टीम के खिलाफ
(b) जिम्बाबे की टीम के खिलाफ
(c) दक्षिण अफ्रीका की टीम के खिलाफ
(d) श्रीलंका की टीम के खिलाफ

42. हाल ही में 5 से 12 अप्रैल के मध्य आईएसएसएफ (इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन) विश्व कप-2026 का आयोजन कहाँ किया गया है-

(a) स्पेन में (b) दक्षिण कोरिया में
(c) जापान में (d) चीन में

43. हाल ही में आर. वैशाली फीडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट-2026 की विजेता बनी है, आर.वैशाली ने इस टूर्नामेंट में किसको पराजित किया है-

(a) ग्रैंडमास्टर रूमी नोआव को
(b) ग्रैंडमास्टर कतेरीना लाग्नो को
(c) ग्रैंडमास्टर सिओर लरो को
(d) ग्रैंडमास्टर नामिदा किसोनी को

44. हाल ही में विक्टर एक्सेलसन ने बैडमिंटनन से संन्यास की घोषणा की है, यह किस देश के बैडमिंटनन खिलाड़ी है-

(a) ब्रिटेन के (b) अमेरिका के
(c) दक्षिण कोरिया के (d) डेनमार्क के

45. हाल ही में रूपा बायर ने विश्व ताइक्वांडो की रैंकिंग में पांचवां स्थान हासिल किया है, रूपा बायर का संबंध किस राज्य से है-

(a) कर्नाटक से (b) अरुणाचल प्रदेश से
(c) मणिपुर से (d) सिक्किम से

46. हाल ही में किसे एम.एस. स्वामीनाथन पुरस्कार-2024-25 से नवाजा गया है-

(a) डॉ. सी. एच. श्रीनिवास राव को
(b) सौम्या स्वामीनाथन को
(c) डॉ. विवेक दशोरा
(d) डॉ. प्रद्युमन पांडे को

47. हाल ही में विजडन क्रिकेटर्स अल्मनैक पुरस्कार-2026 की घोषणा की गयी है, इन पुरस्कारों के सन्दर्भ में असत्य युग्म है-

(a) लीडिंग मेन क्रिकेटर इन द वर्ल्ड- मिशेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया)
(b) लीडिंग वीमेन क्रिकेटर इन द वर्ल्ड- दीप्ति शर्मा (भारत)
(c) लीडिंग टी-20 क्रिकेटर इन द वर्ल्ड- हार्दिक पांड्या (भारत)
(d) विजडन ट्राफी (आउट्स्टेंडिंग इंडिविजुअल परफॉर्मेंस)- शुभमन गिल (भारत)

48. हाल ही में किस व्यक्तित्व को अमरीका के यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के 'इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया है-

(a) जनरल आसिफ मुनीर को
(b) जनरल उपेंद्र द्विवेदी को
(c) शहबाज शरीफ को
(d) नरेंद्र मोदी को

49. हाल ही में किसे नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है-

(a) अशोक कुमार लाहिड़ी
(b) राजीव गौबा
(c) प्रो.के.वी.राजू
(d) प्रो.गोबर्धन दास

50. हाल ही में किस व्यक्तित्व को लगातार तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति के पद पर चुना गया है-

(a) हरिवंश नारायण सिंह
(b) शुभेन्द्र अधिकारी
(c) के.सी.कृष्णा
(d) राम अहुहिया

51. हाल ही में उचरल न्याम-ओसोर को किस देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है-

(a) मंगोलिया का (b) कजाकिस्तान का
(c) ईरान का (d) ताइवान का

52. .....

सम्पूर्ण टेस्ट पेपर देने के लिए SAMYAK एप डाउनलोड करे---

सम्यक् वाहक बना है हजारों अभ्यर्थियों की सफलता में

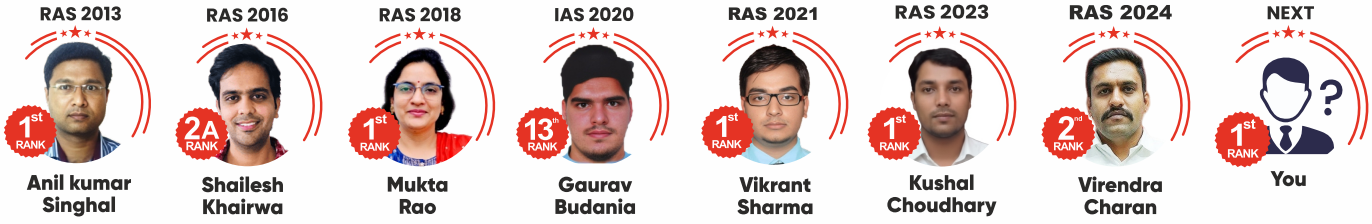

सम्यक् मार्गदर्शन = सर्वश्रेष्ठ परिणाम

TOPPERS 2024

TOPPERS 2023

TOPPERS 2021

TOPPERS 2018

TOPPERS 2016

TOPPERS 2013

IAS & RAS में सफलता - सम्यक् है तो संभव है

Samyak
An Institute For Civil Services

RAS-2024 RESULT

सम्यक् मार्गदर्शन सर्वश्रेष्ठ परिणाम

RANK 2
Virendra Charan

RANK 3
Navneet Sharma

RANK 4
Ravindra Singh

RANK 5
Vikash Siyag

RANK 6
Aishwarya Kanwar

RANK 7
Dinesh

RANK 9
Bhoopender Singh

07 RANKS in TOP 10 | **56 RANKS in TOP 100** | **690+ SELECTION in RAS-2024**

IAS | RAS

FOUNDATION &

क्लास 12th के बाद ग्रेजुएशन के साथ
2 & 3 वर्षीय कोर्स

PSI

PAPER 1st & PAPER 2nd

COURSE FEATURE

- विषय विशेषज्ञों द्वारा क्लासेज
- प्रिंटेड बुकलेट्स / ई-नोट्स*
- टेस्ट सीरीज
- पर्सनल मेंटरशिप
- लाइब्रेरी सुविधा*
- ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन कोर्स निःशुल्क

Offline & Online Separate Batches For Hindi & English Medium

HEAD OFFICE: NEAR RIDDHI - SIDDHI, JAIPUR 9875170111

सम्यक् मार्गदर्शन = सर्वश्रेष्ठ परिणाम

RAS 2024 में TOP 10 में 7, TOP 100 में 55, सहित 690+ चयन

सभी सफल प्रतिभाओं को हार्दिक बधाई!

RANK 2

VIRENDRA CHARAN

RANK 3

NAVNEET SHARMA

RANK 4

RAVINDRA SINGH

RANK 5

VIKASH SIYAG

RANK 6

AISHWARYA KANWAR

RANK 7

DINESH

RANK 9

BHOOPENDER SINGH

RANK 12

KULDEEP SHARMA

RANK 13

KAILASH KUMAR

RANK 16

KAILASH RANWA

RANK 18

UMANG RAWAL

RANK 23

SAHDEV BIDADA

RANK 24

PARAMVEER SINGH

RANK 25

SWAROOP SINGH

RANK 26

AANCHAL NAGPAL

RANK 27

MAMTA LIMBA

RANK 28

ARIHANT JAIN

RANK 29

SIMRAN SHEKHAWAT

RANK 30

VINAY MOHAN

RANK 31

ANSHIKA AGARWAL

RANK 33

LOKENDRA SINGH

RANK 34

VIKAS CHOUDHARY

RANK 35

SANJU

RANK 36

KRISHANPAL SHEKHAWAT

RANK 43

JITENDRA

RANK 45

AMAR SINGH RATHORE

RANK 46

MANASVINI VERMA

RANK 48

TULSI

RANK 49

RAMAVTAR MUNDEL

RANK 50

DHARMRAJ SINGH RAO

RANK 52

BHOOMIKA TRIVEDI

RANK 55

RONAK

RANK 57

POONAM

RANK 58

SACHIN AGRAWAL

RANK 59

PARUL CHOUDHARY

RANK 61

KAMLESH KR SHARMA

RANK 65

ARIMARDAN CHAUHAN

RANK 66

UNNAT KISHOR RAJORA

RANK 70

KRITIKA GAUR

RANK 71

URMILA VISHNOI

RANK 73

JAYESH PRAJAPAT

RANK 74

MAHENDRA DAN

RANK 76

SIDDHARTH DHAKAD

RANK 77

JYOTSANA RANAWAT

RANK 78

CHOUDHARY MADHU ROOPARAM

RANK 79

NITESH GUPTA

RANK 80

VIKASH BISHNOI

RANK 82

DAMODAR PAREEK

RANK 83

KAILASH KUMAR

RANK 84

SHYAM SUNDER MEENA

RANK 85

MOHIT GODARA

RANK 86

NARASI RAM BISHNOI

RANK 87

RAM RATAN BATESAR

RANK 88

MAHENDRA CHOUDHARY

RANK 99

GHAMANDA RAM

RANK 100

VANDANA PATEL

+690...